

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 6 46]

नर्ड दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 15, 1986 (कातिक 24, 1908)

No. 461

NEW DELHI, SATURDAY. NOVEMBER 15, 1986 (KARTIKA 24, 1908)

इस भाग में भिन्न पृथ्ठ संख्या दी जाती। है जिसते कि यह अलग संस्ता के स्वा में रखा जा सके (Beparate paging is given to the 23 in ander that it way to that as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

## [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखायरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेज विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

कार्मिक तथा प्रशिक्षण, प्रशा० सुधार, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 20 श्रक्तूबर 1986

सं० बी-5/69-प्रशासन-5—राष्ट्रपति, केन्द्रीय स्नन्वेषण ब्यूरो के उप विधि सलाहकार, श्री बी० वाई० राजु को दिनांक 13-10-86 (स्नपराह्न) से स्नगले स्नादेश होने तक, कें० स्न० ब्यूरो में, स्नपर विधि सलाहकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-20023/1/76-प्रशा०-5—प्रत्यावर्तन होने पर, श्री कृष्ण कुमार, लोक ग्रभियोजक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, जम्मू यूनिट की सेवाएं, दिनांक 8 सितम्बर, 1986 ग्रपराह्न से जम्मू एवं कश्मीर राज्य पुलिस को सौंपी जाती हैं।

धर्मपाल' भल्ला प्रशासन श्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्युरी केन्द्रीय सतर्कता आयोग नई दिल्ली, दिनांक 21 अक्तूबर 1986

RED NO. D-(DN)-73

सं० 2/18/85-प्रशासन—केन्द्रीय सतकता म्रायुक्त एतद्द्वारा, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के सहायक म्रभियन्ता (सिविल) श्री एस० के० मित्तल को इस म्रायोग में सहायक तकनीकी परीक्षक (सिविल) के पद पर स्थानापन्न रूप से वेतनमान रू० 2000-60-2300-द० रो० 75-3200-100-3500 के म्रतिरिक्त रू० 150 विशेष वेतन में 1-10-1986 (पूर्वाह्न) से म्रगले म्रादेश तक नियुक्त करते हैं।

## दिनांक 22 श्रक्तूबर 1986

सं० 1/2/85-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता स्रायुक्त एतद्-द्वारा इस स्रायोग में स्थायी सहायक श्री कंवल नैन को स्रनुभाग स्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से वेतनमान रू० 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 में 22-9-86 (पूर्वाह्म) से 3 माह की स्रविध के लिए या स्रगले स्रादेश तक जी भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

> मनोहर लाल ग्रवर सचिव (प्रशासन) कृते केन्द्रीय सतर्कता स्रायुक्त

## गृह मंत्रालय

## पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो

## नई दिल्ली, दिनांक 23 ग्रक्तूबर 1986

सं० 18/11/86-प्रणा०-II---केन्द्रीय अंगुल छाप ब्यूरो, कलकत्ता के उप श्रधीक्षक श्री ग्रो० यू० चेरियन को केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल, चंडीगढ़ में दिनांक 28 जुलाई, 1986 (ग्रपराह्म) से पुलिस उप श्रधीक्षक (ग्रनुदेशक श्रथीत् इंस्ट्रक्टर) के पद पर प्रतिनियुक्ति ग्राधार पर प्रथम दृष्टांत में एक वर्ष के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० 18/12/86-प्रणा०-II---केन्द्रीय अंगुलिछाप ब्यूरो कलकत्ता के निरीक्षक श्री एस० एन० बैनर्जी को केन्द्रीय गुप्तचर प्रणिक्षण स्कूल, कलकत्ता में पुलिस उप-श्रधीक्षक (प्रमुदेशक श्रर्थात् इंस्ट्रक्टर) के पद पर प्रथम दृष्टांत में विनाक 14 जुलाई, 1986 (पूर्वाह्म) से एक वर्ष के लिए प्रति-नियुक्ति पर नियुक्त किया जाता है।

एस० के० मिल्लिक महा निदेशक

## महानिवेशालय, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-110003, विनांक 23 श्रक्तूबर 1986

सं० ई-28017/10/84-कार्मिक-II—निवर्तन की म्रायु होने के फलस्वरूप सेवा निवृत्त होने पर, श्री म्रार० आनकी-रमन, ने 30 सितम्बर, 1986 के म्रपराह्न से के० ओ० सु० ब० मृष मुख्यालय, मद्रास के सहायक कमांडेंट के पद का कार्य-भार छोड़ दिया।

> (ह०) श्रपठनीय महानिदेशक, के० ओ० सु०

#### श्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय

श्रम विभाग (श्रम ब्यूरो)

शिमला-171004, विनांक: 7 नवम्बर 1986

सं 5/1/86-सी पी. आई .— सितम्बर, 1986 में आँखोगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960—100) अगस्त, 1986 के स्तर 672 से बार अंक बढ़ कर 676 (: छः सी छियस्तर) रहा। सितम्बर, 1986 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949—100 पर परि-वर्षित किए जाने पर 822 (आठ सी बाईस) आता है।

बस राम उप-निष'शक श्रम ब्यूरो

## भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग महालेखाकार (ले० व ह०) का कार्यालय, केरल तिरुवनन्तपुरम, विनांक 6 श्रक्तूबर 1986

सं० ले० व ह०/का० स्था० (ह० व रो०)/4/10-3/85-86-इस कार्यालय के निम्नलिखित कर्मचारी श्रिधिवर्षिता के कारण 30-9-1986 श्रपराह्न से सेवानिवृत्त हो गया है।

श्री एन० एस० नीलकण्डन् नायर —लेखा श्रधिकारी । एम० एम० वी० श्रण्णावी महासेखाकार

मालेखाकार (ले॰ प॰) का कार्यालय, महाराष्ट्र बम्बई-400020, विनांक 23 श्रक्तुबर 1986

सं० प्रशा० 1/ले० प०/सामान्य/ले० प०ग्र०/स०ले०प०ग्र०/1 (1)/3—महालेखाकार (लेखा परीक्षा) , महाराष्ट्र के निम्न-लिखित श्रधिकारी, ग्रधिवर्षिता के कारण, दिनांक 30-9-1986 श्रपराह्म से, सेवानिवृत्त हुए:—

श्री एस० वाय० भिडे लेखा परीक्षा श्रिष्ठकारी
 श्री श्रार० बी० पड्कोण लेखा परीक्षा श्रिष्ठकारी

3. श्री भ्रार० एन० मुलबागल लेखा परीक्षा ग्रिधिकारी

श्री भ्रार० पी० पाटिल सहायक लेखा परीक्षा भ्रधिकारी

सं० प्रणा०-1/ले०प०/सामान्य/ले० प० प्र०/1(1)/4--महालेखाकार महोदय ने निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारियों को उनके नामों के समक्ष लिखी गयी तिथियों से प्रभावी, पुनः ग्रादेश जारी होने तक, लेखा परीक्षा प्रधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त किया है।

ऋ० नाम सं०	ले० प० ग्रा० पद पर नियुक्तिकी तिथि
1. श्री भ्रार० पी० देवरस	18-9-86 (पूर्वाह्म)
2. श्री पी० जी० जोशी	1-9-86 "
3. श्री जी० एम० मातोडे	18-9-86
4. श्री एस० एस० वैद्य	15-9-86 ,,

शुभ लक्ष्मी वरिष्ठ उप महालेखाकार /प्रशासन

रक्षा मंत्रालय

भारतीय श्रार्डनेन्स फैक्टरियां सेवा ग्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 14 ग्रक्तूबर 1986

सं० 68/जी/86—निरक्षण जिम्मेदारियों के डी०जी०ग्नाई० से डी० जी०ओ० एफ० में स्टेज/इन्टर स्टेज को हस्सान्तरण के फलस्वरूप राष्ट्रपति, महोदय, निम्नलिखित अन्तरित डी० जी० आई० अधिकारियों को जे० एस० ओ०/एस० आरे० के बद पर आयुध निर्माणीयों में दिनांक 15-10-84 से नियुक्त करते हैं:—

## जे० एस० ओ० (इंजीनियर)

- 1. श्री जे० एम० धाउयान
- 2. श्री बी० ग्रार्० शर्मा
- 3. श्री एस० वी० श्रीवास्तवा
- 4. श्री प्रेम सरण
- 5. श्री वी० संकरण
- 6. श्री एम० बी० थमास
- 7. श्री एस० के० ट्यानडन
- 8. श्री वीरेन्द्र सिंह
- 9. श्री पी० के० दिवेदी
- 10. श्रीं के० एल० साहा
- 11. श्री लाल चन्द
- 12 श्री मुरारी लाल

## (रसायनबिस्त)

- 1. श्री एम० सुवामानियम
- 2. श्री जे० उयाई० जिनगोडे
- 3. श्री आर० एन० बोटे
- 4. श्री एम० के० कामबेल
- 5. श्री बी० प्रभाकर
- 6. श्रीं टि॰ वी॰ माणि
- 7. श्री जि० श्रार० जोशी
- 8. श्री एस० एन० म्रतावयाडे
- 9. श्री बी० टि० ईले
- 10. श्री पि० डी० सेनडे
- 11 श्री के० सुकुमारन
- 12. श्री बि०डी० रामुगाडी
- 13. श्री स्नार० पी० राय

## (धातुकर्मी)

- 1. श्री डि॰ के॰ दत्ता
- 2. श्रीके० डी० स्यामी

एस० भ्रो० (गैर तकनीकी)

- 1. श्री वी० ईउ० यादव
- 2. श्री जी० एस० रेखी

#### वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 23 श्रक्तूंबर 1986 श्रायात-निर्यात व्यापार नियन्त्रण

#### (स्थापना)

सं० 1/17/86-प्रशा०-(राज०)/5095—राष्ट्रपति, श्री एस० के० सूद, भारतीय प्रशा० सेवा (हिमाचल प्रदेश: 71) को संयुक्त मुख्य नियन्त्रक श्रायात-निर्यात (केन्द्रीय लाइसेंसिंग क्षेत्र) नई दिल्ली के रूप में, भारत सरकार के निदेशक के वेतन के बराबर के वेतन, पर 13 श्रक्तूबर, 1986 के पूर्वाक्ष से अगला ग्रादेश जारी होने तक नियुक्त करते हैं।

> राजीय लोचन मिश्र मुख्य नियंत्रक, भायात-निर्यात

## (वाणिज्य विभाग)

वाणिज्यिक जानकारी एवं अंक संकलन महानिदेशालय

कलकत्ता-700001, दिनांक 2 जून 1986

सं० एस्ट-1/1(1)85/10775—इस निदेशालय की अधि-सूचना सं० एस्ट-1/1(1)85/5837, विनांक 20-11-1985 को अनुवर्ती में श्री कुमुद रंजन विश्वास, स्थायी अधीक्षक, वाणिज्यिक जानकारी एवं अंकसंकलन महानिदेशालय, कलकसा कों, 15-5-86 से अगले तीन महीनों की श्रवधि हेतु यंत्र सारणीयन अधिकारी (मशीन टेबुलेशन, अफसर) के पद पर,, तदर्थ श्राधार पर बने रहने की श्रनुमति दी जाती है।

नियुक्तिकी शर्तें पूर्ववत बनी रहेंगी।

एस० धार० सेनगुप्ता वरिष्ठ उप महानिदेशक

#### वस्त्र मंत्रालय

## वस्त्र ग्रायुक्त का कार्यालय

## बम्बई-20, दिनांक 22 श्रक्तूबर 1986

सं० 2(3)ई०एस० टी०-1/86/4435— बस्त्र ग्रायुक्त के प्रावेशिक कार्यालय ग्रहमदाबाद के श्री के० एच० भाटिया नियमित सहायक निदेशक, श्रेणी दो (ग्र० त०), जो तवर्ष ग्राधार पर श्रेणी एक (ग्र० त०) के रूप में स्थानापन्न थे, दिनांक 5-5-1986 के ग्रपराह्य से स्थेण्छा से सेवा निवृत्त हो गए।

एम० ए० ग्रसहन संयक्त निदेशक/जी

धरण कुमार वस्त्र भाव्यत

#### उद्योग मंत्रालय

#### श्रीद्योगिक विकास विभाग

विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 2 मितम्बर, 1986

सं० ए-19018(120)/73-प्रशा०(राज०)—राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थात, ब्रिच्र के महायक निदेशक, ग्रेड-1 (इलैक्ट्रोनिक्स) श्री वी० के० हसन, का सरकारी सेवा से त्यागपत विनांक 18-12-84 (श्रपराह्न) से स्वीकार करने हैं।

राधारमण फौजदार उप निदेशक (प्रणा०)

## नई दिल्ली, दिनांक 15 अन्तूबर, 198 6

सं॰ 1908, (761)/84-प्रणा॰ (राज॰)—राष्ट्रपति, श्री ग्रमिताव भौमिक को दिनांक 12 सितम्बर, 1986 से श्रमले भादेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली में सहायक भौधोगिक डिजाइनर के रूप में नियुक्त करते हैं।

## दिनांक 20 अन्तूबर, 1986

सं० 12(430)/64-प्र शा० (राज०)---राष्ट्रपति, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, नई दिल्ली के उपनिदेशक श्री टी० एन० बामु (क्षातु कर्म) को, दिनांक 19-9-86 (पूर्वाह्म) से अगले श्रादेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, नागपुर में, निदेशक, ग्रेड-2 (धानु-कर्म) के पद पर, तदर्थ श्राधार पर, नियुक्त करते हैं।

## दिनांक 21 ग्रब्तूबर, 1986

सं० ए०-19018 (778)/85-प्रणासन (राजपितन)---विकास श्रायुक्त (लवु उद्योग), श्री प्रार० के० सरकार को दिनांक 7-10-86 (पूर्वाह्म) से श्रमले श्रादेशों तक, विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली में, सहायक निदेशक (इंगलिश) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> सी० सी० राय उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात श्रौर खान मंद्राक्षय इस्पात विभाग लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 14 श्रवत्वर 86

संबर्धः न्यान्य (1)/85(.) -- श्रघोहस्तक्षरी एत द्वारा श्री सुशील कुमार वे, अधीक्षक को विनांक 1-10-1986 के पूर्वाह्र ने श्री र्घः पीर नारायणन, सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक की अवकाश रिन्ति पर सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक के पद पर तक्ष रूप से नियुद्ध करते हैं।

दीपक कुमार घोष

(खान विभाग)

## भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 16 श्रवतूबर, 1986

सं० 6856 बी/ए-19011 (1-ई० बी० श्रार० पी०)/86-19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भवैज्ञानिक (वरिष्ठ) श्री ई० वं८० आर० पार्थसारथी, ने भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) के पद का कार्यभार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 30 जुलाई, 1986 के अपराह्म से छोड़ दिया, ताकि वे श्रन्तरिक्ष विभाग, भारत सरकार में वैज्ञानिक/श्रभियन्ता एस० ई० के पद का कार्यभार 1500-2000 क० वेननमान में, प्रारम्भिक रूप में दो वर्ष की विधि के लिए, प्रति नियुक्ति की सामान्य शर्तों पर प्रतिनियुक्ति पर ग्रहण कर सर्वे।

सं० 6856 बी/ए-19012(2-प्रार० के० एम०)/85-19त्री—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेशक श्री रमाकांन्त मिश्र को महायक भूभौतिकीविद के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के न्यूनतम वेतनगान में ग्रस्थायी क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक 28-4-1986 के श्रपराह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

मं० 6878 बी/ए-19012 (3-सी श्रार०)/85-19 बी—भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेणक , श्रीमती चिन्द्रमा राय को महायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के न्यूनतम बेतनमान में श्रम्थायी क्षमना में श्रागामी श्रादेण होने तक, 28-8-1986 के पूर्याह्र से नियुक्त कर रहे हैं।

#### दिनांक 20 श्रक्तूबर, 1986

सं० 6901 वी/ए-19012(2-जे० बी०आर०)/85-19 बी-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेणक श्री शम्मी वेकट रामा राव को सहायक भूवैज्ञानिक विद के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमानुकार 650-30-740-35-880-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 क० के वेतनमान के वेतन पर अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक 22-7-1986 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 6912 वी/ए-19012 (1-एम० प्रार०बी०)/83-19ए-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूवैज्ञानिक श्री एम० ग्रार० भूटियानी ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेश्वण में सहायक भूवैज्ञानिक के पद का कार्यभार 15-12-84 (श्रपराह्म) मे त्यागपत्र पर छोड़ दिया।

> श्रमित कुशारी निदेशक (कार्मिक)

## दूरदर्शन महानिदेशालय

## नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्तूबर, 1986

सं० 6/63/86-एस-2—पदोन्नत होने पर, स्राकाणवाणी डिब्रूगढ़ से उनका स्थानान्तरण होने के फलस्वरूप, दूरदर्णन महानिदेशक द्वाराश्री महादेव सर्माह को दूरदर्णन केन्द्र, गोहाटी में प्रशासनिक ग्रधिकारी के पद पर 29-8-86 (पूर्वाह्न) से नियुक्त किया जाता है।

वलबीर सिंह सन्धु प्रणासन उप निदेशक कृते महानिदेशक

## श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 ग्रक्तूबर 1986

सं० 17/4/84-एस-4(बी)—पदोन्नति के परिणाम-स्वरूप श्री पी० ग्रार० सुन्नामन्यम, वरिष्ठ इन्जीनियर सहायक ने 1-9-1986 (पूर्वाह्म) को दूरदर्शन उपग्रह केन्द्र, तुलसीपुर, कटक में सहायक ग्राभियन्ता का कार्यभार संभाल लिया है।

> बी० एस० जैन, प्रशासन उप निदेशक कृते महानिदेशक

## सूचना और प्रमारण मंत्रालय

#### प्रकाशन विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1986

मं० ए-12025/2/84-प्रशामन-I--भारत के राष्ट्रपति की द्योर से निदेशक, प्रकाशन विभाग श्री जगदीश प्रशाद को 650-1200 रुपये के वेतन मान में वास्तु संवर्ग, श्रेणी "बी" (राजपत्रित पद) पर 17-9-1986 (अपराह्म) में आगामी श्रादेशों तक श्रस्थाई आधार पर महायक व्यापार व्यवस्थापक के रूप में नियुक्त करते हैं।

वे 17-9-1986 (ग्रपराह्न) में दो वर्ष की श्रवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे।

> ला॰ सु॰ रंगाराजन, उप निदेशक (प्रशासन)

## भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनांक 18 सितम्बर 1986

संदर्भ : 7(50)/86/सत/1749—

#### भ्रादेश

जबिक यह भ्रारोप लगाया गया है कि:

"श्री सी० टी० जार्ज उच्च श्रेणी लिपिक कार्मिक प्रभाग, भा० प० श्र० केन्द्र, जब प्रकाणन कार्यालय परमाणु ऊर्जी विभाग में उच्च श्रेणी लिपिक के पद पर कार्य कर रहे थे, और जिन्हें 25 नवम्बर, 1985 से 23 श्रप्रैल, 1986 तक अवकाण स्वीकृत किया गया था, वे 24 श्रप्रैल, 1986 से श्रब तक अनिधकृत रूप से छुट्टी पर बने हुए हैं।

श्रपने उपर्युक्त श्राचरण में कथित श्री जार्ज ने कार्य के प्रिति निष्ठा नहीं दिख्याई, है और केन्द्रीय सिविल सेवाएं (श्राचरण) नियमों 1964 के नियम 3 के उप नियम (1) (11) तथा (III) के प्रावधानों का उल्लंघन किया है और ऐसा व्यवहार किया है जो कि उनके सरकारी कर्मचारी होने योग्य नहीं है। '

और जब कि कथित श्री जार्ज को विनांक 5 श्रगस्त 1986 के ज्ञापन मं० 7(50)/86/मर्त०/1331 के द्वारा उनके इस ग्रारोप श्रीर केन्द्रीय मिविल नेवाएं (वर्गीकरण, नियन्त्रण और श्रापील) 1965 के नियम 14 के श्रन्तर्गत उनके विरुद्ध प्रस्तावित कार्यवाही में ग्रवगत कराया गया था।

भ्रौर ज'बिक कथित श्री जार्ज के भ्रन्तिम ज्ञात पते पर उपर्युक्त ज्ञापन की रजिस्ट्री डाक द्वारा भेजा गया लिफाफा वापस बिना वितरित हुए भ्रा गया है।

और जबिक कथित श्री जार्ज इस कार्यालय को श्रपनी कोई जानकारी देने में श्रमफल रहें हैं।

गौर जबिक कथित श्री जार्ज इस कार्यालय को श्रपनी कोई जानकारी दिए बगैर लगातार श्रनुपस्थित बने हुए हैं श्रतः श्रधो हस्ताक्षर कर्ना इस बात से सन्तुष्ट हैं कि श्रव केन्द्रीय सिविल सेवाएं (बर्गीकरण नियन्त्रण और श्रपील) नियमों 1965 के नियम 14 के श्रन्तर्गत कोई जांच जारी रखना व्यवहारिक रूप से तर्क सम्मत नहीं है।

श्रवः श्रव श्रश्नोह्स्ताक्षर कर्ता केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण नियन्त्रण और श्रपील) नियमों 1965 के नियम 12 के उन नियम (2) की धारा (बी) जोिक परमाणु ऊर्जा विभाग के दिनांक 7 जुलाई, 1979 के श्रादेण सं० 22, (1)/68- प्रश-11 के श्रंतर्गत प्राप्त हुए तथा कथित नियमों के नियम 19 (-11) के हारा प्रदत्त श्रिधकारों का उपयोग करते हुए कथित श्री जार्ज को तत्काल प्रभाव से सेवा मुक्त करते हैं।

श्री जार्ज को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि उप-र्युक्त, श्रादेश के प्रति अपोत नियन्त्रक भा० प० श्र० केन्द्र जोकि अपीलीकरण प्राधिकारी हैं के पास की जा सकती है। कोई अपील यदि है तो, इस श्रादेश की प्राप्ति के पैतालिस विनों के भीतर श्रपीलीकरण प्राधिकारी के पास की जानी चाहिए।

> ती० जे० श्रासनाणी श्रध्यक्ष, कार्मिक प्रभाग

#### प्रतिलिपि:

- (1) श्री सी टी जार्ज द्वारा सी० बी० जानी चरडई हाउस पोस्ट कांट्टेनेल्लार, जिला सिचूर केरल -680 672.
- (2) श्री सी० टो० जार्ज 2845 सेक्टर 11 टाइ५ 1 सी. जी. एस. क्ष्टार्टर, अंटा५हिल कोलीवाडा, बम्बई 400037
- (3) प्रकाशन अधिकारी पन्त्रां विव अणुशक्ति भवन, बंबई-39.
- (4) लेखा श्रधिकारी (वेतन-4) (एन जी/102/872)
- (5) चरिक्त पंजिका
- (6) सहा० कार्मिक श्रधिकारी, साँख्यिकी श्रनूभाग
- (7) उपस्थापना श्रधिकारी (सीजीएस) यह स्रादेश जारी हीने के दिनांक से लागू होगा।

बम्बई-400 085, दिनांक 23 श्रक्तूबर 1986

सं० डी/ 1938/मेिश्ड०/स्थापना-1/3993—हा० गौडार दिवाकर ने रेसिडेंट मेिडिकल श्राफिसर (एफ० टी० ए०) का पद का पदभार दिनांक 11-8-1986 पूर्वाह्न को त्यागपत्न देने पर छोड़ दिया।

के० वेंकटक्रुष्णन उप स्थापना श्रधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई विल्ली, विनांक 9 श्रक्तुवर, 1986

सं० ए-32013/1/86-ई० एस०(ई-1)—राष्ट्रपति, श्री हरिहर प्रसाद, यरिष्ठ उड़न योग्यता श्रधिकारी को दिनांक 30-7-1986 (पूर्वाह्म) से 3 माह की श्रवधि के लिए नागर विमानन विभाग में, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास पर तदर्थ श्राधार पर उप निदेशक/नियन्त्रक उड़न योग्यता के ग्रेट में नियुक्त करते हैं।

एम० भट्टाचार्जी उप निदेशक प्रशासन

निरीक्षण महानिदेशालय सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली, दिनांक 17 श्रक्तुबर, 1986

सं० 50/86—श्री जी० श्रार० देव ने, जो पहुले सीमा शुक्ल उप समाहर्ता श्रायात के कार्यालय गुड़गांव रोड, नयी दिल्ली: में मूल्य निर्धारक के पद पर कार्यरत थे, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के फाइल संख्या ई-ए-32012/2/86-प्रणा०-II भरी दिनांक 17-9-86 के श्रादेश संख्या 155/86 के द्वारा सहायक निदेशक के पद पर पदोन्नित हो जाने पर निरीक्षण महानिदेशालय, सीमा शुक्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुक्क, नयी दिल्ली में 19-9-86 (पूर्वाह्म) को सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया।

एन० के० बाजपेई निरीक्षण, महा निदेशक

केन्द्रीय जल ग्रीर विद्युत ग्रनुसंधानशाला, पुणे-24, विनांक 23 सितम्बर, 1986

सं० 614/20/86—संघ लोज सेवा आयोग, नई दिल्ली, द्वारा की गई सिफारिश के पश्चात निदेशक, केन्द्रीय जल भ्रौर विद्युत श्रनुसंधान, शाला, खडकवासला, पुणे-24, एनद् द्वारा श्री धोंडीराम, नारायण जागडे, विधि सहायक, केन्द्रीय जल श्रौर विद्युत ग्रनुसंधान शाला, पुणे की केन्द्रीय जल श्रौर विद्युत श्रनुसंधान शाला, पुणे में प्रशासन श्रिधकारी के पद पर वेतनमान ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में दिनांक 12 सितम्बर, 1986 से तीन सालों के लिए प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति करते हैं।

विस्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के दिनांक 4-5-61 के का० ज्ञा० संख्या 10(24)/स्था०-III/ 70, जिसमें समय -समय पर संशोधन किया गया है, उसकी शर्तों के श्रनुसार उनकी प्रति-नियुक्ति शासित की जाएगी।

एस० एल० जैन वरिष्ठ प्रशासन म्रधिकारी **फुते** निदेशक

उद्योग तथा कम्पनी कार्य मंझालय (कम्पनी कार्य विभाग)

(कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय)

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रीर मै० रसनेह इन्टरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 13 भ्रम्तूबर, 1986

सं० 11931/28794—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् क्षारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख मे तीन माह के श्रवसान पर मैं रसनेह इन्टरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशान किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्स कम्पनी विधटित कर दी जायेगी।

टी० पी० सम्मी सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार दिल्ली एवं हरियाणा प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालरः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 ग्रक्तुबर 1986

निदेश सं० ए० सी० 12/एक्वी० ग्रार०-4/कलकता/ 86-87--भत: मुझे, ग्राई० के० गायेन आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाषार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० है तथा जो जलपाईगुड़ी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्री—करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए कृत्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिसित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्दृष्टिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

(1) गोपालपुर टी० कं० लि०।

(भन्तरक)

(2) टानडो टी० कं० प्रा० लि०।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन क त्लए कार्यवाहियां करता हुं।

अक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणं:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्निम्म, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

विरेन्द्र चन्द्र टी० एस्टेंट, जलपाईगुड़ी । दलील सं० 1986 का श्राई०-3090 ।

> ग्राई० कें० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कतः अभ , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हीं में , उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :---

तारीख : 7-10-86

## ब्रह्म संदित्त होंड एम व दुव:

## नामकड निधीनयम, 1961 (1961 मा 43) की पारा 269-म (1) से वधीन सुपना भारत ग्रस्कार

## कार्यां वर्ष सहायक आधकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 भ्रगस्त 1986

निदेश सं० ए० सी० 11/एक्वी० घार०-4/क्लकसा/ 86-87—घत: मुझे, ग्राई० के० गायेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

ष्मीर जिसकी सं० 135 है तथा जो गिरीश घोष रोड, हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हावड़ा मे रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ष्मधीन तारीख 27-2-86

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उपित बाजार मृत्य से यम है इद्यामान प्रतिफल को निए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि संभापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके द्वरमान प्रतिफल से, एसे द्वरमान प्रतिफल के पंद्रह वित्वति संभित्र है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्निसियत उद्वोध्य से उक्त जंतरण निस्ति में वास्तविक रूप से किया गया है :----

- (क) जनसरण से हुई किसी गाय की बाबत, उड़त जीभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (व) एंनी किसी बाय या किसी धन वा अन्य आफ्रिथा को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त शिधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनाथ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, कियाने में सविधा की वि

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु——

(1) श्री शरत चन्द्र सूर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बजरंग बली मार्किट एसोसिएशन । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के सिप कार्यवाहियां करता हूं।

अवस मधील के भर्जन के संबंध में कोई भी बाखोप :----

- (भ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचनां की तामील से 30 दिन की जबिध, वो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति हुनारा;
- (वा) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितत्रदूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निभित्त में विश्र का सकोंगे।

स्थव्हीकरणः --- इसमा प्रयंक्त शब्दों और पदां का, जो उक्ट अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में थिया स्था है।

## **ग्रनुसू**ची

जमीन 49 पीघा वि० 6 का० 3.6 स्केयरफीट जमीन के साथ मकान 135 गिरीण घोष रोड, और 11/2 गुह रोड, हावड़ा ।

दलील सं० 1986 का ग्राई०-1379।

श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–4, कलकत्ता

तारीख : 7-10-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 ग्रक्तूबर 1986

निदेश सं० जी० म्राई० म्राई० सं० बी-95/म्रजंन--म्रतः मुझे, श्रीमती सरोजनी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति जिसका उचित दाजार मूल्य

1,00.000/- रा. से अधिक ह**ै** 

और जिसकी सं० दो मंजिला मकान नं० 23/19 व 23/19/1 है तथा जो गोखले मार्ग, लखनऊ मैं स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुमृची में और पूर्ण रूप से विति है), रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख फरवरी, 1986

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिजल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर कोने को अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के उधीर निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :——
2-326GI/86

## (1) श्रोनती दिता कुनार।

(ग्रन्तरक)

- 1. जिनोत कुनार श्रवाल (नावा०)
- 2. राजेस कुनार अग्रनात्र (ना २०)
- विशाल कुमार श्रग्रत्राल नाना०)
- 4. मनोज कुनार अग्रजात
- 5. म्रानन्द अग्रवात (द्वारा पिता व संरक्षक श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल
- 6. मै० अपरीश बिरुडर्स (प्रा०) लि०
- 7. मै० ुड इस्यो॰ एवेंबोज (प्रा०) लि॰
- 8. श्री सुरज प्रसाद धग्रवाल
- 9. मै० जे० यो० होल्डिंग एवं लाजिंग (प्रा०) लि० ।
- 10- मेर्ना प्रार० के० प्राप्रदो (प्रा०) लि०
- 11. श्रीनती सिवता कुमार
- 12. श्रोततो गौरो राको श्रा वाहात्र
- ए० के० जो० कनतल्डैन्ड (प्रा०) लि० द्वारा डायरेक्टर डा० श्री:तो निमता गुप्ता
- 14. श्री एस० हरचरन सिंह।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूरायत सम्पत्ति के अर्जर के लिए काययाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दो मंजिला मकान म्युनिसियल कारपोरेशन नं० 23/19 व 23/19/1 स्थित 1, गोबते मार्ग, लखनऊ कवर्ड एरिया 1000 वर्ग फोट मय भूमि गैनाइगो 61040 वर्ग फोट)। जैसा फ़ार्म 37-जो में विभित्त है।

श्रीमती सरोजनी लाल सञ्जम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राय्वत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 13-10-1986

प्ररूप नाइ . डी. एन. एस. ल च च चच

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकान

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 श्रवतुबर 1986

निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० सं० जी-94/ग्रर्जन--ग्रतः मझे, श्रीमती सरोजनी लाल

शायकर अधिनियम, 1065 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परणात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-क के स्थीन सक्षम अधिकारी को यह जिल्लाम करने का कारण है कि स्थावर सम्बंदित, जिस्त्रण अधिकार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिकार है

भीर जिस्की सं ० भूमि खगरा नं ० 26 1/4, 290, 191/1 व 318'3, जियानकी, लखनक में स्थित है (योर इत्तेष उपावद्ध अनुभूषों में और पूर्ण कर से बिंग है), रिस्ट्रीकर्ता अधिकाश के कार्यात्व, एवाक में रिस्ट्रीकरा अधिकाश के स्थानिक स्थान

1908 (190 का 16) के 'कोन मारोब फराफी, 1986 को पूर्वीन सम्मीता के जिनस वाकार मूला में कम के दश्यमान भित्रफल के लिए उन्हों रहा का गई हैं। धार क्ष्में कर विद्यास करने का धारण हैं। कि यामापूर्वीक्त सम्मीता का उचित बाजार मूल्य, उनक क्ष्मामा प्रतिकृत में, एसे दश्यमाय प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिकृत से भाषा है। भार भारतक (बनकों) मेर अंत-रिती (अविरित्यों) के बीच एमें अंतरण के किए तय पाम प्राप्तिक निम्नलिखित उद्देशिय से उक्त अन्तरण विखित मों वास्त-धिक रूप से किथत किया गया है:—

- (क) अलग्ण से हुई किनी आय की बाबत, उक्त आधित्यम के अभीन कर तोने के अल्तरफ के दायित्व में कमी करने का उसमें बचने में सूचिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसा थन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (19∠2 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के रिश्का;

(1) श्री महेश कुमार द्वारा ध्रटार्नी श्री निहाल व श्री भोला लखनऊ।

(भ्रन्तरक)

(2) गीत बिहार सहकारी श्रावास समिति लि०, लखनऊ।

(ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बाद में ममाप्त हाती हा, के भीत विकास व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्नाग के राज्यक में प्रकाशन की सारीक से 45 जिए के भीतर उच्च स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अना व्यक्ति द्वारा अध्हिलाक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकारी।

स्पष्टिकीकारण:—इन में प्रमुक्त बब्दों और पदों था, को उस्त अधिनियस, की अधाय 20-क में परिभाषित ही, तही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषागया ही।

#### बनस ची

भूमि खसरा नं० 204/4, 290, 291/1, 318/6, पैमाईशी 9 बीघा 1.4 बिस्वा 9 विस्वान्सी स्थित जियामऊ लखनऊ (जैसा फार्म 37—जी में विशत है ।

श्रीमिति सरोजनीकाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्राय्का निरीक्षण ग्रजन रेंज, लखनऊ

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं. उका अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

सारीख: 13-10-1986

प्ररूप मार्च, दी, एन ु एस ु-----

बायकर क्रांधितियम, 1961 (1961 का 43) की घाडा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार्

श्रामितय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रामित रेंज-2, मद्रास

गद्रास, दिनांक 9 श्रक्तबर 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4736/2/86-87—श्रत: मुझे जी० श्रार० कौशिक

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थल पश्चात् उकत आधीनयम कहा गया है),, की भारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारा का यह विश्वास करन का कारण हैं कि स्थावर सम्पास जिसकी उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक हैं

भौर जिस्की सं० पलाट नं० 5, श्रामली, सिलबसा में स्थित है (श्रीर इसस उपाबद्ध

अनुत्वा मं आर पूर्ण रूप से विंति है), रिनिस्ट्रीनती आंधनारी के कार्यातय, रिल्पता मं रिनिस्ट्रानरण अविनेत्रन 1908 (1908 का 16) के अवान ताराव 28 सितम्बर, 1986 का पूर्वावत समात्त के उन्हित बानार मूल्य स काम क दर्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित का गई है आर मूम्प्र यह नियमास करन, का कारण है कि यथ्यपूर्वावत सम्पादत के उन्हित पात्रार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिकल से एस दर्यमान प्रतिकल का पदह प्रतिवात सं आधिक है और अतरक (अतरका) आर अतारती (अतरितयों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्दर्या से उन्त अन्तरण लिखित में सास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत,, उक्त आधानयम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दाायल मा कमी करन या उसस बचने मा सूविधा कालए, और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम । 195/ (1957 की 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के निए;

अतः अब, उयत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नां लखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एम० एम० संघवी । 41, जुपोटर शमहँगेंट, बम्बई-26 ।

.(भ्रन्तरक)

(2) विक्की जीप्त (भागीदारी **पेखी)** 27, छोछा स्ट्रीट फ़ोर्ट, बम्बई ।

(ग्रन्यरिती)

को यह मृबना जारी करके पूर्वी ता सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

्कत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में करें भी आकर

- (क) इस अवना व राजपत्र मं प्रकाशन की सारील से 45 दिन की अविधि या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मं समान्त हाती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तिया में स स्थिती व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचा के राजपत्र में प्रकाशन की सारोक से 45 दिन के भीपर उक्त स्थानर सम्पत्ति में दिनबद्ध किनी जन्म का किन जा सकान

स्पष्टोकरण:----इगमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उदत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## **अनुसूची**

प्लाट जो ग्रामली, सिनवसा में स्थित **है। सब रजिस्ट्रार,** िलबसा में 159 नं०पर दिनांक 25-9-86को रजिस्ट**र्ड** किया गया है।

> सी० श्रार० कौशिक सक्षम श्राध कारी लहाय व श्राय कर श्रायुक्त (दिरीक्षण) श्रजन रेंज-2, श्रहसदाबाद

तारीख: 9-10-1986

प्रस्थ आर्थे, द्वी. **एन्, एस**्न - • • • •

## भाषकर गणिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत (199-খ (1) की अजीन स्चना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आय्क्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

श्रहनदाबाद, दिनांक 9 श्रवतूबर 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4737/2/86-87--श्रतः मुझे, बी० श्रार० कोशिक

आयकर अधिनित्तम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उत्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स क अधिन मा मा अपिन्धान का गए विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अधिन , जिनका उत्ति आजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 52 भाषती में स्थित है (और इससे जावड सन्तानी में भीर पूर्ण प्ला से विभिन्न है), रिजिस्ट्रीकर्ना प्रतिकारों के कार्योग्य, नित्रमान में रिजिस्ट्रीकर्ना) भाषि नियम, 1908 (1908 का 16) के 'धीन तारीख 24-9-1986

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए जन्ति एत का गड़ी हैं और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्याक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य , उस है त्राप्रकाल प्रात्यक्त में, एतेंस रहयमान तिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिकात) ६ एति एसं अन्तरेण के लिए स्य पामा गया प्रतिकाल, निम्नीलिकत उद्वयस से उपत बन्तरका लिखित में वास्तिविक रूप से क्षिय गृहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुन्हें किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धर्स, अर
- (स) एसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 था 11) या उदत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कि प्रशेजनार्थ अन्तिरही इवारा प्रकट नहीं किया गया गया था था किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा

यतः अव, उक्त काषा जिल्ला की **धारा 269-व जी अन्यरण** में, में, जबत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री एम० एम० संघवो,
 27, छोछा स्ट्रीट,
 बम्बई ।

(भ्रन्तरक)

(2) ई० जी० जीप इन्टरप्राइजेज प्रा० लि०, घोषा स्ट्रीट, बम्बई ।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित्रबर्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टाकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौ का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिका गया है।

## अन्स्ची

प्लाट नं० 52 जो ग्रामली सिलवसा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सिलवसा में 158 नं० पर दिनांक 24-9-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> बी० द्यार० कौशिक सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज∽2, श्रहमदाबाद

तारीख: 9-10-1986

25233

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस . =----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4738/2/86-87—श्रतः मुझे, बी० श्रार० कौशिक

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य (,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन और मकान, ग्रामली है तथा जो जिलबा में दिन्त है (प्रोर इतने उनाबद्ध ग्रानुची में गौर पूर्ण रूप से विमित है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सिलवसा में रिजस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 24-9-1986

कः पूर्वाक्श सम्पाला क उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास कि रने का कारण है कि यथाप्वाकत सर्पात्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त आधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उस्से बचने में सूविधा कालए, आर/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर आधिनियम, या धनकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा अदिश्वा

मत: मंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, अक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री मधुन्दन एम० संववो, जुपीटर ग्रपार्टभेंट, वम्बई-26 ।

(अन्तरक)

(2) मैं ॰ सुमन इण्डस्ट्रीज, गोघा स्ट्रोट, वम्बई ।

(ग्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सपरित के बजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (सं) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तार्शिक से 45 दिन को अपाय या तत्मतनो ज्यादतयाँ स्व सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, सो भी अविधि बाद मो समाप्त हातं। हो, त नातर पूवाकत ज्याक्तिया में से लिएनी व्योकत त्यापत.
- (श. इक राभाव वे जातात वा स्वासन की नाराक्ष स 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसा अस्य का ना कुला के सहस्तादारा के पास लिखन में काम का सहसित

हिंडीकरण:--हममं पान्त शब्दों गाँर हो का, जा उत्कल अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ हाणा जा अस अध्याय मा दिया गया है।

## अनुसूची

शेंड जो ग्रामली, सिलवसा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सिजवसा में 157 नं० पर दिनांक 24-9-86 को रिजस्टडं किया गया है  $\lambda$ 

जी० ग्रार० कौशिक सञ्जम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 9-10-1986

मोहर 🖫

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस. ----

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाचाद, दिनांक 9 श्रक्तू बर 1986

निदेश ग्रं० पो० आर० नं० 4739/2/86--87--श्रतः . मुझे, बी० श्रार० कौशिक

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 200 व के अधीन मक्ष्म प्राधिकारी की, यह विख्यास करने हैं। कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1 30.000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको सं० जमीत सं० नं० 181/1, 179, 181/2, 182, 183, वडासण है तथा जो ता० कड़ी में स्थित है (और इसने उसा द्ध अनुजनी में ओर पूर्ण रूप से विति है), रिजिस्ट्रीकर्म झिलिस्त, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 22-9-1986

का पृत कर सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिपत्त को गई है और मुझं यह विश्वास करने के कारण है कि यथापुर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिपत्त से एस अयमान प्रतिपत्त का पद्म शिवास करने के स्वयमान प्रतिपत्त का पद्म शिवास से प्रस् अवरक (अंजरको) और अंतरिती (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त निकालिक निकालिक उद्देश्य से उयत अन्तरण लिक्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त नियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 .(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकः कहीं किया गया था जा किया जाना चाहिए " अ्वाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री वाब् लात केशव लाल, बुडासण, ता० कडी, जिला महेसामा ।

(भ्रान्तरक)

(2) त्रै॰ प्रयमीत टैक्सटाइल्स इण्डस्ट्रीज प्रा॰ लि॰ ओपेरा हाऊस, बम्बई-4।

(श्रतरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क सिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन को अर्थाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सम्पन्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया मा स िं,सी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस गूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

रफध्दीकरण:---इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आंधीनयम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मा विया गया हो।

#### अनुसूची

जमीन जो ब्डासग ता० कडी में स्थित है। सब रजिस्ट्रार कडी में 1980, 1981 नं० पर 22-9-1986 को रिजस्ट हैं किया गया है।

> बी० श्रार० कौशिक सक्षम प्रात्येकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (विरोक्षण) श्रक्ति रेंज-2, श्रहनदाबाद

तारीख: 9-10-1986

मोहर

प्ररूप बाई.टी.एन.एस-----

¶यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्यासय, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज बंगलूर

बंग्रल्र, दिनांक 13 ग्रक्तूबर 1986

निर्शेष सं० डी० स्नार० 1510/37 ई०६०/85-86— यत: मुक्षे, जे० के० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स क अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रूप से अधिक है

ग्रीर जिमकी सं० ग्रहपृतिम, बिनाली , कैना, मैजजा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिमस्ट्रीकरण ग्रिविनियम 1980 (1908 का 16) के ग्रिवीन ला॰ 10-2-1986

का प्वामः रामित के उनित वाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे रूप्यमान प्रतिफल का नन्द्रह-प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अतरण विखित में अम्तियन, रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हाई किसी बाय की बाबत, अायकर बिधितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, सौर/पा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा ३ कट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिणान में सीविष्ट के निए.

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्पलिखित ल्युन्सिया, अर्थात:—

(1) श्री मरीया इमल ना डा फनसिया सितवा, बोरडा, संरगां, गोग्रा।

(अन्तरिक)

(2) मैं॰ सपना रियल एस्टेट, वार्ड वालाब्लें कार रोड, मरगां गोग्रा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन को अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिए की अवधि, खें भी अवधि बाद मा समाप्त होती हो, के मालर प्रविच्य व्यक्तियों मों से किसी व्यक्तिर द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लातीव में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंस- बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधाहस्ताधारी के पार निर्मित में किए या सकीगे।

रपार्टाकरण --इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, बहरी अर्थ होगा, जो उस अध्याय मी दिया गया ही।

#### बन्स् नी

(दस्तावेज सं० ता)

'ग्रडसुलिम∹म कारर्ट' ग्रडसुलिम, बिनालिम गोग्रा

जे० के० राव सञम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरंक्षण) स्रर्जन रेन्जर

ता 12-3-1986

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत १८५-व (1) ए अधीन स्वता

HALL TANKS

भायीलय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज, बंगलूर बंगलुर, दिनांक 13 स्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० 1167/85-86—यतः मुझे जे० के० राव, आयकर अधितियम, 1061 (1061 का 43) (जिसे इसमें स्वकंटक्ष्यकं चिक्क स्विधियम, 1061 (1061 का 43) (जिसे इसमें स्वकंटक्ष्यकं चिक्क स्विधियम, 1061 (जिसे इसमें स्वकंटक्ष्यकं चिक्क से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का करण है कि व्याबर मर्च्य विस्वास करने का करण है कि व्याबर मर्च्य विस्वा करने का स्वकंट के स्वीर जिसक सं० है, तथा जो सन्ता इनेज, पणजी गोआ में, स्थित है (ग्रीर इस से उपावह ग्रनसूर्चः में ओर पूर्ण रूप से विशित है), रजिल्ड्रोक्किनी के कार्यालय बंगलूर में रजिल्ड्रोक्क संविधिय विश्वतियम 1908 (1903 का 16) के ग्रवीन

को बूबोधत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रल से, एसे दृश्यमान प्रतिक्रल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के लीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से क्रियत विश्वास के किए तथा गया है कि क्रिया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- [क] एसी किसी आज या किसी घर या जन्म बास्तिकों का, जिन्हा भागतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 १३५९२ आ ११) या उत्तर आधिनियम, ११ ११ था उत्तर आधिनियम, ११ था जन्म आधिनियम, १३५७ (1957 का 27) के प्रयाजनारी अन्तिरती इवारा अन्तर नहीं किया अका था गानिया जन्म अधिकार के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, राक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, िम्निलि। खत व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री बिञ्णुन बाबुती लावन वर्गेकर 4 श्रदर्स, दौलत बिल्डिंग सता रोवेज, पगजी गीक्षा। ('स्तरक)
- (2) चौगुले इन्डस्ट्रीज लिमिटेड चौगले घर, मरमगाग्रो हरवर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवाकित संपत्ति औं अर्जन के लिए रायंबाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध भी कोई भी अक्षेष ३--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी बादीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाः के राज्यव में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए वा स्कोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त सब्दो और पदों का, का उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वही अर्थ होगा. वो उस अध्याय में दिशा गशा

## अनुमुची

(दस्तावेज सं० 78/221) ता० 11-2-1986 "सन्ता इनेज, मणजी, गोग्रा ।

> जे० के० राव सक्षत्र प्राधिकारो सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेन्ज, बंगलुर

مساعمهم برحادي عجرات العادي प्ररूप भार्षः, द्वीः एतः एसः 🔹 🧸

बाएकर माभ्यानम्म, 1961 (1961 का 43) की मारा 269 म(1) के अभीन स्वना

#### पारत शरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) मर्जन रेन्ज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 13 अन्तुबर 1986

निर्देश सं० ड:० आर० 1403/37 ई०ई०—यतः मुझे जे० के० राव.

भावकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमी **१६.- हे परचात् 'उ**क्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 2∪9- ब अ अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्चिप काजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसक सं०. है, तथा जो श्रफोन्सा डी० श्रालबुकर्क रोड, पणजी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बंगलुर रजिस्ट्रांकरण भाधितियम 1908(1908 का 16) के अर्धान तारीख 3-2-1986

**का पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित वाजार मूल्य से कम को एरयमान** प्रतिफल की लए अन्ति रत का गई है। अर मुझ यह । वस्त्रास **क.न का कारण ह" कि यथा**पुर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल स एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यष्ट प्रतिकात से मधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल् निम्नलिखित उत्दर्भ से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप क्य संक्ष्यं नहां किया यया है अ---

- 綱 अन्तरण ते हुई किसी आय की बावत उदश अधिनियम् के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- 🌉 एैसी किसी माय या किसी भन या अन्म अतिस्टयों का, जिन्हें भारतीय भायकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या जबत अधिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ बतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया भाना चाहिए था स्थिएन हो सविधाके लिए;

क्तः वय, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की अनश्वरण **है, है, उक्त वर्ण**िनयम की भारा 269-व की उपभारा (1) 🕏 अभीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :---— 326GI/86

(1) श्रो उपनिक ऐसाकला० माखील कालोनी डोना पावला, इल्हास

(भ्रन्तरक)

(2) रोनाल्ड डेविड, एक्सलेसर चेम्बर्स, हेलिथोडीरी सलगर्ड: रोड, पणजा, इल्हास

(भ्रन्तरिती)

का यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि यो तत्रत्र +दन्वी व्यक्तिया पर रिभनी का अनीर च 30 किन की अन<mark>ीय, का भी</mark> अविधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर प्रांपत व्याजनभा भा स किसी व्यावन दवार,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति मा हित-बद्ध किसी अन्य व्याप्ति द्वारा अधाहस्ता**क्षरा क** पास लिखित में किए जा सकांगे।

(अपट्टाराहरण अन्यत्वत्वत्व वराहर संबद्ध के र हमा व्या, आर्थ अवस्त अविनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्ट्रत हैं, वहाँ जब है।46, जा उस लक्षाय में व्यास गया है ।

## अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1055/85/3-2-86 भ्रफोन्स डि भ्रालबकर्क रोड, पणजी

> जे० के० राव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्पर्जन रेज, बंगलुर

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

्रध्नजंन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 प्रवतूबर 1986

निर्देश सं० डी० ग्रार० 1439/37 **६**०**६०/8**5-

86---यतः मुझे जे० के० राव,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्वास करने का कारण है कि स्थायर गंपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं े हैं, तथा जो बेरो आलटो उस िलोई स, पणजी, गोआ में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), जिल्ही कि कार्यालय बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्थीन तारीख 7-2-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्रितयों) के बीच एमें अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, रिम्मिलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तर्भ लिखित में मान्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) कः 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अप्तः 'अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं. उचर अभिनियम की धारा 269-घ का उपधारार (1) ► किन्नितिम स्विद्या, अर्थात —

(1) श्री टीमसन्ताना राफ फर्नाडेन्स श्रीमती शुडोमिला जि० ई० फर्नाडेन्स, घर नं० 319, लेक न्य कालोनी, मिरामर, पणजी, गोग्रा

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीजी बिलडर्स, बी-15, न्यूगी नगर पणजी गोधा -403001।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पीत्त के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर अधीहस्ताक्षरों के पास किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगा।

स्पष्टोक्षरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उस्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्ची

ॄै(दस्तावेज सं० 1089/85 तार 86/7-2-1986 वैरी भ्रालटी जूस पिलोटोस, पणजी सिटा—गोभ्रा

> जे० के० राय सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण**)** श्रर्जन रेन्ज, बंगलूर

- \_\_\_\_\_

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 श्रवतूबर 1986

निर्देश सं० डिं० म्नार०/474/37 ई० ई०—यतः मुझे जे० के० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्मके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसका सं० डान्डें, है, तथा जो वास्की-डा गामा, गोभा में िथत है (भीर इस से उपाबद्ध ध्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बंग्लूर में रजिस्ट्रेंकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख 3-2-1986

को पर्वोक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्योकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्त-रिटी (अंतरितियां) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रातफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में गस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जैतरक से हुई किसी आय भी बाबत, उक्त अधिक नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; मार/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए;

रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन∡ निम्निजिखित व्यक्तियाँ अधीतु ं--- (1) श्री जगदीन जीघने करता जगदीय चीगत *घार*-डा० गामा, गोम्रा

(अन्तरक)

(2) ग्रालकन कन्स्ट्रकशन्म गोप्रा प्रैवेट लिमिटेड पणजा, गोग्रा-40 3001 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए धार्वजाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चार के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचर के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंद्र।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रय्कत कृष्टों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## यन सूची

दस्तावेज सं० 1123/85-83 तारीख 3-7-86 डान्ही, वास्को डा-गामा, गोम्रा।

> जै० वी० राव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बंगलूर

दिनांक 13-10-86 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज नई दिल्ली

नई दिल्ली तारीख 14 श्रम्तूबर, 1986 निर्देश सं श्राई० ए०सी०/एक्यू०/ 2/एस-श्रार-1/2-85 484,/ श्रतः मुझे एस० सी० गुप्ता,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार 'ज़ब्द अधिनियम' कहा क्या है, की धारा 260-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 42ए है तथा जो रोध नं० 7%, गाम-बसई द्वाराप्र दिल्ली स्टेट दिल्ली, में स्थित है (गीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णिन है) रिक्टीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय में नई दिल्ली, में भारतीय रिजस्टीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधिन तारीख फरवरी-86,

को गर्वेष्ट्रस स्वाधित के विस्त त्रासार प्रस्ता से बाप के लगामान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गर्व है और मफों यह विश्वास करा का कारण है कि मध्यपर्वोद्धत सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उपके एक्यमान प्रतिकाल से एसे इच्यमान प्रतिकाल का पंदा परिवास से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पया विनिकाल. निक्निलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में क्रिकाल रूप से क्रिकाल क्ष्म म्या है क्रिका

- शिंतिक्षा से हाड किसी बाय की बाबत, उक्त शिंगिलिया के लगीन कर दोने के अंतरक की शिक्तिक से जानी करने या उससे युक्त मों सुविधा के लिए; शौर/या
- हैंभ) ऐसी किनी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 कर 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना बाहिए भा, खिपाने में सुविभा के लिए:

अतः सड्, उक्त रुधिनियमं की धारा 269-ग के अनसरण को, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) व्यावसीत, निक्लिनिहत व्यक्तिकारों, अधित कुन्स

- (1) श्री करतार सिंह पुत्र स्व॰ सरवार सम्त सिंह, निवासी एच-67, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)
- (2) श्री सुभाष चन्द गोनका (एतः यू॰ एफ॰) निवासी-95, एम॰ जी॰ रोड, कलकत्ता, भन्तरिती)

को यह सुबना बारी कारके पूर्वीक्त सभ्यत्ति के **बर्बन के लिए** आर्थनाहियां कारना हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप क्ष--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी व व 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वें क्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क्र) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के वाच लिखित में विश्वे का सकेंगे।

स्पच्डीकरण :---इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, **वा उक्त** बधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विका गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं 0-42-ए, रोड नं 0-78, ब्लाक ए 1/4 भाग सावावी  $-518\cdot 5-1/2$  वर्ग गज टोटल तादादी  $2072\cdot 22$  वर्ग गज, कालोनी पंजाबी बाग एरिया, गाम-बसई दारापुर, दिल्ली स्टेंट दिल्ली

एस० सी० गुप्ता, सक्षम ग्रिकारी स्ायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन-रेंज,6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 14-10-86 मोहर : प्रकप आहाँ . ही . एन . एस . -----

भागकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

नहें दिल्लों, सारीख 14 ग्रन्त्र 1986 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस-ग्रार-1/ 2-85/

**ग्रतः मुझे एस० सी० गुप्ता,** अगय-sच क्रांकनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हरू अध्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-स के अधीन राक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का न्तरिय ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक है भौर जिसकी सं० प्लाट नं०-42ए है तथा जो रोड नं० 78 ग्राम बसई बारापुर, दिल्ली स्टेट दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से र्वाणत है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम अधिकारी कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख फरवरी-86 आप ५थाक्त सम्पत्ति ह उचित बाबार मृल्य स कम के दश्यमान प्रतिपत्त के लिए अर्न्तारत की गर्दही और मुर्फे यह दिश्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके रायमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतारितयों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नि चित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक कप संकथित नही किया गया **ह**ैं.—

- (भ:) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के राज्यस्य में कमी अरने या उससे बचने में स्विधा के जिए; कार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोधनार्थ अन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा था किया जाता चाहिए था, छिपान में सूतिधा चे स्वप्;

(1) श्री भ्रमरजीत सिंह पुत्र स्यः श्री सरदार सन्त सिंह, निगा िएच-67 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमते केसर देवी त्ती स्वः श्री गोरी राम, निवासी-181, शिवाजी गली हिसार, (हरियाणा)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कांद्र बाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकारन की तारीहा : 4 45 दिन की संबंधि या तत्म गंधी व्यक्तियों १६ सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो तो अवधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी ते व्यक्तियों मो सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भातर उक्त स्थादर मपत्ति में हित इस्स किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बराइस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पटोकरणः — इसमें प्रयक्त झट्दो और गई का, क उक्ह अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं 42र, रोड नं 78, ब्याक ए 1/4, भाग तावादी  $-518\cdot 5-1/2$  वर्ग गज, श्राउट टोटल एरिया  $2072\cdot 22$  वर्ग गज, कालोबी पंजाबी वाग एरिया ग्राब वर्ष दारापुर दिख्तो, स्टेंट दिख्ती

एमः सीः गुन्ता सन्न प्रक्रिकारी सर्विक प्रक्रिक गुपुतः (निरोक्षण) श्रुवेत रेंब-6 किलो, नहें किलो-110002

भत्तद बाब, उन्नर अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मों, उक्स अधिनियम की धारा 269-य को उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख 14−10∽86 **भोहर**: प्रहार आई. टी. एत. एस.-----

आयकर शिक्षिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज

नई दिल्ली, तारीख 14 श्रवतुबर 1986

निर्वेश सं० श्राई० ए० सो > / एक्स्यू 6 / एस-श्रार-1/2-86 486

**धतः** मुझे एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके श्रेचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा १६९-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बानार मध्य 1,00.000/- रह. ने अधिक हैं
श्रीर जिसकी संव प्लाट नंव 42 ए, है तथा जो रोड नंव
78, ग्राम बसई दारापुर दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है
(श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से बिल्ली, हैं)
रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में
रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
श्रधीन तारीख फरवरी-86

को पर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारा है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिः) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हन से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) एरेनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तेत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिते देवारा प्रकट नहीं किया गया था या विव्या जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री हरीसिंह पुत्र स्व० सरदार सन्त सिंह, निवासी— एच-67 राजौरी गाउँन, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) वेद प्रकाश गोयल एन्ड घ्रदर्भ (एच० यू० एक) निवासी~95, एम० जी० रोड, कलकत्ता-7, (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्नाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नंo-42-ए, रोड़ नंo-78, बनाक'ए' 1/4 भाग सादादी-518.5-1/2 वर्ग गज, टोट' एरिया तादादी-2072.22 वर्ग गज, कालोनो पंजाबी बाग, एरिया, बसई दारापुर, दिल्ली, स्टेट दिल्ली

एस० सी० गुष्ता सझम श्रीकिंगरी सहायक श्रायकर श्रःपुनत (निरीजग) श्राजैन रैंज∼6, दिल्लो, नई दिल्लो-110002 तारीख 14-10-1986

लेख्य ∙

प्ररूप आई. टी. एन. एत.----

बाराबन किंधितियाः, 1961 (1961 का 43) की मार्कित 269 व (1) के लिधीन स्वतः

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज

नई दिल्ली, तारीख 14 ग्रक्तूबर 86 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०  $\left| \text{एक्यू} \right|$  6  $\left| \text{एम ग्रार-1}, 2-86 \right|$  497,

त्रतः मुझे एस० सी० गुप्ता, बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हुँ), की धारा 269-स के अधीन सन्त्रम प्राधिकारों को, यह विक्याम करन का कारण है कि स्थावर शम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- रु सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं०-42 ए है तथा जो रोड नं-78 बतई दाराप्र, दिल्ल: 'टोर, दिल्लं: इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 16) के श्रधीन तारीख फरवरी 86

कां पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं पाया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी पन या जन्य आस्तियों का जिल्हा भारतीय आय-कर आधानयम , 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहरू था छन्यान प्र सृविभा के लिए;

खतः गव, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्री बलबीर सिंह पुत्र सरदार सन्त सिंह, निवासी एच-67, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली, (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हनुमान दास अग्रवाल पुत्न स्व० श्री रामकरन दास,

निवासी-लाजपत नगर, हिसार (हरियाणा) (भ्रन्तरिती)

का यह सुचना जारो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के कर्जन के सिवः कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मित के कहर के मवध में कांद्र भी आहात --

- (क) इस अवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख थैं 45 दिन की अविधि या तत्मवधी व्यक्तियों पर मुखना की नामील में 30 दिन की अविधि, **जो भी** अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवाँक्स जीवन के को कर के किस कर कर कर
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अध्योक्तरण -- इससे प्रयुवन शब्दों और पदा का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही हैं। यह तथा ना यह अध्याय में विका

## अनुसूची

प्लाट नं० 42ए रोड नं० 78 क्लास'ए' 1/4 भाग, तादादी 518.51/2 वर्ग गज, टोटल तादादी -2072.22, वर्गगज, कालोनो पंजाबो बाग, एरिया ग्रान-त्रसई दारापुर दिल्ली स्टेट, दिल्ली

स० सं० सक्षम स्रधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

तारीख: 14-10-86

प्रस्त्य मार्थः टर्नः एनः एसः -----

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्जालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 भ्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० मार०-1/2-86/492-अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

बायकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सर्पात्त, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.,00.000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० प्रो० नं० 2 है तथा जो शंकराधार्य मार्ग, सिविल लाइन्स, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्षा श्रिधकारो के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख फरवरी 1986

शिवन ताजार मन्य म कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में शस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) कन्तरण संहुई किसी काय की वाबत, उच्छ को अनियम के क्यीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविवा कालए, और/या
- (क) एसी किसी बाम या किसी धन या अन्य बास्तियों कां, जिन्हें भारतीय बायकर बिधित्यम, 1922 (1922 की 11) या उच्के अधिनियम, या धन-कार अभिनियम, या धन-कार आजिनियम, 1957 (1957 की 27) अभै प्याजनाथ अन्तरिती दवारा प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अव, उक्त विधितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री श्रजय कुमार पुत्र श्री श्याम बिहारी लाल एन्ड मोहित कुमार पुत्र श्री श्रजय कुमार, निवासी 2, शंकराचार्य मार्ग, सिविल लाईन, दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री दिना नाथ धान्नद पुत्न श्री राम चन्द भान्नद ्निसैल्य एन्ड फादर एन्ड एन/जी माईनर पुत्न श्री समीर भ्रानन्द एन्ड दर्शन लाल भ्रान्नद पुत श्री राम चन्द श्रान्नद, निवासी एफ-108, भागोक बिहार फैज-1, दिल्ली ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त रापत्ति के अर्थन के संबंध में कांद्र भी आक्षेप :----

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यां क्तारों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, आ भी अवधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पृथाकत व्यक्तिया। में स किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपरित में हितबएभ किसी अन्य व्यक्ति य्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बायकर अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्यास में दिया नया हैं।

#### ननुसूची

पोरणन श्राफ श्री० नं०-2, शंकराचार्य मार्ग, सिविस लाईन्स, विल्लो, तादादी-1473.43 वर्ग मीटर

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-6, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-10-1986

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- थ (1) के अभीन स्थना

#### शारत सरकात

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निर्रोक्सक) धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 प्रक्तूबर 1986

निर्वेश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू० 6/एस० धार०-2/2-86/160—अतः मुक्ते श्री एस० सी० गुप्ता, आयक्षर अधिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह धिश्मास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य,

1,00,000/- रा. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 12, है तथा जो रोड नं० 63,
पंजाबी बाग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड भनूसूची में
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्मित्त है उचित नाजार मूल्य से कम के स्थ्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया कि एसे, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त वम्सर्ज कि बिद्य से पास्तिवक रूप से किथान गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तृविधा के लिए; आर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आसिसवों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुक्रिय के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
4—326GI/86 (1) श्री घरणजीत सिंह 12/63, पंजाब बाग, नई दिल्ली

(मन्तरक)

(2) श्री देव किशन खोसला 13/19, पंजाबी बाग एक्सटेंशन, दिल्ली !

(भ्रन्तरिती)

को बहु सुचना थाड़ी करके पूर्वोक्स सम्मस्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां बुरू करता हुएं ।

## रक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कार्ड भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व ते 45 दिन की अविध या तरसंबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किय व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (च) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच ७ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी चै पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाधीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया या है।

## अनुसूची

1/3 भाग मकान नं० 12, रोड नं० 63, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1 विल्ली, नई दिल्ली-110002

प्ररूप आई.टी.एन.एस.,-----

भार कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भार्जन रेंज-1 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 प्रक्तूबर 1986

निर्रेण सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० श्रार०-3/ 2-86/161—श्रत: मुझे श्री एस० सी० गुप्ता,

जागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें सिके पे पात् 'उकर अधिनियम' बजा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित धाजार मूल्य 1,00 000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 12 है तथा जो रोड नं० 63, पंजाबी बाग में स्थित है (श्रीर इसपे उपाबद श्रन्यूची में नर्ब रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई हिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख फरवरी 1986

को प्यांचित सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को स्थ्यमान प्रतिकत को तिए अर-रित को गर्ड हैं और मक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोकत संपत्ति का उचित भाजार मृत्य, उसको स्थ्यमान प्रतिकत्व से, एमे स्थ्यमान प्रतिकत्व को पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक हैं और शंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एमें अन्तरण को लिए तय पागा गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्क विक रूप से किथत नहीं िया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, स्वक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें सायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आय-जर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ कर्त्रास्ति दयारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा नहें सिए;

करें: अज, उबल अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण चैं, भैं, असत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कर्धन, निम्निक्तिक व्यक्तिरों, अर्थात :--- (1) श्री चरणजीत सिंह 12/63, पंजाबी **थाग, नई** न\$ दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कमलजीत खोसला 13/19, पंजाबी, बाग, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन .की तारीस सै 45 दिन की अविध या सल्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीन से 45 दिन के भीतर उदल स्थावर संपत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य न्यन्ति द्वारा अधानुश्नाक्षरी के पास जिल्लित में बिए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त राज्यों और पदौ का, था उक्स अधिनियम; के अध्याय 20-क में परिभाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्यी

1/3 हिस्सा मकान नं० 12, रोड नं० 63, पंजाबी बाग; नई दिल्ली।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम श्रीधकारी महाराकपश्रायकर श्राप्तवन (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली110002

तारीख । 104-10-1986 मोहर: प्रकाष काल . ही . एवं , म्यू , जन्मानामन्त्र

जायकर ऑपनियम, 1961 (1961 का 45) की भाषा 269 म (1) के अन्ति सुजना

,": ("F") Y P": ";

कार्यापय, सहायक लायकर वास्त्रक (निराक्षिय) प्रार्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एवपू० 6/एस० आर-2/286/ 162—श्रतः एझे श्री एस० सी० गुप्ता

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-त्व के अधीन राक्षम प्रधिकारी को यहिंदशाम करने का कारण ही कि स्थावर सम्परित, जिसका उधिक वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक ही

मौर जिसकी सं० मकान नं० 12, है तथा जो रोड नं० 63, पंजाबी बाग में ज्यित है (ब्रौर इससे उपावद्व अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1986

को बुबोफ्त सम्पाल के उचित बागार मूल्य म कम के द्रश्यमान प्रतिफल क निक्त उत्तरीका का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके कि व्यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एक उत्पादन प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्तरितौ (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नामा गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिशित अपनिम्निलिशित अपनिम्म गया है है

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिध-बियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उनत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 कर 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए प्रतिकृष्ण व स्थिनिय के सिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उवत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बभीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री चरणजोत सिंह 12/63, पंजाबी बांग, नई नई लितो

(गन्तरक)

(2) श्री नयल किशोर खोसलि 13/19, पंजाबी, बाग, नई दिल्ली

(पनीरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां क रहा हो।

अवत समारिक के बार्वन को सम्बन्ध को **कोई भी बार्सप्र**ः

- (क) एक सुवार के सामा के प्रकाशन की करीय वे 45 दिन की शक्षीत या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वव्धि, जो भी अपरेश नक सक्षान है से हों, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस भुगना के राजात का अवादान की अरिवा है 45 जिन के गीतर उत्तत स्थावर सम्परिस मा हित-बब्ध किया अन्य अवित द्वारा अपोहस्ताकरी के पास सिखित में विश्य जा सकारों।

स्पथ्यीकारण -- ग्रामी गायम शब्दी जीन पर्यो का, जो उक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिद ही, धत्ये अधि हागा जो उस अध्याय में विचा गुमा ही।

#### अनुसू**ची**

1/3 भाग, मकान नं० 12, रोष्ठ नं० 63, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम घधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख: 14-10-1986

## प्रकृष् सार्<u>गः हो । एत । एत् - -----</u>-

बाधकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निड्युंसक)

मर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मक्तूबर 1986

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एसपू०/6/एस० मार-2/2-86/189—ग्रतः मुझे श्री एस० सी० गुप्ता, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उसत अधिनयम' कहा गया है), की भारा

2169-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं प्रापर्टी नं 36, है तथा जो रोड नं 55 क्लास सी पंजाबी बाग दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा भिधानारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भिधानियम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन तारीख फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित काजार मृत्य से कम के इश्यमान इतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार सृक्य, उसके अध्यमान प्रतिकल से, ऐसे अध्यमान प्रतिकल के पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक (जंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल क्या से किथत नहीं किया गया है हिन्न

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की वावतः, व्यवस् अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरका की वासित्य में कमी करने या उससे वचने में सुनिभा के सिए; और/सा
- (च) एसी किसी नाय या किसी भन या नेक्स नास्तियों करे, जिन्हों भारतीय भायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविभा के निए;

बनः जब, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग से जन्तरण को, भी उक्त जीभीनयम की भारा 269-व की खंपभारा (।) है अभीन. निस्तिशिवत व्यक्तियों, अर्थात् हू— (1) श्री एव॰ एल॰ महाजन एच-10, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जुगल बस्ना निवासी धार/41, माउल टाउन, सोनीपत (हरियाणा)

(मन्तरिती)

## को यह सूचना चाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिक् कार्यवाहियों करता हो।

## समत संपत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त हमेती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील च 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकेंगे।

जिल्ला स्तमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीभीनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जनुसुची

प्रापर्टी नं० 36, रोड नं० 55, क्लास सी० पंजाबी बाग नई दिल्ली।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) पर्जन रेंज-४ नई दिल्ली-110002

व्यवस्था भाषां ... <u>दी : प्रमुख्य प्र</u>मान-------

बाधकर अधिनियस्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के बधीन सुचना

#### भारत करकार

## श्वर्यक्ष, सहायक नायकर नायक्ष (निर्देशिक) श्रर्जन रेंज, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अक्तूबर 1986

निर्वेण सं० भाई० ए० सी०/एनयू०/6/एस० भार-3/2/86/ 190--श्रतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

नायकर अधिनियम, 1961 , 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं । क स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित आजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० है तथा जो 5/9, डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध प्रतुम्की में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख फरवरी 1986

को पूर्वोदत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रिपिप्त के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्ते यह निश्वास करने का कारण हैं कि यथापुत्राक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) बौर अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिवक रूप में क्षित नहीं किया गया है ॥—

- (क) अन्तरण से हुई किसी साय की बावत , उक्त अधिन्यम् के अधीन कर दोने के अंतरक की बायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या खब-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांज नाथ असीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः: नम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) दे मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नभीत्:---

- (1) श्री गोपाल चन्द वनर्जी, डो-306, निर्माण बिहार, दिल्ली श्रीर श्री रोबिंद्र नाथ वनर्जी ई० सी० 16, पजेट 4, इन्द्रारो एक्सटेंगा, नई दिल्लो। (श्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स पी० के० होटल्स प्रा० लिमि० द्वारा डायरेटर एस० एल० पाहवा ए-3, ग्रेटर केलाश एकलेब,-2, नई दिल्ली व राजेश खुराना निवासी 4/6, डब्ल्यू ६० ए० करोल बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरि 🗘)

को यह स्थना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहिता शुरू करता हो।

उन्ह सम्पत्ति के जजन के शम्बन्ध म काहाँ भी आक्षां :---

- (क) रस स्थंना के राज्यत्र मा प्रकारन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, बो भी अवधि ला मा समाप्त हानी हा, के भीत्र प्रोंक्त व्यक्तियों में से जिली व्यक्ति हुवादा;
- (क) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उबह स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अकाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्द श्रीर पदों का, जा उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय औ दिया गगा है।

#### अनुसूची

प्रापर्टी न॰ 5/9, (एम॰ पी॰ एल॰ नं॰ 10515/16) खासरा नं॰ 1628/1147 तादादी 256.2 वर्ग गज डब्ल्यू॰ इ॰ ए॰, करोल बाग, नई दिल्ली।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राप्ति गरी यहापात ग्रायाजर ग्रायुका (निरीजण) भर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-10-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. .....

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 प्रक्तूनर 1986

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एकपू०/6/एस० श्रार-3/2— 86/191—-श्रत: मुझे श्री एस० सी० गुप्ता,

बायकर बिधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'सकत बिधिनियम' काहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मध्यित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00 000/- रा. में अधिक है

भीर जिसकी सं ० है तथा जो एच-353, न्य राजिन्दर नगर, नई दिल्ली में भियत है (ग्रीर इपसे उपाण्य श्रनसूची में पूर्ण रूप से बिल्ला है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी 1986

को पृथींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य मं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवोंक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मृज्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधाः के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त हिंधिनियम, या भन-किर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, िष्णाने में स्विभा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अंधिभीत, निम्निक्षित व्यक्तियों, अधोत ः— (1) श्री कृष्ण लाल मनोवा 2. कस्तुरी लाल मनोवा 3. श्रीहन लाज पनोवा 4. रमेण चंदर मनोवा 5. संतोष रानी 6. सोता रानी सल्जा मुपुद्ध श्रीर सुपुत्रो स्वर्गीय श्री मुंशी राम मनोचा विवासी 26/9, श्रोल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)

and the second control of the second control

(2) श्रीमित वीणा ऋषि परेनी पी० पी० ऋषि, की-137, न्यू राजिन्बर नगर, नई दिल्ली। (मन्तरिती)

का यह सूचना कारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिद् नार्वनांक्रवा कारण हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अविध या तत्में वंधी व्यक्तियों पर स्धान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी कच्च व्यक्ति द्वारा, अथाहस्ताक्षरी कं पास लिखित में किये जा सकींगी।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा स्वा हैं।

#### वन्स्ची

प्रापर्टी वियरिंग नं० एच०-353, नेयू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली, तादादी 200 वर्ग गज ।

> एस० सी० गुप्ता सझम प्राधि गरी सहायात श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रजन रेंज-6, ाई दिल्ली 110002

सारीख: 14-10-1986

वरूप माह". टी. एन. यून.---

## भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चता

#### शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, 1

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सो०/एक्य०/1/37 ईई/2-86/ 2688---श्रतः मझे, श्रार० पी० राजेश,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्लाक क्लाक क्रिकेट स्टेशन्यक क्ला क्षित्रे का धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विव्यान करने का कारण है कि स्थावर सक्ष्येन, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी गं० है तथा जो प्लैट नं० 407, क्षेत्रफल 930.53 वर्ग फीट शे:लता हाउउ, 73-74 नेहरू प्लेच, ई दिएली में स्थित है (स्रोर इससे उपाद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्प्रोकर्ता अधिकारी के कार्याजय सहायक आयकर आयुक्त तिरी गंग, अर्जन रेंज-1 में भारतीय रिज प्रोकरण अधिनियम, 1961 के अभीन, तारीख फरनरी 1986

कां पूर्वक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृल्य में कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने वा कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सिक्षित कप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा औं लिए; और/मा
- श्व) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हा भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उथल अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) वें प्योजनार्थ उस्तिती द्वार प्रजट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

(1) लिपरोसी सिन्न ट्रस्ट इंडिया, 16, पण्डित पंत मार्ग, सी॰ एन॰ ऋाई॰ भवन, नई दिखा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मंजू रुमरा ट्रस्टी श्राफ एता डी० एफ० ट्रस्ट (श्रन्तरिती)

का यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता है।

#### उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई पी बाक्षेप :---

- (कं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इर स्वना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधंहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टिकरण — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदां का, जा उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो बस अध्याय में विवा गया है।

#### अन्सूची

प्लैट नं० 407, तादादी 930:53 वर्गं फीट, शीतला हाउस, 73-74, नेहरू प्लैस, नई दिल्ली।

> म्रार० पी० राजेश सक्षा मिश्रकारी सहायक म्रायकर म्रागुक्त (निरीक्षण) म्रजीन रेंज-1 नई दिल्ली 110002

शतः अब उदन अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) को अधीन, नियन निश्चित व्यक्तियों, अर्थातं र—

तारीख: 4-9-1986

प्रकृप काइ<sup>5</sup>, टी. एन. एस.-----

# मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के संधीन सुमना

#### भारत सरकार

# कार्यानय, सहायक कामकार सायुक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्स्०/1/37 ईई/2-86/ 2689—श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं, की धारा 369-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पोत्त जिसका उचि : बाजार मूल्क 1,00 000/- राज्ये से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० है तथा जो पर्लंट नं० 401, गीतला हाउस, 73-74 नेंहरू प्लेन में िथत है (श्रोर इससे, उपानक अनुसृची में पूर्ण रूप से विजन है), रिजस्ट्रीकत्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर प्राय्का (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रविशिषम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरपरी 1986

कां पर्याक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से ऋ के दिवसान प्रितिफल के लिए अंतरित की गर्ड है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (वन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इस निचालित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक भी वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की गायत, उक्क जिमिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के बावित्य में किसी करने या उससे बचने में सृविभा के जिए; औप/म
- (भा) एसे किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या भन-कर (धिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा अस्तिए.

जतः जभः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीम, निम्नतिखित व्यक्तियों, अधित :---- (1) लिपरोसी मिसन दूस्ट इंडिया, 16, पण्टित पंत मार्ग, सीएनब्राई भवन, नई दिल्लो ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कोमन ट्रस्टी झाफ एस० डी० एफ० एंड टी०डी०एफ० ट्रस्ट।

(भ्रन्तरिती)

## भी यह सचना चारी करके पूर्वीक्त सम्परित से अर्थत से शिक्ष कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## **उबत सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई** भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत में प्रकाशन की लारीस सं 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां धर स्चना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो और सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीकर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितलक्ष्म किसी बन्य व्यक्ति द्धारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरी।

श्यक्तीकारणः -- इसमी प्रश्वनत कन्दी और पदों का जो उक्त सिध-नियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा, को उस क्रम्याय में पिया गणा ही।

#### सन्स्त्री

फ्लैंट नं० 401, तादादी 776:55 वर्ग फीट, मीतला हाउस, 73-74, नेहरू क्लेस, नई दिल्ली।

> श्नार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंकर श्राप्तका (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, विल्लो नई दिल्ली 110002

तारीख: 4-9-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ई०ई०/ 2-86/2690—-ध्रन: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

जारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो फ्लैंट नं०596, 405 एंड णीतला हाउस, 73-74 नेहरू प्लेस में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ श्रन्भूची, में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी 1986

को पूर्व क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल हे लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का का एण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल न्यू पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिव क्य म कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्वा प्रकर किया गर्या प्रवाधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तितयों, अर्थात् —

5--326GI/86

- (1) लिपरोसी मिसत ट्रस्ट इंडिया, 16, पंडित पंत मार्ग, सी०प्राई०ए५० भवन, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मर्ता मंजू डुमरा हस्टी श्राफ टी०डी०एफ० इस्ट । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्वत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तरी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं े 405 एंड 406 शीवता हाउस, 73-74 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली । कवर एरिया 1143 26 वर्ग फीट।

> श्चार्० पी० राजेश गक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज-1 दिल्ली,/नई दिल्ली 110002

तारीख: 4-9-1986

प्रस्त्य भारत', दी. एस. एस. ---

# भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ए (1) जी नभीन सूचना

#### भारत सम्बार

आयोजव, महायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1986

निर्देश सं० आर्थं० ए० पी०/एक्यू०/1/37 ई०ई०/2-86/ 2700—-श्रत: मुखे, आर० पी० राजेश,

श्यकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्यक श्रामकर अभिनियम कहा गया हैं), की धारा 269- का के अधीन सदाम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्व 1,00,000/- रा. कि जीवत ही

थौर जिसकी गं० हैं तथा जो फ्लैंट नं० 1213, 38, नेहरू पलेस, नई किकी में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व का से विकित हैं) रिजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निर्राक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 के श्रधीन तारीख फरवरी 1986।

का पृत्यत सम्मांस क उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमाय प्रतिकाल का मिल अंतरित को गई हैं और मूर्क यह विश्वास करते का कार्य हैं कि अभाग्य मृत्य के उचित बाजार मृत्य, वस र ब्रियमान प्रतिकाल के। प्रतिकाल का पन्त्रह (अन्ता स्वामी) के बीत होंगे प्रत्याण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्मांना शत अद्योषयों से उक्त बन्तरण जिलाक के वास्तिक के पर्य किया नहीं किया गया है कुन्न

- (का) बन्धरण संहुई किसी भाग की बाब्द, उभस अभिनिध्य के अधीन कर बन के करायक के दायित्य का लगी भार मा कराया कराया सामग्री के निष्यु, बाह्य/या
- [का एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का जिस्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रशंजनाथ अक्तिरिटी हुन्य उक्तर नाति किया गर्भ भा या किया अका चाहिए था, जिलान में सुविधा के लिए;

(1) श्री श्रंतल प्रोपर्टीज एंड इंडस्ट्रोम प्रा० लि० 115 श्रंगल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) टम्पल सीलीसींग एंड फाइनेंस लिमि० किलोकरी, 1 रीं रोड, सामने कार्लिदी कालोनी, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पर्तोक्त सर्म्यान्त के अर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्नन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना क राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर गूचना की उपित से 20 पिन की अवधि, जो भी जब्दि बाद में संगाम होती हों, तो भीतर पत्रीतर की में किया व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अधाहन्ता और के पास लिए सा सकेंगे।

स्माचीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, को उथह स्थिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अभ्याय में विका

#### अनुसुची

फ्लैंट नं० 1213, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली क्षेत्रफत 610 वर्ग फीट।

> श्वार पी० राजेश सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली, 110002

श्ताः अव, उनते अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुवरण मो, मी. उपत अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के संधीत, िल्लिनिकतं व्यक्तिसमीं, अधारि क्षेत्र---

तारीख 4-9-1986 मोहर : प्ररूप आर्द्र.टी.एन.एस.----- (1) पीटर सतवंत सिंह श्रीर मिसेस सरप्रयीत 'रोत' श्रारवर्ड

काथकार कॉंधनियम, 1961 (≀361 का 431 कं भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारतं सरकार

## कर्स्यांसन, सहायक बायकर भावृक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 सित्म्बर 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई० ई०/2-86/2782-श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ासके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- फ. से अधिक हैं। ग्रेर जिसकी मं० है तथा ज एलैंट नं० 501, सदयार्य, 96. नेहरू पलेग में स्थित है (ग्रीर) इससे उपाबद्ध ग्रत्युची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्राकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी 1986 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ४५ यभान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथल्युवॉक्त सम्पत्ति का उपित वाषार अरुप, इसके अस्पमान प्रतिफन से, एसे ध्यमान प्रतिफन का पंद्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती

(अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पासा गया प्रक्ति-काल निक्तिसित सन्दर्भक्ष से उक्त अंतरण लिसित में शस्तिविक

इन्य से कथित नहीं किया गया **ड**ैं ६----

- (कः) असरण सं शुद्धै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीत कर वीच के अन्तरण की वासित्य में कभी कार्त वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/यो
- (ध) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचल अधिनियम, या प्रत कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योज्नार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया धाना चाहिए था डिपान में स्विधा के लिए:

कतः क्रम, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की बन्सरण में, में, उन्न अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ध--

- (1) पीटर सतवंत सिंह ग्रौर मिसेस सण्पवीत 'रोत' श्रारचर्ड गांव मोरोन पो० श्रो० इयालपुर, जिला, जालधर (ग्रन्तरक)
  - (2) संजय मिलिक राहुल मिलिक रोहित मिलिक संदीप भेडी, सजय भेडी, कृशव सेटी 305, थापर नगर, मेरठ।

(अल्गी-सीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीति सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवर्शनमां गुरू करता हो।

ाला संपत्ति के अकन के सबय में कृष्टि भी आर्थाय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मी प्रकाशन की तारांख से 45 । दर की अविच के तत्सवंधी व्यक्तियों एउ पृचीन की कार्या के भी कार्या दर्श की समाप्त होती हों, की भी कर पृचीन व्यक्तियों मा से किसी स्थावत ब्रागरा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर संपरित में हितबद्ध किमी अन्य क्यांच्य क्यारा अधारस्ताक्षरी के पार निकास में किए जा सकारी।

स्थव्दिकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, दे अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, बो जम प्रश्नाय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लेट नं० 501, सिधार्थ, 96, नेह्र∗ प्रलेस, नई दिल्ली। क्षेत्रफल 901, वर्ग फीट।

> क्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर क्रायुका (निरीक्षण) क्रर्जन रेंज-1, दिल्ली,/नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-9-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अभिकार आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मितम्बर 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० भीः / एवयू ०/ 1/ 37 ई० ई०/ 2-86-2783—श्रत: मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

भायकर औ धनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वें पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० है तथा जो प्लाट नं० ए-3, नीति बाग, नई दिल्ली में स्थित है (स्रीर इगम उपाबद्ध सनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजर्ज़ीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रोकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख फरवरी 1986

को पूर्णेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के धरयमान प्रतिफाश के लिए अंतरित की गई है और महा यह विकास करने का कारण है कि यक्षणुर्विक्त सपंत्त का उवित्त बाजार मूल्य, उगके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिदात से जिथक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण मं हुई जिली आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दर्भ के अउरक के दासित्व मों कमी करने या उमसे बचने मां सुविधा के लिए, और/या
- (म) एमी किसी अथ या किसी धन या अन्य आस्तियों जां, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अव, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यवितयों, अर्थात :---

(1) श्री० पी० के० घोष 20, लायरम चेम्बरम, सुप्रीम कोर्ट, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) पाल एंड पाल विल्डिरम लिमि० 70, रीगल बिल्डिंग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तिरती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकोंगे।

स्पन्नीकरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दों बौर पर्दों का, वा उपह विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वत्ने अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

#### अनुसूची

प्लाट नं० ए-3, नीति बाग, नई दिल्ली तादादी 853:33 वर्ग गज।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक स्त्रायकर स्त्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1,दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-9-1986

प्ररूप आहारिटी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजीन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रक्तूबर 1986

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 7/एस० श्रार- 3/ 2-86/ 461—-श्रतः मुझे, श्री वी० के० मंगोता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के स्पीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाचार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो एटायर बेसमेट ग्रीर सामने का भाग तल खंड ग्रेटर कैला श-2 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विलत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रीधकारी के कार्यालय ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) म्रारोही म्रपार्टमेंन्ट प्रा० लिमि० ई-207, ग्रेटर कैलाम-2, नई दिल्ली बारा डायरेक्टर भ्रशोक जैन।

(स्रन्तरक )

(2) श्रामि साल्या फैंमिली ट्रस्ट द्वारा ट्रस्टी श्रीमति पार्ल्या श्राल कांत साल्वा निवासी 830, न्यू० कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्ट संपरित के अर्जन के लि कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

एंटायर बेसमेंट श्रौर सामने का भाग घरातल खंड प्रापर्टी नं० एम० 78, तादादी 501 वर्ग गज ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोत्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-10-1986

प्ररूप भाद<sup>4</sup>. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1561 (1961 का 43) की भाष 269-ण (1) के मधीन सूचना

## भारत सर्थनम्

कार्यालय, महायक आयकर वास्वत (जिराक्षण)

श्रजन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 ग्रक्तूबर 1986

निर्देण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्पू०/ 7/एस० ग्रार० 3/ 2-86 454—ग्रत: मुझे श्री बी० के० मंगुोन्ना

अधिकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'जक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च को अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधिक बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

भ्रीर जिसकी सं० है तथा जो प्रापर्टी ई-558, ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली-48 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनूयूची में पूर्व रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय तादादा 550 वर्ग गज दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन तारीख फरवरी 1986

कां पूर्वां अत सम्पत्ति के उणित बाबार मूल्य से कम के क्यमां कितिका के जिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वों यस सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके क्थमान प्रतिफल से, एसे क्थमान प्रतिफल का पन्द्रह भीतफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के निएं तय पाया गंबा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्धम से उसत अन्तरण लिखित व वाराविक कप से कांबर नहीं किया बना है:---

- (क) ब्रुक्तरण सं हुन् किसी बाय की बावज, छक्त विधित्यम् के ब्रुपीन कर बोर्स के बन्तुरक से दामित्य में कमी कर्ने वा उपने बचर में सुविधा के विष्; बीर/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी अथ 33 क्षण्य अपिक्तमों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाई अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जावा चाहिए था, जिल्लाने में सुविभा के किह;

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जं, जं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मोहन लाल साहनी सुपुत्र लाला सूरज मल साहनी ग्रॉर मिस पुनम साहनी द्वारा पिता ग्रौर ग्रिभावक मोहन लाल साहनी नित्रासी ई-29, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) येलो हट प्राप्रटीज लिमि० द्वाः डायरेक्टर श्रीमती मुल्तानी पत्नी प्रदीप मुल्तानी एच-36, कनाट सर्वस, नर्व दिल्ली।

(ग्रन्नरिती )

का यह सूचना जारी करक पूर्वाकत सम्पत्ति के वर्षात के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो ।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक माँ प्रकाशन की सारीख के 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सथान्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बाधिनियम, ध्रें अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कथ होगा को उस अध्याब में दिया गया है।

#### समधानी

प्रापर्टी नं० ई-558, ग्रेटर कैलाश-2, नई विल्ली-48 तातादी 550 वर्ग गज।

> वी० के० मंगोल्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक स्प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज 7, दिल्ली नई दिल्ली-110001

तारीख 13-10-1986 **मोहर** 8 प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रक्तूबर, 1986

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 7/एस०ग्रार०- 3/ 2-86/ 466—श्रतः मझे श्री वी० के० मंगोत्ना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,90,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो मकान नं० ई-13, डिफेंम कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बानार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके द्ययमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरफ (शन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, शनमिलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; भौर/था
- (क) ऐसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्सियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के मयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- मैसर्स ब्रिडले इलैक्ट्रिकल्स इंडिया,
 3/4, श्रासफ श्रली रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जीव श्रारव नष्यर, (एचव यूव एफव), ई-13, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में तितबद्ध किही अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, जही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं० ई-13, डिफोंस कालोनी, नई दिल्ली। क्षेत्रफल 867 वर्ग गज।

> वी० के० मंगोत्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 7, दिल्ली नई दिल्ली-1

दिनांक -13-10-1986 मोहर:

# प्रकृष क्षार् , टी. एन. एस ,-----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सद्दायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रक्तूबर, 1986

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/7/एसभ्रार-3/2-86/ 468—-श्रनः मझे श्री वी० के० मंगोत्ना

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

धौर जिसकी सं है तथा जो प्लाट नं 65, ब्लाक नं 48, डिप्लोमैंटिक इन्क्लेब, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्देश्य से उक्त अंतरण सिदित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है द—

- (क) वितरण से हुई किसी जाय की वाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की यायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; सौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय का किसी धन ६) साथ जासिला का का , जिन्ह भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनयम, विश्व के स्वीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए।

अत: जब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की जनुबरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निस्निनिक्त व्यक्तियों, जधीत:—

1. महिन्द्र कौर

सी-21, मालचा मार्ग, नई दिल्ली-21

(म्रन्तरक)

 मैसर्स भक्त लाल इन्डस्ट्री लिमिटेड, श्रर्सया रोड, ग्रहमदाबाद-1।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पृथांकित सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाखेर ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क" इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गण है।

## वन्स्यी

प्लाट नं० 65, ब्लाक नं० 48, डिप्लोमैटिक एन्क्लेव, नई दिल्ली, जो 15, राजदूत मार्ग, नई दिल्ली के नाम से जानी जाती है।

> वी० के० मंगोत्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 7, दिल्ली नई दिल्ली-1

दिनांक 13-10-19 मोहर: प्ररूप नार्ड. टी., एन्. एस., --------

अध्यक्षत्र **अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-च (1) के अधीन स्थना

#### नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रक्तूबर, 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 7/एस ग्रार-3/ 2-86/ 440—अतः मुझे वी० के० मंगोत्रा

वायकर विधिनियम 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परभात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो यूनिट मैजानिन फ्लोर ए पोरशन, प्रापर्टी नं० एस-533, ग्रेजर कैलाश-2, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाधार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह बिद्दाल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधिक बाधार भूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एंसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है अन्तरण सिचित में

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबबार खका विशेषका के बंधीय कड़ा दोने के बंदरक के शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा से सिष्; बॉट/बा
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अध्य जारिसयों को जिल्ही भारतीय अध्यार अधिनियम, 1922 (1927 को 11) या उक्कत किसीन्यम, धा धान-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रमोजनार्थ अवस्थित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने मी मुनिधा के सिए;

वतः वतः, देवतं विधिनयमं की धारा 269-यं के बन्सरणं की, की, उनस अधिनयमं की धारा 269-यं की उनधारा (1) की क्षारिक किम्मिक किम्मि

 श्री उत्तम कुमार मरोक सृपुत्र श्री राम रतन सरोक, एस-533, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. डा० श्रमरजीनिमह सुपुत्र स्व० सरदार सज्जन सिंह, निवासी 40/2, डवल स्टोरी, निकल नगर, दिल्ली द्वारा एटोरनी श्री परद्वयृत्व सिंह साहनी सुपुत्र स्व० सरदार हरबंस सिंह साहनी, निवासी 40/3 ए, डबल स्टोरी, स्रशोक नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्थाना जारी कारके पृथांकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी काशांप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति दुनारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-नव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विये वा सकारी।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उनक निभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ झोगा, जो उस अध्याय में जिला चना है।

## अनुसुची

यूनिट मैजानिन फ्लोर 'ए' पोरणन प्रापर्टी नं० एम/ 533, ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोस्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 7, दिल्ली/नई दिल्ली-I

दिनांक 13-10-1986 मोहर प्रस्थप बाह्र', टी. एन. एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

नायां लय, सहायक **बाय**कर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रक्तूबर 1986

निर्देश मं० श्राई० ए०सी०/एक्यू०/7/एसश्रार-3/2-86/ 433—श्रतः मुझे वी० के०.मंगोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उत्रत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. स अधिक हैं

धौर जिसकी सं० है तथा जो प्रथम खंड, सामने का हिस्सा, एम-78, ग्रेटर कैलाश में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी, 1986

को पूर्वो क्या सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा कं लिए; और/या
- (क) एसि किसी आय या किसी भन का अन्य अस्तियों क्यं, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विच के लिए:

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  मैसर्स श्रारोही श्रपार्टमेन्ट प्रा० लि० द्वारा डायरेक्टर: श्री ग्रशोक जैन, सुपुत्र श्री जे० पी० जैन ई-207, ग्रेटर कैलाश-2, नई बिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री परवेज बक्शी, सुपुत्र श्री स्वर्गीय बक्सी श्रब्दुल मजीद,—-श्रावास शर्मा हाउस, सनवर बाग, श्रीनगर, कश्मीर (भारत)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके प्दोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त संपत्ति के अर्थन के सर्वध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (वां) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिट में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं अर्थ होगा, जो जन अध्याय में दिया गया मया है।

## अनुसूची

प्रथम खिंड, ध्रवास के सामने का यूजिट हिस्सा, तादादी, 1800 वर्ग फीट, प्रापर्टी नं० एम-78, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली साथ कार पार्किंग ।

वी० के० मंगोता सक्षम प्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 7, दिल्ली/नई दिल्ली-1

विसांक: 13-10-1986

मोहरः

## ्यक्ष वार्षः डी. १४., दवः ----

# बायकड विधिनियम, 196∜ ∜े961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

#### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर भागुक्त (निर्शक्षिण)

धर्जन रेंज 7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रक्तूबर 1986 निवेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/7/एस० श्रार०-3/2-86/ 455--श्रत: मुझे, श्री वी० के० मुगोत्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो रियर भाग, धरातल खंड प्रापर्टी नं० एम-78, ग्रेटर कैलाण-2 में स्थित है (श्रौर इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता श्रधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी,

का पृवांकित संपत्ति के उपित बाजार मून्य से कम के स्वयं प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उपित बाजार मून्य, उसके स्वयंमान प्रतिफल से, एसे स्वयंमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एप्टे अर्पण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर से उक्त अन्तरम निर्माह में नास्तिक रूप से कथित नहीं कि , गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किती बाव की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के बिष्; बांड/बा
- त) एसी किसी आप या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ बन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के बिय,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण - , मैं उपल अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन : निम्निलिखित व्यक्तियों , अधीत :---  मैसर्स ब्रारोही भ्रपार्टमेन्ट, प्रा० लिमि० बारा डायरेक्टर: श्री भ्रणोक जैन, ई-207, ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. ले० क० मी० एस० सिंह भ्रौर रमीन्द्र सिंह, शाह निवासी सी-506, सोम बिहार, श्रपार्टमेन्ट, सगम मार्ग, ग्रार० के० पुरम, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पृक्षीयत संस्पत्ति के नर्धन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

## उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वरं ने राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कें

  4.5 दिन के भीतर उक्त स्थाव पंपत्ति में हित्यक्ष

  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

  तिवित में किए वा सकनि।

न्त्रकरणः—-इसमं प्रयक्त शब्दों और पदों की, जो उन्स अभिनियम क अध्याय 20-क में शरेभारेलड हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया। गवा है।

## धन्स्ची

रियर पोरणन धरातल खंड, प्रापर्टी नं० एम-78, ग्रैटर कैलाग-2, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 7, दिल्लं/नई दिल्ली

विनांक: 13-10~1986

मोहर 🚁

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस्. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

#### MINU WESTS

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज 7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रक्तूबर, 1986 निदेश सं० श्चाई०ए० सी०/एक्यू०/7/एस श्चार-3-2-86/ 434---श्चत: मुझे, वी० के० संगोत्ना,

बायकर किंसिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पर्वात् 'उन्हां विधिनियम' कहा एया हैं), की बारा 269-ल के बभीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारल हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं है तथा जो प्लाट नं एस-147, तादादी 298 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजम्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक फरवरी, 1986,

की पृत्रोंकन सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य ने कम को दश्यतान प्रतिकल को लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्तास करने हा आएन है कि उआप्यांकर संगरित को उचित बाडार प्रमा, उसने क्ष्यमान अतिकल सं, कुने दश्यमान प्रतिकत प्रमाह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरन को लिए तब पाया गया प्रतिक कर निम्निलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- हैंकों अफाइय से हुई हैंकजी बाय की बावत उनके अभिनियम से बाबीच कहे को से सम्मारक से स्वयित्य में कमी कहने वा उसके बचने में स्विधा से निष्; कीर्ट्या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बात: बात, अक्त अधिरतयम की धारा 260-४ के दनगरण में, में, तरत अधिनियम की धारा 269-व की उपवाण (!) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- . 1. खी केवल कृष्ण गर्मा, सुपुत्र श्री राम कृष्ण गर्मा, निवासी ए-1/125, सफदरजंग, एन्कलेव, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
  - मैंसर्स डी० एस० बिल्डिस, द्वारा पार्टनर श्री जसबिन्दर सिंह, निवासी ए-2/1540, सफदरजंग, एन्कलेब, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

**को यह सुध**ना ला**र। करक प्**यक्ति गण्यास्त के प्रकृषा की **लिए** कार्यकार्यकार्यकार

उक्स सम्मित के अर्चन के सम्बन्ध भी कीई भी जाओं। .--

- (क) इस मृचना के राजपय में प्रकाशन की तारींध प्र 45 दिन की बविज या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. स्चना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के शीन र उच्चत स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रभूवत शब्दों और पदों का, जो जबत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रन्सुची

प्लाट नं एस-147, तादादी , 298 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली ।

> वी० के० मंगोसा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज ७, दिल्ली/नई दिल्ली

दिनांक: 13-10-1986

प्रकृत्य आहु . ती . एम . एस - -----आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यास्य, सहायंक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 अन्तबर, 1986

निदेश सं अर्जाई ० ए० सी ०/एक्यु ०/७/एस अरार-३/२-६६ 450--- भ्रत: मुझे श्री जी के क मंगोला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित प्राप्तार मृत्य 1.00,000/--: । শ জীঘন স্

है तथा जो प्लाट नं० 115, ब्लाक नं 8 डब्ल्य-115, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्युची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक फरवरी, 1986 को पुलीयत राम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के सम्यमान प्रशिफल के लिए अंधरित की गई है और मक्ते यह विश्वात **इ**रने का कारण है कि यथापूर्वीबत संस्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमार प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल के क्ल्द्रल प्रतिकास से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकारें) और ■करिती (अंतारितिया) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तब पाया प्रतिकत्ति, विक्तिविधित उद्योध्य में उत्त अन्तरण निरिधित हैं अस्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) गुन्तरण सं हुई किसी भाष की गावता, उपत मधिनियम के मधीन कर दोने वा मन्तरक थी वाजित्य में कमी कर्म या उत्तर मचयं में स्विप्त के लिए; बौद्ध/पर
- (का) ऐसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हें भारतीय भागकर जिंधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनिधम, या धन-कर अधिनाम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्षेत्रनार्थे अतिरिती बुगारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना थाहिए था, छिपाने म स्विधा **छ** स्लिए :

बत: बब, उक्त विभिनियम की धारा 269-न की अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) कं अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री वीरेन्द्र शर्मा, सुपुत्र श्री डी० एम० शर्मा, डी-14-ए/18, माडल टाउन, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. गौरव प्रापर्टीम, प्रा० लि०, 28. मोतिया खान, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सचना जारी फरकं पर्योक्स मन्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित को अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस स्चल के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मचना के सामाल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीएर एवं िल व्यक्तिया में में कियों कावित हर अ
- (का) इस गचना वर्ष राजपत्र में प्रकाशन की तररीक्ष से 40 किन क संसार ७५० स्वान र सम्मन्ति मा विजवहुध किसी अन्य व्यक्ति इवाल अभोहस्ताक्षरी के पास निस्तिसाँ भाँ भाग का एका सामा।

म्भष्टीकरणः -- इसमें प्यायत शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विधा गया 3,1

## अनुसूची

प्लाट नं ० 115, ब्लाक डब्ल्यू, डब्ल्यू-115, ग्रेटर कैलाम -2 नई दिल्ली के नाम से जाना जाता है। एरिया 836 वर्ग मीटर ।

> वी० के० मंगोला सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 7, दिल्ली नई दिल्ली

दिनांक 13-10-1986

# प्रसम नाइ े टी. एन ् प्र<u>स्</u> = a± a

# **भागभर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269-च के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रक्तूबर, 1986

् निदेश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 7/एस ब्रार-3/ 2-86

.4.4.6-----श्रतः मुझो श्रीवी०के० मंगोन्नोा

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्नास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं है तथा जो प्रापर्टी नं एम-64, 510 वर्ग गज हाई स्ट्रीट ग्रेटर, कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1986

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण हूं कि अथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यभान प्रतिफल से एसे द्रश्यभान प्रतिफल का न्वूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितों) के बीच एहे सन्तरम के लिए द्रथ पाया गया प्रतिकत्त , निम्निलियित उद्वेष्य से उस्त अन्तरम सियत में बास्तिक कम से कृष्टित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तहरू से धुर्द किसी नाम की नामत उक्त सिंध-नियम को अधीन कर दोने के बन्तरक के दामित्व में कामी करने या स्वसं क्याने में समिधा के लिए; श्रीक्ष/पा
- (क) ऐसी किसी काय का किसी वन वा शन्ध नंतिस्तरो महा, जिन्हों अहरतीन आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निधिन्यम, वा चून-का स्तिन्यम, वा चून-का स्तिन्यम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया शांता चाक्रिए था, कियाने के मुविका

अक्षः बच्चः, शक्स कीभीनवज्ञ की भाषा 269-ग वी अनुसर्क वों, त्रों, उक्त अभिनियम की भाषा 269-व की उपभाषा (1) कुंबभीन, निस्त्रसिक्त व्यक्तियों, बर्मात ः---  शीलावती कपूर पत्नी प्रेम प्रकाश निवासी स्वामी नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. प्रकाश कुमारी पत्नी रघुबीर निवासी एम-126, ग्रेजर कैलाश-1, नई दिल्ली ग्रीर चन्द्र मोह्न, बी-22, कैलाश, ग्रपार्टमेन्ट, लाला लाजपत राय मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का बह भूषका जानों कारके प्रांकित गण्योक के गणन के गणन के निध कार्यवाहियां करता हों।

इक्त सम्परित के अर्थन के संस्थान में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्कान को राजपत्र यो प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, को भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी ब्यक्तित् द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजान में नकायन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में हित-व्यूध किसी अन्य व्यक्ति द्वान, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्त्री।

स्पष्टीकरणः ---इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विश्व गया हा।

## **मन्**स्ची

प्रापर्टी नं  $\phi$  एम-64, तादादी 510 वर्ग गज, 1 ढाई स्टोरी मकान, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।

वी० कें० मंगोन्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 7, दिल्ली नई दिल्ली

विनांक : 13-10-1986

# प्ररूप बाई टी.एन.एस.-----

बायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन मुचना

भारत अरकार

कार्यासक, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) भ्रजन रेंज 7. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रक्तुबर 1986

निर्देश सं० श्राई० ए०मीं०/एक्यू०/7/एसग्रार-3/2-86/ 437—श्रतः मुझे, श्री वी०के० मंगोत्ना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो प्लाट नं० एम-63, ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्लो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम,1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक फरवरी, 1986

को पूर्वेक्ति सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एोमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एने अन्तरण के लिए तब वाबा गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्योश्य में उवल अन्तरण विश्वति को बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कः) अन्तरण संहुद्धं किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उत्तर्ध बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ, या धनकर अधिनियभ, या धनकर अधिनियभ, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में स्विधा के दि।;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, जिस्तिशिवत धिक्तिथीं, अभृति करूर

- श्रीमती मनजीत कौर पत्नी श्री प्रीतम सिंह, निवासी 1-2-33/1, गंगा महल रोड, हैदराबाद-29 (एपो), वर्तमान पता: ए-185, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- माहिल बिल्डर्स द्वारा पार्टनर श्री बी०के० नारंग सुपुत्र श्री जे० सी० नारंग, निवासी ई-266, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त मध्यति के वर्जन के निकः कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सै 45 दिन की स्विधि या सत्सम्बन्धी स्विक्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विक्तयों में से किसी स्विक्त द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्षभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को वाक लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, वो अवव विधिनियम, के वश्याम 20 क में परिभावित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नया है।

#### अन्सृची

प्लाट नं० एम-६३ ग्रेटर कैलाण, नई दिल्ली ।

वी० के० मंगोल्ला सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-7, दिल्ली/नई दिल्ली ।

दिनांक: 13-10-1986

प्रकृप कार्यः ही, एन, एत्.----

मायकर अधिनियम . 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के मंपीर अध्या

## गारक सरकात

कार्यालय, सष्ट्रः मक कायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रंज 7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/7/एसग्रार-3/2-86/ 438--श्रतः मुझे, श्री वी०के० मंगोत्रा,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन' इसमें इसके पश्चात् 'उनत अभिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राभिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० है तथा जो ग्राजन्ड फ्लोर, प्रापर्टी एम-95, तादादी 324 वर्ग गज, जी के-2, ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ष्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी, 1986

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मून्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाकित संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके प्रस्मान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योग से उसत अन्तरण शिवित व बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहूद किसी बाय की नानत जनत अभिनितन के अधीन कर दोने के अन्तरक के समित्य में कभी करने या उत्तने अधने में दिवशा के लिए; सीर/या
- (क) एसी किसी बाब वा किसी धन वा सन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर जिभिनिसर्ग, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के असाजनाथ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना जाहिए था, कियाने वं सर्विभा वीक्स;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण होते, ग्रेंबन अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के धीन, निस्तिसित व्यक्तियों, वर्धात् के—-

- श्री श्रांतिल कृमार सहगल सुपुत्र एमः श्रार० सहगल, श्रौर श्रीमती सवर्ण सहगल, पत्नी श्री एम० श्रार० सहगल निवासी डी-289, डिफेंस कालोनी, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री संदीप झावरी, सुपुत्त श्री विषितचन्द्रा एस ० झावरी, श्रीर श्रीमती राजूल झावरी, पत्नी संदीप झावरी, निवासी एम-47, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

दक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध भी क्योड़ भी साक्षेप :---

- (क) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय में 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति दवारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख प्र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहरताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमः हैं।

## अमुसूची

ग्राउन्ड फ्लोर, प्रापर्टी नं० एम-95, तादादी 324, वर्ग गज। ग्रेटर कैलाण, नई दिल्ली (ग्रेटर कैलाश-2)।

> वी० के० मंगोत्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-7, दिल्ली/नई दिल्ली

दिनांक : 13-10-1986

प्रस्तु आहु". डी. धून. युक्त मन्तरमान

# नामकर निर्मातमान, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-क (1) है तशील मुख्या

的时期 计电路算

# कार्यालय, सहायक जावकार बायुक्त (निरीक्टक)

श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० भ्राई०ए० सी०/एवयू०/7/एम० भ्रार०-3/2-86/ 457—श्रत: मुझे, श्री बी० के० मंगोत्रा,

मानकर मिनिनम, 1961 (1961 का 43) चिचे इसमें इसमें दसमें प्राप्त 'उन्द शीपरिवर्ग कहा ग्वा है, की भाष 269-स के सभीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका अभित बाकरर मुल्य 1,00,000/-रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं है तथा जो पूर्ण, दूसरा खंड, प्रापर्टी नं एम-95, ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण कप में विशित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकार के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक फरवरी, 1986 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गर्ब हैं और मुन्ने यह विश्वाध करने का कारण है कि स्थाप्वांकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान श्रीतफल का पंत्रह श्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए स्व पाया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अंतरण शिवित में श्रीतशिक रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण ते हुई किथी जाव की वावष्ठ, उक्त वीधीनजन के अधीन कर योगे के जन्मरक के वासिएण सें कशी करने था उक्ती वचने में सुविधा के तथा, जोर/ए:
- (स) श्रेती किसी आव या किसी भन वा अन्य शास्तियों की, विम्ही भारतीय वाव-कर विभिनियम, 1922 मि922 का 11) या उपल विभिनियम, वा भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अमेजनार्व अस्तिरिती जवारा एकर नहीं किया पर कर था दिया काला चाहिए भर कियाने में स्विधि के विक्रा

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण भी, भी, उदान अधिनियम की धारा 269-थ की जानान ()े क अधीर क्रिक्टिसिस व्यक्तियों, अधीर इ—— 1—326GI/86 1. श्री भ्रतिल कुमार सहगल सुपुत्र एम०श्रार० सहगल स्वर्ण सहगल पत्नी श्री एम० श्रार० सहगल निवासी डी-289, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती पुष्पा भ्रवस्थी पत्नी रवी भ्रवस्थी,
 रवी भ्रवस्थी सुपुत्र बी० एस० श्रवस्थी,
 निवासी गोविन्द पार्क, बलरामपुर, जिला गोंडा यू०पी० (भ्रन्तरिती)

की वह त्यमा भारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन की विद्र कार्थवादियों करतः क्ष्में।

उब्रह संपत्ति के बर्जन की संबंध में कार्य भी आयोप :---

- (क) इस भूषना में राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी स्पवित्यों पर कृषना की तासील से 30 दिन की शबिभ, यो भी जन्भि शब में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्य का का किया में किसी स्पिक्त द्वारा:
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

त्यके करण: --- १शवां प्रवृत्तत कर्मा बीर पद्यों का, वां वयक अधिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मूर्ण होना, वां उद मुख्याय में दिवा यहा

# **ग्रन्**स्ची

एंटायर सेकिण्ड फ्लोर, प्रापर्टी नं० एम-95, ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली ।

> वी० के० मंगोला सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅज-७, दिल्ली/नई दिल्ली

दिनांक 13-10-1986 । मोह्र :

## 

मायकर अभिनियम, १५६१ (1961 का 43) का धार्य 269-थ (1) को अभीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्तूबर 1986

निर्देश सं० भ्राई०ए० सी०/एक्यू०/7/एस०भ्रार०-3/2-86/ 458—श्रत: मुझे, श्री वी० के० मंगोला,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्षात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रशिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्मतिल, जिसका दिवल शाकार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो प्रथम खंड श्रीर मेजानिन, फ्लोर, प्रापर्टी नं० एम-95, ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1986

को पूर्वेक्ति सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए जन्तिरिए की गई है और प्रक्षे यह गिष्णास करने का कारण है कि स्थाप्यों कर संगीति का उचित याजार कृष्ण, उसके दृश्यमान प्रतिकास से, ऐसे क्यमान प्रतिकास का पंस्त प्रतिकास के प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) जीर अंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे सम्परण के जिए क्ष्म पाया नृजा प्रीव-फल निम्निलिसित उद्योश्य से उसत अंतरण लिसित में वास्तिनिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बावस, सक्त अधिनियस को अधीन कर दोने के अन्तरण को दासित्य में कनी करने वा उससे वजने में सुविधा के सिए; मोद्र/का
- ण) एसी किसी बाय या किसी भव वा बत्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कां प्रसोचनार्थ बन्धां क्यी ब्वारा अकर नहीं किस भवा था वा किसा जाना बाह्यिए था, दिल्यान का अधिका के सिक्टा

गतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :-----

- श्री ग्रनिल कुमार सहगल सुपुत्र एम० श्रार० सहगल श्रीर श्रीमित सबर्ण सहगल, पत्नी एम० ग्रार० सहगल निवामी डी-289, डिफोम कालोनी, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सुमंत सेठी, सुपुत्र मदन गोपाल संठी श्रीर श्रीमिति रोहिणी सेठी, पत्नी सुमन्त सेठी, निवासी श्रार-2/79, राज नगर, गाजियाबाद यृ० पी०, द्वारा एटीरनी कंवल: क्रुटण खोसला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए राजकारहरा करता हुं

## जनस सम्पृतित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नासपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबीध या तत्सम्बन्धी न्यक्तियां पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, वो भी वबीध साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों स्थ स्थित त्यों में से किसी न्यक्तित तृथारा;
- (क) इस सूचमा के राजपण में प्रकाशन की वारीय सं 45 विन् के मोधर उक्त स्थानर सम्पर्ति में हितनकृष किसी बन्ध क्यानिस द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किस का सकेंगे।

त्यक्तीकरणः--इतजी प्रयुक्त सम्बद्धे ब्रीर पक्षी का, वो वश्व ब्राह्मित्वक, के ब्रम्माच 20-क में प्रिभावित ही, वही अर्थ हाँगा जो उस कथ्याय में दिशा भवा ही।

## अन्**स्ची**

प्रथम खंड श्रौर मेजानिन फ्लोर श्राफ प्रापर्टी नं० एम-95, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोन्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, दिल्ली/नई दिल्ली

दिनांक: 13-10-1986

प्रक्रम बाइं.टी.एन.एस. ------

शावकार सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सधीन सुधना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अन्तूबर, 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 7/एस ग्रार-3/ 2-86/ 439—श्रतः मुक्षे, श्री वी० के० मंगोला

बावकर षिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात जिस्ते अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राणिकारी को, यह विक्रमास करने का काल्य है कि उपन्ययोक्त मणिति का रिचल बाबार रूख 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो एम-36, तादादी 1639, 1/2, वर्ग मीटर, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1986

का पूर्वांचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के दश्यमान प्रतिकाल में लिए बन्दरित की गर्द है और मुफ्ते यह विश्वास करने का सारण है कि यथाप्वोंक्त सपत्ति का निषठ बाजान् मून्य, उसके दश्यभान प्रतिकाल में एंगे अन्ययान प्रतिकाल का पन्ताह प्रतिकात से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और बातरिती (बन्तरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल, निम्निसिखत अब्बारण्य से उसते बन्सरल कि खत में वास्त्रांवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बर्धीयल में कभी अदुर्ग ना उससे समये से सुविका के लिए। और/भा
- (व) इति किसी जान ता किसी धन ना नन्त आत्रियों का, चिन्हें भारतीय नायकर निवित्तमनन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-खर नौंधीनवन, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किना नया ध्य था किसा धाना चाहिए था, दिलाने के स्वीव्या के लिए;

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- श्री राम मरन दाम तुल्ली सुपुत्र श्री स्व० मेलाराम तुल्ली, निवासी 100 एम, कनाट सर्कम, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- मान्हन बिल्डर्स, ई-588, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली द्वारा पार्टनर श्री देवी दास माल्हन। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्थन के मिए अववाहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी आक्षेप ः--

- (क) इस स्थान के प्रथम के प्रकारन की तारीय धं 45 विन की अविधि मा तत्काम्बन्धी आविश्वकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकींगे।

भक्षाकि विकास का अपून्त अन्यों नीर वर्ती का, वो उनस् की भीनसम के नध्याय 20 के वो परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा, वा उन्न सध्याय में विका गया हैं।

## श्रन्स ची

्लाट नं ० एम- 36, तादादी 163, 1/2, वर्ग मीटर, णापिंग कम श्रावासीय सेंटर, ग्रेटर कैलाण- 2, नई दिल्ली ।

वी० के० मंगोत्रा सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-7, नई दिल्ली

दिनांक: 13-10-1986

-----

# प्रकृष बार्षः द्वीत् एतः एकः ------

# आयकार अपिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यात्म, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज-7, नई **दि**ल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 7/एस ग्रार-3/ 2-86/ 438—-श्रतः मुझे, श्री वी० के० मंगोला

कायकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के सुधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कह कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० है तथा जो प्लाट नं० 241, क्लाक एन, तादादी 300 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारटोय रिजस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यनाः श्रीतफम के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास भरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार त्र्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का भृद्ध प्रतिशत से बिधक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिश (अन्तरिशियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्षिय से उक्त अन्तरण किक्रिक्ष में बास्तरिक रूप से किक्त नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाम की बाबत, सकत अधि-विषय के अधीन कर दोने के बंतरक के वायित्व में कमी करने या सक्तम बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (भ) एंसी किसी अप या किसी धन या अप्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब. एक्स ओसनिएम की एमा 269-म है अनुपाल की, मी, उक्त अभिनियम की धारा 269-भ की अभिनास (1) की अभीन, निम्मिनिक्त स्थितयों, अभीन क्र---

1. (1) श्रीमती योग गीर

ge<del>lerandalaman</del>, lus en relaciones com la compresentación de la c

- (2) श्रीमती सुशील गार
- (3) डिम्पल गोर
- (4) मिस् नीता गोर 44, डी० एल० एफ० कालोनी, रोहतक, हरियाणा ।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती सुशीला चौधरी,
 बी-1, ईस्ट ग्राफ कैनाश, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह भुषना जारा करके पृथायत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

## उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की बबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में सं किए बा सकींगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

प्लाट नं० 241, ब्लाक एन, तादादी 300 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोता सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

दिनांक: 13-10-1986

## प्रकृष बाइं.टी.एन.एस.-----

काक्ष्मर विधिनिक्स, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के विधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासम, शहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनां रु 13 अक्तूबर 1986 निर्बेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/ ७/एस ग्रार-3/2-86/ 467—ग्रत: मुझे, श्री वी० के० मंगोत्रा

मायकर अधिनिया 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात (क्या विश्वियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन की प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्थाति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो प्रापर्टी नं० ए-303, तादादी 217 वर्ग गज, डिफेंस कालोनी, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण, ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के द्रियमान नित्रफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, मून्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को, बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के बिए; और/या
- (ख) होती किसी बाब या किसी धन या बच्च बास्तिकों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कत: अब, उक्त अविनियम की भारा 269-ग के अनुसरण क, क, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीर, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात 1. श्री चन्द्र प्रकाश सुपुत्र श्री किशन चन्द, ए-303, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री विशम्भर लाल मिगलानी सुपुत श्री चमन तेलाल मिगलानी ग्रौर श्रीमती विनिता मिगलानी पत्नी श्री विशम्भर लाल मिगलानी, निवासी के-44, एन० डी० एस० ई०-2, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के नेपए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उक्त सम्बत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाकप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के बध्याय 29-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिखा नवा है ॥

## अनुसूची

प्रापर्टी नं॰ ए-303, तादादी 217 वर्ग गर्ज, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोता सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

दिनांक: 13-10-1986

## प्रकप नाव . ही. एन. एत. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के अभीन सुचन

## भारत सरकार

कार्यालव, सहायक जायकर जापूक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-5, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 श्रक्तूबर 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एवयू०/5/एस ग्रार-3/8-86 6900/17—ग्रत: मुझे ए० के० मनचन्दा,

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 5 है, तथा जो ब्लाक बी-2, सफदरजंग स्कीम, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिलांक श्रगस्त, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गर्व और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुत्रांक्त सम्पत्ति का उचित वाजार जन्म, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे यन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोषय से उक्ष्य अन्तरण लिखित में बाम्होंवक स्प ं किथन नहीं किया गरा हों:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वास्त्र, उक्त मिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के कामित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के सिए; बरि/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी वन या जन्य आस्तिवाँ का, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया द्वारा या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा तृषिधा के निए;

क्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की लण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाता :--- लेफ्टि० कर्नल, बी० ए० एस० चोपड़ा,
 डी-2/30, जनकपूरी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

- श्रीमती नीलम जैन, श्री सुरेन्द्र कुमारऐन, निवासी 8/159, ग्राम महरम नगर, नई दिल्ली।
  - (2) श्री राजेश कुमार जैंन निवासी 8/149, ग्राम महरम नगर, नई दिल्ली।
  - (3) श्री राकेण कुमार जैन, निवासी 8/151, ग्राम महरम नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचरा जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के अप कार्यवाहियां शुरू करता हुं

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाध्येय 🚈

- (क) इन सूथनः के राजपण मो प्रकालन की तारीख थे 45 जिन की जबिप था तत्में बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितर व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरों के गास लिखित न किए जा सकति।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

#### अनुसुषी

प्रो० नं० 5, ब्लाक बी-2, सफदरजंग रिसिक्टेन्टल स्कीम, नई दिल्ली, नादादी 450 वर्ग गज।

> ए० के० मनचन्दा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

दिनांक 14-10-86 मोहर:

## प्रस्पः बार्षः ठीः एतः एसः """"

# बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत संग्कार

## कार्यातय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां रु. 14 श्रक्तूबर, 1986

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 5-/ 5-86/ 5492/ 1--ग्रत: मुझे ए० के० मनचन्दा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर िंसकी सं० बी-2/4, है तथा जो सफदरजंग इनक्लेंब, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1986

को पूर्वेक्ति सपत्ति के उपित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्र्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्र्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्यरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में स्थिश के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी बन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्थल अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अस्त जाना चाहिए था, छिपान में सित्रधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मों. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) मं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:— 1. श्री विनय कुमार भाटिया, निवासी-38, राजेन्द्रा पार्क नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती भानवर देवी जैन, निवासी ग्राम—महरम नगर, दिल्ली कैन्ट, नई दिल्ली-10।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्बसाहियां करता हुं।

## समक बंबारित के अर्जन के संबंध में करोड़" भी बाक्षीय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस स्चना को राजवल में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाश सिवित में किए जा सकांगे।

स्पच्छीकरणः ---- इसमें प्रयूक्त श्रम्बां और वदों का, जो उनक विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं कथ होगा, ओ उस अध्याय में जिल्हा थया है।

## ग्रनुसुची

प्रो० न० बी-2/4, सफदरजंग इनक्लेव, नई दिल्ली/तादादी——451.50 वर्ग गज।

ए० के० मनघन्दा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 5, दिल्ली, नई दिल्ली-110001

तारीख: 14-10-1986

and the control of t

अक्ष याद<sup>\*</sup> ड१. **ए**स. **एस**्चन्यान

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ह (1) के सक्षेत्र क्ष्या

## मार्व सरकाह

कार्यालय सहायक आयहर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-5 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 श्रक्तूबर, 1986

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार कि नियम कहा गया है), की बारा 269-क के अभीन सक्षाय शाधिकारी की, यह नियम करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० एम-4, है तथा जो ग्रीन पार्क मैंन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपानद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगा है), रिन्स्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 8 ग्रगस्त 1986 ज

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उणित बाजार मृत्य सं कम के दश्यान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) जार अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया क्या प्रतिफल, निम्निस्तित उद्देश्य से उपत कम्बरण निवित्त के सारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है द्वारा

- (क) बन्तद्रम से हुइ किसी बाद की बाच्या, समस निम-दिवस से सभीन कर दोने से बन्तद्रका हो वासित्य में कड़ी करने या उससे वचने में तुनिधा के लिए; सीर/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया मया या किया जाना चाहिए था, किया स्तिभा के शिक्ष।

1. श्रीमर्ताः कौश्यलार देवी खन्ना, निवासी-एम-4, ग्रीन पार्क मैन, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2. श्री लिलत कृष्ण सरीन श्रौर वृज मोहन सरीन, निवासी-वाई-2, ग्रीन पार्क मैंन, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

का मेह सुकाना जारी कारको पूर्वोकत संघत्ति के कर्जन की विष्कृ कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारील है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की लाभील है 30 दिन की जविध, जो भी व्यक्ति माद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त स्वित्यों में से किसी स्वित्र द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्योहस्ताक्षरी के याह निवित में किए जा सकों में।

स्पष्टिकारण :---इसमा प्रमुखत शब्दों और पदों का., वो अवस् विभिन्नम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ हार्रेग को उस्म अध्याय भी विकास समा हो।

## अन्स्ची

 $2\frac{1}{2}$  स्टोयढ विल्डिंग, एम-4, ग्रीन पार्क मैन, नई दिल्ली, तादादी-500 वर्ग गज।

ए० के० मनचन्दा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-5, दिल्ली, नई दिल्ली-110001

बनः, अबः, उक्त अभिनियमं की भारा 269-म के सन्सरक मो, मी, उक्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपभार (1) के अभीन, निम्निस्तिस्त व्यक्तियों, अमित् हिल्ल

तारीख: 14-10-1986

मीहर:

प्रकार नाइ ही एन ुन्।....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भधीन स्थना

#### धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्प्रजन रेंज-5, नई दिल्ली

नई पिल्ली, दिनांक 13 श्रक्तुबर 1986

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार विश्वत अधिनियम कहा गया है), की आंग 269 के के अधीन राक्षण प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- र<sub>ि</sub>. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं० 2127 और 2128 है, तथा जो ब्लाक जे० करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में गौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में आयकर श्रिधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्राप्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार सूख, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तक्ष प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कत, निम्नलिखित उच्चेश्य से उचित अंतरण लिखित में वास्स-विक स्था में कथित नहीं किया गया है है

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, उक्त बिध-निवस के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी आरणे या उससे बचने में सुविधा के निर्धा और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा से लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
8326GI/86

1. श्रीमती बिबु देवी, श्री गुनील कुमार, श्री बीर सागर श्रौर श्री विष्य सागर, निवासी-2127, गली नं०-58, नाई वाला, गुम्ह्रारा रोड, करोल, बाग, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2. श्री ए० एल० अरोड़ा, श्रीमती विमल अरोड़ा, मास्टर श्रमित अरोड़ा, निवासी-15/42, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निध् कार्यशाहियां करता हुई।

अस्य सम्मात्ति के वर्णन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचिं। की तामाल से 30 दिन की अविधि, को भी त विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ड) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी चीं पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त घट्टों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

नार्थरनहाफ, प्लाट/खसरा नं०-501 और 502, तादादी 194.5 वर्ग गज प्रौ० नं०-2127 श्रीर 2128, ब्लाक 'जे' नाई वाला करोल बाग, नई दिल्ली।

ए० के० मनजन्दा सक्षम प्राधिकारी, सड़ायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-5, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-10-1986

मोहरः

# इक्ष आहे. टी. १५ . १६ .. -------

भावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीत सुचना

#### मार्त सरकार

कल्यालय., सहायक नाथकर नार्कत (निरोक्तक) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अन्तूबर, 1986

निर्देश मं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 7/37-ईई/2-96/ 2683—-श्रश्रतः मुझे, बी० के० मंगीता

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स वे अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थादर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 100, है तथा जो पृथ्यी राज रोड़, 1800 वर्ग फ्लैंट प्रथम खंड में स्थित है (और इससे उपाव के भीनुसूंची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7 नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1961 के अधीन तारीख फरवरी, 1986

को पूर्वेक्सि सम्पर्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रायमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का अगरण है कि यथापूर्वेक्स संपरित का उचित बाजार मृल्य उसके रायमान प्रतिफल से, ऐसे रायमान प्रतिफल का पन्दार प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गहरूकिक रूप से कथित नहीं किया गमा हैं:—

- (कः) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- णि. पिसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिल्हां भारतीय नाय-अन अधिनियम, 1900 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1900 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान स्विका वे लिए;

 मैं मर्न भ्याना बिल्डरस प्रा० लिमिटेड ले-ा, लक्ष्मी भवन, 72 नेहरू पलैंस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 मेसर्स घ्रार० एम० इंबेस्टमेंट एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्रा० लिमिटेड 27-बी, कामक स्ट्रीट कलकत्ता-700016।

(ग्रन्तिरी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व विश्व व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया

### अन्सूची

फ्लेट नं० 5, 10ए, पृथ्वीरा<mark>ण रोड 18</mark>00 वर्ग फीट फ्लेट प्रथम खंड।

> (वी० के० मंगोला) सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

जत: जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकों, अधीत्:---

नारीख: 13-10-1986

प्ररूप बार्ड. टी. एम. एस. । मन्न-

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269 थ (1) जे कथील गुयना

#### भारत तरकार

# कार्यास्य, बहायक जायकर बाबुक्त (निद्धीक्षण)

श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रक्तूबर, 1986

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/7/37-ईई/2-86/2685/—म्रतः मुझे, बी० के० मंगोन्ना,

नायकर निर्मियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निर्मियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00.000/- रा. संजिधक है

श्रौर जिसकी सं० 10ए, है, तथा जो पृथ्वीराज रोड़, 1800 वर्ग फीट फ्लेट श्रान फस्ट फ्लोर में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रानुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता झिंधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुजेंन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1961 के श्रिधीन तारीख फरवरी 1986

को प्वींकत सम्पित को उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल को पंक्र प्रतिशत से अभिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ कन निम्निलिचित उद्देष्य में उक्त बंतरण निम्नितियाँ में वास्तिक रूप स की भत नहीं किया नवा है है—

- (क) बन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ह्यियल्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बॉर/या
- (स) एसी किसी जाय या पि.सी.धन या अभ्य कास्तिया को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या जियाने में सुविधा के निरुद्ध

अतः वय, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म के जनुबद्ध को, जो, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को जधीन, निम्नतिचित व्यक्तियों अवस्ति है—— 1. मैसर्स भ्याना बिल्डिरस प्रा० लिमि० जी०-4, लक्षमी भवन, 72, नेहरू प्लेस, नई विलली।

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स राझर्ट मेक्लीन कंस्टेंटेस प्रा० लिमि० 27-बी, कामक स्ट्रीट, कलकत्ता-700016।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करको पूर्वोकत सम्पत्ति को अर्थन के तिस् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जनुको संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ६ 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो. भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तस स्वित्यों में में किसी स्वित्त द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास सिवित में किए जा सकोंने।

भ्यच्डीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वदा है।

## जन्सूची

फ्लेट नं० 5, 10 ए, पृथ्वीराज रोड, 1800 वर्ग फीट, फ्लेट ग्रान प्रथम खंड।

> वी० के० मंगोता पक्षम प्राधि हारी सहायक द्यायकर भ्रायुक्त (निरीधण) भ्रजीन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

वारीख: 13-10-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

जामकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई चिल्ली, दिनांक 13 ग्रह्बर, 1986

निर्वेश सं० त्राई० ए० सी०/एक्यू०/7/37-ईई/2-86/2684—अतः मुझे, बी० के० मंगोना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित आजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी सं 10 ए, हैं तथा जो पृथ्वीराज रोड़, 1300 बर्ग फीट फ्लैट प्रथम खंड में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में भायतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1961 के श्रिधीन तारीख फरवरी 1986

को पृशेंकि संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रसिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

ततः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्गरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मैसर्स भयाना शिल्डर्स प्रा० लिमिटेड जी०-4, लक्ष्मी, भवन, 72, नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

1908)

(ग्रन्तरक)

2. मेससं जे० एम० कर्माणयल एण्ड कम्पनी लिमिटेड 18, लाउडन स्ट्रीट, कलकत्ता-700017। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को इंभी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो वा, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विशा गया है।

# **मन्**स्ची

फ्लैंट नं० 6, 10-ए, पृथ्वीराज रोड, 1300 बर्ग फीट फ्लैंट ग्रान प्रथम खण्ड ।

> वी० के० मंगो<mark>ता</mark> मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-1100**0**1

तारीख: 13-10-1986

प्ररूप भाइ. टी. एम. एस. ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कार्र भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्तं (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रक्तूबर, 1986

बायकर जोंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 250-ए के अधीन सक्षम प्रतिप्रकारी की यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य क. 1,00,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 112-ए है तथा जी प्रथम खंड 7, टालस्टाय मार्ग, नई दिली में स्थित है (श्रौर इससे उपाधद्ध श्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजंन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, के श्रधीन तारीख फरवरी 1986

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान श्रीक्षण के लिए अन्तरित की गई उ और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रीत्कल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम निम्नानिष्ति उद्विष्य से उसत् अंतरण निष्कृत में भास्तिक स्प से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी माय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के खाकित्व में अभी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए∄ मीड√या
- (क) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती इसार प्रकट नहीं किया गया था या किया जान चाहिए था, खिपाने में सृविधा के सिए;

क्त: अब, उक्त अभिनियम की भाग 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भाग 269-थ की उपभाग (1) के अभीम, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अभीत् क्र--- 1. मेससं शेरमन इंटरनेशनल प्रा० लिमिटेड डी-94, नौवा खर, हिमालय हाउस, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स अतूल इवेस्टमेंट कम्पनी एम-9, कीर्ति नगर, नई दिल्ली-110001।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवारिएएं करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के संदंध वो कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुखना के राजपत्र भें प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पार सृष्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त करिस्तां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाध निवित में किए जा सकी वे।

स्पष्टीकरण: -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्त्था

फ्लेट नं॰ 112-ए, प्रथम खंड, प्रकाश दीप, 7, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोन्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-7, विल्ली, नई दिल्ली-110001

तारीख: 13-10-1986

मीहर:

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.---- -

आफ्रकर **अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-घ (1) के अधीन स्**च**ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नर्ध दिल्ली, विनांक 13 ग्रक्तूबर, 1986

निर्देश सं० श्रई० ए० सी०/एक्यू०/7/37-ईई/2-86/2716—शतः मुझे बी० के० संगोता
। स्टार क्रिक्टिएम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचास् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा १६९-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विस्थास करने का धारा है। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित्त बाजार बस्थ 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० पलेट नं० 207 है तथा जो दूसरा खंड, प्रकाश दीप, 7 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर अधिनयम, के श्रिधीन तारीख फरवरी 1986

पं पत्रीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम कं स्थयनान रितिकत के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह निववास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसक दश्यमान प्रोतकल स गाँस स्वयमान प्रतिकल का । जहां प्रतिस्ति सं अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तर्थ के सिए तय प्रया गया शितकल, निम्मिनियित उद्योश्य से जवल बन्तरण लिकित को बन्तरितक स्प से कथित नहीं किया गया है क—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाद की बायता, अवत काँच-विषय के वभीन कर दोने के अंतरक की बावित्व को कामी करने वा उत्तरी बचने को सुविधा की हिन्द्; बार/वा
- (क) ऐसी किसी जान या किसी भन या सम्ब जास्तियों की जिन्हें भारतीय नायकर आंधनियस, १९२२ (1922 को 11) या उक्त अधिनियस, या भन-कर अधिनियस, या भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा सिथा जाना चाहिए था, कियान में बृजिधा के लिए।

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधर्मा (1) के अधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1. श्री सलेश धीर, हैं ० ग्री० के० वीहरा (यू० एफ०) ए-1/18, सफ्दरजंग एंक्लेव, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्रीमती इंदिरा मोह्न।
  - (2) श्रीमती ग्रमिता मोइन।
  - (3) अंजुल मोहन, 12, लखनऊ रोड, दिल्लो-110007 ।

(भ्रन्तरिती))

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वा ने राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की नवींचे या तत्सम्बन्धी स्वित्यों पर स्वा की तामील से 30 दिन की नवींचे, जो भी नवींचे बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत स्वित्यों में से कियी स्वित्त दवारा
- (स) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन को तारीख वे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों को पास निवित्त में किए जा सुकों ने।

ल्पध्दीकरणः —- इसमें प्रयूक्त अक्दों और यहाँ का, वो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा भेवा हैं।

#### अनुसूची

प्लेट नं० 207, दूसरा र्खंट प्रकाशदीप, 7, टालस्टाय मार्ग नई दिल्ली ।

> वी० के० मंगोता सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज7, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

नारीख: 13-10-1986

प्रकृष बाह् . टी . एच . एस . -------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के **अधीव ब्या**ग

## भारत सरकार

काशंलयः, सक्षयकः बायकर बायुक्तः (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांभ 13 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 7/ 37-ईई/ 2-86/ 2757—श्रत: मुझे बी० के० मंगास्ना

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० ध्राफिस फ्लेटनं० 704 है तथा जो तादादी 696 वर्ग फीट 13 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आ्रायकर आ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में आक्यर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख फरवरी 1986

का पृथिति सम्परित के उपित बाहार मूल्य से कम के खरमान प्रतिकास के लिए बस्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकास से, ऐसे ख्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पांचा गया प्रतिकास, निम्निविचित स्क्ष्येय से स्वस्त बंतरण जिचित में पास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की शासत, उपसे अधिनियम औं अधीन कर दोने के अन्तरक औं दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा अहे लिए; और/या
- (व) एंसी किसी लाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकार रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने यें सुविधा बै सिए;

बतः सव, उक्त संधितियम की वारा 269-म के अनुसरण हो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) हो सभीतः विस्तिविधित स्वक्तियों अधारा हुन्स अी गुर्वचन सिंह और सरदारनी शामा गुर्वचन सिंह 12, कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री उत्तम सिंह दुगल एण्ड कम्पनी प्रा० लिमि 11, मरीना अरकेड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जनिध पा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की व्यक्तियाँ जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास नििखत में किए आ सकरें।

स्वय्बीकरण ;---हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

श्राफिस फ्लेट नं०-704, तादादी 696 वर्ग फीट नौवा खंड, बहुमंजिली इमारत 13, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोत्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 13-10-1986

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## काशांलय, सहायक कामकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-7 नई, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रक्तूबर 1986

नायकर विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रथात 'उन्त विभिन्नियं कहा गया हैं), की वारा 269-व के सभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर कम्पत्ति, विसंका श्रीपत वाचाड भून्य, 1.00,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी सं० ए-333 है, तथा जो डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय महायक आयकर श्रायुक्त (िरीक्षण) अर्ज र रेंज-7, नई दिल्ली में श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन तारीख फरवरी 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के इष्यमान हिस्स के बिए बंतरित की गई है और बुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बूम्य, सक्ष के द्वमान प्रतिकास के, एसे अववान प्रतिकास का वन्सह प्रतिवात से सिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निय तय पाया च्या प्रतिकात विकासिकत स्क्रिय से उच्छ अम्बर्ग विचित्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) क्याड्रण से हुद किसी बात की शावस्, उपस् व्यक्तिसम से समीन कर दोने के जन्तरण जे कांद्रित में कभी करने ना उपने समाने से द्विभा क रिज्य: बोक्ट/मा
- (थ) ऐसी किसी बाव वा किसी भन वा अन्य वास्तिवीं की, जिन्हें भारतीय बाव-कर अभिनिवन, 1922 (1922 का 11) वा उच्छ अधिनिवन, वा धन-कर अधिनिवन, वा धन-कर अधिनिवन, वा धन-कर अधिनिवन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यदिती ब्वारा अकट नहीं किया भका वा वा किसा बाना बाहिए था, कियाने, में सुविधा के लिए;

- श्रीमती साबित्री देवी ठुकराल श्रीमती किरण भल्ला, एच-3|21, मांडल टाउन, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- श्री दीपक वधवा एव० यू० एफ० प्रो० वधवा इंटरनेशनल, श्रीमती चंद्रा वधवा ए-333, डिफेंस कालोनी, दिल्ली।

(भ्रन्वरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं!

## तकत सम्पत्ति के वर्षभ के सम्बन्ध में कोई बाक्षीप ह---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी स्वदितवों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्थिततवों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए आ सकें के ।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

## अन्सची

ए-333, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

वी० **के० मंगोत्रा** सक्षम प्राधिकारी उहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनर्रे बे7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

आत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, मैं, तक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 13-10-1986

प्रकार राष्ट्र ही . एन . एक . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### जामस करम्भर

भाक्षांत्रक त**हायक आ**हार भाक्**क्त (निर्**क्षिण)

ग्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ती, दिनांक 13 अन्तुबर 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 7/37-ईई/2-86/2715—-ग्रतः मुझे, बी० के० मंगोलाः आगकर क्षिण्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें एक्ट परनात् 'उकत अधिनियस' कहा गया हो), की धारा

इसमें इस में पश्चान जिल्ले आधानयश कहा गया है।, का धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० ए-333 है, तथा जो डिफेंस कालोनी नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इगसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में श्राय: श्रिविनियम 1961 के श्रिवीन, तारीख फरवरी 1986

- (१५६) अन्तरण से हुई फिली जाग की बावस, सक्त स्विधियम से सचीन कर दोने के जन्मरक के १८९ वस्त्र में कमी खरसे या उससे क्याने में सविष्ण (१९४१) जोर/मा
- (क) एंकी किसी टाय या किसी धन या करा आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आस-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपार में सविशा के लिए:

बल शब्द, १९४८ अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, में अक्त लीधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अर्थान निम्नतिक्षित काणिकारों अधीर 9—326GI/86 1. श्रीमती श्रमृत देवी एच०-3/21, माङल टाउन, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री दीपक बधवा (एच० यू० एफ०) श्री दीपक वधवा मो० बधवा इंटरनेशनल, श्रीमती चंद्रा वधवा ए-331, डिफोंम कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख कार्यवाहियां टरका हुं।

उक्त सम्प्रित के अर्जन को संबंध में कोई भी वाक्षेप ह—-

- (क) वस स्थान के रायपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अमिथ वा तत्सक्त-भी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अमिथ, को भी वर्षण बाद में समाद्य होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (म) इस जूबना के राज्यभ में प्रकाबन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्यक्ति में हिहबबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वशोहस्ताक्षरी के पास मिरिवत में किस का सकरिं।

स्थरबीकरणः ----इसमें प्रयुक्त पन्यों कौर पदों का, यो खक्त वीभीनवस दे बध्यांव 20-क से पीरशायित ही, वहीं अर्थ होगा, थो उस अध्यास में दिया गया हीं।!

अनुसूची

ए-333 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

वी० के० मंग्रोता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-10-1986

# प्रक्ष कार्ष . टी , एव . एक . " " " " " "

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

## भारत सुरकार श्रजन रेंज-7, नई दिल्ली

. . . . .

नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रक्तूबर, 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/7/37-ईई/2-86/2733—श्रतः मुझे बी० के० मंगीता आयकर अधिनियम. 1961 (346! का 43) (धिसे इसमें इसमें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को सह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका अचित बाजार मुख्य

1,00,000/- फ. से अिक है

और जिसकी सं० ए-333 है तथा जो डिफेंस ालौनी में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिवियम, 1961 के श्रधीन तारीख फरवरी

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-पल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तह्य ये तृष्ट किसी नाय की बाबए, उसके विधिनियम के अभीय कार वीने के नक्तरक को विधिक्त ये कवी करने या इससे जमने को स्वित्त के किए जीव/पा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनिष्य , 1927 (1922 की !1) या उक्त अधिनिष्य , जा चन-कर अधिनियम , जा चन-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— 1. श्रीमती भ्रतीता ठूकराल एच-3/21, माडल टाउन, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2ण श्री दीपक बधवा एच० यू० एफ० श्री दीपक बाधवा प्रो० बाधवा इंट्रनेशनल, श्रीमती चंद्रा बाधवा ए-333, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पृशीकत सम्पत्ति से वर्णन के िया कार्यवाहियां करता हैं:

वंबद बन्गीत्व को कर्पन को सम्बन्ध में कांद्र भी आक्षेत्र -

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की नगिभ, जो भी अविध किया में समाप्त होती हों, के भी दूर प्रकार व्यक्तियों को ले कियी का किया हुए।
- (क) इस भूषता के राष्प्रभ में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हित-वर्भ किसी जन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताकरी के एक जिस्ति में किये का सकींगे।

स्वक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्धां और पतों का, जो सकत विधियम के अध्याय 20 का में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय प्रे दिस.

## अनुसूची

ए-333, डिफेंस कालोनी, नई दिल्वी।

वी० के० मंगोता सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-10-1986

प्ररूप बार्षं .टी .एन .एस्. नननननननन

नावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्याक्षय, सहायक आयकर नामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-7 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 37 ई० ई०/2 2/86/2702—-ग्रतः मुझे श्री वी० के० मंगोन्ना,

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (सिसे इसमें इसके परवात् 'उपत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्ये 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० डो-178 है तथा चो डीफ़ोंम कलोनी नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उयाबद्ध श्रन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्ज रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय श्राकर श्रिष्ठिनयम, 1961 के श्रिष्ठीन तारीख फरवरी 1986

की पूर्वीकर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है जार मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एमे दृश्यमान प्रतिकाल के पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नतिचित उद्देश्य से उनत अन्तरण जिल्ला में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया तया है है—

- (क) अन्तरण ले हुइ किसी आप की बाबस, उपस अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अधने में मृजिधा के लिए; और/या
- (ष) एसी किसी आय या किसी धन यु अन्य व्यक्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियस, या अन- कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) क प्रशंजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ये सुविधा के लिए।

अतः गब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के, अनूसरण बैं, औं, उक्त बाधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीर, निम्मलिखित व्यक्तियों, अभृति ३—— (1) काम० इंदर सिंह लाम्बा मकान न० 3310, सेक्टर 19-डी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भ्रतुल प्रकाश 11/3, कालकाजी एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारींच के 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूचोंका मालितयों में स किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पष्टिकरण :----क्समे प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्स विधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया स्था है।

## अनु**सूची**

ग्राउंड फ्लोर, 1800 वर्ग फीट लगभग डी-178, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोन्ना सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 13-10-1986 मोहर र प्रकप बाइं.टी.एग .एस .-----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रंजीन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्तूबर 1986

निदेश सं. श्राई०ए०सी०/एक्यु०/7/37ईई/2-86/2755—श्रतः मुझे श्री बी० के महगोता श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम श्रीधकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं प्रापट्री नं एस-148 है तथा जो ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली में स्थित हैं। और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है ) रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज -7, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख 19 फरवरी 1986

को पूर्वीकत सम्मिक के उचित बाबार मृत्य में कम के क्यामान प्रितिकत को लिए अत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बमापूर्वीकत सम्मित का उचित बाबार मृत्य, इसके क्यामान प्रतिकत से एसे क्यामान प्रतिकत का पंडा प्रतिकत से मिक है और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरक (जंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के निष् तम पामा अन्य प्रतिकत, विश्वासिक उद्वेशम से अच्छ बन्तरक विश्विक में बास्तिवक कम हो कथिय पृत्वी किया वार्व है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी बायः की बाबतः, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के क्रिए; और/या
- (च) ऐसी किसी क्षाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय कायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविभा को जिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग है अनुसरण है, हैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) भवानी वेंकटारमण सुपुत्री एस० वेंकटारमण 131/5, नोमितज एवेन्यू बेस्ट लायफेट डेंडिया ( यू एस ए) जनरल एटोरनी एस० वेंकटारमण सुपुत्र स्व० ए० सुत्रमणीय श्रथ्यर वर्तमान पता एस०148, ग्रेंटर कैलाश-2 नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री मती स्नह बत्त पत्नी स्व० ए० के० दत्त एफ-65, सुजान सिंह पार्क, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्ज्यन के सर्वाय मी कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राज्यप्य को प्रकाशन की निराधिक से 45 दिन को अवधि या तत्सविधा व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना क एअपन में प्रकाशन की ताराय से .45 दिन के भीतर उक्त स्थापर समिति की हित- बस्भ कियी व्यक्ति युगरा, अधोहस्ताक्षरों के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, ओं उन्नत नियम, के बध्याय 20-क म परिभाषित है, वहीं नर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अमुस्**ची

प्राप्रटी नं० एस 148, तादादी 306, वर्ग गज ग्रेंटर कैलाश 2, नई दिल्ली।

> वी० के० म'गोल्ला) सक्षम श्रधिकारी श्रायुक्त (निरीक्षण) ∮अजेन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-10-1986

मोहर्ः

NEW WIE . 2: 41 7: -- --

बायकर बांधनियम्, 1961 (1961 का 43) की वास 269-9 (1) में नधीर सूचना

#### भारत सरकाइ

भार्यालय, सहायक जायकर आयुर्तल (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अन्तूबर 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/7/37-ईई/2-86/2738—यतः मुझे, श्री पी० के० मंगोला,

बायकर अधिनियम. 1951 (1961 वा 43 (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आज़ार मूल्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेंट नं० 2 है, तथा जो लौ र ग्रीट ग्रपर ग्राऊंड फ्लोर बी-81, ग्रेंटर कैलाश-1 नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाश्रद्ध ग्रनुमूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम, 1961 के ग्रिधीन तारीख फरवरी 1986

आधानयम, 1961 के अधान ताराख फरवरा 1986 को पूर्वीक्त सम्पत्ति की उचित नाकार गृह. हे कम के ध्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरंदत की गई हो और एवं यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों वत संपरित का उचित बाजार मूचा, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पढ़ प्रतिकृत ने अधिक हो बीर अंतरक (अंतरकों) और अतरिती (अत्तरितियां) के बीच एसं अन्तरत के लिए हम प्रमाण पति-का, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण जिवित में शास्तरिक क्य से कथित नहीं किया स्था है :—

- [क) बन्दरण सं हुई किसी बाय की बाबस, उक्कर अधिनियम के स्थीन कर देने के बन्दरक के बायित्व में कभी करने वा उससे दूधने में सूचिका के लिए; और/शा
- (क) ऐसी किसी जान या किसी ता कर उस्त अर्थस्ता की, जिन्हां भारतीय अग-कर अर्थानका, 1922 (1922 का 11) या उस्त वाभिनियम, या अन-कर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) यो प्रयोजनार्थ बन्दीरती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना जाहिए था, कियान में स्विधा की लिए;

कलः कव, स्वन कविनियम की था। 260 - ह कन्मरः मं, मं, उक्त विधिनयम की धारा 269-य की शरपारा (1) से गर्जन, निस्निधिक व्यक्तियों, निमास उन्न 1. श्रीमिति सुमिल्ला मखोजा ए-34, एन० डी०ए स० ई-1, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक'

2. लें० श्री ज॰ मोहन लाल तुली सुपुत्र स्वर्गीय एम॰ ग्रार॰ तुली 10, कुंशक रोड़, तीन मूर्ती, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके प्यांक्ट सम्पत्ति के अर्जन के लिए कालानाहाला करता हुए।

जनत संशास की अ अ अ अ अ प अ करहाँ भी आधाप !!!!

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की लगिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पढ़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होते हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी शाबित द्वारा;
- (क) इस सूजना की राजगण मा जागान की उपनीस स वह जिल ने बातन हो। स्थानन पार्वता मा जितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभाहरताक्षरी के पास विशेषन भा किए का सकीयो।

स्थलकित्रकाः -- एसमी प्रयोगत शब्दों और पदी का, जो उक्त भारतीय में कर्षणाप 20-क मी परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

#### अनुस् अने

फ्लैंट नं॰ 2, लोग्नर ग्रीर ग्रपर ग्राऊंड फ्लोर स्थित बी-81, ग्रेंटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोत्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायर्क ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-10-1986

प्रकृष बाइं.टी. एन. एस. , ------

अध्यकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (३) के बधीन सुचना

#### भारत बहकाड

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई ल्ली, दिनांक 13 श्रक्तुबर, 1986

काभकर आधानस्य, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधील सक्षम प्राधिकारी कां, यह जिस्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्बाद जिसका अधित याजार मुस्य 1,00,000 दनये से प्रविक है

श्रौर जिसकी सं० सी-219 है तथा जो डिफेंस कालोनी, नई विल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपायद्व श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विजत है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रजैन रेंज-7, नई विल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधोन तारीख फरवरी, 1986

का पृथिति सम्मित के उधित बाजार भ्रत्य सं कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यभागुनीवत सम्मित का डीयत , बाजार तृत्य उरक स्थमान प्रतिकत के, एसे स्थमान प्रतिफल की सम्मित प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (जैतरकों) और जंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तम पामा नवा प्रतिफल निम्नित्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिवक कम से किश्त नहीं किया गया है क्षे

- (क) अन्यप्रण श्रे इन्द्र किसी भाग की नान्त उनत अधिनियम के नभीन कर दोने के अन्तरक के शिथित में कमी करणे ना उन्नते नकने में सुविधा को सिए; अदि/या
- (क) ए'सी किसी काय या किसी पन वा कन्य आस्तियों को, किन्दू भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तिरिती वृषास् प्रकट नहीं किया गया था का किया आणा वाहिए था, कियाने में सूनियस अं नियस

जक्षः कथा, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण कों, मीं, गक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिला क्यिक्तमों, अधीत् हरूरू 1. ब्रिगेडियर एम० एल० गेंद, एस-253, ग्रटर कैलाश-1. नई किल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती श्राशा दुश्रा सी-219, डिफेंस कालोनी नई ल्लि।

(ग्रन्तरिती)

का यह सुधना कारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिध् कार्यवाहियां सूक्त करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप प्र---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी स्पाक्तमों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की नविध, जां भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति द्वारा;
- (च) इस सुचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीन स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षारी के पास तिखित में किए दा सकींगे।

स्थध्योकत्थः :----इसमं प्रयुक्त शन्ते अरि पर्दो का, वो उमक अविनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं सभे होगा को उस अध्याय में दिया भया हो।

## अनुसूची

सी०-219, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोन्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-10-1986

# प्रकल आहें <sub>के</sub> द्वी <sub>य</sub> प्रम<sub>ाय</sub> प्रस्कान-सम्बद्धान

भाषकर अधिनियम, १६६ । (१५६) एत ४३) की धारा

# २६७-व (१) के वर्धन सूचना

#### HIST WENTER

क्रायांलयः सहाधक वादकः वादकः (निद्रक्तिक) प्रजीन रेज, 7, गई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रमतूचर, 1986

निर्देश सं० ध्राई० ए० सी व्या / 7// 37ईई / 2-86/ 2785—प्रतः मुझे, जी० के० मंगोता,

हातकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्नात; 'जनत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विष्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका जिल्हा बाजार मृत्य 1,00000/-छ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या ई-292 है तथा जो प्रापर्टी ई०-292, ग्रेंट कैलाश-1में स्थित (है ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्व रूप से बिंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 7, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1986

को पूर्वोक संपरित को अभित बाजार मृत्य सं कम के अध्यमान प्रतिकल को लिए अंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंत-रण के लिए ह्या पाया गया प्रतिफल, निम्नतिखित उद्दोष्य में उक्त अंतरण निधित में वास्त्यिक क्य में कथित नष्ठीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की मधीन कर दोने की अन्तरक की वासिका में कजी काल्में या उससे बचने भें सुनिया के लिए; बोर/स
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का १६) या उत्त अधिनियम, का पर कर अधिनियम, का पर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का भा विकार आना स्पृष्टिय का शिक्याने में स्विधा भी नियम

कतः भव, उक्त व्यभिनिवस की भारा 269-ग औं अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निश्निवित स्पिन्तयों, कर्यांस् हु----  श्री अशोक कुमार धवन और. नवीन कुमार धवन सुपुत्र चमन लाल धवन निवासी ई-11, ईस्ट ग्राफ कैल ण, नई दिल्ली:

(श्रन्तरक)

श्रीमती शांति मेहरा पत्नी राध कृ हा बुग्रीर राज कुमार मेहरा सुपुत्र राधा ृष्ण मेहरा 60/7, रामजस रोड, करोल बाग नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करको पूर्वोक्त सम्पत्तिः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी कार्याय :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्मकानी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी विक्षि याद में सम्राप्त मृति हुए, का पीतर गुर्विकत माजिसका की से स्वारी व्यक्ति काता.
- (स) एस सकार क एअएप भी पाएएए की हार्यास हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर अव्यक्ति में दिनलक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भी किए ज सकीं।

स्थाविकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी हो, शो उन्तर अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था हैं।

## अनुसूची

प्रापर्टी म्नान प्लाज सं० ई~292, ग्रैटर कैलाश−1, नई दिख्ली ≀

> वी० के० मंगोता, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्राय्कत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज्र-1, दिल्ली,

तारीख: 13-10-1986

मीहर:

प्ररूप आहर् . टी . एन . एस . -----

**भायकर** हाभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अभीत सचना

# भारत सरकार्

कार्यालय, महायक आयकर पाय्यस (निरीक्षण) ् ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिस्त्री, दिनांक 14 ग्रस्तुबण, 1986

निर्देश सं अप्राई० ए० सी ०/एस्य / 2/37/37ईई / 2-86/17-ए-श्रतः मुझे, श्रशोक कल्कड़,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उथत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-म के अभीन सक्षम प्राणिकारी को यह दिख्वास करने का **कारण ह**ै कि स्थावर सम्पत्ति , जिल्हा उत्तित बाजार **म**ल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर स्सिकी संख्या प्लाट नं० 5, है तथा जो अपादुर शाह जफर मार्ग नई दिल्ली हैं स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध भ्रत्यची में पूर्ण रूप से विति है), रिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक स्नायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन र्रें त-2, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1986

को पूर्वीक्त मरविस के सचित धाआर त्रूला में कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की यह है और मफे यह विस्ताय करने का कारण है कि एथएपबेंक्स ममाति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ए'से दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उस्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिल्य में कती करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ग
- (६) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकाश तहा किया गया था या शिया-जाना चाहिए था, छिपाने भें सरिया के लिए

अत: अब, उक्त अधिनियम की धरा 269 म के अनसरण में, में, उक्त अधितियम की धारा 269-घ की जपभारा (1) फे अधीन, निस्नलिखित व्यक्षितयों, अर्थात् :----

AND THE CONTROL OF THE PROPERTY OF THE PROPERT 1. श्रा के० नरेखा मैनेजिंग डायरेक्टर डेली प्रताप, 5, त १९३२ भार अफर नार्ग, नई दिल्ली। (धन्तरक)

> 2. मै० कैलाग नाथ एण्ड एसोसियेटम 18, बाराखम्बा रोड; नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पर्वादत मरुपील के बर्जन के लिए कार्यवाहियां मस्ता है ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के मंबंग में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अवधि या सहसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी अधित बुकारा;
- (म) इस राचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितदब्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अयोजन्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटिकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुमुची

प्लाट नं० '5, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली श्रतिरिक्त क्षेत्र कंस्ट्रेक्शन एग्रीमेंट तारीख 3-12-86 लीज-होल्ड ।

> भ्रशोक कर्वकड सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें (-2) दिल्ली

विनांक: 14-10-1986

प्रतस्य बाह<sup>ब</sup>. टॉ. ऍन. **एस**.-----

अप्राचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अस्तित्व के अस्ति के अस्ति सुख्या

भारत सरकार क्रामंत्रत सहाराक लागकार झानुका (विदर्शका) श्रर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 ग्रक्तूबर 1986

सं ॰ ग्रई--2/37ईई/30670/85-86:-- श्रत मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशास (उन्न अधिनियम) कहा गया हैं), की धारा 269-ल की संनीर अपन आधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 302, राजगीर मिलन, अन्धेरी, बम्बई में स्थित है) श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 28-2-1986

भ ्गे किन संगत्ति के उषित बाबार स्लय से कम के स्वयान गिराफित के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते सह विश्वास करने का अगरण हु कि ग्रंथापृत्रित से पंपतित का उषित बाबार भून्य, उक्की शब्दमान प्रतिकत से एसे प्रवासन प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-शियक के अधील कर दोन की अन्धरक के बारियल के कही कालों पर एकर उन्हें के परिवाद की शिक्षे; काला का
- (स) एसी किसी अल या जिली धन या अन्य प्रास्तियों भी, सिन्हीं स्पादीन आवसर सीर्धनियस, 1922 (1922 का 11) या समस सिनियम, या धन-कर सीर्धनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोशकार्थ अस्थारती स्थारा अस्ट नहीं किया करा या जा जाना करना महीता है। जिला करना महीता है।

अत: अब:, उन्न अधिनियम को शारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की जयधारा (1) अधोर: निम्निलिखिठ प्यक्तियों, अर्थात् → 10326GI/86

1. मसर्ज राजगीर बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जीगिन्दर कुमार सुन्दरलाल वाही

(ग्रन्तरिती)

की वह बुधवा बारी करके पृथांक्य सम्परित को बर्चन के खिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

इयक सम्बद्धित के वर्षन् भी सम्बन्ध में कोर्च भी बाधोप :---

- (क) इस तुना को राजपन से प्रकारन की तारीन से 45 दिन की जनकि मा तत्सम्बन्धी कान्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की नगि, को भी सन्धि नश्य में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्स व्यक्तियों भें से किसी श्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुषना के राषपण में प्रकासम की तारीय से 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधेंद्वस्ताक्षरी के रण्य किसी अन्य किसा सामग्रीने।

स्पक्त करनाः — इसमें प्रयुक्त कर्मा कोर पर्यों का, जो उससे अभिनियम के कथ्याय 20-कं में परिभाषित हों, वही अर्थ होंग! जो उस अध्याय में दिया प्रशास हैं।

## वनस्यी

फ्लैट नं० 302, जो तीसरी मैंजिल, राजगीर मिलन, एस० नं० 77, हिस्सा नं. 3, विलेज श्रन्धेरी, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/30670/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 9-10-1986

भक्ष वाइ.टी.एन.एस.-----

ਸ. 1061 (1061 8ਨਾ**4**3**) ਵਨੀਂ** 

भाषभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यास्त्र, सहायक जायकर धामूक्त (निरक्षिण)

भर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 9 श्रक्तुबर 1983

सं० म्रई-2/37ईई/30669/85-86:-- म्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या फ्लंट नं० 201, राजगीर मिलन, श्रास्थेरी बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई रिजस्ट्री है, तारीख 28-2-1986 को पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान शिवका के सिंह बम्तीरित की निर्मा है बीर ब्रुट्टी विश्वास इस्त का कारन है कि ग्याप्योंका बम्दित का जीवत बाजार क्ष्य से कम के इच्यमान शिवका के स्वाप्य का साम शिवका के स्वाप्य कर के स्वाप्य कर के स्वाप्य शिवका के स्वाप्य शिवका के स्वाप्य शिवका के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में

में बास्तविक रूप से काथत नहीं किया गया है "---

- (का) कर्पारण से हुई किसी जाय की बाजत, उदस्त विधिनियम के अधीन कर देने के बंग्तरण के दार्थिय में कभी करने या उससे बचने में सुविधा बार/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना ना किया जाना नाहिए जा, कियाओं से सुनिधा के जिस्हा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण बै. मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) भी सभीन, निम्नतिवित स्मित्यों, जर्थात् ३--- 1. मैसर्स राजगीर बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

2.जश्रीमती जीमलादेवी विद्यासागर वाही

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिख्न कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की बबिध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवास;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर श्रीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभागिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सहा हैं।

#### नन्स्ची

प्लैट नं० 201, जो दूसरी मंजिल, राजगीर भिलन, एस० नं० 77, हिस्सा नं० 3, बिलेज श्रन्धेरा, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/30669/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारीह बम्बई द्वारा दिनांक 28-2 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी स्थायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 9-10-1986

## प्रकम् आइ ता एन एस . ......

भागकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-छ (1) के मधीन सुचना

#### साउठ संडक्ता

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1986

सं० अई-2/37ईई/30250/85-86- श्रतः मुझे, लक्ष्मण वास.

कायकर लिधिनियस, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या सी० टी० एस० नं० 864, श्रांबिवली, एस० नं० 1412-बी, श्रंधेरी, बम्बई में स्थित हैं. (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है, तारीख 18-2-1986

को प्यक्ति सम्मात के जीवत बाजार मृष्य सं कम के दृश्यमान प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्मित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीनियत उद्वेश्य से उन्तर अंतरण निवित में अस्तिम रूप से कार्यन अंतरण निवित्त में अस्तिम रूप से कार्यन अंतरण निवित्त

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त विभिनियम के बचीन कर दोने के अंतरक के दावित्व में कभी कर्ष वा चत्रते वज्ने में सुविधा के निष्ठ; आर्/मा
- (प) एक्ट कर्ष अप या किसी अन या अन्य दास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम 27 त्रकर अधिकियम, वर्ष त्रकर अधिकियम, 1957 (1957 का 27) व्यवस्थानिय अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था छिपाने वर्ष विषया के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १---

1. श्री हरी नन्द लाल सींधी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री महेन्द्र प्रताप राय शाह।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के क्यान के जिल्ला कार्याहरूमां करता हुं।

## असत् संपरित के वर्षन के सम्बन्ध के कोई भी बाक्षेप ॥±=

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच हैं

  45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति मों कितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के

  वास निश्चित मों किए जा सकोंगे।

स्पर्व्यकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्दों का, श्री उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, धही अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० एस० नं० 864, एस० नं० 1412 बी, ग्रांबिवली विलेज, ग्रन्धेरी, बम्बई है। ग्रन्तुमूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/30250/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-2-1986 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण **दास** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–2, बम्ब**र्ड** 

दिनांक: 9-10-1986

मोहरः

प्रकृप आहूँ ही . एन . एस . -----

आयकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुपना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) । प्रार्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 9 श्रक्तूबर, 1986 🐣

सं॰ म्रई-2/37ईई/30255/86-86:-- म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसक्ते परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहविष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- ए. से अभिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 402, होराजोन  $^{5}2$ यू 3, श्रन्धेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 17-2-1986

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितयां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी भाग की बानता, उक्त जभिनियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के खिल्ल में कमी करने या कड़ के कथने में सुक्या के लिए; और/मा
- (ण) एसी किसी साय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 दत 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा की सिए;

भत्त वय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत, निम्नीसिकत व्यक्तियों, अधीत् :---- ा. मैसर्स के० भार० एसोसियेट्स।

(भ्रन्तरक)

 श्री रामदास मंजू नाथ शेनोय भ्रौर श्रीमती सुनिता रामदास शेनोय

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त संपत्ति के अज्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अपोहस्तक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्योकरेण :---इसमें प्रयुक्त शब्दी और प्राप्त का, का अक्त अधिनियम, को अध्याप 20-क को परिभाषित ही, बही अभे हागा जो उस के गार के दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 402, जो होरायजोन व्यू 3, प्लाट नं० 70, हैसर्वे० नं० 91 ए, (पार्ट) ग्रीर 95 ए (पार्ट), ग्राफ त्य प्रकाश रोड, वसोंवा ग्रन्धेरी (प), बम्बई $\sim 400061$  में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं० ग्राई-2/37ईई/30255/75-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-2-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-10-1986

मीहर:

医细胞 海門門上灣人 野山 建酸二十二十二十二

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 能够增长特别法的严酷。

· 你可以 性致知识

कार्यालय, सहायक वायकर जायकत (निराक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 ग्रवतूबर 1986

सं० श्रई-2/37ईई/30912/85-86-- इत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमे इसके पश्चातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जोवन भागर मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 603, पार्किंग नं० 4, होरा यजोन व्यू 1, ग्रन्धेरी, (प), बस्बई 61 में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची भें और पूर्ण रुपीत वींगत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क. ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 28-2-1986

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथाप्वोद्या मध्योग का उचित नाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिपाल स, एई दरशान प्रतिपाल का **यन्द्रह प्रान्त्रात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती** (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ल निम्नार्गायत उद्दर्भ सं उस्त अन्तरण किल्व वे सास्त्रीयुक्त अप 3 किथित नहीं किया गया है :--

- विष्णुं वन्त्रहरूप हो हार्य किसी बाग को बावत, उदय स्वितिकार के प्रवेश अर अने के अन्तरक से स्मादस्य भी के की सार्थन का अपन नेपार है। का उपन 想 Tree ( ) ( ) ( ) ( ) ( )
- for and the contract of the (१८७७ का १९) या भारत अंगरेतमः, सः स्रोप्पा से सिए:

**बरा, बन, उपत करियोन**ध्य को १८ हुएक के सन्दर्भ बें, मं', तक्त अधिनयम की उस 268-व की अधारा (1) के बधील, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधात रू-

1. मैसर्स के० ग्रार० ऐर्स: तियेट्स।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती गार्गी पी० देसाई श्रौर श्री प्रदीप भाई, देसाई।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु' ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुबना के राजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समल्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्स 三分 经银币 鐵铁
- . चा. १४ १९११ अ. . १ श. इ.स. १९ का वार्याप है 45 रिक में भीवर उक्त स्थानहरू स्मितित से दिताव्यम किसी कार वर्षाकर पुत्रातः वाषीतुस्तादारी के पाध विविष्ठ

लग्दरिकरण .--इसमा प्रयूपन शब्दी और पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 603, पार्किंग नं० 4, जौ, होरायजोन व्य · 1, प्लाट नं० 70, सर्वे नं० 91 ए, (पार्ट), 95 ए (पार्ट), भ्राफ जय प्रकाश रोड, वर्सीत्रा, भ्रन्धेरी (प०), बम्बई-400061 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/30912/85-86 ग्रौर जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दांस सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 9-10-1986

भरूप बार्ड , टी., एन., ऐस., वल्ल्य-----

मधकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की बाहा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### RIES STREET

कार्यास्य, शहाबक बायकर बायुक्त (निराक्षम)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1986

सं० श्रई-2/37ईई/30913/85-86— ग्रतः मुझे, लक्ष्मण लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 503, होरायजोन च्यू, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-61 में स्थित है (श्रौर इससे उपावज श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा, श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 28-2-1986

को पृथिक्त सम्पत्ति के उथित बाजार मृत्य से कम के स्थयान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्री यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उथित बाजार कृत्य, उत्तक स्रमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के जीच ऐसे अन्तरण के लिए एय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्त उद्देश्य से स्थल अन्तरण किनीवत में अस्तिक स्थ से स्थापन महीं किया वदा है कि

- (क) अन्तारण से हुई किसी आव को रावत, अवस अभिनियम के अभीन कर दोने खे अन्तर्क में यामिरय में कभी करने या उससे वजने में सुविधा रेडिंग, भीष/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या यम्य बास्तियों की जिल्हा भारतीय आयकर अधिनिश्चम, 1922 २०११ ट ला १११ या पत- कर अधिनिश्चम, या पत- कर अधिनिश्चम, या पत- कर अधिनिश्चम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहए था, ज्यानि में सुनिधा के निए।

कतः बन्, उक्त विधिनियम की भारा 269-ए के बनुसरण को, मैं, उक्त विधिनियम की बारा 269-ए की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्षात् ः—

1. मैसर्स के० भ्रार० एसोसियेट्स।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मधू पर्सराम तेजवानी।

(भन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्मत्ति के भर्णन के सम्भन्ध में कोई भी आक्षेप क्र-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब तरें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद: सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाछ सिखित में किए वा सकोंगे।

स्पच्छोकरणः—इसमें प्रयुक्त शन्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं , वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गठा हैं।

#### अनुसूची

े फ्लैंट नं० 503, जो, होरायजोन, व्यू, 1, प्लाट नं० 70, सर्वे नं० 91 ए, (पार्ट) श्रीर 95 ए (पार्ट), श्राफ जय प्रकाश रोड, वसीवा,श्रन्धेरी, (प), बम्बई-400061में कृस्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋष्० सं० श्रई-2/37ईई|30913|85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकरी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 9-10-1986

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के अभीन स्चला

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/30533/85-86:-- श्रत भुझे, लक्ष्मण दास,

णायकर मिधिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्णात् 'उन्दर्श अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 502, पार्किंग नं० 4, होराय-जोन ध्यू 3, अंधेरी (प०), वम्बई-61 में स्थित हैं भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं, भौर जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्रयिधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 25-2-1986

को प्रांक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करन का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी धाय की वायत अवक श्रीभानयम् के स्पीन कर बंगे के अभारक क श्रीयत्व में कमी करने या उससे बणने में सुविधा के लिए: बांडिंग्डा

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिश्वित व्यक्तियमें, अर्थात् ः— 1. मैसर्स के० भार० एसमसियेट्स।

(भ्रन्तरक)

श्री श्रदुब्ल खालिद नसीर श्रहमद
 श्री श्रब्दुल शहीद नसीर श्रहमद ग्रौर
 श्री श्रब्दुल वहीद नसीर श्रहमद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वेक्स सम्मरित के अर्थत के रेक्ष कार्यवाहियां करता हो ।

## डक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोंग :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील भे 45 दिन की अपिक या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकरा ध्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय क्षाप्ताः
- (त) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन को लारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्सक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्थितिक में निर्माण स्थापनी

स्पेब्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा को उस अध्याय में दियः गया हैं।

### अभूसूची

फ्लैंट नं० 502 श्रौर पार्किंग नं० 4, जो होरायजोन ह्यू 3, प्लाट नं० 70, सर्वें० नं० 91ए (पार्ट) श्रौर 95 ए (पार्ट), श्राफ जय प्रकाश रोंड़, वर्सीया, अन्धेरी (प०) अम्बई-400061 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/30533/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मणदास, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ध

दिनांक: 9-10-1986

The second secon

the state of the little morning or

militar Ser an east of reason a day, and

FIRE THE

कार्यालय: महायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2 वम्वई

बम्बई, दिनांक 9 अक्तूबर, 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/30440/85-86:— ग्रतः मुझे, लक्ष्मणदास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके वास्तात 'एतत अधिनियम कहा थ्या हैं), की भार 269 के जीन एक प्रतिपत्त को वह का का करने का कारण हैं कि स्नाधर क्ष्मीय विकास है कि स्नाधर क्ष्मीय क्ष्मीय है कि स्नाधर क्ष्मीय क्ष्म

स्रोर जिसकी संख्या प्लाट तं. 48, 49 अन्त्रेरी, वम्बई में स्थित है स्रोर इससे उपाबद अनुन्त्रों हो स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), स्रोर जिसका करारवाया झायकर स्रविनियम की धारा 269 क ख के स्रश्रीय नजन माजिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 24-2-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम सं कम दश्यमान अतिकल के लिए जन्मीरत को एटी ही जार मूल्य से कम से विश्वास करने कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती जन्तरितियों) के बीच एसे जन्मरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में सास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- भी भागांक के बार्ष करा है। यहां कर बार्स कर स्था करा करा करा है। बार्स कर करा है। यह स्था करा करा है। यहां कर स्था करा करा है। बार्स कर करा है। यह स्था करा है। यह स्था करा है।
- ि एएँ किसी कार्य या किसी या या या कार्य कार्य कार्य के किसी कार्य या किसी या या या वा 1922 के प्रयोजनार्थ अंतरिको द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता बाह्य था, लियाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री नारायण ग्रीयालराव उभायकः

(ग्रन्तरक)

श्री महमदली ईस्माईन पटेल,
 श्री नसीक्हीन बी० अन्जानी,
 श्री मयरेश मधुकर कामत

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्सकाहियां अर्थः, हां

बक्त सम्पत्ति में वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- [क] एक एउडा के एक्यन मां प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अनीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूपना की ताबीन से 30 दिन की अनिध, में भी बन्धि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर स्वीयानों दों में किसी स्वीकृत हुनाया;
- (ब) इस स्वता के राजपन भे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के लिए ए एए अध्यान प्रपत्ति में हितबद्ध विकास करा को बट द्वारा अधीहरताक्षरी के पास विविध में सिएस का सकेने।

स्वाक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

प्लाट नं० 48, सी० टी० एस० नं० 49 ग्रीर प्लाट व कन्स्ट्रवशन प्लाट नं० 43, सी० टी० एम० नं० 47 पर जो अन्धेरी विलेज, इस्मालिया, तालुका साउथ सालसेत, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैता कि कि के सं० ग्रई-2/37ईई/30440/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सराजक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण,) स्रर्जन रेंज-2,बम्बई

दिनांक: 9-10-1986

प्रारूप बार्ड .टी.एन.एस. .....

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन क्षता

भारत सरकार

## कार्नाक्षक, सञ्चयक नायकर जासल्य (निर्दाक्षक)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 9 प्रक्तूबर, 1986

सं॰ ऋई-2/37ईई/30334/85-86--- ऋत: [मुझे, लक्ष्मण दास,

लाककर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें क्रिकें पक्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हाँ), भौ वारा २०३-स के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने अ कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या सर्वे नं० 41 (पार्ट), इमारत एल-2 ग्रन्धेरी (प), बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विभित्त हैं), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम ग्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 21-2-1986 ।

का प्रतिक अध्योष के जिला याजार जुन्य से कर के स्वयमान बितकन के निरं बंदरित की नहीं है और नुकें नह निक्यास अरलें का सारण है कि यथापूर्वोक्त संस्पृति का उचित नाजार कृष्य, असके रक्यमान प्रतिकास से, ऐसे रक्यमान प्रतिकास का भन्नह प्रतिकात से विधिक है और जन्तरक (बंतरकों) और जंतरिती (जन्तरितिकों) के बीच ऐसे जन्तरक के जिए तय पाना नया प्रतिकास, निस्तिविका अध्योष के उच्या जंतरण जिल्ला में वास्तिक क्या के स्वीधिक की स्वार्थ के साम जंतरण जिल्ला में वास्तिक क्या के स्वीधिक क्या की स्वार्थ के

- (क) अन्तरण सं हुई किली बाव की बावछ, उपक विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में छमी करने का उससे अधने के स्विध्य के किए; धीर/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जीभिनियम, 1922 (1922 का 11) या सक्त अभिनियम या भनकर श्रीतियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्मितियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्मितियम, विशास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए:

होतुः कथ एकत सिनियस की भारा 269-व के सम्बद्ध में, में उक्ट अधिनियम की भारा 269-व की उपभाग (1) के अभीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अथित :----  श्री प्रवीन चन्द्र पी० ग्रोधवानी ग्रीर श्री महेश एल० धोलाकीया।

(म्रन्तरक)

 श्री म्रिनल कुमार म्रगरवाल म्रौर श्रीमती सन्तोश स्रार० भ्रगरवाल।

(भ्रन्तरिती)

का वह क्षमा जारी करके प्रशंकत बस्परित के वर्जन के जिल कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्रमा बर्म्मास्त में नर्पन से बर्म्यन्य में सोडी भी बाली उ---

- (क) इस सुधना के राज्यन में प्रकाशन की सारीय है 45 दिन की नविथ मा स्टार्चिमी व्यक्तियों पड़ सूचना की सामीज से 30 दिन की अवधि, को मी अवधि माद में समाप्त होती हो, के मीतर प्रविका जानिताओं में से किसी व्यक्तिय द्याएए;
- (क) इस स्वाम के राज्यत्र में प्रकाचन की तारीच के 45 दिन के भीतर अवत स्थावर संस्थित के हिराबहुक किसी जन्म स्थित्व ह्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात

विवित्र वे किए वा सकते।

लक्कीकरण:---इसमें प्रमुक्त कक्कों और पदों का, वो उच्छ वीधीमनम के नध्यात 20-क में परिभाषिक ही, कही नर्थ होगा जो उस नध्याम में दिखा। नवा ही।

## धनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 41 (पार्टे), 34 · 380 वर्ग फुट एफ०एस० भ्राई० इमारत एल-2, विलेज भ्रोशिवरा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई है।

श्रनुसूची जैमा कि कि सं श्रई-2/37ईई/30334/85~ 86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2. बम्बई

तारीख: 9-10-1986

मोहर 🖫

प्र**स्थ बाइं.टी.ए**न एक्ष, ------

# बावकर श्रीभनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के स्थीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1986

सं० भ्रई-2/37<sup>ईई</sup>/29795/85-86 भ्रतः मुझे, लक्षमण दाम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन संक्षेत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सन्वित्त. जिसका जिलत बाजार मुख्य 1,00,000/रु. से अधिक है

भ्रीर जिसकी संख्या सर्वे० नं० 34, 35, विलेज मजास जागे ध्वरी (पु) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 4 फरवरी 1986

क्यं पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मून्य से कम के खबमान प्रतिकक्ष के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूक्ष्य, नसके खबमान प्रतिकत में, एसे खबमान प्रतिकत का बंबह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा स्वा प्रति फल, निम्नविखित उव्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक कम है कीचा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं सुद्धं किसी जान का बावरा, उपस अभिनियम के संधीत कार दाने के कन्द्रपक के योगारण में काभी कारने या उससे स्थन में स्विधा के लिए; स्क्रिकेंगा
- (क) प्रेसी किसी बाब या किसी वब बा थन्य शास्त्रकार की, पिन्हें सारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, छिषाने में सृत्रिधा के निए;

अतः अब उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, जनत अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा /१) के क्फीन, निम्निनिरिए क्योंबतयों, बधीत् ह

- भ्राकृति एण्ड गोयल रीयाटर्स प्राइवेल्ट लिमिटेड । (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सारंगा अगरवाल।

(भ्रन्तिरती)

4. मै० श्रनिल ग्रगरवाल ग्रौर राखी लन्ड डेवलोपमेंट को० प्राइवेट लिमिटेड।

(ब र्व्यक्ति, जिज्ञके बारे में श्रक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुधना भारो करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्थन के किए अर्थनहिंदा करता हो।

## उक्त सम्बन्धि के वर्जन के सम्बन्ध मा कार्य भी बाक्षेष ह---

- (क) इस त्वमा के राजपम में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिय या तत्वंबंधी व्यक्तियों पर त्वना की तामील से 30 दिन की मनिधा, को भी मनिध नाय में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवंकत प्रतिताया में स्कारी कार्यस्त विश्वास
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन को तारीक्ष से 45 कित के भीतर उक्त त्यावर सम्परित मों हिल्डकुर किसी अन्य व्यक्ति द्धारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकींगे।

ल्क्यक्रिरणः - इसमे प्रमुक्त प्रज्यों जीर पको का, जो समझ वर्द्धिपियम्, जो सभ्याय 20-क में परिशासिस हैं। नहीं सर्थ द्वोगा जो अध्याय जे किया पत्रा हैं।

## म्रन् सूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 34,35, हिस्सा नं० 1 (पार्ट), सीटी० एस०नं० 176 (पार्ट),विलेज मजास, जोगेश्वरी, (प्) वस्बई है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/29795/85-86 श्रौर जो नक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-2 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज–2, अध्वई

तारी**ख**: 9-10-1986

मोइर

प्रारूप बार्ड .टी .एन .एस . . . . . . . . . .

बादकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) को कथीन सुवना

#### भारत चरकार

## कार्यालय, सहायक मायक र आधुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्भन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 9 श्रक्तूबर 1986

निर्वेण सं० ग्रई-2/37ईई/29814/85-86:—-ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिनियम' कहा गया हो, की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- क. से स्थिक ही

धौर जिसकी संख्या सर्वे० तं० 34, सी० टी० एस० तं० 176 (पार्ट) जोगेण्वरी, (पु०), बम्बई में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप स वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क छ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4-2-1986

करं पुनिक्त सञ्पत्ति को उचित दाजार मूट्य में कम को दश्यभान प्रतिकट के लिए अन्तरित को गई है और

मुन्ने यह विक्यास करने का कारण हैं कि यभा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजर मृन्य, उसके ध्यमान प्रति-कब से एसे रहयमान प्रतिष्ठल का पन्दह प्रतिष्ठत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तम पाया गया प्रतिष्ठता, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) जन्तरण ते हुई फिसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तस बचने में सुविधा के सिए; और विष्
- (क) एंसी किमी आय का किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्राकृति एण्ड गोयल रीयल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड (श्रन्तरक)
- 2 श्रीमती सारंगा अगरवाल।

(भ्रन्तरिती)

3.

(यह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

 श्रनिल श्रगरवाल श्रीर राखी नेलैण्ड डेवलपमंट को० प्राइवेट लिमिटेड।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सुधना धारी करके पर्योक्त सम्पेटित के अवंत के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभांत्रस्तः अन्ते के पास विविद्य में किए का सकी ।

स्पष्टीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ स्रोगा जो उस अध्याय में विया गया है है

#### मन्स्यी

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 34, जिसका हिस्सा नं० 1 (पार्ट), सर्वें. नं० 35, सी० टी० एस० नं० 176 (पार्टे), विलेज मजास, जोगेण्वरी (पु०), बम्बई है।

श्रनुसूची जैसा कि [78 सं० श्रई-2/37ईई/29814/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-2-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्र**र्जन रें**ज-2, **बम्ब**ई

तारीख: 9-10-1986

प्रकार बाह्रील होते वृद्धा वृद्धा सके व स का

## बावकाड वीर्थीनवन, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) के मधीन सुपना

भारत सरकार

## कार्याजय, सद्दायक नाथकर नागुक्त (निद्धीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अन्तूबर, 1986

निर्वेश सं० थ्रई-2/37ईई/30398/85-86;—- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या एस० नं० 48, प्लाट नं० 1, विलेज वर्सीना, श्रन्धेरी (प०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 21-2-1986

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का जिल्ला बाबार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ए ते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित द्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त महिन्दिन्द के स्पीन केंद्र दोने के ब्रम्करक के शांवरम में कभी करने या सक्तों वचने में सुविधा के लिए; महिन्दि
- (भा) एसी किसी जान या किसी भन ना अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (192? का 11) भा अक्त अधिनियम, या के कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वैक्रिया

वतः शव, उक्त अधिनियम की वारा 269 म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन निम्निजियत व्यक्तिसमों, अधीन क्रम

1. श्रीमती मार्गारेट छोटू भाई कमानी

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स भूर्घा बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरिती)

3. भाडोत्री

AND THE RESIDENCE OF THE PROPERTY OF THE PROPE

. (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।

-----(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचन सम्पत्ति थे वर्चन के किए कार्यशाहियां करता हूं।

#### उपत सम्मित्त में अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आसोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अर्जाध या तहसम्बन्धी व्यक्तियां पर भूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अंबीध बाद मी समान्त होती हो, के भीतर प्रविक्त क्यक्तिया में स किसी त्यक्ति भूचारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ क्षोगा जो उस अध्याय में दिया कथा है।

## अन<u>ु</u>स्ची

जमीन का हिस्सा जिसका एस नं० 48, प्लाट नं● 1, हिस्सा नं० 1 (पार्ट), सी० टी० एस० नं० 1088,1088/1, से 1088/3, बिलेज वर्सोवा, श्रन्धेरी (प०), बम्बई है। श्रनुसूची जैसा कि क्र० सं०श्रई-2/37ईई/30398/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-2-1986 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोंज-2, अम्बर्ध

दिनांक: 9-10-1986

प्रकप बाई .टी.एन एस -----

man and rated. At

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-६ (1) क अभीन सुभान

शाहर सरकार

## कार्यालय, महायक बायकार बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 भ्रक्तूबर 2986

निर्देश सं० ग्रई-2/37\$\$/30069/85-86:--- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात 'उबत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 259-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसको संख्या प्लाट नं० 11, 12, जुँह तारा सोसायटी, सान्ताकुज, (प०), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबड़ ग्रमुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), ग्रौर जिसका कराष्ट्र नामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14-2-1986

का वृंदोवत सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से काम के वश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्राक्त संपत्ति का उपित आजार कृत्य, उपाय दियमान प्रतिकान से, एसे दश्यमान प्रतिकात का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरण के लिए तम पामा प्रमाप्तिक निम्नलिखिय उद्देश्य से उक्त अंतरण विश्वित में शस्तिक है से अपाय स्था प्रतिकार कि सम्तिखा उद्देश्य से उक्त अंतरण विश्वित में शस्तिक है किया प्रमा है :---

- (क) बंदाह्रण संहुर किसी बाप की बाबत, इच्छ, अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे ज्वा में मुविधा के लिए, अद्वि/या
- (क) एसी किसी आभ या किसी धन था कन्य बास्तिको स्त्री, जिन्हों नारतीय आध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत बिधिनियम, या धन कर नार्विद्वारीय, १५५७ (1957 को 27) के प्रशंकनार्थ जन्मियों द्वार प्रशंद नहीं (फ या पार प्राप्त प्राप्त कर कर की कार्य प्राप्त प्राप्त कर की कार्य प्राप्त प्राप्त कर की स्त्रीय की द्वार प्राप्त प्राप्त की स्त्रीय की किया।

बेरा, विव उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को अभीत किस्तिवस की धारा 269-च की उपप्रकार राद् को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री बेंसील फर्नाडीज

(ग्रन्तरक)

2. श्री शिरीश एच० शाह

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्शित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

जनमा संपर्णीं हो संजीन की मोलाध में काही भी साक्षेप :----

- (क) ६६ स्थना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सं

  15 दिन नो अप्रीध या तत्मंबंधी त्यिक्तमां पर

  स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी

  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त

  त्यां बार में भिम्मी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के के किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य स्थावतः वृवारा, अधोहन्ताकरी के गस निविक्त में किए जा सकारों!

स्थाध्वीकरणः --- इयसे प्रयुक्त ग्रस्तां और पत्तों का, जो उकत अधिनियाग, के अध्याय 20-क म गरिभाजित ही, वहीं गर्थ होंगा जग तस अध्याय मी दिया गर्थ, हों।

## श्रनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका प्लाट नं० 11, 12, जुहू तारा को० श्राप-हाउसिंग सोसायटी लिमिटेंड, सी० टी० एस० नं० 1091 (पार्ट), फाइनल प्लाट नं० 34, टी० पी० एस. 2, सान्ताऋुज (प०), बम्बई है।

श्रनुसूची जैंसा कि कि कं संब्रई-2/37ईई/30069/85–86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

े लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्ब**ई** 

दिनांक: 9-10-1986

प्रारूप बाई.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत संरकार

काश्रीसय, सहायक वायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 ग्रक्तूब्र 1986

निर्वेश सं ० ग्रई-2/37ईई/30444/85-86:-- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इस्कें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का आएए हैं कि स्थावर सपीत्त, जिसका उचित आजार मूस्य 1,00,000/- रो. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या सी०टी० एस०नं० एच०/534, सान्ताकुज (प०) बम्बई-54 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 24-2~1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्प्रति का उचित बाजार मूल्य, उसके बच्यमान प्रतिफल से, एसे बच्यसल प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतर्ल (अंतरका) और अंतररिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, विस्वतिविक्त उद्वेष्ट्य से उक्त अंतरण कि विवे में बालायिक रूप के लिए ते प्रतिकार में वालायिक रूप के लिए ते प्रतिकार में

- (क) बन्तरण चे हुन्द्रं किसी नाम की बायत, राजत नियमिया के बचीप कर दोने की अंतरक के दायित्य में काली करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अब मा किसी धन या सन्य मास्तियों कों, जिन्हें भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्पाने में सकिया के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के वंशीन, निकासिक कामिक्यों, वंशीत है—- श्री खोजम ई० मीलवाला ग्रौर
 श्री शब्बीर ई० मीनवाला।

(ग्रन्तरक)

2. मैसस मोर्डन ईरेक्टोर्स ।

(भ्रन्तरिती)

की यह स्वना जारी कारको प्रवोकत सम्मिति के कथन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कीष्ट्रं भी नाक्षेप २--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 उटन की अविभि या तत्मम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचभा की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविध शाद म समाप्त होती तो, के भीतर प्राप्तित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- वध्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास निकास में किया कर सकेंगे।

स्वश्वाधिकरणः — इसमो प्रयुक्त शस्त्रो अा पर्धा का, जो जयत्त सिधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होया जो जस सध्याय में विसा ंगशर हैं।

### अनसर्घी

जमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० एस० तं० एच/534, पहली हमनाबाद लेन, सान्ताऋुज, (प०) बम्बई-400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-2/37ईई/30444/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 9-10-1986

मीहर:

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर, 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/3053/85-86- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 310, जल दर्शन, जुहू, बम्बई-49 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) भ्रीर जिसका करार

नामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृष्य से कम के बद्यजान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विध्वास करने का करण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्या, उसके दद्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यभान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण बिश्कित में रास्तिक कप से कथित नहीं किया वसा है है——

- (क) क्यारण ये हुइ कियी बाग की बानवा करा कराय निष्मिम के बधीन कर दोने के जलारक के दायिएन में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी साथ था किसी धन वा अच्च अस्तियाँ का, जिन्ह भारतीय काय-कर अधिनियत, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनायम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा ना किया बाना चाहिए था, छिपान था स्विक्त स्विधा में लिए.

1. मैसर्स एम० श्रार० कंबायन।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती पंभांगी नारायन रेदीज
 श्रीर श्री कीरनं नारायण रेदीज।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहिया कृष्ट करहा हुएं।

उक्त रूपोस्त के अर्थन के संबंध में कोई भी बाजांप 🛶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की संबंधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासीन से 30 दिन की व्यक्ति सो भी बन्धि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधाहस्ताक्षरी के पाश सिचित में किए जा सकीय।

स्पथ्टीकरण: ---इसमें प्रयूक्त चन्दों और पदों का जो सकत अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा, जो उस कथ्याम में विद्या गरा है।

#### **अम्**स्ची

फ्लैंट नं० 310, जो जल दर्शन, एस० नं० 44, एच० नं० 1 (पार्ट) 2,(पार्ट), रूईया पार्क, जुहू, बम्बई-400049 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं० श्रई-2/37ईई/30535/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ृिलक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बतः अयः, अक्त विधिनियम की भारा 269-न की जन्धरन को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उल्धारा (1) को अधीन, निस्मलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

दिनांक : 9~10~86

शक्ष्य बाह्". टी. एन. एख. 🛊 🕫 🥫

भायकर कॉर्घनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ (1) की अधीन सूचना

#### मारत सरकात

कार्यालय महायक कार्यकार वायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 श्रंभ्तूबर 1986

निर्देश सं० ग्र $\frac{1}{2}$  -2/37 ईई/30763/85 -86: - श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भ्रायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) (जिले इसर्भ प्राप्त पर्वास प्रीधिनियम कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह पिक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिस्का उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1.00,000/- र. से अधिक हैं

शौर जिसकी संख्या फलट नं. 5, सीलवर बीच, जुहू, बम्बई-49 में स्थित है और इससे उपाब द श्रनुसूची में शौर पूर्ण रूप से विजत है), शौर जिसका करारनामा आयकर श्रिष्ठिनियम की धारा 269 के ख के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 28-2-1986 कर पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मुओ यह विकास करने का कारण हैं कि यथाप्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का गंकह प्रतिस्त से विधक हैं बौर बंतरक (बंतरकों) बौर अंतरिती (बन्तीरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबत चव्यदेय से उक्स बन्तरण लिखित में श्रीस्तक, निम्नितिबत चव्यदेय से उक्स बन्तरण लिखित में श्रीस्तक भूप से क्रियत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण सं हुन्न किसी माथ की बाबक, उक्त मधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भौ कमी करने या उससे ब्लामे में शृतिकों के निए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अध्य अधिस्थां की, जिन्हीं भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम दें धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तियम, विवास प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा की किया.

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर्थ, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—  बी० गी० कैर्डा कन्सट्रक्शन एण्ड डेंबले पर प्राइवेट लिमिटेंड।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सी० डी० मेहतालीया।

(ग्रन्तरिती)

की मृह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वन्ध के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें अयुक्त शब्दों और पद्यों का, के अस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हरेगा जो उस अध्याय में विया स्याहीं।

#### अनुसूची

प्लैंट नं० 5, जो, तीसरी मंजिल, बी० विंग, सीलवर बीच, सी० एस० नं० 505, जुहू, 400041 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/30763/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–2, बम्बई

दिनांक: 9-10-86

≯ोहर

रक्का नाह है। पुर तम ......

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-श (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, बम्बद्दी

बम्बई, दिनांक 9 ग्रक्तूबर, 1985

निर्दे 0 म्राई-2/37ईई/30773/85-86- स्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

अ। असर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पञ्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावंर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या इत्तट नं० 5,सी जीच, जुहू,ब ब 49 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध ग्र ची में ग्रीर पूण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारना प्यकर ग्रधि-नियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षा प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 28-2-1986

को प्वेंक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कर से किया गया है:——

- (क) अन्दर्श से हुई किसी भाष की शबल, उत्तर अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा शै लिए, कर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, एक धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार अन्तरिती दवारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

नत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ने, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1: के अधिन, निम्निचित व्यक्तियों, अधीत्:—— 12—326GI/86  वी० पी० केडो कस्ट्राशन एण्ड डेंननपोर प्राइवेट लिमिटेंड।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मन्भाई बी० पटेल

(श्रन्मास्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी **स से**45 जिल्ला की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  जिल्ला को अर्थन ए का जा अर्थन को और
  अवधि बाद मों समाज होती हो, के भीतर पूर्वों कर
  कर्णकरण को को राज का जिल्ला हरना
- (ब) इस स्चना के गाउउठ में प्रतायन की नारीच से 45 जिन की भीतार उक्त २००४ गीतिक में कितवस्थ किसी जाए नारित्त दूसार अभागुताक्षरी की पास रिविद्य से किस का सकेती।

स्थाक्टीकरण:--इसमी प्रथकत जरात और पदी का, जो उक्ह व्यक्षिनियम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं बहाँ अर्थ होंगा के उस अपरात में दिया प्रश्रही।

#### अनुसूची

पलैंट नं० 5, जो, चौथी मंजिल, विंग ए, िलवर बीच, सी० एस० नं० 505, जुहू, बम्बई-400049 में स्थित है।

ग्रनु पूची जैसा कि कि० सं० ग्रई-2/37ईई/30773/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुका (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 9-10-86

प्ररूप आई. टी. एन. एस .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यां सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1986

निदश सं० ग्रई-2/37ईई/30772/85-86:— ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिक्तात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से क्षिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या पर्जंट नं० 5, सीलवर वीच, जहु, बम्बई
49 में स्थित है (ग्रीर इमनें उताएउ जन्मूची में श्रीर पूर्ण
रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा स्रायकर श्रीतिनियम की धारा 269 क ख के शक्षीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, नारीख 28−2−1986

को प्यानत सम्पति के उद्देश गाजार गाया में कम के द्रियमान प्रितिष्ठल के निष्ण अविनित्त ने गाँ हैं या पार्च पार्च कर दिवसास हरने का करणा में कि गाणामी पार्चामान प्रतिष्ठल का पार्चन गाजार मूल्य, पार्क द्रियमान प्रतिष्ठल में गाणे गाणामान प्रतिष्ठल का मन्द्र प्रतिष्ठल से अधिमान में अभि बीच किया कि जिल्ला के लिए तय पाया गया वितिष्ठल निम्नितिष्ठल स्वयं पाया निष्ठल मिर्मितिष्ठल निम्नितिष्ठल स्वयं प्रतिष्ठल निम्नितिष्ठल स्वयं प्रतिष्ठल निम्नितिष्ठल स्वयं प्रतिष्ठल निम्नितिष्ठल स्वयं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुए कियो गांग की शायत. उक्त करिशीनयम के लकीन कर दोने के अप्रवास के शिंग्या में करियां प्रवास के स्वास के लिए; बॉर/या
- (था) श्रेसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिस्हों भारतीय अपकर राधिनियम, 1922 (१922 को 1:) या कावन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रगोजनार्थ अस्तियों देवारा प्रगत नहीं किया गया था या किया जातर चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए;

जतः इव उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण हैं, मैं, तकत विधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) कि काकित कि कि कि कि कि कि

1. मैं ० वी ० गी ० केडो कन्स्ट्रवशन एण्ड **डेवलपर** प्राइवेट लिमिटेंड।

(ग्रन्तरक)

2. श्री विपिन ग्रार० पटल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के सिए कार्यवाधिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वर्षाध नात्र में स्वाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त प्राप्त या कि सी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबद्ध किया कार्य कर्माद्य के पास किया के किया कार्य कर्माद्य के पास किया कार्य कर्मा क्या कर्मा है।

स्थान क्षांच्या प्राप्तन कर्ना चीर पर्दो का, **जो उन्स्** क्षिप्रोन्सम में जभाग 20-क में परिभा**वित** हो क्षां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गण है।

#### मन्स्थी

ं फ्लैंट नं० 5, जौ चौथो मंजिल, बी० विंग, सीलवर वीच, सी० एस० नं० 505, जुहू बम्बई 400049में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि क॰ सं॰ श्रई-2/37ईई/30772/85-86 श्रीर जो सञ्जम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2,—बम्बई

दिनांक : 9-10-86

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

**आयकर** अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अभीत सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 अक्तूबर, 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/29740/86-86-- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 42 सी, किईया पार्क, जुहू,
बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उनान ग्राह अनुमूचो में ग्रीर पूर्ण
रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनाना ग्रायकर ग्रिविनियम की धारा 269 क ख के ग्रिवोन सक्षम प्राधिकारो
के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारोख 3-2-1986
वने प्वाक्त सम्मात्त के उचित बाजार मूल्य स कम के द्रश्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरित को गई हैं और मुक्त यह विश्वास करन
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सर्पात्त का उचित बाजार
पूल्य, उसक द्रश्यमान प्रातफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत स अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और
बन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नालाखत उद्द स्य स उन्त अन्तरण
देशियत में वास्तिव्क रूप से किथित नहीं किया गया हैं

- (क) अंदरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधानयम क अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में सुविधा कालए; आर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कर, जिन्हों भारतीय आयकर आधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधीनयम, या धनकर आधीनयम, या धनकर आधीनयम, 1957 (1957 का 27) के श्योजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान में सुरिधा के लिए।

जितः विष्कृत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. मैसर्स जुड़ इस्टेट कारपोरेशन।

(ग्रनारक)

 लीला ए चैगानी ग्रौर श्री मोहन चैनानी

(ग्रन्:रिती)

को यह सूचना जारो कराई पूर्वोवत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्नत समाति है अधा के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 कि को का को या तत्सत्रधी व्यक्तियों पर सूचना को लाकील से 30 कि की अवधि , जो भा अवधि बाद में संमान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस स्वया के राजपन में प्रकाशन की तारीख हैं
  45 दिन को भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवद्या किसी अन्य क्यांबत द्वारा, अधोहस्ताजरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसकी प्रयुक्त कव्यों कोर पदों का, की उक्त क्षितिक्षया, की अध्याय 20-क मीं परिभाषित ही, यही अर्थ होना को उस अध्याय मी दिया गया ही।

#### अनु नुचा

फ्लैट नं० 42, सी, जो चीयी मंजिल, रूईया पार्क, सर्वे नं० 47, जुह, बराई में स्थित है।

श्रापुत्रो जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/29740/85-86 श्रोर जो सत्तर प्राप्तिकारो, पन्यई द्वारा दिनांक 3-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्रतिवक्षारी सहायक श्रायाचर श्रायुक्त (विलोक्षण) श्रर्जन रेके-2,पूना

दिनां ह : 9-10-1986

मोहर् 💈

\_\_\_\_ \_\_\_\_

गरूप आई. टी. एन. एस.-----

1. जुहु इस्टेट कारपोरेशन ।

(भन्तरक)

अध्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 2. श्री कृष्ण डी॰ राजानी धारा 269-घ के अधीन सचना

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, अम्बई

क्षप्दर्श, दिनांका । अधन्त्राप, 1886

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें (सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विस्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1..00.000/- रुट सं अधिक है

भीर जिसकी नंख्या फ्लैंट नं० 53 ए, रूईया पार्क, जुहू, बम्बई में स्थि। है श्रीर इसने उराग्रह अनुम् ची में प्रौर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, समाई में रजिस्ट्री है, तारीख 21-2-1986

को प्रक्रित सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए उन्तरित की गई है और मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उमके दश्यमान प्रतिफल को एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृह ऽतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित स्दृह्मश्य से उक्त अन्तरण लिखिता में बास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दाने के अंतरक के दायित्व में कभी करन या उससंबचन में सूविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा को सिए:

कतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण जै, औं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थान् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में स्थापन होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति दवापा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्गार्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमा प्रयुक्त कर्न्या और पदों का, जो उनत अधिनियमः, के अध्याय 20-क मो परिभाषित हो, वहीं अधि हार। जा उस अध्यार में क्रिया गया हो।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 53 ए, जो पांचवीं मंजिल, रूईया पार्क बिल्डिंग, सर्वे नं० 47,जुह, बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/30363/85-

भनुभूचा जेसा कि के सं∘ श्रई-2/37इई/30363/85-86 भौर जो सज़न प्राधिकारी, बन्धई द्वारा दिनौंक 21-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधि तरी, सहायज्ञ ग्रायकर श्रायुक्त (किर्दक्षण), श्रजीकरीज,−2, वस्बई

दिनांक: 9-10-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्ज रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 ग्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/30052/85-86:--श्रतः मुझें, लक्ष्मग दास,

अनिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,05,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 52, सी, रूईया, पार्क, जुहू, बम्बई में स्थित है ग्रीर इससे उपाउद्ध नुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विज्ञ है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम को धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राविकारी के कार्याज्य, बम्बई में रिजिस्में है, तारीख 14-2-1986

भी पड़ा न में निर्माण के विश्व अन्तरिक्त की यह है और मुक्के यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पतित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान अतिफल सं, एसं दृश्यमान अतिफल का उद्ध प्रतिकृत सं अधिक है और अतरक (अतरकाँ) आर अतरिता (अन्तरितियो) क बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है द

- (क) अस्तरण से हु**इं किसी आय की बाबत उक्त** अधिनियम के अधीन **कर दाने को अ**न्तरक **को** इणिय्य हो कमी बरने या उसमें उचने में सूबिधा कारण करिया
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभण के निए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण बें, भें, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. जुहू इस्टेंट, कारपोरेशन।

(अन्तरक)

2. श्रीनती रश्मी उनेस कमाडिया ग्रौर श्री उमेग प्रतिलकांत कमाडिया

(ग्रन्तिरती)

का यह स्थाना शारी करके प्रशिवन नम्परित के कर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बब्ध सम्प्राह्म के कार के ए ए ए ए ए ए प्राप्त भी जातन

- (क) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन को तारीस स 45 दिन को अवीध या तत्मविक अवितता पर सूचना का तामान म 30 दिन को अवीध, जो भी अवाध बाद मां सम्पत्त होति हो, को मान पूर्वाको व्यक्तिया मां में लिसा व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन मा प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध ग्यामा अन्य ज्योवत द्वार वचाहस्ताकरा क पाम निर्माटत मा किए जा सकी थे।

स्पष्टिश्वरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा इं।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 52 सी, जो पांचवीं मंजिल, रूईया पार्क बिल्डग, सर्वे० नं० 37 जुह, बम्ाई में स्थित है।

श्रनुचची जैसा कि ऋ॰पं० श्रई-2/37ईई/30052/85-86 श्रीर जो साम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-2-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मन दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्टई

दिनां कः 9-10-1986

प्रत्य. बाद". टी. एन. एस. ----

and the state of t

**बायकर वांधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** प्राप्त 269-घ (1) के बजान गएना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वप्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1986 निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/30512/85-86:-- श्रतः मुझें, लक्ष्मण दास, .

शायकर अधिनितम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स क अधिन सक्षम प्राधिकारों को, यह विस्वास करने का कारण है हि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसको सज्या पर्नैट नं० 501, मंगल कीरन, जुहु, बम्बई 57 में स्थित है स्रोर इससे उनामद्ध स्ननुसूची में स्रोर पूर्ण का से विभिन्न है), स्रोर जिनका कराराना स्थानकर स्रधिनियम क: धारा 269 क, ख के स्रोत सजन प्राधिकारी के कार्याजय, जन्मई मं रजिस्ट्री है, तारीख 25-2-1986

है। पृष्य न । सम्य त क जीचत बाजार मूल्य स कम के दश्यमान गातणाल के लिए अतीरत का गई हैं आर मूक्त यह विश्वास करन करन का कारण हैं कि यथापूबावत सम्पत्ति का जीचत बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल स, एस द्रम्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत स अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अतीरीत्यों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय भाषा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी साय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सूविधा काल्य, और/या
- (अ) एसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अति क्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा स्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण रूँ, मं, रक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अं अधीन, निम्नीलिख्त व्यक्तियों, अथात् ४1. इन्द्रा एच० गुप्ता

(अन्तरक)

2. कुमारी वीरा सिंग

(भ्रन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके म्र<mark>धिभोग</mark> में सम्पत्ति है) ।

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यनाह्या करता हुं।

रणत थम्पणि ७ अजन के संबंध भी बीई भी वाक्षण :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 वित का अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की गामील से 30 दिन को अवधि, को भी अवधि पाड मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया। मा स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व्या) ३१ म्लना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख सं ३ , १३० के भीतर उद्यत स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध विवार आये व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पाष्ट १ अस्त म विद्या जा सकांगा

ण्याद्धां त्या प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उभक्त अधिनियम कं अध्याय 20-क में परिभाग्यत्य है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया न्यादां।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 501, जों, पांचबीं फ़्रेंगिल, मंगल कीरन, प्लाट नं० 57, ग्रायरीस पार्क, जुहू, बम्बई-400057 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-2/37ईई/30512/85-86 ग्रोर जो सजन प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 25-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, बम्बई

दिनांक :: 9-10-86

म्बद्धाः नामः । त्राप्तः । स्थाः । स्थ

अभिकार आधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-ण (1) के प्रधीन स्चनः

#### भारत सरकार

# कार्यातयः. महायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज-2, बभ्जर्ड

बन्दरी, वितंत 9 वितम्बर 86

निर्देश सं० श्रई०-2/37 ईई०/30490/85-86--श्रतः मुप्ते, लक्ष्मण दास

बारकर विधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाश 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्रपण करने क इस्रक है कि स्थावर अधिक विश्रपण अभिन्न बाना मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरिविष्ठः गं० पर्यट गं० 1-ए, 1-वी, (जी-1), विषय श्रपार्टवेंट, जुहू, त्रमाई-49 में स्थित है श्रोर ५ससे उपा द श्रमुस्ची में प्रीर पूर्ण रूप से विषयत है), प्रोरिविस्का करार-नामा आपकर श्रविनियम, की धारा 269 क ख के श्रधीन सभाम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 24 फरवरी, 1986

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गर्छ हैं और मूझे यह विश्वास कर था कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित का मूल्य, जरूके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पहु प्रतिकात स अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्शितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातफल निम्नलिलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्त्रिक स्व स हो धन्न परी किया गया हैं:—

- १६० अल्लाल में हुई किमी आय की बावल, उक्त अधि-िराम के दर्शन की पोने के अल्लाक के पायित के कारी कारी मा जलारी बावने में स्विधा ने लिए: दौर देव
- अ) शामी किसी अन्य था किसी अन या अन्य आस्तियों कर्मा के ए पार १६६ व्यापकार अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमं, का कर्मा क्षेत्रीं कम, 1057 (1957 का 27) के प्रशांक्यामं कर्मिरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गद्द था या किया जाना बाहिए था. हिस्पाने में मण्डिम के लिय:

अतः जब, उत्तत अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्रे अधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती ज्ञखोया बेगम ।

(भ्रन्तरक)

(1) श्री सुन्दर दार।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यताहियां करहा हूं।

टाप संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील सैं 45 दिन की अवधि या तरमंत्रधी व्यक्तियों पर सूचना को लामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीवर पूर्विक व्यक्तियों मो से दिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुचना के राजपण्य में प्रकाशन का लारोंच के 45 दिए को भीतर उक्त स्थापर स्थापित मी जिलगङ्ख किसी अन्य स्थापित इद्याप अपोठ-राज्य के लाक तिख्यित मी फिए जा मर्कोगे।

स्परदीकरण: — इसमे प्रयोगन सक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

[ 1-ए, 1-वी, (जी-1), जो विलय अपार्टमेंट जानकी मुटीर; जुर सम्पर्ध-40004 में स्थित है। श्रनुद्वा गैसा कि कनसं० श्रई०-2/37 ईई०/30490/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सहस्यक कारणान् क्षान्य अर्थाः अर्थाः अर्थाः सहस्यक कारणान् क्षानुत (रिजीकाण्) स्राचन स्रोतिकार्यः स्रोतिकार्यः स्रोतिकार्यः स्रोतिकार्यः स्रोतिकार्यः स्रोतिकार्यः स्रोतिकार्यः स्रोतिकार्यः

तारीख : 9-10-1986

मोरः

प्ररूप आहुर टी एन एस -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल**व**, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज -- 2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1986

निदेग सं० आई-2/37 ही $\sqrt{30019/85-86}$ —प्रतः मुसे, लक्ष्मण दाप

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00 000/- रह में अधिक है

भीरिता को नंश प्रतेट गंश 1-ए, चत्यविला भ्रपार्टिनंट, विलेज पाल (गंश), बम्बई-56ि स्थित है प्रीयह पते उपा द्ध अनुपूर्ण में कोर एाँ का ले वर्षित है), श्रीय जिसका करारनामा भ्रावकर अतिविका की पारा 269 कथा के श्रयोग सक्षम प्राविकारी के क्षयोग बम्बई नं रिजिस्ट्री है तारीख 11 फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए उन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एमे दश्यमान प्रतिकाल का गंद्रह प्रतिशत से अपिश है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्निटिएत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में सास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीर कर दनें के अधिक के दायित्व में कभी करन या उससे बचनें में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) इं प्रयोजनार्थ अन्तरिकी इंपारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :----

- (1) मैं व्यू इण्डिया कन्स्ट्रशन कम्पनी । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री भीकालाल कानजी सोनी। (ग्रन्निस्ती)

की यह स्थना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन को अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृतारा अधंहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हुएक। जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्धी

पर्लंड नं० 1-ए, जो चन्द्रविला श्रमार्टवेंट, प्राप्ट नं० 3 सी० टी० एस० नं० 8/4, गुलमोहर रोड, विले पार्ले (प०) बम्बई-400056 में स्थित है ।

श्रनुत्र्वो जैसा कि क्रम सं० श्रई०-2/37 ईई०/30019/85-86 श्रौर जो सञ्जम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दस सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुकः (किरोक्षण) शर्जन रेज-2, बम्बई

सारीखा : 9-10-1986

## बस्य बार्ड दी एन एस .-----

# भायकर मधिनियम, 1061 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के वधीन सुवना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, अहायक आध्वस आध्वस (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 9 प्रक्तूबर 1986
निदेश सं० प्रई-37-ईई/30901/85-86--प्रतः

मुझे, लक्ष्मण दास बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उत्ता अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, मधुबन, विले पार्ले (प०), बम्बई-56 में स्थित में (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27 फरवरी, 198 6

को पूर्वोत्रः पर्णाप के लिशन घडना पून्य से कम के दरसमात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह निश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अभ्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में श्रास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है।:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (स्त) एसी किसी आय या किसी धन या बन्द आस्तियों करों, जिन्ही सरत्तीय आयोग्य सिंधिनियम, 1322 (1922 का 11) या उत्त अधिकियम, या धनकर सिंधिनियम, या धनकर सिंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तियोग वास प्रकट नहीं किया गया था या किया प्राप्त वर्धहर था, छिपाने में स्विधा के निए;

ला . कब , उपल बाधिनियम की धारा 269नंब के अनुसरण मो , भी , उपल अधिनियम की धारा 269नंब की उपधारा (1) राजार विकास विकास की सामा का का कि उपधारा (1) (1) मैं जी सी० इन्टरप्राइसेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) शाह पोपट लाल देवराज ।

(अन्तरितो)

(भ्रन्तरक)

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति है अअन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

#### उक्त संपत्ति के नर्धन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस स्भान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्भाव की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वाच;
- (ब) इस स्थान के राजपश ं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर लक्ष्य भावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्दार अधिहरूताक्षरी के पास ल्ही त में किए जा सकींचे।

•नक्किरणः---ध्समें प्रगुवत पञ्चों बौर पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### नन्सूची

पलैंट नं० 3, जो दूसरी मंजिल, मधुवन, प्लाट नं० 9, ग्राजाद नगर सोसाइटी, जे० त्री० स्कीम, रोड नं० 1, विले पालें (प०), बम्बई-400056 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/37 ईई०/30901/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 27 फरवरी, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, यम्बर्फ

विनांक: 9-10-1986

मोहर 🛭

13-326GI/86

## प्रकृप बार्ड ् टी , एन्, एस् .....

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-व (1) वे अभीन सुकता

#### STATE SEATS

## कार्यासन, सङ्गावक बानकर नागुक्त (पिरोक्स)

म्रर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तुबर 1986

निर्देश सं० धर्द-2/37–ईई/29840/85–86–– धतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िंदरे इसमें इसके प्रवास ('उन्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विध्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 102, हेमल प्लाट नं० 5, बिले पार्ले (प), बम्बई-56 में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबद्ध अनुपूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ) ग्रीर जिसका करारनामा भायकर श्रिधिनियम, 269 क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 7 फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मृत्य से कम के स्वयं के प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का किया वाबार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल हो, एवं स्थ्यमान कि किया का पंत्रह प्रतिबाद से जिथक है और जन्तरक (जन्तरकों) कोर जन्तिएती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिभा के सिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी बाग या किसी धन या अन्य व्यक्तियों की जिन्हों भारतीय बायकर बॉधिनियम, १९२१ (1922 का 11) या उक्त बॉधिनियम, ४७२१ भव-कर बॉधिनियम, १७५७ (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया प्रवा भा या किया वाना शाहिए वा कियाने वें सुनिधा के विद्य ह

जतः ज्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ध के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की ज्षेधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) म० स्काई बिल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड । (श्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रनिल सो० शाह ग्रौर श्रन्य। (श्रन्तरिती)

का यह स्थाना चारी कारको पुनांकत सम्परित के अर्थन के जिए कार्यसाहियां कारता हुई।

उक्त संपरित को कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी लाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्रसूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों
- (वा) इत स्वमा के रावपन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति भी हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकर्म।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 102, जो हेमल प्लाट नं० 5, हतकेश नगर को० श्रापरेटिव हार्जीसंग सोसाइटी लिमिटेड, जे० बी० पी० डी० स्कीम, विले पार्ले (प), बम्बई-400056 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-2/37 ईई०/29840/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7 फरवरी, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक: 9-10-1986

## नेता [[[--वण्ड 1]

## भक्ष नाह<sup>ी</sup>्टीं, एन<sub>ः</sub> एक<sub>ं। सनसम्बद्धन</sub>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन

#### मार्व संद्रकान

## कार्यासन, सहाबक नागकर नायुक्त (निडीक्सन)

ग्रर्जन रेंज~2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1986

निदेश सं॰ ग्रई-2/37-ईई/29923/85-86--- प्रत: मुझें, लक्ष्मण दास,

कारकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्मिके परवाह उसत अधिनियम कहा मया है), की भारा 269-च के अधीन संशंभ प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थापर सम्पंदित, चिसका उधित वाजार भून्य 1,00,000/- स्त्र से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 20 बी, त्रिमूर्ति सोसाइटी, सांताश्रूज (प), बम्बई-54 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं तारीख 7 फरवरी, 1986

को पूर्व से सम्पत्ति के उणित बाबार मूल्य से कम के हरवमान श्रिक स के लिए जन्तरित की गए हैं और मुक्ते यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वों वत हंपरित का उणित आखार मूल्य, उसके हरयमान प्रतिकल से, ऐसे हरयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हूण से कथित नहीं किया गया है ं——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीभागनभ के अधीन कर ४ में के अन्तरक के धायिए। में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और /या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा औं किया।

नतः जन, उक्त विधिनियम की धारा 269-न व्यं नमुसरस में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपभाष (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री जगदीश खन्ना ।

(भ्रन्तरक)

25319

(2) श्री विनोद जी० काला श्रौर श्रीमती रिष्म विनोद काला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🚛

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच सं 45 दिन की विविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पुर स्चना की सामील से 30 दिन की विविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित े किए जा सकींचे।

स्पन्धिकरणः --- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पर्वों का, वां उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

## धनुसूची

पर्लंट नं० 20/बी, जो न्निमूति को० **ग्रापरेटिय** सोसाइटी लिमिटेंड, नोर्थ एवेन्यू रोड, सांताकू**ज (प)**; बम्बई-400054 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई ०-2/37 ईई/29923 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7 फरवरी, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, **बम्बई**

तारीख: 9-10-1986

मोहर 🖫

## प्रस्य बाह्यं, ही पुन युस .....

# काथकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विभीन स्वानः

#### भारत सर्कार

धार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 स्रक्तूवर 1986

निदेश सं० प्रर्ह-2/37 ईई/30496/85-86—प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसयें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिल नानार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लैंट नं० 602, मंगल मूर्ति, सांताकूल (प) बम्बई-54 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रांर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 24-2-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी जाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यह भनकर अधिनियम, यह भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गयह भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

(1) पी० जय० इन्टरप्राइसेस।

(अन्तरक)

(2) श्री एच० पी० गुप्ता एच० यू० एफ० । (अन्सरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पृत्तींक्स सम्पत्ति के अर्थाय के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कांई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनद्भ फिसी कन्य व्यक्ति ध्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास तिश्वित में विग्र जा सकींगे।

स्थाबीकरणः ---इसमें प्रयुक्त घन्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 602, जो मंगल मूर्ति, प्लाट नं० 82/29, लिंकिंग रोड एक्सटेंशन, सांताऋूज (प), बम्बई-400054 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्र $\hat{\xi}-2/37$  ई $\hat{\xi}/30496$  85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-2-86 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-10-1986

ELECTION CARD RELEASE OF

वासकार को भागिका, 1901 (१८८१ वा ४८) की वास 269-ल (1) के क्योन न्यता

#### भारत सरफार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्तूबर 1986

निदेश सं० ग्राई०-2/37 ईई०/30498/85-86—श्रतः मर्से, लक्ष्मण धान

कावकर व्यक्षित्वमः १९६५ ११९० ८२ ८३) (एउस क्रमसं इसके पश्चाद् उपन वार्षात्रका कहा एक हो, की पारा १८९-च क कंबीन वक्षात्र ६ १८०० वा का विस्तान करने का जनका है कि स्थानर प्रशास, उजनका किस नावार अस्य 1,00,000/- रह. से संधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 601 मंगल भृति, सांताकूज (प), बम्बई-54 में स्थित है (और इभभे उपायक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से बीधन हो), और किसका करारनामा सायकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 कखके अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बग्बई से रजिस्ट्री है नाराख 24-2-86

को पूर्वोवत सम्पत्ति को अचित वाजार मृत्या से कम को रूपमान प्रतिफल को लिए बंतरित् की गर्दा है जार पुक्ते यह निवकास करने का कारण हो कि निवकार के कार पुक्ते यह निवकास कुट्य उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे उस्तमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से बाधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्दर्भ दिती (अन्तरितिया) के बीच रूप्य असरिक सामा का गया गया प्रतिफल निकासिक उद्योग्य में जात अन्तरण जिल्लिस में

- (क) अन्तरण सं भूषं किसी आप की यानत उपत व्यक्तिकम से मंत्रीत छन् योते की अन्यरक सं वापित्त में कमी कर्तां पा उससे एमत सी नुधिया भे लिए, व्यक्तिया
- (वा) एंसी किसी अन्य था अन्य या व्याय आस्तियों का, जिल्ही शरतीय का कर क्षिण कर 1922 (1922 का 11) या अन्य को प्रतिसम्म, ता भव-अव्य अधितियम, ता भव-अव्य अधितियम, ति विशेष प्रकट नहीं किया गया वा या किया बादा चाहिए था, अध्यक में स्विधा को त्रियः

प्रशः कब, ज्ञा अधिनिवेद भी भारा 260 में अनुतर्भ मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 260 में जे उपधारा (1) के सभीन, निम्मलिखिक व्यक्तियों. अर्थात :--- (1) श्री पी० जय इन्टरप्राइसेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती इन्द्रा एच० गुप्ता ।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कि एड सवना आरी करक गुनाबत सम्पत्ति के **अर्जन** के जि**ग्** कायवाहियां शुरू करता हुं।

द्धवत् सम्पास्य के अपन के श्रम्या में कार्य भी गामापाल

- (क) इस सूचना के राजपत्र मी प्रकाशन की तारीख से 45 दिन कर स्विधि या राजनीनी व्यक्तियाँ पर सम्मान कर स्विधि के एक विन को क्वीश, जो भी स्वधि कार को स्विध स्वधि के एक स्विध स्वधि के स्वधि के स्वधि क्वी स्वधि के स्वधि के स्वधि स्वधि के स्वधि
- (श्र) इ.स. मुनाहा के राज्याय साँ प्रकाशान की तारीश से १८ वित को बेहस र उन्तर स्थाया भूम्पालित में द्वित्वसूध । असे र का प्रतारत युवाशा अक्ट्रिसाक्षारी के पास

स्तर्धाकरण: ---४५ में प्रयास्त शब्दी की पर्वो का, जी उक्त अधिन्यम के अध्याद 20-क में यथा परिमाणित ही, वहीं अर्थ होगा, जी उस अध्याय में वियो गया है

#### अनुसूची

पलैट नं० 601, जो छठदीं मंजिल, मंगल मूर्ति प्लाट नं० 82/29, लिफिंग रोड एक्सटेंग्रन सांताकूज (प), बम्बई-400054 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई० $- \angle /37$  ईई०/30498/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-2-86 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज~2, बम्बई

तारीख: 9-10-1986

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शाय 269-व (1) में अधीन स्वना

भारत सरकार

## कार्याजय, सहायक बायकार वायका (विश्वांक्रक)

भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० ग्रई०-2/37 ईई०/30497/85-86—ग्रतः मुझें, लक्ष्मण दास,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिं, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 701, भंगल मूर्ति सांताकूज (प०), बम्बई-400054 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसुची में पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, की धारा 269 क ख के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 24-2-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्हरित की गई है और मुभ्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वकित संपर्शित का राजार भूल्य, उराके सम्मान प्रतिफल प्रतिकतः सं इस्यमान प्रतिफल के पन्द्रह अधिक हैं वरि अंतरक (वंतरकां) वरि अंतरिती (वंतरितियाँ) को बीच एसे अन्तरम् के सिर् तय पाया गया प्रतिकल, जिल्लीलिख्ड उत्दोरय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथत रहीं किया पया है इ--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी अरने या उत्तसे बचने में सूदिका के सिम्ह; जीर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 क्य 27) के प्रयोकनार्थ अन्तरिशी क्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा के सिए:

अत: जब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ण को जमूसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-च की अपधारा (1) को अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् क्र- (1) मैं । पी । जय इन्टरप्राइसेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एच० पी० गुप्ता ।

(भ्रन्तिरती)

को यह स्वना जारी करके पृशेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकर्ग।

स्पष्टांकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कर अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 701, जो मंगल मूर्ति प्लाट नं० 82/29, लिंकिंग रोज, सांताऋूस (प), बम्बई-400054 में स्थित हैं ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-2/37 ईई०/30497/ 85-86 और जो समक्ष प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24/2/ 1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-10-1986

प्रकप काई. टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### **भारत सरकार**

# कार्यालयः, सहायक जायकर वायुक्त (निरौताच)

भर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० म्रई-2/37ईई/29680/85-86--म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं प्लैंट नं 202, जानकी कुटीर, जुहु, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम, की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 1-2-1986

को प्राेंक्त संस्थित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित को यहाँ हैं और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्लमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए च्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वर्षय से उक्त अन्तरकों भिन्ति अम्तिक लग से अधिक हो से उन्तरिय से उक्त अन्तरकों भिन्ति अम्तिक लग से अधिक स्था से अस्ति अस्तिक लग से अधिक स्था से अस्त

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्क श्रीध-श्रीधनियम के अधीन कर योगे के बन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुद्दैवधा के लिए: और/या
- (च) ऐसी किसी आय या धन या जन्य जास्तियों की, जिस्हें भारतीय आयकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चिहिए था, छिपाने में सुनिधा खें लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स विकास डेवलपर्स

(भ्रन्तरक)

2. मधुकर रंगीलदास रंडेरीया

(भ्रन्तरिती)

को यह सृषना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्नन। की सामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्तियाँ
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास नियस में किए जा अकोंगे

श्यव्यक्ति रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

#### वन्स् ज

श्रनुसूची जैसा कि अरु क्षं श्राई-2/37ईई/29680/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई के द्वारा, दिनांक 1-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है:

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्यायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 9-10-1986

मोहर:--

प्ररूप आहे.टी.एम.एस.-----

नायकर मिश्रिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 263-ए (1) के मुजीर स्थार

#### भारत सरकार

कार्याजय, सङ्गायक आयक्त आयुक्त (निर्याक्षक)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तवर 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/29681/85-86—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका तित्व प्राणार मृत्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 203, प्लाट नं० ई/7, सान्ताऋूज, बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमे जपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 1-2-1986

का पूर्वीस्त संपरित के उपित राजार मृत्य में कम के कारमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गर्म हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वधाप्यांक सम्परित का उणित बाजार मृत्य, उसके क्ष्ममान प्रतिकल थं, हों क्ष्ममान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक ही गीर अन्तरक (जन्तरकों) और बंतरिती (अन्तरितामों) के बीच एोसे अज्ञरण के जिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्निलियन उद्देश्य से उपके बन्तरण सिक्रित में वास्तर्भ कर्म में प्रतिकत कर्म क्ष्म क्ष्म

- (क) अन्त्ररण से हुए फिसी बाय की बाबत, उतर सिंदियस के अभीन कर दोने के अन्तरक के साथित्य में अभी कारने या उससे दकने में सुविधा को लिए; सौंद्र/शा
- (क) ऐसी किसी आठ या किसी धन या अन्य आस्तियों करा, जिन्हों १८५% ते अराज्य अधिनियम, १९६८ (१७२२ का १८) या र ते अधिनियम या अराज्य अधिनियम, १६८% (१७५७ का २७) के प्रयाजनार्थ अन्तिरती ध्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया काला का किए;

भवः अन्, उनस अधिनियम की भारत 209 म की जनसरण भी, भी, उरत अधिनियम की गरा 209 म की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों। अभित्

- 1. श्रीमती मध्यकाश कपूर, और श्री प्रकाश चन्द्रा कपूर (अन्तरक)
- श्री नरेण बन्दूलाल मतीयर, श्रौर श्रीगती उमिला नरेश मनीयर

દે

(भ्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचन। जारी करक प्वयिक्ष सम्पोरत को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की व्यक्ति या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्त्रवा की तासील से 30 दिन की व्यक्ति को भी अक्षि ताल में समान्त होती हो, के शतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशनि की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास फिसिस में िश्च वा सकोंगे।

स्थरहीकरणाः—रहर्न प्रयुक्त शक्यों कौर पदों का, वो उद् लिभिनियम के लभ्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 203, जो प्लाट नं० ई/7, ब्राई माई गजदार प्रायवेट लिपिटेड, सर्वे नं० 448 (पार्ट), सी० टी० एस० नं० जी-368 (पार्ट), 408ए, सान्ताक्ज, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं धर्द-2/37ईई/29681/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 9-10-1986 मोहर:-

## प्रकप आई.ही.एन.एस.-----

# भाग्यकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# काथालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 9 अन्तूबर 1986

निदेश सं० ए० स्रार० 2/37/जी/3885/11/---- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 75, टी० पी० एस० 4, सांताकुज गोरधनदास, रोड, एस०व्ही रोड, सांताकुज, बम्बई में है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 18) के श्रधीन दिनांक 25-2-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिखत से विश्वक है बीद अन्तरक (अन्तरकों) बीद अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफ कन, निम्मलिचित उच्चेष्य से उच्च अन्तरण जिन्दित में वास्तिव्क कर से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ निक्सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मिविधर के जिए;

क्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नितिषत व्यक्तियों, अधीर :---14326GI/86  दीपचन्द मोहनलाल ग्रहा, शिवचरण मोहनलाल ग्रहा और प्रफुल्ल मोहन लाल ग्रहा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री कांजी रावजी पटेल, श्रमृतबेन, बी० पटेल, जयन्ती लाल जे० शहा, राजेश जयन्तीलाल शहा, श्रश्विन जयन्तीलाल शहा, श्रीर श्रीमती कुमारी जयन्तीलाल शहा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्हर सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप 3 -

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यां कत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितब्स्थ किसी अन्य व्यानित द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किये जा सकरें।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है

#### अन्स्ची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं०, ऋ० सं० 1455/79 श्रौर जो सक्ष्म प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-2-86 को रजिस्टर्फ किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, अम्बई

दिनांक 9-10-1986 : मोहरों: प्रकेषं बांदीं. टीं, इनं. एसं.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन संख्ता

## भारत सरकार कें/बासिय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण),

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 अक्तूबर, 1986

निदेश सं० श्राई-2/37ईई/30673/85-86—न्य्रतः मुझे लक्ष्मण, दास

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260-स के अधीन सक्षमं प्राधिकारों को, यह विश्वास करने कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 19, श्रणोक निवास, विले पार्ले (प०), बस्बई-56 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, की धारा 269 के ख के श्रधीन सक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 28-2-1986 को

को पूर्वोश्वस सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के श्रथमान प्रतिफस के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके श्रथमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का श्रद्धहु प्रीतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अध-रती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफस पिम्मीसचित स्पूर्वास्य से उच्त अंतरण निचित् में बास्तिबक्क रूप में कथित नहीं किया गया है :----

- (का) जनगरण संहुद फिली आय की वाबत, सबस विधित्यम में स्थीन कर दोने के अन्तरक से वाक्तिय में स्थीं स्ट्रेने या उससे व्यूपे में स्विधा के सिम्; स्टिश्वा
- (क) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विभा जोना चाहियेथा, किया में स्विंचा के लिए;

मत- अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की वर्गवरम में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् :र श्री महेग रतीनाल भोजा, भौर
 श्री रमेण रतीनाल भोजा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ऊपा प्रविनचन्द्र दोशी।

(भ्रन्तरिती)

का यह सुणना पारी करके प्रांकित सपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

सकत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाखेप

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्वना की तामील से 50 दिन की सर्वाध, को भी सब्धि साथ में भयाप्त होती हो, के शितर प्यॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (क्) इसं स्वना के राज्यम में प्रकाबन की सारीच स 45 दिन के भौतर उक्त स्थावित सम्पत्ति में हिंदनवृथ् किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहेस्ताकारी के गक्त निस्ति में किए वा सकते।

स्पक्कीकरणः -- स्तमं प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, यो उत्तर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हीं, बड़ी अर्थ होता, यो उस अध्याय में विका गया है।

## नन्स्यी

पलैट न० 19, जो पहली मंजिल, श्रशोक नियास, स्मीय पोंड रोड, विलेपार्ले (प०), बम्बई-400056 में स्थित है। श्रनुसूची जैंगा कि ऋ० सं० श्राई-2/37ईई/30673/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 28-2-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक 9-10-1986 मोहर: अक्ष बाह्र ,हरी ,एन , एख , -------

आभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर, 1986

निदेश सं० म्राई-2/37ईई/30610/85-86—म्प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. में किश्व है

श्रौर जिसकी सं० तल मंजिल, प्रीमायसेस क्वीन्स पैलेस, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रौर इससे उपाद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 28-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मृक्षे यह विश्वास फरने का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधि-निकम के अधीन कर दोने के अंतरक के धायित्य को शभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कृति, पा
- (थां) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों के जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-जार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ज्याने में सुविधा के सिए;

कद्यः श्रम, उक्त अधिनियम की भ्रत्य 269-ग के अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- 1. श्री विजय रहेजा

(मन्तरक)

2. मैसर्स जस्ट फोर यू

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहिया शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सुचना पुर की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन के भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में हित्बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पल्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त क्रिश्च-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### 4पसची

तल मंजिल, प्रीमायसेंस जो क्वीन्स पैस, बिल्डिंग 205, बाटर फील्ड रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है ट

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-2/37ईई/30610/85-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-2, अम्बई

दिनांक : 9-10-1986

प्रकष बाह् ं टीन एन न एस्न न

नायकर मॉथनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के मधीन स्पना

#### भारत सरकाड

## कार्यानयः, सहायक नायकर नायुक्तः (निष्ठीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर, 1986

निदेश सं० ग्राई-2/37ईई/29744/85-86—अत: मुझे लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-कु के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 3, मी-कासा, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 3-2-1986

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- किं क्षेत्रण से हुई किसी बाय की बाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कोह दोने के अन्तरक के समिल्ल में कमी करने या उससे ब्चने में सृधिधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी बाव या किसी धन या बन्य आस्तिथा को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया वया वा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा

बतः वयं, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ए की वस्तरण वो, मी, उक्त विधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) वो वसीए, निम्निविधिट व्यक्तियों, वभार क्रान्स 1. मैंसर्स देवेन्द्र कन्स्ट्रनशन, कारपोरेशन।

(ग्रन्तरक)

2. साई प्रापर्टीज, प्रायवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सुम्पति के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षंप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, वा पी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंकरा व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बुदारा;
- (ब) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीं भ 45 दिन के भीतर अक्त स्थानर सम्पास में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं ब पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एका है।

#### MY VI

शाप नंo 3, जो तल मंजिल, सी-कासा, चौबीसवा रोड, बान्द्रा, बम्बर्ड-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-2/77ईई/29744/85-86 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्धई द्वारा विनांक 3-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक । 9-10-1986 मोहरपः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर, 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- का से अधिक है

भी प्रविक्ति सम्पत्ति के उत्तित वाजार गृल्य ए कम के स्वयमान प्रतिक्रित के लिए अन्तरिस की गई और मृम यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उन्तित वाजार मृल्य, उसके रश्यमान प्रतिकल से एसे रश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई ट्रिक्तीं बाय की वावत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वावित्य में कमीं कुरने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन- कर अधिनियम, को भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना आहिए था, जिपाने में सुनिभा ने विन्ह;

कतः शव, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरक कें., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अधीत् ध—

1. मैसर्स रूबी एन्टरप्राइसेस ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जे० पटवर्धन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

जक्त सम्बक्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ८---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब सें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिरु बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकींगे।

स्पक्तिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिभितियम, के बध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं 601, जो छठवीं मंजिल, नील श्रपार्टमेन्ट, दसवा रोड, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि कि । सं । श्राई-2/37ईई/30386/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 9-10-1986 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9- श्रक्तुबर 1986

निर्देश सं० म्राई-2/37ईई/30736/85-86---म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- हा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 701, मंगल दिशा, खार बम्बई,-52 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धार 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 28-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का, नंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया शिक्क, निम्निसिंग स्कूष्टेस से स्कूष्ट सन्तरण किया कारतिक का सन्तरण से सिक्क है सिक्त सन्तरण के लिए तथ पाया गया शिक्क है सिक्त सन्तरण से सिक्त स्था से सिक्त से सिक्त स्था से सिक्त से सिक्

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंगरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; अरेर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

असः अव, अञ्चल अभिनियम, की भारा 269-ए के बन्नरूक रो. मी. तक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. पी० जय एन्टरप्राइसेस ।

(भ्रन्तरक)

2. प्रभाकान्त एन्टरप्राइसेस ।

(श्रन्तरिती)

3. श्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना अप्तो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्नेश सम्परित के वर्जन के शबंध को कार्श्व भी कार्श्व .

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी क शस लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

## अनुस्ची

पलैट नं० 701, जो सातवीं मंजिल, मंगल दिशा, छठवां रोड, खार,बम्बई-400052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37ईई/30736/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक 9-10-1986

## प्रस्प नहर्दे <u>हों. स्पञ्च पूर्व हुम्माम</u>

बाय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-व (1) के अधीन स्थान

भारत सम्बद्धार

कार्यालय, सहायक भायकर <mark>काय्फ्र (निरीक्षण)</mark>

श्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्तूबर, 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/29868/85-86— श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि उध्यक्त समानि जिसका उच्चित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लैट नं० 201, मंगल भण्डार खार, बम्बई-52 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कव के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 7-2-1986

हमें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षाय विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से, एसे दृश्यमान प्रतिकास का प्रतिकास का प्रतिकास का प्रतिकास का प्रतिकास का प्रतिकास का प्रतिकास के प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितामों) के बीच एसे अन्तर्ण के सिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्निविचित उद्वेष्य से उस्त अन्तरण सिविचत में गस्रीविक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई फिसी नाय की बावत, उस्त विधिनियान के अधीन कर रोने के अन्तरक के दायिएक में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कार, जिन्हा भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्ता अधिनियम वा धनकार आधिनियम वा धनकार आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ज्योकवार्थ अन्तिरही द्वारा प्रकार नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था, जिया में उपकार के ज्या

अतः सब, उक्त स्थितियम्, की भारा 269-म के अनुसरण को, को, उक्त अधितियम की भारा 269-में की उन्धीरा (1) हे अधीत्र प्रिनियक व्यक्तियों, अधीष् ठ--- (1) श्रीष्वास् बी० हीरानन्दानी ग्रौर श्रीमित पुष्पा वास् हीरानन्दानी।

(प्रन्तरक)

(2) श्री बिहारीलाल के बरोहीराश्रौरश्रीमति दूरी बिहारी लाल रोहीरा ।

(म्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके श्र<mark>धिभोग</mark> में सम्पत्ति है) ।

को यह स्वना आरी करके प्रोंक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां गरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मी प्रकाणन की तारीं से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों भर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मी मागाना होती हो, के भीतर प्रविकास स्विसारों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास सिस्थित में किए जा स्केंगे।

स्थळ्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा, थो उस अध्याय में विमा क्या है।

## **धनु**सूची

पलैट नं० 201, जो 2री मंजिल, मंगल भंडार, प्लाट नं० 539, 13वां रोड, टी०पी०एस० नं० 3, खार, बम्बई-52 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं० ग्रई-2-37ईई/29868/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, कैंच्बई द्वारा दिनांक 7-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, बम्बई

तारीखाः 9-10-1986

प्ररूप आर्द्र.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 9 प्रवत्वर 1986

निर्देश सं० अर्ड-2/37ईई/29886/85--86-- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 401/402, केप्टन विला, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण-रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 7-2-1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमार प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीयक आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अं प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अभीन निस्मालिचित व्यक्तियों. अर्थात् :---

- (1) मेसर्स यूनियन कारबाइड इण्डिया लि०। (भ्रन्तरक)
- (2) मेसर्स के ब्यार एसोसिएट्स। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ , जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## ननुसूची

फ्लेंट नं० 401/402, जो 4थी मंजिल, केप्टन विला, माउण्ट मेरी हिल रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/29886/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण द्यास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, यम्बई

तारीख: 9-10-1986

## प्रकप् आई.टी.एन.एस.-----

न्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 प्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/30528/85-86— श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० श्रार्ट गेलरी नं० 2, सिन्वर स्टोन, खार, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) श्रीर जिसका काररनामा श्रायकर श्रिधिनियम, की धारा 269 कख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के किर्यालय में रस्जिट्री है, तारीख 25-2-1986

फी पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कश्ने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित आवार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल्ल से एसे 'दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में याम्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृष्धिश के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तिवां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविध्य के लिए;

शतः गव, उक्त मिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क गधीन. निम्निलियित व्यक्तियों, अधीत् :--15—326GI/86

(1) राज क्मार बालकृष्णा।

(भ्रन्तरक)

(2) लेक फोरेस्ट होर्लिडग्स प्रा० लि०।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति, है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कार्य भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त अधिकत के साराह
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

ि दीकरण:—-इसमां प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क मीं परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## **प**न्स्ची

न्नार्ट गेलरी नं० 2, जो मिल्बर स्टोन बिल्डिंग, प्लाट नं० 294, सबर्बन स्कीम नं० 7, खार, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर गंर श्रई-2/37ईई/30528/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोंक 25-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रें ज, बम्बई

तारीख: 9-10-1986

## प्रकृप बाइ . दी . दन . दस .-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ब (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजेनरें जिल्लामुक्त

बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर, 1986 निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/29750/85-86—श्रतः मुझे, क्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशात 'उकन अधिनियम' कहा गया है, , की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,009/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं पलेंट नं 2, श्रानर्स कोर्ट, माहीम, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-2-1986

को पूर्वोक्त सम्परित को उण्जित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब गया गया प्रतिफल, निम्निलिश्त उड्दश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी. करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन का अन्य कास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अतः अवः, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ को उपधारा (†) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मालतीबाई डी०, दाण्डेकर, बकूल ज० देवकूल, लीला श्रार० पाटकर, लीला पी० शेरे इन्दीरा बाई ए० भटावडेकर, मालती पी० नायक श्रौर दत्ता द्विय वी० श्रांबेस्कर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमति शुभद्रा श्रीकान्त लेले ग्रौर श्री श्रीकान्त विश्वनाथ लेले ।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजकत्र में प्रकाशन की तारी के कैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इचारा;
- (क) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितत्रक्ष किसी बन्य व्यक्ति क्लारा अधोद्दम्ताक्षरी के संच तिसिक्त में किए जा सकरी।

स्पर्णीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्का अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होना जो उस अध्याय में दिशा गया है:

## श्रनुसूची

पलेंट नं 2, जो तल मंजिल, स्नानर्स कोर्ट, सी एस नं वि चित्र के चित्र के

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/29750/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, बम्बई

तारीख: 9-10-1986

प्ररूप आई. टी. एन . एस . -----

शायकर अधिनिषम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 म्रक्तूबर, 1986

निदेश सं० ग्रई|2|37ईई|30414|85-86— श्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लैट नं० 71, ग्रौर 72, पाल्म स्प्रिग, माहीम, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 21-2-1986

को प्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिद्धिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अंतरिक (अंतरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— (1) रीजंसी कन्स्ट्रवशन्स प्रा० लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) डा० नोशीर एच० वाडीया।

(ग्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

फ्लैंट नं ० 71 श्रौर 72 जो 7वीं मंजिल, पाल्म स्प्रिगं, इमारत नं ० 24-बी, वर्ली, सोनापुर, प्रभादेवी सीशोर, माहीम, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० स्र $\left[-2\right]$  37ईई $\left| 30414\right|$  85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-10-1986

प्रकप शर्खा, ही, एन . एस . ------

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अभीन सूचना

#### शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 ग्रन्तूबर, 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/30927/85-86-- श्रतः मृझे, लक्ष्मण दास,

नायकर किथानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिविध्म' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्दास करने का फारण हुँ कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पर्लंट नं० 103, श्रोपन पार्कीगं, स्पेस नं० 5, सोल्यीट्यूड, माहीम, (प), बम्बई-16 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ श्रनुसूची में श्रौर पूर्णक्य में वर्णित है), श्रीर जिसका कारारनामा आयकर श्रिधिनियम की धारा 269 कथ के अधिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 28-2-1986

को पूर्वकिस सम्पन्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दरमान तिस्मल को लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरमान प्रतिकार में एके दरमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) बार अन्तारनी (अन्तिन्त्रमा) के श्रीच गोये अन्तरण के निए तम सवा गया प्रतिकात, निम्नोसिश्त उद्वीद्य से उक्त कन्तरण निश्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

> (व) अन्तरण सं शुद्द किसी आय की बाबते, उपत अभिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दाविका में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के तिन्छ; और/भा

्रसी किसी बाय था किसी भन या बन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय वायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त विभिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती दूनारा प्रकट नहीं किया गया या मा किया जाना जाहिए था, कियान में सुविधा के निए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) अ अधीर, निस्तिवित अधिक्षियों, अभीत् अ--- (1) मेसर्स श्राकृति।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हूवर्ट लियो डिना श्रीर श्रीमति लूर्डस मेरीयन मेरूडीसा।

(श्रन्तरिती)

बी यह भूषना भारी करके पूर्वोक्त सम्मित के बर्जन के सिध् कार्यवाहियां सृख्य करता हुए।

नकत शम्यक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोएं भी बाक्षेप :---

- (क) इस त्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्यान की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) व्ह स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन का साराख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्पच्छिकरण हि— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### लग्स्य

फ्लैंट नं 103, जो 1 ली मंजिल, और श्रोपन पार्किंग स्पेस नं 5, जो संंल्यीट्यृड, प्लाट नं 401, टी० पी० एस० 3 पीताम्बर उन, माहिम (प), बम्बई-16 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्रई-2/37ईई/30927/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-10-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 श्रवतूबर 1986 निदेश सं 3 श्रई-2/37ईई/30797/85-86-- श्रतः मुक्षे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 1, केप्टन विला, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्णेष्ट्य से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 28-2-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सृषिया के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) मेसर्स के० भ्रार० एसोसिएट्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नादिर जन मोहम्मद गिलानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना कारी करके पूर्वकित सक्यरित के नर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूजना को राजपन्न मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तारील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकान।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रयूवन शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

फ्लैंट नं० 1, जो तल माला, केप्टन विला, माउण्ट मेरी, हील रोड, बान्द्र(, बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि क्र० सं० श्रई-2/37ईई/30797/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रिष्ठस्जटर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 2, बम्बई

दिनांक: 9-10-1986

प्ररूप आह्<sup>र</sup>ुटी<sub>य</sub> एन**् एस्, -----**-

भायकार भाषितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### नाइत स्रकाह

कार्याक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रें ज, बम्बई.

बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर, 1986

निदेश सं० श्रई-3/37ईई/30029/85-86-- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

क्षः यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारक है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित कारक मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

1,00,000/- रु. म बाधिक हा श्रीर जिसकी सं० सी० टी० एम० नं० बी०/320, चेपल रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची श्रीर पूर्णरूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 11-2-1986 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण शिवक में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आहेर/या
- (क) एसी किसी अध्या भन मा अध्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त जिभिनयम, मा अनकर अधिनियम, मा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तिरिती क्वारा अकट नहीं किया नदा था वा किया बाना पाहिए था, स्थितों में सुनिया के हेलह;

शतः सग्, अव्यत अभिनियम् की शारा 269-म खै अनुसर्भ भे, में, रावत अभिनियम की भारा 269-म की स्पभारा (1) खंबभीर, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्षात क्र—

- (1) श्री दत्तात्रय के० नानल ग्रीर श्री संजीव पत्की। (ग्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स जेबा बिल्डर्स।

(श्रन्तरिती)

(3) भाडोत्री।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभाग में सम्पत्ति है)।

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता :

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त आवितयों में में किसी व्यक्ति ब्वासा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ये 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्भ िक्सी अन्य व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास निरायत में किए या सकींगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया

## अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका एन० ए० नं.० 267, सी०टी० एस. नं० बी/320, चेपल रोड, बान्द्रा-50 में स्थित है। ग्रनुमूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/30029/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बम्बई

तारीख: 9-10-1986

प्रस्थ मार्च ही. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

क्षण्ड वरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक १ श्रवस्थर, 1986

निर्देश सं० श्राई-2/37ईई/30354/85-86---श्रतः मुझे लक्ष्मण दाम

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनयम' कहा गया है), की धार 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं श्रक्तवर जिला, सी टी एक नं ) 26 बान्द्रा, वस्वई में स्थित है (और इससे उपाधक अनुसूर्णी में ग्राप जो एण रूप से चिणा है) और जिसकी सं वि में स्थित है और इससे उपाबक्क अनुसूची में पूर्ण रूप से चिणित है, भ्रीण जिसका करारनामा शायकर श्रधितिम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में जिस्सी है दिनांक 21-2-1986

का पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित राजार मृत्य स कम के स्थ्यमान प्रिष्टिक के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत संपात्त का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे स्थ्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिकात ने अधिक है और अंतरक (अत्र रक्षों) और अनिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया क्यों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1722 की 15) या अन्त अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का का किया काता पाहिए की, स्थित के अर्थ कर कर्म

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) फे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ,, अर्थात् :— 1 श्री श्रमिरकी व्हाय; मुसाभोय:

(भ्रन्तरक)

2 श्री राजन बी० रहेजा

(श्रन्तरिती)

भाटोत्नि

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति कं वर्जन के लिए कार्मशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वता के राज्यत्र मां प्रकाशन कीं तारीख से 45 दिन की अवधि या करसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मां सम्प्राप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिक्रस्ताक्षरी के पास निध्यत में किए का सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---हरामे प्रयुक्त सन्दां और पदां का, जा अवस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अन्**स्ची

जमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० एस० नं० 26 सर्वे नं० 191, प्लाट नं० 3, बंगलो श्रकतर बिला के साथ क्षिल रोड, बान्द्रा, बस्बई में स्थित है।

श्रमुसूची जैगा कि अरु सं० आई-2/37ईई/30354/85-86 और जो सक्षम श्रीधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-2-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकः श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 9-10-1986 गोह<sup>--</sup> : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अक्तूबर 1986

निर्देश सं० ग्राई-2/37ईई/29979/85-86—श्रत: मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ≥69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० प्लैंट नं ० 12-ए, कार पार्किंग स्पेस नं ० 1 सीजवा कोफ्ट बान्द्रा, बस्बई-50 में स्थित है श्रौर इससे उपा-बद्ध जनुसूची में श्रौर और पूर्ण रूप विणत है, श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धाः। 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में प्रजिस्ट्री है दिनांक 10-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्र यह विश्वाम अरने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, इसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातु:— 1 मैसर्स कोजी होम विल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

. 2. कु० मिचेलं एल० एम० कुटीन्हीं म्रीर श्रीमती शौलापी० कुटीन्हो।

(भ्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारिश से 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकारण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

ष्ट्रीट नं० 12-ए ग्रांर कार पार्किंग स्पेस नं० 1 जो सातवीं मंजिल मील्बा कोफ्ट पेरी रोड बान्द्रा बम्बर्ड-40005 में श्थित है।

अप्रतुमूची जैपा कि ऋ० मं० श्राई-2/37ईई/29979/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-2-1986 को रजीस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 9-10-1986 मोहर:

## प्ररूप बाद्दं . टी . एन . एस . -----

अध्यकर लिथनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सचना

#### भारत मरकार

कार्याण्यः, सङ्ख्याक आयक्तर भागवतः (निरक्षिक) श्रर्जन रेंज बम्बई

अम्बई दिनांक 9 श्रमतुबर 1986

निर्वेश सं० प्राई-2/37ईई/30718/85-86---श्रत : मुझे, लक्ष्मण दामः

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, 269-सं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास का कारण है कि स्थावर संम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. में राधिक ही

भ्रौर जिलकी मं० फ्लैंट नं० 801, डाडीगी बीहबान्द्रा बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 128-2-1986

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान मितिफेल के लिए अम्तरित की गई है और मुझे यह विस्तास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित याजार प्लय, असके परयमान प्रतिफल से, एसे परयमान प्रतिफल का रन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के स्निए तय पाया गया प्रतिफल निम्निशिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- '**क'. ए**'मी किसी आय वा किसी भन या अन्य सामिसकां भी, जिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) 🛸 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाग कर विश्वमा अकार व्यक्तिस (त), क्रिक्सिको सी. सुनिधा र्थ हैं लग

1. मैसर्स ऐबिस कन्स्ट्रक्शन्स ।

(ग्रन्सरक)

2. श्रीकयल कपूर श्रीरश्री विकास कपूर

(भ्रन्तरिती)

3 अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## ब बदा संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी नाफोप ह----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ववारा;
- (क) इस सुचना के राज्यन में श्रकालन की तारीच से 45 विन के भीतर उवत स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण;---इसमें प्रयुक्त शब्दा और गर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अभ्याय में विया पया है ३

फ्लैट नं० 801, जो भ्राठवीं मंजिल डायमों डी, सी० टी० एस्० नं० 1246, 1249, 1250, 1251 त्रिलेज शरली भाजन बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-2/37ईई/30**7**18/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

कर: तर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ि. के. खबत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् ः--326GI/86

दिनांक 9-10-1986 मोहर:

प्रकार गाइर्. टी. एन. १२३ 🕟

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्पीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, बिनांक 9 प्रक्तूबर 1986 निर्देश सं॰ ग्रई-2/37ईई/30685/85-86---- मतः मुक्के, लक्ष्मण दास,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गगा है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूरू 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं 4 सी०, विग कांती भ्रपार्टमेंट बान्द्रा (प०), बम्बई 50 में स्थित हैइससे उपाबट अनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधिनिया की धारा 269 क, ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 28-2-86

क्यं पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूजे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार सूक्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकार्वें) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरम् वं हृदं फिली बाव काँ शावतः, उपका मधिनियतः के सधीत कर योगे को बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अर्रिशाः
- (क) ऐसे किसी अब या किसी धन या अन्य आसिवाँ को, जिन्हें भारतीय अधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) रा उपका को विद्यान, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 के 27) के अधोजनार्थ के किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथित् :--

(1) श्री शाम जी०टी० लाल वोरा

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी कामिनी जनार्दन पंडित

(भ्रन्तरिती)

(3)भ्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

फलैंट नं०4, जो पहली मंजिल, सी विंग, कॉती श्रपार्टमेन्ट, मांजट मेरी रोध, बान्द्रा (प) बम्बई 400050 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई–2/37ईई/30685/85– 86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28–2–1986 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 9-10-1986

## शुक्क नाह<sup>®</sup> . ट] . एन . एस . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, वस्वई

बम्बई, दिनांक 9 %क्तूबर 1986

निदेश सं॰ मई-2/37ईई/30869/85-86—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० तल मंजिल, बलराम, प्लाट सी-3, बान्ब्रा, (पु०), बम्बई-51 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 क, ख़ के श्रधीन क्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 28-2-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रो यह विषया करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उपजत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरका) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया वया प्रतिफल, विस्वविधित रह्वदेश से उसते अन्तरण कृष्टिय मे वास्त्विक स्प से किश्त नहीं किया गया है ए—

- (क) जन्तरण से हुई किसी अब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. यूनाइटेड बिल्डर्स कन्स्ट्रक्शन (इंडिया) प्राइवेट लि० (अन्तरक)
- 2. मैसर्स इंटरनेशनल डाटा मैनेजमेन्ट प्राइवेट लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वीक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास व्यक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः → इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

## वन्स्वी

बलरामा की तल मंजिल, जो प्लाट सी-3 ई ब्लाक, बान्द्रा, कूर्ली कर्मिशयल कम्पलैक्स, बान्द्रा (पु०), बम्बई-400051 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/30869/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज 2, बम्बई

दिनांक: 9-10-1986

प्रकथ बाह्र्य, ती, पुन, एस, अन्तरकार

बायकाः विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-स (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्याकव, सहायक बायकार बाध्यत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1986

निदेश सं० म्रई-2/37ईई/29845/85-86—म्बतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 कर 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धार्थ 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अपरण है कि स्थानर सम्पत्ति, विश्वका अधित ग्रांकार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० लैट नं० 601, केप्टन विला,बान्द्रा, बम्बई-6 में स्थित है (श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 7-2-1986

को पूर्वोंक्त संपत्ति को अधित बाजार मूस्य से कम को द्यामान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बचापुर्वोंक्त संपत्ति का उपित दाजार बृस्य, ससके द्यामान प्रतिकल से एंसे क्ष्रममान प्रतिकल का पन्द्रह श्रीतकत से विध्व है और यह कि बंतरक (बंतरकों) बौर अंतरिती रिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे बम्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण निम्निलिखत उद्देश्य के उक्त अन्तरण निम्निलिखत उद्देश्य के उक्त अन्तरण निम्निलिखत

- (क) अन्तरक से हुई जिली भाग की बाबत, उनत निभिन्न के अभीन अर दोने से अन्तरक को दायित्न में कमी करने या उससे बचने में सुविधा में जिस्; बांडा/बा
- (म) यसी फिसा भाष या किसी भन ना बन्स वास्तियों की, जिस्हें भारतीय उत्थन्कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजराध अन्तरिती बुनाय प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना शाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

करात करा, उपन कार्याप्रीयथम की भारा 269-प की वज्रवरण की, मी, उपन कािभागम की भारा 269-प की उपभारा (1) के कभीन, निस्तितिया व्यक्तियों. क्यांत् हैं--- 1. श्री रमेश कुमार साव्हने, श्रीमती वीरनवाली साव्हने श्रीर श्रीमती सुमन साव्हने ।

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्स बक्शी इंजीनिययर्स प्रायवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

को यह अभाग चारी करके प्रशिक्त सम्मत्ति के अर्थन के किए कार्यमाहियां करता हुं।

जबरा सम्पोक्त के बर्धन के राज्यन्य में कार्ट्स भी बार्श्य ए---

- (क) इस स्वाप के राज्यक में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वापन की तामील से 30 दिन की वर्षी , को भी विभि नाम में से किसी स्पत्ति हो, के भीतर पूर्णक क्वितयों में से किसी स्पत्ति ह्वाए;
- (क) इस सूचना के ग्राचपम में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक्षि किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सकेंगे।

स्पक्षीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दा आरे पदा का, जो उन्तर सीधिनियम के सम्पाद 20-दा में पंतरपाधार ह<sup>0</sup>, वही अर्थ होंगा, जो उम अप्पाप में उन्नर समा है ।

#### ध्यस्थी

फ्लैट नं० 601, जो छठवीं मंजिल, कैप्टन विला, माउन्ट मेरी हील रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि से श्रई-2/37ईई/29845/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 7-2-1986 को रिजर्स्डेट किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 9-10-1986

(भ्रन्तरक)

प्रारूप आई.टो.एन.एस.-----

1. नरदीन अकबर विरानी

2. श्रीमती गलशन मद्रधीन लालानी और श्री सद्रधीन कांजी लालानी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (१) के अभीत्र मुख्या

**医乳腺素 糖皮糖**原素

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 श्रक्टूबर, 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/29695/85-86--- प्रतः मझे लक्ष्मण दास

थायकर व्यंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमे इसकं पश्चाल 'उन्नत वर्रभानयभ' कहा गया हो), की धारा 269-छ क वसीन सक्षम प्राधिकारा को यह विस्कास करने का कारण 🐔 कि स्थायर महिल जिलका राज्यत लादार घटा

1,00,000/- रत. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-54, धवन श्रपार्टपेन्ट, बान्द्रा (प०), अम्बई-50 में स्थित है (सीर इससे उपावड अनुसूनी में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका कप्परदासा श्रायकर शिधिनियम की धारा 269 काख़ के अधीर प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रजिस्ट्री है दिनांदा 1-2-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल सं, एक दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- किए अस्तरण से हार्ज किसी क्षाप कर गरवर सकत माधिनियम के अधीन कर एने के उन्हांक के एपिन्स भी कभी करने या समसे नवले भी को बचा ले. किए alty/us
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. भिन्द्वे भारतीय खायकार ऑधीनपम. 1922 (1922 का 11) वा एक्ट जीविकाय, का धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 th 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती दवार। शक्तः नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए;

अतः अव. उक्त अधिनियम का भारा 269-ग क अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अधारा (1) के अधीन; निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात :--

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहिया करता हु।

अक्त संनोत्त क अजन के सम्बन्ध में कोई भी बासप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ८५ १८५ को अलीव का इस्संक्षणी व्यक्तियाँ पर स्थर। की प्राथित से 30 विन की अविध से भी मवरि शाव भा कमान्य होती हो के भीतर पूर्विक्त
- ंड) इहा रुपना को राजाप । यो प्रका**शन की तारील से** 45 दिन की भीतर उदत स्थानर सम्पति में हित-बर्भ विन्धं अन्य न्योगित दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिन्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याथ 20-क में परिभाष्ति ही, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गथा हु ।

### अनुस्थी

फ्लैंट नं० बी-54, जो पाचवीं मंजिल, युवन श्रपार्टमेन्ट (बान्द्रा), को० श्राप० हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड 413/414, माउन्ट मेरी रोड, बान्डा, (प०), बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जेसा कि ७० से० आई-2/37ईई/29695/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी तम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण, दास सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकरै श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 2, अम्बई

दिनांक 9-10-1986 मोहर :

प्रक्रम आहे. टी. एन. एस. प्रस्तु प्रकान कार्यकार

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

## मारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रजन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 ग्रक्तूबर, 1986

निदेश सं० श्राई-2/37ईई/30007/85-86—-श्रत: मुझे लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उष्णित बाजार भृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 302, विनिता श्रपार्टमेन्ट, खार, बम्बई-52 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करार नामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 10-2-1986

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वीनत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्स्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) के जीच एसे बंतरित के जिए तम पाया नया प्रीध-फ्य निम्नितिष्त उप्योग्य से सक्त मन्त्रम विशेष्ट में बाक्तिक के चित्र तम पाया नया प्रीध-फ्य निम्नितिष्त उपयोग्य से सक्त मन्त्रम विशेष्ट के चित्र नहीं किया नया है के

- (क्रं) अभ्यक्षक वं शुर्च किसी काय की बाजवा, अक्स अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के बायिस्य में कमी काइने वा बाइसो बचने में सुविक के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवस अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में भूनिक्या के लिए;

1. मैंतर्स सीप्पी एशोसिएट्स,

(भ्रन्तरक)

 श्री श्रोंकार सिंह, सहानी श्रौर श्रीमती कुलवंत कौर सहानी।

(भ्रन्तरिती)

ना सू पूजना जारी करके पूर्वोच्छ सन्दर्शित के नर्जन के क्रिश् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्स नम्मित्ति के कर्जन के सम्भन्ध में कोई भी काक्षेत्र 🗝

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीरार पूर्वा व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास चिखित में किए था सकर्ती।

स्थाकरणः ---- इसमें प्रयुक्त सम्बाँ बहु पर्यों का, वह सकर कीधनियम के अध्यास 20-कं में परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया प्रसाह ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 302, जो तीसरी मंजिल, विनिता प्रपार्टमेन्ट, प्लोट नं० 417, सी० टी० एस० नं० \$/218, चौदवा ए रोड, खार, बम्ब\$-400052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं आई-2/37ईई/30007/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 10-2 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण हो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

दिनांक 9-10-1986 मोहर:

## प्रकप आर्च. टी. एम ्न एस :------

## जायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की धाय 269-क (1) के जमीन सुवना

#### बाइत सरकाइ

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तुबर 1986

निर्वेश सं० श्रई-2/37ईई/30008/85-86—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-है को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 301, विनिता ग्रपार्ट मेन्ट, खार,
बम्बई-52 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के
कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 10-2-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का बारण है के यथाप्वोंक्त सम्पति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित सास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई कियों बाय की बाबस, उसस विधिनियम के बधीन कर बने के अन्तरक के विधिन्य में कभी करने या उससे सचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) एती किसी बाब वा किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या तकत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया, था वा किया जाना चाहिए था, जिपाने में भणिक प्रके के लिए।

नतः नवः जन्त विधितियम की धारा २६९-न वे राज्यस्य वी, मी अन्त व्यथितियम की धारा २६९-त की नगभारा (†) के व्यथितः जिल्लाकित्य व्यक्तियाँ, संस्थित क 1. मैंसर्स सीप्पी एशोसिएट्स ।

(श्रन्तरक)

 श्री हरचरनजीत सिंह सहानी श्रौर सहानी ।

(ग्रन्तरिती)

को बहु स्थमा जारी काहुको पूर्वोक्त अंपरित औं अर्जन को (अप कार्यताहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप उ---

- (क) इस तृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गृजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस अच्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

न्यक्तीकर्णः — इसमे प्रमुक्त कर्को और पर्वो का, जो सक्त विधिनियम के बध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा में उस अध्यास में दिया नवा है।

## वन्स्ची

फ्लैंट नं० 301, जो तीसरी मंजिल, विनिता श्रपार्टमेन्ट, प्लाट नं० 417, सी० टी० एस० नं०  $\frac{4}{5}$  218, चौदवा ए रोड, खार बम्बई-400052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क॰ सं॰ ग्रर्ड-2/37ईई/30008/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 10-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) प्रजीन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 9-10-1986 मोरः प्रकाप संक्षी, ही, प्रना, एस, -----

## मायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा

१६० मा 😭 के शलीन स्वास

#### शायम सर्वार

## कार्यालय, सहाराक लायकर जायका (निरीक्षण)

रार्जन रेंज 2, वम्बई त्रम्बई, दिनांक 9 ग्रक्तूबर, 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/30728/85-86—ग्रतः मुक्षे, लक्ष्मण दाम,

शायकर लिमें नियम , 1461 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षण शाधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मोत्त, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 301, स्वास्तिका विल्ला, खार, बम्बई 52 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्य बम्बई में रजिस्टी है दिनांक 28-2-1986

का प्रांक्त सम्पत्ति से उजित बाजार मृत्य भ कम के द्रयमान प्रतिफल का लिए अंतरित की गढ़ हैं और मुक्ते यह विस्कास करने का कारण हो कि रशावर करति, जिल्ला कि देशकार प्रतिकार का मृत्य प्रतिकार के रहिए से देशकार प्रतिकार का पंद्रह प्रतिकात में अधिक ही चौर अंतरक (अंतरकों) जार (अन्तरिक्षों) ले बीच एमें अन्तर्भा में जिल्ला सका प्रतिकात, निम्नितिकार उद्देष्य में उक्त कन्तरण लिखित काम्निकार कर में बीच स्की किया गणा है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी साम की बाबदा, सक्त नियम के बंधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व हैं कसी करने या उससे नजने में स्विधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

सतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) चे थीन. निम्नलिखित व्यक्तियों. अथौत ः— 1. मैसर्स राजा इस्टेटस ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीयती गोपी रामचन्द पंजाबी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करणे गृशीतस राध्यीतम वे कर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करना हुँ।

उस्त सभ्यत्नि के अर्जन के लंबंध में कोई भी जाक्रोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चन की तामीन से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;

स्यष्टिकरणः इसमें प्रश्नम झक्तों और पदों का, जो उक्त भौभनियम के नकाल ११०-क भ परिभाषित तै, नहां कर्य होया की यस सभ्याय में विया

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 301, जो तीसरी मंजिल, स्वास्तिका विल्ला, सोलावा रोड, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

प्रतुसूची जैसा कि कि के संश्राई-2/37ईई/30728/85-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बर्ल्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जैन रेंज-2, बस्बई

दिनांक 9-10-1986 मीहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार: 269 ष (1) के अधीन सूचना

#### मादत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1986

निदेंग मं० ग्रई-2/3782/29689/85-86—-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहनात 'उक्त अधिनियम'कहा गया हैं), की धारा 269-का को अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मृल्य 1.00.000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ब्लाक नं 7, इसारत नं 2, न्यू उद्योग मन्दिर श्रीमायसेस , महीम, बम्बई-16 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है दिनांक 1-2-1986

की पूर्वों क्ला संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चे हेय से उक्त अन्तरण निस्ति भें बास्तविक रूप से किथत नहीं किया नवा है डि—

- (क) भनारक से हुई किसी बाय की बाबत, उबत् शिंशियम के वधीन कर दोने के बन्तरक बी शिंथत्व भा कमी करने या उससे बचने में सुर्दिशा भ तिहा; सार/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया कान साहिए या, स्थिपान में स्विधा औं लिए;

भतः शवः, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बक्सरण भो, मी उक्त विभिन्यम की भारा 269-ण की उपभारा (1) र क्षिक विकास विभिन्न श्रुक्तियों, क्षश्रीत क्ष्मित्र 17---326GI/86

- 1. मैंसर्स योलीनवोन इंडस्ट्रियल ए॰ड एक्सपोर्ट कारपोरेशन (अन्तरक)
- 2. मैंसर्स मीकू एजेंसीज ।

(भ्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सम्मना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकावन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्संबंधी स्थितियों पर स्चना की तामीस से 30 दिन की अविध . जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर स्थितियों में से किसी स्थितित द्वारा;
- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बेय्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसंची

ब्लाक नं० 7, जो पहली मंजिल, इमारत नं० 2, न्यू उद्योग मंदिर, प्रीमायसेस, को० श्राप० सोसायटी लिमिटेड 7-सी, पीताम्बर लेन, माहीम, बम्बई-400016 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ई/29689/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 9-10-1986 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. मैसर्स राजगीर बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 2, बमबई
बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तुबर 1986

निर्देश सं० ग्राई-2/37ईई/29687/85-86-भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर स्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 602, राजगीर मिलन, श्रंधेरी, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 1-2-1986

कां पृथित सम्मत्ति के तिचत बाजार गृस्य में क्या के श्वयमान प्रतिकाल के जिए बंतरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि बचापृतींकत सम्मत्ति का उपित बाजार मृस्य मनके श्वयमान प्रतिकाल में, एमें हरण्यात प्रतिकाल का पत्ह प्रतिकात में बिधक है और बन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अम्तरितिया) के बीग एसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिकाल, भिम्मिजिनित उन्तरियाँ से उन्त अन्तरण लिनित हो यास्यिक हम में किथत नहीं किया गया भी

- (क) अल्लारण में हुड़ किसी आय की नामना असर गरियनिष्क्रप के अधीन कर घोने के अस्तरक के दाधित्य में अभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में स्विभा वे लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधी निम्नलिखित व्यक्तियों, अधौत्:— श्री हेमन्त कुमार एच० पटेल श्रौर
 श्रीमती उर्मिला हेमन्त पटेल।

(भ्रन्तरिती)

को गह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (6) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी सं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सञ्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाकतीकरणः ——इसमो प्रयावत शब्दों और पदाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय १०-क में परिभाषित हुँ, बहु अर्थ होगा को उस दश्याय में किया गया है।

#### जनसङ्गी

प्लैंट नं० 602, जो छठवीं मंजिल, राजगीर मिलन, एस ० नं० 77, हिस्सा नं० 3, श्रंधेरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-2/37ईई/29687/85-86 श्रीर जो समक्ष प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 1-2-1986 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 2, बम्बई

विनांक: 9-10-1986

प्रकप नाहीत दौत एन व एस . -----

बागभार अधिनियम, 1964 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुम्मा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निर्देशिक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 अक्तूबर 1986

निर्देश सं० ग्रई०-2/37 ईई/29697/85-86—ग्रतः मुक्ते, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, श्राराधना, श्रन्धेरी (पू०), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि— नियम, 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 1 फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के ब्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ब्रथमान प्रतिफल से एसे ब्रथमान प्रतिफल का पुन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित (अन्तिपतिका) के बीच एसे अन्तर्ण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीसित उद्योध से उन्त अन्तर्ण लिसित के बास्तरिक कप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्दरण से हुई किसी बाय की बाबत, सकत मिनियम में बधीन कह दोने के बन्दरक वा बावित्य में कभी कहने वा अससे बुकने में सुविधा के लिए: मीर/या
- (ण) एसे किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा वी लिए:

जत: अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वे क≯ीम, निम्नितिवित अधिकार्ये क सर्वात ड— (1) एक्मे एण्ड एसोसिएट्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० किरन ए० मजूमदार।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामीख, से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उन्नेत स्थान्य सम्पत्ति में दित-न्द्भ फिसी न्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निल्ला म कि ए अ। सकोंगे।

स्पष्टीकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

## जन्स् औ

फलैंट नं० 4, जो चौथी मंजिल श्राराधना अंधेरी (पु), बंबई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कि सं० म्रई-2/37ईई/29679/85-86 म्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बंबई द्वारा दिनांक 1-2-86 को रजिस्ट्रई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~2, बम्बई

तारीख:-9-10-1986 मोहर:-

## मुक्य बार्षं हो दुन पुर हुन्न

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के विधीन सुवना

#### भारत सरकार

## कार्याधक , सहायक नायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिनांक, 9 श्रक्तूबर 86

निर्देश सं० अई-2/37ईई/29690/85-86 श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पर्चात् 'उक्तं अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के नभीन सक्षा प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- र<sub>ा</sub>. से अधिक हु<sup>र</sup>

श्रीर जिसकी सं पूर्तिह नं 4, स्टील में इंडस्ट्रियल इस्टेट, श्रंधेरी (पुः), बार्जिन 59 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रंधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 1-2-1986 को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तिरित की गई है और मृश्रे यह बिरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गंबह प्रतिकान में अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलिक में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधनियम के बधीन कर दोने के बीतरक के दायित्व को कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; झांद/बा
- (च) ऐसी किसी बाम या किसी धन या बन्य बास्तियों की, चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, क्रियाने में सुविधा थें। चए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण के के के किया किया की भारा 269-ण की क्ष्मपारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेसर्स प्रिंस प्लास्टिक्स ।

(भ्रन्सरक)

(2) मेसर्स ए-1 प्रलास्टीक्स

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां जुरू करता हुं।

## क्ष्मक मध्यिति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप "---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत व्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास जिल्हा में किए जा सकींगे।

स्वव्यक्षित्वा:----इसमें प्रयुक्त क्षन्यों और पदों का, जो उन्हर अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्यों हैं।

## **ब्र**न्स्ची

"इंडस्ट्रियन यूनिट नं० 4, जो स्टील मेड इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल उद्योग प्रीमायसेस को० ग्राप० सोसायटी लिमिटेड, मरोल मरोग्री रोड, श्रंधेरी (पु), बम्बई-400059 में स्थित है।

श्रानुसूची जैसा की कि॰ सं॰ श्राई-2/37ईई/29690/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-86 को रजिस्टर्ड किया गया है

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बम्बई-2

तारीख: 9-10-1986

## प्ररूप नाह<sup>र</sup>. टी<sub>न</sub> एन<sub>न</sub> एस<sub>न स्</sub>-----

# आयकार अभिनियस, 1961 (1961 का 43) का भार 269-ण (1) के अभीन स्थान

#### माइत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज -2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 ग्रक्तूबर 86 निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/30882/85-86 ग्रत: मुझे लक्ष्मण दास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्भावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एलकारकेंड, मराले श्रंधेरी (पू), बम्बई में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबड़ श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्राय±ण श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है,

तारीख 28-2-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तिएती (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया वया प्रतिपत, निम्बसिबत उद्देश से उक्त बन्तरण किचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया थया है —

- (क) अन्तरण वे हुई किसी आय की बाबस्, उक्त अभिनियस के अभीन कर दोने के अन्तरक के शांवित्य को कमी कारने या उत्तरे क्याने को स्विधा के भिए। और/सा
- (क) एँसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तिन की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किसा जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मेसर्स लोक एण्ड काद्री ऐसोशिएटश् (श्रन्तरक)
- (2) श्री प्रेम हममतराय लालवानी ग्रौर श्री रत्नाकर एस० एल०

(भ्रन्तरिती)

कां थह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

तक। सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाओप द---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीवत स्वितयों में से किसी व्यक्ति ब्वागः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्यों और पदों का, को उक्त कथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया वना हैं॥

#### अनुसुची

1635 वर्ग फुट गेस्ट हाउस पहले से चौथे माले एं विग व पहला माला बी विंग

"इमारत एलकारकेड, जो श्रॉफ अंधेरी कर्लांड रोड, मरोल, श्रंधेरी (पु), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं०ग्नई-2/37ईई/30882/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28/2/1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्राय कर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-10-1986

प्ररूप बाह्र .टी .एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई दिनांक, 9 भ्रक्तूबर 86

निर्देश सं॰ ग्र<del>ई</del>-2/37ईई/30568/86/86

श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 203/ए, वर्टैक्स विभाग अंधरी (प्रा, बम्बई-69 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 25-2-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अत-रित्ती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) मेसर्स विकास प्रोपर्टीस ।

(ग्रन्तरक)

(2) गुरु भगत न्नार।

(भ्रन्तरिती)

 वह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ने 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को नारीस म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

"फ्लैंट नं० 203/ए, जो वर्टेक्स विकास, अंधेरी (पु) बम्बई-400069 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की क० सं०श्रई-2/37ईई/30568/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-2-86 को रजिस्टर्ट किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 9-10-1986

प्ररूप बार्च टी प्रमान प्रसान कार्यकार वार्य

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

भावनिय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2 बम्बई

मैंबम्बई दिनांक : 9 श्रक्तूबर 1986 निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/30668/85-86 ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेपक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कौ धारा 26%-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मूल्य 100,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० च्लैट नं० 501, राजमीर मिबा अंधेरी, अम्बई में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 28-2-1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पथा गया प्रतिफल, निम्नितिशत उद्वेष्य से उक्त बन्तरण जिल्हित में बास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है इ—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की गवत, उक्त अधि-नियम को अधीन कर योग को अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षण: अघ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारः (1) के क्षधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, वर्षात् —— (1) मेसर्स राजगीर बिल्डर्स।

(म्रन्तरक)

(2) श्री नारायन दास पी० चूघ श्रीर श्री पारेखमंद टी० चूघ ।

(श्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्धन के संबंध में कोई बाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

"फलैंट नं० 501, जो पांचवीं मंजिल, राजगीर मिलन, एस नं० 77, हिस्सा नं०3, विलेज ग्रंधेरी, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/30668/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28/2/1986 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 9-10-1986

## शक्य बार्ड ही क्त एस -----नामक द विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन संख्या

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (विरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक : 9 श्रक्तवर 1986

निर्देश सं० ग्रर्ड-2/37ईई/30667/85-86 ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम . 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकः अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन पक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- ऊ. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 502, राजगीर मिलन, श्रंधेरी, बम्बई में स्थित है श्रौर इसमें उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है, श्रौर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख ग के श्रधीन सक्षम प्राधिकार के कार्यालय पम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 28-2-1986

क्यं पृतिकत सम्पत्ति के लिचत बाबार मृत्य सं कम के द्रियमान शितफल के लिए अन्तरित को गई हां और मुफी यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्ववित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एरे द्रियमान प्रतिफल के पंद्रह शातवात से अधिक ृै और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक क्य से किथत नष्टीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के टायित्व में अमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, अरेर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ए. गें. उनत अधिधितयम अपि धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नितिस्त व्यक्तिस्तों, अर्थात् :---

(1) गेसर्स राजगीर बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्री निरंजन दास पी० चूध श्रीर श्री अर्जुन दास पी० चूध

(भ्रन्तरिती)

क्षे यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भेदर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधक की भारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हित्ब द्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

#### अनुसूची

"फ्लैंट नं० 502, जो पांचवीं मंजिल, राजगीर मिलन, एस० नं० 77, हिम्मा नं० 3, विलेज श्रंधेरी, बम्बई में स्थित है।

श्रानुसूची जैंसा की ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/30667/8085-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 9-10-1986

## इक्त आहु<sup>®</sup>् टौंु एवं . एतं . ------

भायकर मिशिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन स्थना

#### भारत बहुकार

## अवस्ति , सहायक नायकर नायकत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक  $19\,\%$ अतूषर 1986 निर्देश सं ग्रर्ड-2/37ईई/30545/85-86

श्रतः मुझे, लक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सी० टी, एस० नं० 491, (पार्ट), अंधेरी (पु०), अम्बई में स्थित है ग्रौर (इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है ग्रौर जिसका करारनामा भायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-2-1985

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :——
18—326 GI/86

(1) श्री मायकल डीसील्वा ।

(ग्रन्तरक)

(2) नथमल गुरदयाल बाथवल।

(श्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती ।

(बह् व्यकति जिसके श्र<mark>धिभोग</mark> में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्र) इस सूचना के राजपत्र मों प्रताशन की सारीस से विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितब्बुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किये जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत मधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

"जमीन का हिस्सा जिसका सी  $\circ$  टी  $\circ$  एस  $\circ$  नं  $\circ$  491, (पार्ट), ग्रौर स्टेट बैंक एरिया के 40% के लाभ विलेज कोंडी विटा, ग्रंधेरी (पु), बम्बई है।

ग्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/30545/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-2-1986 को रजिस्टर्ड गिया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज−2, बम्बई

तारीख: 9-10-1986

#### संघ लोक सेवा आयोग

#### नोटिस

## राष्ट्रीय रक्षा अकाबमी परीक्षा, मई, 1987

नर्इ दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1986

सं. फा. 7/3/86 प.-1 (स)—-राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थेल सेना, नी संना तथा बाय सेना स्कन्धों में प्रवेश होत्, जनवरी, 1988 रो आरम्भ होने वाले 79वों सब के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 3 मर्झ, 1987 को एक परीक्षा आयोजित की आयोगी।

इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या 300 (थल सेना के लिए 195, नौ सेना के लिए 39 और वायु सेना के लिए 66) होनी।

विश्लेष ध्यामः उम्मीदवार को आवेदनपत्र, जैसा दिनांक 15-11-86 के सभी प्रमुख समाचार-पत्रों तथा राजगार समाचार में छपा है, के कालम 9 में यह स्पष्ट रूप में बतलाना होगा कि वह किन संवाओं के लिए वरीयता फ्रम में विचार किए जाने का इच्छाक है। उसे यह भी सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छान्सार जितनी चाही उसनी वरीयताओं का उल्लोख करो सांकि गोग्यता कम में उसके रैंक को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी वरी-यताओं पर भली भांति विचार किया जा सके।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केवल उन्हीं भेवाओं पर उनकी नियुक्ति होत् विचार किया जायेगा जिनके लिए वे अपनी वरीयता व्यक्त करते हैं अन्य भेवा या सेवाओं पर नहीं। उम्मीदवार द्वारा अपने प्रष्य मे पहले निर्दिष्ट वरीयता में वृद्धि/परिवर्तन के अनुरोध को आयोग स्वीकार नहीं करोगा।

आयोग व्वारा आयोजित लिखित परीक्षा तथा उसके बाद संया चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिए आयोजित बौद्धिक और व्यक्तित्व परीक्षा के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त कोर्स में प्रवेश विया जाएगा। (क) परीक्षा की प्रणाली, स्तर और पाठ्यक्रमों, (ख) अकादमी में प्रवेश होत् शारीरिक क्षमता स्तर, (ग) राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश पाने वाने उम्मीदवार की सेवा आदि की संक्षिप्त स्चना के सम्बन्ध में क्षमशः परिशिष्ट 1. 2 और 3 में विस्तार से समकाया गया है।

#### 2. परीक्षाके केन्द्रः

अगरतला, अहमबाबाद, एजेल, इंलाहाबाद, बंगलीर, भोपाल, बम्बर्द, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कटक, दिल्ली, दिसप्र (गोहाटी), हर्दराबाद, इम्फाल, इंटानगर, जयप्र, जम्मू, जोरहाट, कोहिमौ, लखनउर, मद्रास, नागप्र, पणजी (गोवा), पटना, पोर्ट ब्लेयर, रायपुर, जिलांग, शिकला, श्रीनगर, सिरनाति, त्रिबन्दम, उदयप्र और विकासापत्तनम।

अयोग यिव चाह तो उद्देश परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा सारीकों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों का उक्स परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र दोने के सभी प्रयास किये जायोंगे तो भी आयोग परिस्थितियक किसी उम्मीदवार को अपनी यिवक्षा पर अलग केन्द्र दो संकता है। जिन उम्मीदवारों को इन परीक्षा में प्रनेश दो दिया जाना है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दो दी जाएगी। (नीचे परा 8 (11) देखिए।

जम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्सू जब कोई उम्मीदधार अपने उप केन्द्र में परिवर्तन चाहता हैं तो उसने उक्त परीक्षा होते अपने आयेदन में निर्दिष्ट किया था ता उसे सिचव, संग लोक गेवा आयोग को इसे बात का पूरा औचित्य इताते हुए एक पक्ष रिजस्टर्ड डाक से अवस्य भेजना चाहिए कि बह कोन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता हो। एसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा। किन्ते 3 अप्रैलं, 1987 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

## शात्रता की शर्ते :

## (क) राष्ट्रीयता :

उम्मीदवार या तो--

- 1. भारत का नागरिक हो; या
- 2. भूटान की प्रजाहो; या
- 3. नेपाल की प्रजा हो; या वह
- 4. भारत में स्थामी रूप में रहने के इरावे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ तिक्वती शरणार्थी हो; या
- 5. भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कीनिया, उगाण्डा तथा तंजा-ितया संयुक्तं गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार), जाम्बिया, मलावी, जैरे तथा इथोपिया और वियतनाम से प्रवृजन कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग 2, 3. 4 और 5 के अन्तर्गत आने वाला उम्मीदवार एसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता प्रमाणपत्र पदान किया हो ।

पर नेपाल को गोरखा उम्मीदवारों के लिए यह पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक नहीं होगा।

(स) आयु सोमाएं, लिंग और वैवाहिक स्थिति : केवल वे ही अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात्र हों जिनका जन्म, 2 जुलाई, 1969 से पहले का तथा पहली जनवरी, 1972 के बाद का न ही।

आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिक लोगनं या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाणगत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यायल द्वारा मैट्रिक लोगन के संसकक्ष माने गए प्रमाणपत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्रिक लोटों के रिजस्टरों में दर्ज की गई हो और यह उद्धरण विश्वविद्यालयं के सम्चित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। मूल प्रमाणपत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने होंगे——

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य वस्तावेज जैसे जन्म कुण्डली, शपथ पत्र, नगर निगम के सेवा अभिलंख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्धरण, तथा अन्य एमें ही प्रमाणपत्र स्वीकार नहीं किए प्रायों । अनुद्देशों के इस भाग में आए हुए ''मैंट्रिकालोशन/उच्चतर माध्य-मिक परीक्षा प्रमाणनत्र'' वाक्यांश के अन्तर्गत उपयुद्ध वैकल्पिक प्रमाणनत्र में

िटप्पणी 1 : उम्मीदवार यह ध्यान रखे कि आयोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करोग जो कि आवेदनपत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मीट्रिकुनेशन/ उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्र या समंकक्ष परीक्षा के प्रमाणपत्र में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन को किसी अनुरोध पर नं तो विकार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया

हिष्णुणी 2 : उम्मीदवार यह भी नोट कर लों कि उनके दुवारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर दोने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख मो वर्ज कर लेने के बाव उसमें बाव में या किसी बाद की परीक्षा में परिवर्तन करने की अन्मति नहीं दी जाएगी।

टिप्पणी 3 : उम्मीदवारों की इस बात का वचन दोना है कि जब सक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा सब तक द शादी नहीं कर्रण। जी उम्मीदवार अपने आवंदन की तारीख के बाद शादी कर लेता है उसको प्रशिक्षण के लिए चुना नहीं जाएगा। चाही वह उस परीक्षा मो या अगली किसी परीक्षा मो भले ही संफल हो। जो उम्मीदवार प्रविक्षण काल मो बादी कर लेगा उस बादिस भोजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया है वह सब उससे बसूल किया जाएगा।

(ग) शिक्षक योग्यामाएं : राज्य विका बोर्ड या भान्यतामाप्त विज्यविदालस की हायर सैकेण्डरी परीक्षा या समकक्षा वे उम्मीद बार भी पात्र हैं जिन्होने स्काली घिक्षा की 10+2 प्रणाली के अन्तर्गत 11दीं कथा की परीक्षा पास कर ली ही।

एसि उम्मीदशार भी आयेषन कर सकते ही जिन्हीं असी। हायर सीकेण्डरी या गसकक्ष परीक्षा या स्काली शिक्षा की 10 1/2 प्रणाली कं अन्तर्गत 11की परीक्षा पास करनी हीं।

सेवा चयम बोर्ड के साक्षात्कार में अहतिप्राप्त करने वाले उम्मीद-वारो को 26 दिसम्बर, 1987 तक अपने मैरिकालंशन एवं या हायर सैकेण्डरी या समकक्ष प्रमाण-पद्य मूल रूप को सेना-मुख्यालय रिकाटिंग 6 (एग. पी.) (ए.) बेस्ट ब्लाक, 3 आर. के. पुरम्, नई दिल्ली-110022 को प्रस्तृत करने होंगे। ए मा न करने पर उनकी उम्भीदवारी रद्द कर दो जाएगी। एभे मामलों में जहां बोर्ड/विद्विविद्यालय के द्वारा, अभी तक प्रमाणपंत्र जारी नहीं किए गए हों, शिक्षा संस्थाओं के प्रधानाचार्य के दवारा दिये गए मूल-प्रभाणपत्र भी आयोग को स्वीकार्य होंगे। एसे प्रमाणपत्रों की प्रमाणित सत्य प्रतिनिपियां/फोटां स्टोट, प्रतियां स्वीकार, नहीं की जायाँगी।

अपवाद की परिस्थितियों में आयोग किसी एसे उम्मीदवार की इस नियम मो निर्धारित योग्यताओं से युक्त न होने पर भी शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है बंधर्त कि उसके पास एोसी योग्यटाए हों आयोग के विचार सं जिनका स्तर उसे इस परीक्षा से प्रबंध देना उचित ठहराता हां।

टिप्पणी 1 : वं उम्मीदवार जिन्हें हायर संकोण्डरी या समकक्ष परीक्षा में अभी तक अर्हता प्राप्त करनी है और जिनको संघ लोक सेवा आयोग ने परीक्षा में बैठने की अनुमति देदी है, नोट कर ले, कि उनको दी गई यह विशेष छूट ही। उन्हें हायर सैंकें-डरी या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रकाण निर्धारित तारील तक प्रस्तृत करना है और बार्ड /

विक्वविद्यालय, परीक्षा के दोर से आयोजित किए जाने, परिणाम घोषणा में विलम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे बढ़ाने से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

टिप्पणी 2 : जो उम्मीदशार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा संवाओं में किसी प्रकार के कमीशन से अपवर्णित हैं, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे। अगर प्रवेश दे दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रदद की

## 4 म्हल्कः

भारत का राजपव, नवस्बर 15, 1986

परीक्षा में प्रबंध चाहने दाले उम्मीदवारों को आयोग को रा. 28.00 (अठ्ठाईस रापये) के शुल्क का भगतान करना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नयी विल्ली की स्टेट बोक आफ इण्डिया की मर्ख्य शाखा पर दोय स्टोट बीक आफ इण्डिया की किसी भी शाला से जारी किये गय रोखांकित बैंक ड्राफ्ट या सचिव, संघ लोक संवा आयोग को नयी दिल्ली के प्रधान डाकघर पर दोय रोकांकित भारतीय पोस्टल आर्डार के रूप मो हो।

टिप्पणी (।) : उम्मीदक्षारों को अपने आवेदनपत्र प्रस्तृत करते समय बैक डाफ्ट की पिछली और उत्पर के सिरे पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए, पोस्टल आर्डर के मामले मो जम्मीदवार पोस्टल आर्डर के पिछली आंर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

> विदोश में रहने वाले उम्मीववारों के। निधारित शुल्क भारत के उच्च आयक्त या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय मा, जैसी भी स्थिति हो इस अनुराधि के साथ जमा करना होगा साकि यह ''051-लोक संदा आयोग परीक्षा-शुल्क'' के लेखा शीर्य में जमा हो जाय और आवंदनपत्र के साथ उसकी रसीद लगा कर भंजनी चाहिए। जिन आयंदन प्रंपत्रों में इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं होंगी जन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जायेगा। यह जन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होंगा जो नीचे को पैरा के आधार पर निर्धारित शल्क की छट की मांग करतं हो। अनुसचित जाति/अनुसचित जनजाति के उम्मीदवारों की शुल्क नहीं दोना हांगा।

(।।) आयोग, यदि चाहे तो निर्धारित शुल्क से छुट दे सकता है जब उसका इस बात का आह्वासन हो कि आवेदक भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला दंश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 25-3-1971 के दीच की अवंधि में भारत मे प्रयुजन कर अधा था या भूतपूर्व पश्चिमी पाकिस्तान का वार्स्सावक विस्थापित व्यक्ति है तथा पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरानं, भारत प्रवृजन कर चुका था या वह बर्मा से बस्त्तः प्रत्यावितित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 की या उसके बाद भारत में प्रदूजन कर आया था या वह श्रीलंका से वस्त्तं: प्रत्यावितित मृलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्तूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौतं के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत में आया था या आने वाला है और निधारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

- (111) थल सेना के जूनियर कमीशण्ड अफसरों, नान कमीशण्ड अफसरों तथा अन्य रैंकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायू सेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों और थल सेना के भूतपूर्व जूनियर कमीशण्ड अफसर, भूतपूर्व नान-कमीशण्ड अफसरों तथा भूत-पूर्व अन्य रैंकों और भारतीय नौ सेना तथा भारतीय वायू सेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों को उस स्थिति में निर्धारित शुक्क दोने की जरूरत नहीं होगी जब वे निम्नलिखित शर्ते पूरी कर देते हैं, अर्थात् :——
  - (क) वे मिलिट्री स्कूलों (पहले किंग जार्ज के नाम से ज्ञात) /सौनिक स्कूलें, सोसायटी द्वारा कलाए जा रहें सौनिक स्कूलों में शिक्षा पा रहें हैं, और
  - (स) उनके आवेदन सम्बद्ध स्कूल के पिसिपल द्वारा इस अनुशंसा के साथ अग्रेषित कर दिये जाते हैं कि उनके लिखित प्रश्न-पन्नों में कुल अंकों के कम से कम 30% अंक प्राप्त करने की आशा है।

टिप्पणी

- : मिलिट्रो स्कूलों/सौनिक स्कूलों के उम्मीदवारों के सम्बद्ध स्कृलों के प्रधानाचार्यों द्वारा, आवेदनपत्रों की संवीक्षा आयोग के कार्यालय में यह निश्चय करने के लिए की जायंगी कि क्या एसे उम्मीदवार उपर्युक्त नोटिस के पैरा 4 (।।।) के अन्तर्गत शुल्क से छाट के हकदार है। किन्तु मिलिट्री स्कलों/सैनिक स्कलों के प्रधानाचार्यों को अपने स्कुल विद्याधियों के आवेदनपत्र आयोग को अग्रेषित करने के पहले संतुष्ट हो लेना चाहिए कि वे नोटिस की उक्त व्यवस्था की अपेकाओं को प्रा करते हैं। आयोग प्रधानाचार्यों के कृताकृतों के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। आवेदन के साथ आयोग को अदा किया गया शुल्क वापस करने के किसी अनुराध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़-कर विचार नहीं कियाजा सकताहै और न वह किसी दुसरी परीक्षा या चयन के लिए सुरक्षित रखाजासकताहै।
- IV जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क दे दिया है पर जिसको आयोग ने परीक्षा में बैठने नहीं दिया, उसको रु. 15.00 (पन्द्रह रुपये) वापस कर दिया जाएगा। परन्तु अगर कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त करने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार हायर सैकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में अनुतीर्ण हुआ या हायर सैकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित तारील तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उसके लिए शुल्क की वापसी मंजूर नहीं की जाएगी।
- V जो अम्मीदवार मर्द, 1986 अथवा दिसम्बर, 1986 में आयोजित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा में बैठा हो और इन परीक्षाओं के परिणाम के आधार पर किसी कोर्स के लिए उसका नाम अनु- शंसित हुआ हो तो उनके मामले में रु. 28.00

(अठ्ठाईस रुपय) का शुल्क बापस किया जा सकता है। पर वह जरूरी है कि मई, 1987 की राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी रख्द कराने और शुल्क वार्पस पाने के लिए उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 31 अगस्त, 1987 या उससे पहने पहुंच जाए।

उपर्युक्त उपबन्धित व्यवस्था को छांड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किये गये शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

## 5. आवोदन की से करें:

परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों की रोजगार समाचार/ प्रमुखं समाचार पत्रों में प्रकाशित आवेषन प्रपत्र पर समिव, संघ लोक सेवा आयोग, धीलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। उम्मीदवार समाचारपत्रों था समाचार' में प्रकाशित आवेदन प्रपत्र का मूल रूप में उपयोग कर सकते हैं और उसके कालम अपने हाथ से बाल पेन से भर सकते है। वे सफेद कागज (फुलस्केप साइज) पर केवल एक तरफ सफाई के साथ डबल स्पेस पर टांकित आवेदन प्रपत्र और उपस्थिति पत्रक को भी प्रयोग में ला सकते हैं। उम्मीदवार प्राइवेट एजेन्सियों से उपलब्ध छपे हुए आवेदन प्रपन्न तथा उपस्थिति-पत्रकों को प्रयोग में ला सकते हैं, बबार्त कि वे रोजगार समाचार/प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित नम्ने के अनुरूप हों। उम्मीदवार इस बात का ध्यान रखें कि पिछले वर्ष की परीक्षा के लिए निर्धारित आवेदन प्रपत्र के प्रारूप में आबंदन करने पर स्वीकार्य नहीं होगा। उम्मीद-वार यह ध्यान रखें कि वे राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा के सभी प्रदन-पत्रों के लिए प्रवेश प्रमाणपत्र और एक ही अनुक्रमांक से परीक्षा व चाहे उन्हें आयोग से एक से अधिक प्रवेश प्रभाणपंत्र क्यों न प्राप्त हुए हों।

जिस लिफाफे में आवेदनपत्र भेजा जाए, उस पर मोटे अक्षरों में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा, मर्झ, 1987 लिखा जाए।

- (क) उम्मीदवार को अपने आवेदन प्रपत्र के साथ निम्नलिखित प्रपत्र भेजने चाहिए।
- (1) निर्धारित शुल्क को लिए रोबांकित बैंक डाफ्ट/भारतीय पोस्टल आर्डर या भारतीय मिशन की रसीद (शुल्क माफी होतू दावें के मामलों को छोड़कर), (2) फालस्केप साइज पेपर पर विधिवत भरा हुआ उपस्थिति पत्रक (नीचे परिशिष्ट ।। के अनुसार), (3) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से मी × 7 से मी ) के फोटों की दां एक जैसी प्रतियां एक आवेदन प्रपत्र पर तथा दूसरी उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर लगी हों, (4) एक पोस्टकार्ड अपने पत्ते के साथ, (5) 11.5 से मी × 27.5 से मी आकार के बिना टिकट लगे हुए तीन लिफाफे अपने पत्ते के साथ।
- (स) उम्मीदवार ध्यान रखों कि आवेदन प्रपत्र भरते समय भारतीय अंकों के केवलं अन्तर्राष्ट्रीय रूप का प्रयोग करना है। चाहें माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाणपत्र या संमकक्ष प्रमाणपत्र में जन्म की तारीख हिन्दी अंकों में वर्ज हों, तो भी उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर लों कि जो आवेदन प्रपत्र वह प्रयोग में लाता है उसमें जन्म की तारोख भारतीय ''अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप'' में लिखी हो। वे इस बारों में विशोध सावधानी बरतों कि आवेदन-प्रपत्र मों की गयी प्रविष्टियां स्पष्ट और सूपाठ्य हों। यदि वे प्रविष्टियां पढ़ी नहीं जा सकती हों या भूमक हो तो उनके निर्वचन

में होने धाली भूमित या संदिग्धता के लिए उम्मीदवार ही जिम्मदार होंगे।

(ग) सभी उम्मीदबारों को अपने आवेदनप्रपत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिये अगर किसी उम्मीदबार ने अपना आवेदनप्रपत्र अपने नियोक्ता के व्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग मो दोर से पहुचा हो तो आवेदनप्रपत्र पर विचार नहीं किया जाएगा। भले ही वह नियोक्ता की आखिरी सारीख के पहले प्रस्तृत किया गया हा।

ओ व्यक्ति लोक उद्यमों में सेवारत है, उनको यह परिवचन (अंडरटेंकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवंदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुये कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदनपत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

जो उम्मीदवार सशस्त्र सेना में सेवारत हैं उन्हें अपने आवेदन-पत्र अपने कर्माडिंग अधिकारियों के माध्यम से प्रस्त्त करने काहिए, जिन्हों वह आयोग को अग्रेषित करोगे।

भारतीय नौसोना मो नौसौनिकों (बाल एवं परिशिल्पी शिक्षािययों सिहत) के आवेदनपत्रों को यदि उनके कमांडिंग अधिकारियों द्वारा विधिवत अन्शंसित किए जाते हैं, तो केवल उन्हें ही स्वीकार किया जाएगा।

राष्ट्रीय भारतीय मिलिटरी कालेज (जो पहले सैनिक स्कूल कहा जाता था) देहरादान, मिलिटरी स्कूलों (जिन्हें पहले किंग जार्ज स्कूल कहा जाता था) और सैनिक स्कूलों की सोसायटी द्यारा चलाए जाने वाले सैनिक स्कूलों के छात्रों को अपने आवेदन-पत्र संबद्ध कालेज/स्कूल के प्रिसिपल के माध्यम से प्रस्तृत करने चाहिए।

दिष्पणी: जिन आवेदनपत्रों के साथ निर्धारित शुल्क संलग्न नहीं होगा (उपर्युक्त परा 4 के अन्तर्गत शुल्क माफी के दावें को छोड़कर) या जो अधूरे या गलत भरे हुए हों, उनको एकदम अस्वीकृत कर दिया जायेगा और किसी भी अवस्था में अस्वीकृति के संबंध में अभ्या-वेदन या पत्र-व्यवहार को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदबार को अपने आवेदनपत्रों के साथ आयं तथा शैकिक योग्यता, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति और शुल्क में छूट आदि का प्रमाणपत्र प्रस्तृत नहीं करना होगा। इसलिए वे इस बात को स्निश्चित कर ले कि वे प्रीक्षा में प्रवेश के लिए पात्रता की सभी शर्तों को प्री करते हैं या नहीं। अतः प्रीक्षा में उनका प्रवेश भी पूर्णतः अनन्तिम होगा। यदि किसी बाद की तारीक्ष को सत्यापन करते समय यह पता चलता है कि वे पात्रता की सभी शर्ते पूरी नहीं करते हैं तो उनकी उम्मीदवारी रद्द हो जाएगी।

उम्मीदवारों में अनुरोध है कि वे उक्त परीक्षा के लिखित भाग का परिणाम घोषित होने के बाद सेना मुख्यालय को जल्दी प्रस्तुत करने के लिए निम्निलिखित प्रलेख तैयार रखें।

परिणाम के जुलाई मास 1987 में बोबित होने की सम्भावना है।

- 1. आयुका प्रमाणपत्र।
- 2. शैक्षिक योग्यता का प्रमाण।
- 3. जहां लागू हो, वहां अनुसूचित जाति/अन्सूचित जन-जाति का होने के वार्व के समर्थन में प्रमाणपत्र।
- 4. जहां लागू हो, वहां झूल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाणपत्र। परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के घोषित हो जाने के त्रन्त बाद सेना मूख्यालय द्यारा सफलता प्राप्त उम्मीदवारों से कुछ अतिरिक्त सूचना को भेजने के लिए कहा जाएगा। उपर्यूक्त प्रमाणपत्रों की सत्यापित प्रतियां सेना मूख्यालय, ए.जी. द्यांच आर.टी.जी., 6 (एस.पी.) (ए.) पिइचम ब्लाक 3, विंग 1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को उस समय तस्काल भेजने होंगे। जो उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के साक्षास्कार में अर्हताप्राप्त कर लेगें उन्हें साक्षात्कार के त्रन्त बाद मूल प्रमाणपत्रों को प्रस्तुत करना होगा।

यदि उनका कोई भी दावा असस्य पाया जाता है सो उनके विरुद्ध आयोग द्वारा पैरा 6 के अनुशासस्मक कार्रवाई की जा सकती है।

उम्भीदवारों को ध्यान दोना चाहिए कि वे आवेदनपत्र, नियमा-वली, पाठ्यक्रम आदि के लिए संघ लोक सेवा आयोग को न लिखें। उत्पर समभाए अनुसार इस विज्ञापन के साथ छापे गए आवेदनपत्र का प्रयोग किया जाए।

- 6. जो उम्मीदवार आयोग व्वाग निम्नांकित कवाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका है :---
  - (1) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना, या
  - (2) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्त्त होना, या
  - (3) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्त्त करना, या
  - (4) जाली प्रलंख या फेर-बदल किए गए प्रलंख प्रस्तूत करना, या
  - (5) अशुद्ध या असस्य वक्तव्य दोना या महत्वपूर्ण सूचना को छिप। कर रखना, या
  - (6) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी अनियमित या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना, या
  - (7) परीक्षा के समय अन्चित तरीके अपनाना, या
  - (8) उत्तर पृस्तिकाओं पर असंगत बातों लिखना जो अश्लील भाषा या अभद्र आशय की हों, या
  - (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दूर्व्यवहार करना, या
  - (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा निय्क्त कर्म-चारियों को परोशान करना था अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाना, या
  - (11) उम्मीदवारों को परीक्षा दोने की अनुमति दोते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाणपत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन करना, या
  - (12) उत्पर खंडाों में उल्लिखित सभी या किसी कदाबार को करने की कोशिश करना या करने के लिए उकसाना।

यह अपने को दण्ड-अभियोजन का शिकार बनाने के अति-रिक्त:—-

> (क) आयोग की परीक्षा का उम्मीदबार ही उसके लिए आयोग दुवारा अयोग्य ठहराया का सकता है।

#### अथवा

- (क) (1) आयोग द्दारा अपनी किसी भी परीक्षा या चयन के लिए
  - (2) केन्द्र सरकार युवारा उनके अधीन किसी निय्वित के लिए और स्थायी रूप से या कच्छ निर्विष्ट अरिध के लिए अपयोजित किया जा सकता है।

किन्त् अर्त यह कि इसं नियम के अधीन कोई शास्ति लब तक नहीं दी जाएगी जब तक---

- (1) उम्मीदवार को इस मंबंध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह दोना चाहे प्रस्तृत करने का अवसर न दिया गया हो, और
- (2) उम्मीदवार द्वारा अनुमतः समय में प्रस्तूत अभ्यावेदन पर, यदि कांई विचार न कर लिया गया हो।

## 7. आधेवन प्रपत्र लेने की अंतिम तारीख:

भग हाआ आवेदन-पर आत्रयक प्रलेखीं के साथ स्विव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 29 दिसम्बर, 1986 (29 दिसम्बर, 1986 स पहले की किसी तारीख से असम, मेधालय, अरुणाचल प्रदोश, मिजोरस, मणि-पर, नागावीड, दिवसा, भिविकाम, जम्मू और कारमीर राज्य के लंदुदास प्रधान, हिसाचल प्रदोश के लाहील और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले क पंगी उपसंख्या, अण्डमान और निकादार यदीप समृह या लक्षद्वीप और विदाशों में रहन वाले उम्होदरारों के और जिनके आवेदन उपर्याक्त में से किसी एक क्षेत्र में डाक दवारा प्राप्त होते हैं, उनके भामले में 12 जनवरी 1987) तक या उसस पहले जाक द्वारा अवस्य भिजया दिया जाए, या स्वयं शायोग के काउण्टरपर आकर जमा करा दिया जाए। अस्म, मेधालय, अरुणाचल प्रवेश . मिजोरम , मणिपूर , नागलैंड , त्रिपुरा , सिक्कम, जम्मू तथा कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदोध के साहाँन और स्पीति जिले तथा चम्दा जिले के पांगी उप-मंडल, अण्डमान और निकाबार द्वीपसमह या लक्षद्वीप और विद्योगों में रहने वालं उम्मीदवारों से आयाग यदि चाही तो इस बात का लिखित प्रसाण प्रस्तत करने के लिए कह सकता है कि वह 29 दिसम्बर, 1986 से पहले की तारी ह में असम, मेंशालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिप्र, नागालांड, दिप्रा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लददास प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहाँल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमंडल, अंडमान और निकाबार द्वीपसमृह या लक्षद्वीप और दिदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी: (1) जो उम्मीदशर एमं क्षेत्रों के हाँ जहां के रहने वाले आवंदन की प्रस्तृति होतू अतिरिक्त समय के हक-दार हाँ, उन्हाँ आवंदन-पत्र के संगत कालम माँ अपने पतों मां अतिरिक्त समय के हकादार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेधालय, जम्मू तथा काइमीर राज्य का लद्दास प्रभाग) स्पष्ट रूप मे निविष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता हो कि उन्हाँ अतिरिक्त समय का लाभ न मिले। टिप्पणी: (2) उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वं अपने आदेवन-पत्र संघ लोक सेवा आयोग के काउण्टर पर स्वयं जमा कराएं या रिजस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। आयोग के किसी कर्मचारी को दिए गए आवेदन-पत्र के लिए आयोग जिम्मदार नहीं हांगा।

> निर्धारित तारील के याद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

## 8. आयोग/सेना मुख्यालय के साथ पत्र-व्यवहार :

निम्नित्तिस्ति मामलों को छोड़कर आयोग अन्य किसी भी मामले मों जम्मीवनार के साथ पत्र-व्यवहार नहीं करोगा।

(1) आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पत्र, जिसमें दोर से प्राप्त आवेदन-पत्र भी सम्मितित हैं, की पानती दी जाती हैं तथा आवेदन-पत्र की प्राप्त के प्रतिक के ल्प में उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण सन्या जारों को जाती हैं इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारों कर दी गयी हैं, अपने आप यह मनलब नहीं है कि आवेदप-पत्र सभी प्रकार पूर्ण हैं और आयोग व्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

यदि परीक्षा से संबंधित अवंदन-प्रपन्नों की प्राप्ति की आसरी तारीक से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवंदन-पन्न की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने क लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए।

- (2) इस पर्नक्षण के प्रत्यक्ष उम्मीदशार का उसके शायंदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीय दो दो जाएगी। किन्त् यह नहीं कहा ता रकता है कि आवंदन-पत्र का परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के बुख होने की तारील में एक महीन के पहले तक उम्मीदनार को अपने आवंदनपत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग में कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदन्वार ने एमा नहीं किया शो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दादे से वंचित हो जाएगा।
- (3) जिन उम्मीदिवारों को परीक्षा में प्रवेश दे विया जाता है उनको अन्क्रमांक निर्दिष्ट करते हुए प्रवेश प्रमाण-एत्र जारी कर दिया जायेगा और उसमें निर्दिष्ट अन्-क्रमांक वही होगा जो उम्मीदिवारों की पावती कार्ड दुबारा पहले स्चित आवेदन पंजीकरण संख्या है। किसी भी उम्मीदिवार को उक्त परीक्षा में प्रवेश राव तक नहीं दिया जायेगा जब तक उसके गास उक्त परीक्षा का प्रवेश प्रमाणपत्र नहीं है।

िकसी भी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में तब तक प्रवेश नहीं दिया जायेगा जब तक उसके पास प्रवेश-प्रमाणपत्र न हो।

केवल इस तथ्य का कि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के लिए प्रवेश प्रमाणपत्र जारी कर दिया गया है, यह अर्थ नहीं होगा कि आयोग द्वारा उसकी उम्मीदवारी अन्तिम रूप से ठीक मान ली गई है या कि उम्मीदवार द्वारा अपने प्रारंभिक परीक्षा के आवेदनपत्र में की गई प्रविष्टियां आयोग सही और ठीक मान ली गई हैं। उम्मीदवार ध्यान रखें कि आयोग उम्मीदनार के लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेत साक्षात्कार के लिए अहाताप्राप्त कर लेने के बाद ही उनकी पात्रता की शर्तों का मूल प्रलेखों से सत्यापन का मामला उठाता है। आयोग द्वारा औपचारिक रूप से उम्मीदवारों की पृष्टि कर दिए जाने तक उम्मीदवारी अनन्तिम रहेगी।

- (4) उम्मीदवार उक्त परीक्षा में प्रवेश का पात्र है या नहीं है इस बार में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।
- (5) उम्मीदवार ध्यान रखें कि प्रवेश प्रमाणपत्र में कहीं-कहीं नाम तकनीकी कारणों से संक्षिप्त रूप में तिसे जा सकते हैं।
- (6) उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था अवश्य कर लेगी चाहिए कि उसके आवेदनपत्र में उल्लिखित पते पर भोजे गए पत्र आदि आवश्यक होने पर उसको बदले हुए पते पर मिल जाया कर, पते में किसी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना यथा शीख दी जानी चाहिए। आयोग एसे परिवर्तनीं पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है, किन्तू इस विषय में कोई जिम्मदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

महत्वपूर्ण: आवेदन के सम्बन्ध में सभी पत्र-व्यवहार, सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धीलपुर हाऊस, नई दिल्ली+110011 की पते पर करना चाहिए और उसमें निम्निलिखित विवरण अवश्य होना चाहिए:---

- 1. परीक्षाकानाम
- 2. परीक्षा का वर्ष और महीना
- 3. आवंदन पंजीकरण संख्या/रोल नम्बर या जंदम की तारील (अगर आवेदन पंजीकरण संख्या/रोल नम्बर नहीं मिला हो)।
- 4. उम्मीदवार का नाम (पूरा और साफ किसा हुआ)।
- 5. पत्र-व्यवहार का पता, जैसे आवेदन-पत्र में दिया है।

विक्रेष ध्यान : (1) जिन पत्रों में ऊपर का ब्यौरा नहीं होगा, हो सकता है, उन पर कोई कार्रवाई न

> (2) यदि किसी परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीदवार को पत्र/पत्रादि प्राप्त होता है या इसमें उसका पूरा नामः और अनु-क्रमांक नहीं दिया गया है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और उस पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए आगोग द्वारा अनुशंसित उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के लिए आवेदन करने के बाद, अपना पता बदल लिया हों तो उनकों चाहिए कि पंरीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही अपना नया पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए. जी. ब्रांच रिक्रूटिंग 6 (एसं. पी.) (ए.) वेस्ट ब्लाक-3, विंग-1, रामाकृष्णापुरम्, नइ दिल्ली-110022 को स्चित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन अन्देशों का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सम्मन-पत्र न मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हा जाएगा।

जिन अम्मीदवारों के नाम सेवा चंयन बोर्ड के साक्षात्कार हेत् रिपोर्ट करने के लिए अनुशंसित है उनको अपने साक्षात्कार के सम्बन्ध में सभी पूछताछ और अनुरोध सीधे सेना मुख्यालय, ए. जी. बांच रिक्रूटिंग 6 (एस. पी.) (ए.) वेस्ट ब्लाक 3, विंग-1, रामाकृष्णापुरम्, नई दिल्ली-110022 के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीदवार को भेजे गए सम्मन-पत्र द्वारा सूचित तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार के लिए पहुंचना है साक्षा-त्कार को स्थिगित करने से सम्बद्ध अनुरोध पर केंग्रेल अपवादात्मक परिस्थितियों में और प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिये निर्णायक प्राधिकरण सेना मस्यालय होगा।

जिन उम्मीदवारों के नाम संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जारी की गई अन्तिम योग्यता सूची में हैं यदि उनके पहले दिए गए पत में कोई परिवर्तन हुआ हो तो उनको अपने नवीनतम पते की सूचना मुख्यालय ए. जी. ब्रांच रिक्रूटिंग 6 (एस. पी.) (ए.) वस्ट ब्लाक-3, विग-1, रामाकृष्णाप्रम्, नइ दिल्ली-110022 को दे देनी चाहिए तािक सेना मुख्यालय द्वारा जारी किए गए कार्यभार सम्भालने के अनुदेश उन्हें समय पर मिल सके। यदि एसा नहीं किया गया तो कार्यभार सम्भालने के अनुदेशों के न मिलने की जिम्मेदारी जम्मीदवारों की होगी।

## 9. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा :

योग्यता प्राप्त उम्मोदवारों का साक्षात्कार-अन्तिम परिणामों की घोषणा और अन्तिम रूप से पाए गए उम्मीदवारों का प्रक्षिश्वण कोर्स में प्रवेश : संघ लोक सेवा आयोग लिखित परीक्षा में आयोग के निर्णय पर निर्धारित न्युनतम अर्हक प्राप्त अंक करने वाले उम्मीद-वारों की एक सुची तैयार करेगा। ये उम्मीदवार बौदिधक तथा व्यक्तित्व परीक्षणों के लिए सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे जहां थल सेना-नौसेना के उम्मीदवारों की अधिकारी क्षमता तथा वायु सैना के उम्मीदवारों का पाइलट एप्टीच्युट परीक्षण तथा अधि-कारी क्षमता का निर्धारण किया जाएगा। इस परीक्षण में अधिक से अधिक 900 अंक प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अफ्नी ही जोखिम पर वहां के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा चक्त बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उसके दौरान या उसके फलस्वरूप अगर उनको कोई चोट पहुंचती है तो उसके लिए सरकार की ओर से कोई क्षतिपृत्ति या सहायता पाने के वे हकदार नहीं होंगे चाहेवह किसी व्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों के माता-पिता या अभिभावकों की इस आशय के एक प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे।

स्वीकृति होत् थल सेना/नी सेना के उम्मीदवारों को (1) लिखित परीक्षा तक (2) प्राधिकारी क्षमता परीक्षणों में अलग-अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग दवारा उनके निर्णय के अनुसार निश्चित किए जायों भे और वायुरोना के उम्मीद-बारों को (1) लिखित पंरीक्षा, (2) अधिकारी क्षमता परीक्षण, (3) पायलट एप्टीच्यट परीक्षण में अलग-अलग न्य्नतम अहर्क अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा उनके निर्णय के अनुसार निश्चित किए जायोंगे। इन शंतों पर अर्हाता प्राप्त उम्मीदवारों को उनके द्वारा लिखित परीक्षा तथा रोवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता के अन्तिम क्रम में दो अलग-अलगं स्चियों में --एक थल सेना तथा नौसेना के लिए और दासरी वायु सेना के लिए--रखा जाएगा। जो उम्मीदवार रोवा के सभी अंगों की लिए अहीता प्राप्त कर लेते हैं उनका नाम दोनों योग्यता स्चियों में होगा। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थल सेना तथा नौसेना के विंगों में प्रवेश की लिए अन्तिम वयर्न थल सेना

तथा नौसेना की योग्यतासूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा और वायू सेना विंग में प्रवेश के लिए अन्तिम चयन वायू सेना की योग्येता सूची में तो रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा जो शारीरिक स्वस्थता और अन्य सभी बातों में उपयुक्तता के आधार पर होगा। जिन उम्मीदवारों के नाम दोनों योग्यता सूचियों में हैं उन पर दोनों सूचियों में चयन हेतु विचार उनके वरीयता क्रम को देखते हुए होगा और उनके एक सूची से अन्तिम रूप से मून लिए जाने पर दूसरी सूची से उनका नाम रद्व कर दिया जाएगा।

विक्रोष ध्यान : बायु सेना के प्रत्येक उम्मीवयार का पायलट एप्टीच्यूट परीक्षण केवल एक बार किया जाता है। अतः उसके ध्वारा प्रथम परीक्षण में प्राप्त ग्रेड वायु सेना चयन बोर्ड के सामने बाद में होने वासे साक्षात्कार में स्वीकार किया जाएगा। जो उम्मीवयार पायलट एप्टीच्यूट के प्रथम परीक्षण में असफल हो जाता है वह राष्ट्रीय रक्षा अकावमी परीक्षा के बायु सेना विंग या जनरल ब्यूटी (पायलट) बांच या नेवल एपर आर्म में प्रवेज के लिए आवेष नहीं कर सकता।

जिन उम्मीदवारों का किसी पिछले रा. र अकादमी कोर्स में पायलट एप्टीच्यूट परीक्षण हो गया हो और उन्हें अर्हता प्राप्त कर लेने की सूचना मिल गई हो तो उन्हें इस परीक्षा के केवल वायू सेना विग के लिए ही अपना आवोदन करना चाहिए।

अलग-अलग उम्मीदियारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में और किस प्रकार सूचित किए जायें इस बात के निर्णयः आयोग अपने आप करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में उम्मीदिवारों से कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा। परीक्षा में सफल होने मार्त्र से अकादिमी में प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। उम्मीदिवार को नियुक्ति प्राधिकारी को सन्तृष्ट करना होगा कि वह अकादमी में प्रवेश के लिए सभी तरह से उपयुक्त है।

#### 10. प्रक्रिक्षण कोर्स में प्रवेश के लिए अन्हीताएं

जो उम्मीववार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के किसी पहले कोर्स में प्रवेश पा चुके थे पर अधिकारी सूलभ विशेषताओं के अभाव के कारण या अनुशासनिक आधार पर वहां से निकाल दिए गये थे उनको अकाएमी में प्रवेश नेहीं दिया जाएगा।

किन्तु जिन उम्मीदवारों को अवस्थता के आधार पर पहले राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से वापस ले लिया गया हो या जिन्हों ने अपनी इच्छा से उक्त अकादमी छोड़ दी हो उन्हें अकादमी में प्रवेश मिल सकता है बशर्तों कि वे स्वास्थ्य तथा अन्य निर्धारित शर्तों पूरी करते हों।

11. संघ लोक सेवा आयोग ने ''संघ लोक सेवा आयोग की अस्तुपरक परीक्षाओं होत् उम्मीदवार विवरिणका'' शीर्षक से एक समूल्य प्स्तिका छापी है इसका यह उद्दोष्य है कि इससे सं लो से. आ. की परीक्षाओं या चंयनों के भावी उम्मीदवारों को सहायता मिल सके।

उक्त पुस्तिका प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइन्स दिल्ली110054 के कार्यालय से बेची जाती हैं। इसे वहां से सीधे मेल आर्डार द्वारा या नकद भुगतान पर लिया जा सकता हैं। यह पुस्तिका केदल नकद भुगतान पर (1) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने, एम्पोरियम बिल्डिंग, सी ब्लाक, बाबा खड़क सिह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (2) उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 पर प्रकाशन शाखा के बिकी काउण्टर और (3) गर्धनेमेंट आफ इण्डिया बुक डिपो, 8 के. एस. राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी मिल सकती हैं। उक्त मैनुअल

(विवरणिका) भारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मुफस्सिल शहरों में स्थित एजेंन्टों के पास भी उपलब्ध है।

12. उम्मीदवार को अपना आवेदनपंत्र प्रस्तुत कर दोने के बाद उम्मीदवारी वापंस लोने से संबद्ध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एमः केः कृष्णन उप सचिव संघलोक सेवा आयोग

## परिश्विष्ट-1

(परीक्षा की योजना और पाठ्यक्रम विवरण)

## (क) परीक्षाकी योजनाः

महत्वपूर्ण टिप्पणी :

संघ लोक सेवा आगोग ने रक्षा मन्त्रालय के साथ परामर्श करके राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा की पिछली योजना को सरल कर दिया है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा की पिछली योजना में पांच प्रश्न-पत्र थे गणित के 2, सामान्य ज्ञान के 2 और अंग्रेजी का 1। प्रस्योक प्रश्नपत्र 2 घण्टे की अवधि का था और तीन दिनों में पूरा होता था। प्रस्तुत परिशोधित योजना जो कि राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा दिसम्बर 1986 से प्रारंभ की गई है, सरलीकृत योजना है जिसमें दो प्रश्न-पत्र हैं (1) गणित की पिछली योजना में सो गणित 1 और गणित 2 तथा (2) पिछली योजना के सामान्य ज्ञान तथा अंग्रेजी में से सामान्य योग्यता परीक्षण 1, ब्यौरा निम्नलिखित हैं :

 लिखित परीक्षा के विषय, नियत समय सथा प्रत्येक विषय के अधिकतम अंक निम्निसिखित होंगे।

विषय	समय		मधिकतम मक
गणिस	3 ਬਾਹਟੇ 3 ਬਾਹਟੇ		300
सामान्य योग्यता परीक्षण	3 षण्टे	g	600

900

2. सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में कोबल वस्तूपरक प्रश्न ही होंगे, प्रश्न-पत्र (परीक्षण पुस्तिकाएं) कोबल अंग्रेजी में तैयार किए जाएंगे।

जम्मीदवारों को प्रवेश प्रमाण-पत्रों के साथ 'उम्मीदवार को सूचना विवरणिका' दी जाएगी जिसमें नमूना प्रश्न-पत्रों सहित वस्तुपरक प्रकार के परीक्षणों का ब्यौरा शामिल होगा ।

- 3. प्रश्न-पत्रों में जहां भी आवश्यक होगा, कवेल तील और माप की सीटरी पद्धति सम्बन्धित प्रश्नों को ही पूछा जाएगा।
- 4. उम्मीदवारों को प्रश्न-पेत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहिए। किसी भी हालस में उन्हीं प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखने के लिए लिखने वाले की सहायता सूलभ नहीं की जाएगी।
- 5. परीक्षा के एक अथवा सभी विषयों के अहर्क अंकों का निर्धारण आयोग की विवक्षा पर रहेगा।
- 6. उम्मीववारों को वस्तूपरक प्रश्न-पत्रों (प्रश्न-पुस्तिकाओं) के उत्तर लिखने के लिए केलक लेटर अथवा गणितीय अथवा लघुणकीय सारणियां प्रयोग करने की अनुमृति नहीं है। अतः उन्हों ये वस्तूएं परीक्षा भवन में नहीं लानी चाहिए।

## (क) परीक्षा का पाठ्य **विवर**ण ः

प्रदन-पत्र-1 गणित---अधिकतम अंक 300।

### अंक गणितः

संख्या पव्धति-अनपूर्ण संख्यांक पूर्णीक परिमेय और बास्तिकक संख्याएं मूल संक्रिया-जोड़, घटाना, गृणा और विभाजन, वर्ग मल, दशमेलव भिन्न ।

एकिक विधि: समय तथा बूरी, समय तथा कार्य, प्रति-शक्तता-साधारण तथा चक्रवृद्धि ब्याज में अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात और समानुषात विवरण।

प्रारम्भिक संख्याएं सिद्धांत : विभाजन की कल विधि, जेभाज्य और भाष्य संख्याएं 2,3,4,5,9 और 11 व्वारा विभाज्यता के परोक्षण, अपवर्ष और गूणन, गूणन खण्ड, प्रमेय । महत्तम समापवर्तक तथा लघुत्तम समापवर्त्य तथा लघ यक्लिड की दशमलय पद्धति ।

आधार 10 सक लघुगणक, लघुगणक के नियम ।

## विस्तार कलन अथावा क्षेत्रमिति :

वर्गों, आयातों, समान्तर चतुंभूज, त्रिभूजों और वृत्तों के क्षेत्रफल, उन आकृतियों के क्षेत्रफल जी इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं। (क्षेत्र बाही) घनामी का वाहरी क्षेत्र-फल तथा आयतन। लम्ब, घृतीय शंकाओं और वेलनों का पार्ष-पृष्ठ तथा आयतन गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन।

### भीज गणितः

अधारभूत प्रिक्रियाएं-साधारण गुणन खण्ड, शेषफल प्रमेय, बेहुपदों का महत्तम और लघुत्तम समापवर्त्य। दिवधात समीकरणों का हल, इसके मूस और गुणांकों के बीच सम्बन्ध (केवल वास्त-विक मूल विधार किया जाए) वो अज्ञात गशियों में यूगपतं समीकरण-विदलेषण और प्राफ सम्बन्धी हल/प्रायोगिक प्रवन जिनसे दो चरों में दो यूपत रोजिक समीकरण बनते हैं या 'एक बार में दिवधात समीकरण तथा उनके हल समूच्चय भाषा तथा समूच्चय अंकन पव्धति, परिमेय व्यंजक तथा सप्रतिबन्ध तत्समक धातांक नियम।

## **भ्यामिति** :

रेखा और कोण, समतल और समतल आकृति, निम्निसिस पर प्रमेथ:---

- किसी बिन्द् पर कोणों के ग्णधर्म।
- 2. समानांतर र खाएं।
- 3. किसी त्रिभुज की भुजाएं और काण।
- 4 निभ्ज की सर्वांग समता।
- समस्य त्रिभुज ।
- 6. माध्यिकाओं और शीर्ष लम्बों का संगमन ।
- ममान्तर चर्तभूजों, आयत और वर्गके कोणों, भुजाओं के विकर्णों के गण धर्म।
- वत्त और उसके गृण धर्म जिसमें स्पर्श रेखा तथा अभिलम्ब भी नामिल है।
- 9. स्थानिक संघक । 19—326GI/86

### त्रिकाण भिति:

ज्या × कोटिज्या × स्पर्श रेखा × धन  $\sim 0^{\circ} \leqslant \times \leqslant 90^{\circ}$  ज्या × कोटिज्या × स्पर्श रेखा का मान योकि ×  $\sim 0^{\circ}$ ,  $30^{\circ}$ ,  $45^{\circ}$ ,  $60^{\circ}$  भीर  $90^{\circ}$ 

सरल त्रिकाणिमितीय तत्समक त्रिकाणिमितिः सारणियों का प्रयोग उन्नाईयों और दूरियों के सरल काण ।

### सांस्थिकी :

सां िष्यकी तथ्यों का संग्रहण तथा सारणीकरण। आलेखी प्रस्तृती-करण-बारम्बारता बहुभूज। आयत चित्र, शलाका चार्ट, पाई चार्ट आदि अपरिष्कृत और सामृहिक आंकड़ों का परिकलन माध्य।

## प्रदेन-पत्र । । --सामान्य योग्यता परीक्षण :

अधिकतम अंक-600

भाग (क) अंग्रेजी (अधिकतम अंक 200)

अंग्रेजी का प्रश्न-पत्र इस प्रकार का होगा जिससे उम्मीदवार की अंग्रेजी की समभ्य और शब्दों के कुशल प्रयोग का परीक्षण हो सके। पाठ्यकम में विभिन्न पहलू समाहिस हैं जैसे व्याकरण और प्रयोग, विधि शब्दावली तथा अंग्रेजी में उम्मीदवार की प्रवीणता की परम्य होतू विस्तारित परिच्छोद की बोधगम्यता तथा सम्बंद्धता।

## भाग (ज) सामान्य ज्ञान :

(अधिकतम अंक 400)

सामान्य ज्ञान के प्रवन-पेत्रों भी मृख्य रूप से भौतिकी, रसायन शास्त्र, सामान्य विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, भूगोल तथा सामयिक विषय आएंगे।

इस प्रश्न-पत्र में शामिल किए गए विषयों का क्षेत्र निम्न पाठ्य विवरण पर आधारित होगा। उल्लिखित विषयों को स्वींग पूर्ण नहीं मान लेना चाहिए। सथा इसी प्रकार के एसे विषयोंगों पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं जिनका इस पाठ्य विषरण में उल्लेख नहीं किया गया है। उम्मीववार के उत्तरों से विषयों को बोधगम्य हैंग से समक्षने की मेधा और ज्ञान का पता चलना चाहिए।

## भाग-क (भौतिकी) :

पृथ्य के भौतिक गूणधर्म तथा स्थितियां, संहति, भार, आयतन, पनत्व तथा विशिष्ट गृरूत्वाकर्षण, आक्रीमिडिज का सिद्धान्त. वाब, वायदान मापी, विश्व की गति, वेग और त्वरण, न्यूटन के गति नियम, बल और संवेगों, बल समान्तर चत्र भूज, पिण्ड का स्थायित्व और संतृतन, गुरूत्वोकर्षण, कार्य, शवित और उज्जि का प्रारम्भिक ज्ञान ।

उप्मा का प्रभाव , तापंमान का माप और उष्मा। स्थिति परिवर्तन और गुप्त उष्मा। उष्मा अभिगमन की विधियां।

ध्वित तरंग और उनके ग्ण-धर्म। संरल वाद्य यन्त्र, प्रकाश का ऋतरे खिय चरण । परावर्तन और अपवर्तन । गोलीय दर्पण और लेन्सेज। मानव नेत्र। प्राकृतिक तथा कृतिम चुम्बक। चुम्बक के ग्ण धर्म। पृथ्वी चुम्बक के रूप में। स्थितिक तथा धारा विद्युत । चालक और अचालक बोहुम नियम, साधारज विद्युत परिपथ। धारा के तापन, प्रकाश तथा चुम्बकीय प्रभाव। बैद्युत शक्ति के साप प्राथमिक और गाँण सेल। एक्स-रे के उपयोग।

निम्नालितित के कार्य संचालन के सामान्य सिद्धान्त :--

सरल लीलक, सरल घिरनी, साइफन, उत्तोलक, गूब्बारा, पंप, हाडग्रीमीटर, प्रेशर कृकर, थर्मन पतास्क, ग्रामोफान-टेलीग्राफ, टेलीफोन, पेरिस्काप, टेलिस्कापे, साइक्रोस्काप, नाइक ढिकस्चक तणित चालक। सूरक्षा स्थूज।

## भाग-ख (रहायन ज्ञास्त्र) :

भौतिक तथा रसायनिक परिवर्तन। सस्य, मिश्रण तथा यौगिक। प्रतीक सूत्र और सरल रासायनिक सभीकरण, रसायनिक संयोग के नियम (समैन्याओं को छोड़कर) वास् तथा जल के रासायनिक गूण-धर्म।

हाइड्रोजन, आक्सीजन, नाइहाजन तथा कार्बन डाई-आक्साइड की रचना और गुण-धर्म। आक्सीकरण और अपचयन।

अम्ल क्षारक और लवण ।

कार्बन-भिन्न रूप

ऊर्वरक-प्राकृतिक और कृष्टिम ।

साबुन, कांच, स्याही कागज, सीमोंट, पोंट, दियासलाई और गन-पाउडर जैसे पदार्थी को तैयार करने के लिए, आवस्यक सामग्री।

परमाणु की रचना, परमाणु तुल्यमान और अणुभार अनुभाग संयोजकता का प्रारम्भिक ज्ञान ।

## भाग-ग (सामान्य विज्ञान) :

जड़ और चेतन में अंतर।

जीव कोशिकाओं, जीव दव और उत्तकों का आधार।

वनस्पति और प्राणियों में वृद्धि और जनन।

मानव भरीर और उसके महत्वपर्ण अंगों का प्रारम्भिक ज्ञान ।

सामान्य महामारियां और उनके कारण तथा रोकने के उपाय ।

खाद्य-मन्ष्यं के लिए ऊर्जा का स्त्रोत, खाद्य के अवयव संत्रित आहार। सौर परिवार, उल्का और धूमेकेत्, ग्रहण।

प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की उपलब्धियां ।

## भाग-घ (इतिहास), स्वतन्त्रता आग्दोलन आदि) :

भारतीय इतिहास का मोटे तौर पर सबे क्षण तथा संस्कृति और सम्यता की विशेष जानकारी।

भारत में स्वतन्त्रता आंदारेलन ।

भारतीय संविधान और प्रशासन का प्रारम्भिक अध्ययन ।

भारत की पंचवंधीं ये योजनाओं, पंचायती राज, सहकारी समितियां और साम्दायिक विकास की प्रारम्भिक जानकारी।

भूदान, सर्नोदय, राष्ट्रीय एकता और कल्याणकारी राज्य ।

महात्या गांधी के मृत्य उपदेश ।

आधृनिक विश्व निर्माण करने शकी शक्तियां, पुनर्जागरण। अन्येषण और खोज। अमेरिका का स्वाधीनता संग्राम। फ्रांसीसी कांति, औद्योगिक कांति और रूपी कांति। संमाज पर विज्ञान और औद्योगिकी का प्रभाव। एक विश्व की संकल्पना, राष्ट्र, पंचशील, लोकतन्त्र, सामाज-बाद तथा साम्यदाद वर्तमान विश्व में भारत का योगदान ।

## भाग-इः (भृगोल) :

पृथ्वी, इसकी आकृति और आकार, अक्षांश और रेखांश। समय संकल्पना, अंतर्राष्ट्रीय तारील रोखा, पृथ्वी की गतियां और उत्तक प्रभाव,। पृथ्वी का उद्भव, चट्टानें और उनका वर्गीकरण; अपक्षेय-यांत्रिक और रासायनिक, भूचाल तथा ज्वालामुखी।

महासागर धाराएं और ज्वारभाटे।

वायुमण्डल और इसका संगठन। तापमान और वायुमण्डलीय दाव।

भूमण्डलीय पवन, चकवात और प्रति चकवात, आर्फ्सता, द्रव्यण और घर्षण। जलवायु के प्रकार विश्व के प्रमुख प्राकृतिक क्षेत्र।

भारत का क्षेत्रीय भूगोल-जलयाय, प्राकृतिक वनस्पति, सनिज और शक्ति संसाधन। कृषि और औद्योगिक कार्यकलापों के स्थान और वितरण।

भारत के महत्वपूर्ण समूद्री पत्तन, मुख्य समूद्री भू और वायु मार्ग। भारत के आयात और निर्मात की मुख्य मर्ग।

## भाग-च (सामधिक घटनाएं) :

हाल ही के वर्षी में भारत में हुई महत्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी।

सामियक महस्वपूर्ण विश्व घटनाएं ।

महत्वर्णा व्यक्ति—भारतीय और अन्तर्राष्ट्रीय; इनमें सांस्कृतिक कार्यकलायें और खेल-कृद से सम्बन्धित महत्वपूर्ण व्यक्ति भी शामिल ह $^2$ ।

हिष्पणी: इस प्रश्नपत्र के भाग (ख) मों नियत अधिकसम अंकों मों सामान्यत: भाग क, ख, ग, घ, इं तथा च प्रश्नों के कमशः लगभग 25%, 15%, 10%, 20%, 20%, 10% अंक होंगे।

### वृद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण :

उम्मीदिवार की बृनियादी बृद्धि की जांच करने के लिए साक्षा-त्कार के असिरिक्त मीखिक तथा लिखित बृद्धि परीक्षा ली जाएगी । उनके ग्रुप परीक्षण भी किए जाएंगो, जैसे ग्रुप परिचर्चा, ग्रुप योजना, बहिरंग ग्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान दोने के लिए कहा जाएगा । ये सभी परीक्षाण उम्मीदिवारों की भेषाशक्ति की जांच के लिए हैं। मोटे तौर पर ये परीक्षण वास्तव मों न केवल उसके बौद्धिक गृणों की जांच के लिए हैं अपित इनसे उसकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामयिक घटनाओं के प्रति दिलचंस्पी का भी पता चलगा ।

## परिग्निष्ट-2

## राष्ट्रीय रक्षा अकावमी में प्रवेश के लिए उम्मीक्वारों के शारीरिक मानक के मार्गवर्शक संकेत

टिप्पणी : उम्मीदवारों को निर्धारित धारीरिक मानकों के अन्सार बारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है । स्वस्थता संबंधी मानक नीचे दिए हैं ।

बहुत से अर्हाताप्राप्त उम्मीदवार बाद में स्वास्थ्य के आधार पर अस्वीकृत कर विए जाते हैं। अतः उम्मीदवारों को उनके अपने हिंस में सलाह दी जाती है कि वे अन्तिम अवस्था पर निराशा से बचने के लिए आवेदन-पत्र भेजने से पहले अपने स्वास्थ्ये की जांच करा लें।

सेवा षयन बोर्ड द्वारा अनुशंसित उम्मीदवार को मंवा के चिकित्सा अधिकारियों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा करानी होंगी अध्वादमी या प्रशिक्षणशाला में केवल उन्हीं उम्मीदवारों को प्रवंश दिया जाएगा जो चिकित्सा बोर्ड द्वारा, स्वस्थ घोषित कर दिये जाते हैं। चिकित्सा बोर्ड का कार्यवृत्त गोपनीय होता है जिसे किसी को नहीं दिखाया जाएगा। किन्तु अयोग्य/अस्थायी क्य से आयोग घोषित उम्मीदवारों को उनके परिणाम की जानकारों चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष व्यारा दे वी जाएगी तथा उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष व्यारा दे वी जाएगी तथा उम्मीदवारों को जाएगी। उम्मीदवारों के लिए सारणी रूप में दिए गए निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार स्वस्थ होना आवश्यक है।

- (क) उम्मीदवारों का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य ठीक होना चाहिए तथा उन्हें एोमी बीमारी अरुदतता से मुक्त होना चाहिए। जिससे उनके क्रुशलतापूर्वक कार्य करने में बाथा पंड सकती हो।
  - (स) उनमें कमजोर शारीरिक गठन देहिक दोष या वजन की कमी नहीं होनी चाहिए।
  - (ग) कद कम से कम 157.5 थों भी. (नौसेना के लिए 157 से भी. तथा वायू सेना के लिए 162.5 सों. मी.) का हो। गोरखा और भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र के पर्वतीय प्रवेशों गढ़वाल तथा कुमायूं के व्यक्तियों का 5 सों भी. कम कद स्वीकार्य होगा। लक्षद्वीए के उम्मीदवारों के मामले में त्यूनतम कद में 2 सो. मी. की कमी भी स्वीकार्य की जा सकती हो। कद और वजन के मानक नीचे दिए जाते हैं।

कद ग्रीर वजन के मानक

सेंटीमोटरों में कष्ट (भिना जूता)		_	किलोग्राम में वजन			
				1516 वर्ष	। 6−17 वर्ष	17-18 वर्ष
152				41.0	42.5	44. (
155				42.0	43,5	45.3
157	1			43)5	45.0	47.0
160				45.0	46.5	48.0
162				46.5	48,0	50 (
165				48.0	50.0	52.0
167				49.0	51.0	53.0
170				51.0	52.5	55.0
173				52.5	54.5	57.0
175				54.5	56.0	59.0
178				56,0	58.0	61,0
180				58.5	60.0	63.0
183				61,0	62.5	65.0

उपर्युक्त सारणी में दिए गए औसतन वजन से 10 प्रतिशत कम ज्यादा (नीसेना के लिए 6 कि. ग्रा. कम ज्यादा) यजन सामान्य सीमा के अन्दर माना जायेगा। किन्तु भारी हरिड्डयों बाल लंब-माडि व्यक्तियों तथा पतले पर अन्यथा स्वस्थ व्यक्तियों को मामले में गुणवत्ता के आधार पर इसमें कुछ छूट दी जा सकती है।

िष्यणी 1 ं—एसे मामलों में जहां चिकित्सा बोर्ड यह प्रमा-णित कर दोता है कि उम्मीदवार प्रशिक्षण पूरा होने तक बढ़कर अपेक्षित मानक तक हो सकता है कब में 2.5 सें .मी. की छूट वी जा सकती है।

हिष्पणी 1 :-- वायु सेना में पायलट के रूप में विशेष अपेक्षाओं को पूर्ति होतु टांग की लम्बाई, जांघ की लंबाई तथा बैठे हुए लम्बाई की स्वीकार्य माप निम्न प्रकार होगी :---

टिपाणी 2:				
			न्यूननम	श्रधिकतम
टांग की लम्बाई	,		99.00	12.00 सें॰ मी॰
जांघ की लम्बाई	•			64.00 <b>सें</b> ० मी०
बैठै हुए सम्बाद		,	81,50	96 <b>.00 सें</b> ० मी०

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के उम्मीदवार की कम उम्र के कारण 5.0 में मी. तक उन्चाई में 2.5 में. मी. (न्यूनतम) तक टांग की लम्बाई में और 1.0 में. मी. (न्यूनतम) तक बैठ हुंए उन्चाई में गुंजाइस दी जा सकती है बसते कि चिकित्सा बार्ड ने प्रमाणित कर दिया हो कि उम्मीदवार में बढ़ोत्तरी हो सकती है और राष्ट्रीय रक्षा अकादयी में प्रशिक्षण पूरा होने तक यह अपेक्षित स्तर प्राप्त कर सकता है।

- (घ) छाती भली प्रकार विकिक्ति होनी चाहिए तथा पूरा सांस लेने के बाद इसका न्यूनतम फैलाव 5 सें. भी. होना चाहिए। माप इस तरह फीता लगा कर की जाएगी कि इसका निचला किनाग सामने खूचक से लगा रहें और फीत का उपर का भाग पीछे स्कन्ध फलक (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोण (लोवर एन्गिल) को छूते रहना चाहिए। छाती का एक्सर करना जरूरी हैं इस यह जानने के लिए किया जाएगा कि छाती को कोई रोग तो नहीं।
- (छ) शरीर में हिड्डियों और जोडों का कोई रोग नहीं होना चाहिए। उम्मीदयारों की रीढ़ को हड्डी का एक्स-रे नेमी तौर पर नहीं किया जाएगा। किन्तु नैदानिक संकेत मिलने पर सर्जरी विशेषज्ञ की सलाह पर किया जाएगा, एसे जन्मजात दौष गुणवत्ता पर स्वीकार किए जा संकते हैं जिनमें सेना कर्त्तव्यों के निष्पादन में बाधा पड़िंगे की संभावना न ही.

### थाय सेना के लिए मेरुवण्ड की हालत :

- (भ) नीचं लिखा पिछला स्वास्थ्य वृत्त वायु सेना को लिए अयोग्य ठहराने वाला हैं:
  - (1) मेरुवण्ड या तिरछो जोड़ों की एंसी बीमारी चाहो उसके वास्तिवक लक्षण हों या न हों—-जिसकी वजह से उम्मीदवार शारीरिक रूप से सक्रिय जीवन सफलता-पूर्वक न विता सकता हो।
  - (2) प्रोलेप्स अंतरक शेरुक निंग तथा उस अवस्था के निए शल्य चिकित्सा।

(छ)मेरुदण्ड की पूरी नैदानिक जांच की जाती है जिसमें उनकी आकृति, भ्यानिक क्षोमलता, यदि कोई है, मेरुदण्ड को हरकत आदि शामिल है। केवल हवाई कमी के कार्य के वास्ते

उम्मीदवारों के लिए किटिंकिक केवरक का एक्स-र (ए. पी.) तथा पार्थिक करवंता किया जाना है।

- (अ) हलका काईफोसिस या लोडोसिस जहां विरूपता मुस्किल से दिखाई दोती है जहां दर्द की वह हरकत में रुकावट की शिका-यत नहीं है, स्वीकृति में बाधा नहीं बनेगा।
- (क) दिखाई पड़ने वाले स्कोलिओं सिस के या अन्य किसी तरह की असामान्यता या मेरुवण्ड की विरूपता का जो भामूली से अधिक हो—संबोह होने पर मेरुवण्ड का उपयुक्त एक्स-रे लिया जाना है और परीक्षार्थी को विशेषन्न की सलाह होतू प्रस्तुत करना है।
- (अ) एक्स-र परीक्षा के बाद पाई गई निम्नलिखित अवस्थायें वाय सेना में प्रवेश होतु अयोग्यता का कारण मानी जाएंगी :--
  - 1. मेरुदण्ड की ग्रैन्यलोमेंटस बीमारी
  - 2. आर्थराइटिस/स्वान्डिलोसिस
  - कावपद्धति से यथामापित स्कारेलियांसिस जो 15°, से अधिक हो।
  - 4. माम्ली से ज्यादा काइफोसिस/लोडों सिस।
  - 5. स्पेण्डिलासभीससं/स्पेण्डिलिससिस।
  - 6. हरनिएटिड (न्यूक्लिअपलपोसस)।
  - 7. केशरांक का संपीडन विभंग।
  - 8. श्वरमेन की बीमारी।
  - प्रदर्शनीय संत्रकीय या परिसंचारी अभाव के साथ ग्रेय पर्शाका।
  - 10. मेरुदण्ड संबंधी अन्य असामान्यता यदि विशेषज्ञ का एसा मत हो।
- (ट) उम्मीदनार मानसिक विकृति या वरि पड़ने का पिछसा रोगी नहीं होना चाहिए।
- (ठ) उम्मीदवार सामान्य रूप से सून सके। उम्मीदवार को इस योग्य होना चाहिए कि वह शांस कमरे में प्रस्थेक कान से 610 से. मी. की दूरी से जोर की कानाफूसी सुन सके। कर्णनासिका की पिछली या अवकी बीमारी का कोई प्रमाण न हो।

वायु सेवा के लिए श्रब्धतामितिक परीक्षण किये जाएंगे। 250 एव. जैंड. 400 एच. जेंड. के बीच की आर्तियों में श्रव्धतामितिक कमी 10 डॉसिबल से अधिक नहीं हो।

- (ड) हृदय या रक्त वाहिकाओं से संबंध में कोई क्रियात्मक या आंगिक रोग नहीं होना चाहिए। रक्त दाव सामान्य हो।
- (उ) उदरपेशियां सुविकसित हों तथा जिगर या तिल्ली बढ़ी हुई न हो। उदर को आंतरिक अंग को कोई भीमारी होने पर उम्मीदवार अस्वीकृत कर दिया आएगा।
- (ण) यदि किसी उम्मीदियार को हिनिया है और उसकी शल्य चिकित्सा न की गई हो, तो वह उम्मीदियार अनुपयुक्त होगा। यदि हिनिया की शल्य चिकित्सा हो गई हो और वर्तमान परीक्षा से कम से कम एक वर्ष पहले हुई हो और उसका जरूम भी पूरी तरह ठीक हो चुका है।
- (त) हाइक्रोंसिल, बीरकोसिल या पाइल्स का योग नहीं होता चाहिए।

- (थ) मूच की परीक्षा की जाएगी और यदि इसमें कोई अस-मानता भिलती है तो इस पर उम्मीदवार अस्वीकृत हो जाएगा।
- (द) अधाक्तता लाने या आकृति विगाइने वाले चर्म रोग के होने पर उम्मीदवार अस्वीकृत किया आएगा।
- (ब) उम्मीदवार को दूर हिन्द चार्ट में प्रत्येक आंख से एनेक सिहत या एनेक बिना नौसेना के लिए एनेक बिना 6/6, 6/9 और वायू सेना के लिए क्षेत्रल एनेक बिना 6/6 पढ़ने में समर्थ होना चाहिए। मार्योपिया 2.5 डी. तथा हायपरमेटोपिया 3.5 डी. (एस्टिंगमेटिज्म सिहत) से अधिक नहीं होना चाहिए। यह जानने के लिए आंख में कोई रोग तो नहीं है आंख की आंतरिक परीक्षा औपथलमेस्कोप से की जाएगी। उम्मीदवार के बोनों नेत्रों की दिन्द अच्छी होनी चाहिए। वर्ण हिन्द का मानक सी पी. स्थल सेना के लिए सी. पी. ।।। होगा। उम्मीदवार में लाल व हरे रंगों को पहचानने की अमता होनी चाहिए। नौसेना उम्मीदवारों के लिए एम. एल. टी. ब्वारा सी. पी. तथा रात्रि दिन्द की तीक्षणता सामान्य होनी चाहिए तथा उनको इस आशय का प्रमाणपत्र दोना होगा कि उसे या उसके परिवार के किसी सदस्य को जन्मजात रतीं थी आने का रोण नहीं हुआ है।

अपेक्षाकृत अच्छीं आंख में मायोपिया 0.5 डाबोयोस्ट्रेस से बढ़े नहीं और हायपर मट्रोपिया 1.50 डायोप्ट्रेस से अधिक न हो और अपेक्षाकृत खराब आंख में 2.50 डायोप्ट्रेस से अधिक न हो।

द्धिष्ट संबंधी पंशी संतुलन—मेडाक्स रोड़ टोस्ट के साथ हैंट्रो-फोरिया निम्न से अधिक बिल्कुल न हो :---

- (1) 6 मीटर पर—एक्सोफोरिया 8 प्रिज्म डायोप्ट्रेस एसो-फोरिया 8 प्रिज्म डायोप्ट्रेस हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस।
- (2) 33 सें मी पर एक्सोफोरिया 16 प्रिष्म कायोप्ट्रेस एसोफोरिया 6 प्रिष्म हाइपरफोरिया 1 प्रिष्मडायो-प्ट्रेस।

वायु सेना के निम्नलिखित मानदण्ड हाँ :--

मेडीक्स रोड़ टैस्ट के साथ हैटरोफोरिया निम्नलिखित में अधिक हो:---

- (1) 6 मीटर पर एक्सोफोरिया 6 प्रिज्म डायोप्ट्रम एसोफोरिया . 6 प्रिज्म डायोप्ट्रम हाइप/हाइपो-फोरिया 1 प्रिज्म डायोप्ट्रस

पै०

रु०

(3) द्विनेश्वी वृष्यि

श्रमको दिनेती पृष्टि का हीना श्रामवार्य दे (प्यूजन तवा स्वर-योष्सिस) तथा साथ में श्रमका श्रायाम व गहनता

(न) उम्मीदनार के पर्याप्त संस्था में कुषरती व मजबूत दांत होने चाहिए। कम सी कम 14 दांस बिन्दु वाला उम्मीदनार स्थी-कार्य है। जब 32 दांत होते हैं तब कुल 12 दांत होते हैं।

उम्मीदवार को तीव पायरिया का रोग नहीं होना चाहिए।

(प) वायु सेना के उम्मीदवारों के लिए राटीन हैं, सी. जी. तथा हैं. हैं. जी. सामान्य सीमा में होने जरूरी हैं।

## परिशिष्ट-3

## (सेवा आवि का संक्रिप्त विवरण)

- 1. अकादमी में भती होने से पूर्व माता-पिता या संरक्षक को निम्निलिखित प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे। :---
- (क) इस आशय का प्रमाण-पत्र कि वह यह समभता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणामस्वरूप यदि उसे कोई चोट लग आये या उत्पर निर्दिष्ट किसी कारण से या अन्यथा आव- स्यक किसी सिजिकल आपरोशन या संवेदनाहरक दवाओं के परि-णामस्वरूप उसमें कोई शारीरिक अशक्तता आ जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके दैध उत्तराधिकारी को सरकार के विरुद्ध किसी मुआवल या अन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।
- (स) इस आशय का वैध पत्र कि यदि किसी एसे कारण से जो उसके नियंत्रण में समभे जाते हैं उम्मीदवार पाठ्यकम पूरा होने से पहले वापस आना चाहता है या कमीशन अस्वीकार कर दोता है तो उस पर शिक्षा शुल्क, भोजन अस्त्र पर किए गए व्यय सथा दिए गए वेतन और भन्ने की कुल राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करें उसे वापस करनी होगी।
- 2. आयास, पुस्तकों, वचीं, बोर्विंडग और चिकित्सा सहित प्रशिक्षण के खर्च को सरकार वहन करोगी । उम्मीदवार के माता-पिता या संरक्षक से यह आशा की जाती है कि उम्मीदवार का जेब खर्च ये खुद बर्दाश्त करोगे. सामान्यतया **इन खर्चों के 7**5.00 रत्पए से अधिक होने की संभावना नहीं है। यदि किसी कैडेंट के माता-पिताया संरक्षक इस खर्चका पूराया आंशिक रूप में बर्दाक्त करने में असमर्थ हों तो पहले और दूसरे वर्ष के लिए रा. 75.00 तक और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में तीसर वर्ष के प्रशिक्षण के लिए रु. 80.00 और थल सेना/नी/वाय सेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में आगे विशिष्ट के प्रशिक्षण रह. 90.00 तक सरकार द्वारा वित्तीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता-पिता या संरक्षक की मासिक आय रा. 500.00 या इससे अधिक हां वे इससे वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होंगे वित्तीय सहायता की पात्रता निर्धारित करने के लिए अचल सम्पत्तियां और सभी साधनों से होने वाली आय का भी ध्यान रखा जाएगा।

यदि उम्मीदयार के माता-पिता या संरक्षक सरकार से किसी प्रकार विसीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हो तो उन्हें अपने पृत्र संरक्षित के राष्ट्रीय रक्ता अकादमी में प्रशिक्षण के लिए बंतिय रूप से बूने जाने के तुरन्त आद अपने जिली के जिला मिज-

्रिट के फार्यम से एक आवेदन-पत्र देना चाहिए जिसे जिला मिजिस्ट्रेट अपनी अनुषांसा संहिता राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़क-वासला, पुणे (411023) के कमांडेट को अग्रेषित कर देगा।

3. अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने गए, उम्मीदवारों को आने पर कमांडोंट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पास निम्निलिखित राशि जमा करनी होगी :---

	·
(क) प्रतिमास 75.00 ६० के हिसाब से पांच महीने	का
जे <b>य खर्थ</b>	375.00
(ख) वस्स्र तथा उपस्कर की मधों के लिए	650.00
(ग) 1 सेमिस्टर के घौरान प्रासंगिक व्यथ	150.00
nìn	1175 00

उम्मीदवारों को विसीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राणि में से नीचे लिखी राशि वापस कर दी जाएगी :---

εο **α**∙

(क) 75.00 इ० प्रतिमाह के हिसाब से पांच महीने का अ05.00 (ख) बस्तातथा उपस्करों की महों के लिए लगभग 475.00

- 4. राष्ट्रीय रक्षा अकावमी में निस्मलिखित छात्रयृत्तियां उप-सब्ध हुर्व दुन्न
- (1) परक्षराम भाज परक्षर्थम छात्रवृक्तिः :— यह छात्रवृक्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कौडेट को दी जाती है जिनके माता-पिता की आय सभी साधनों से रु. 350.00 तथा रु. 500.00 के बीच हों। छात्रवृक्ति की राशि सरकारी विसीय सहायता के बराबर होगी। जब तक कौडेट राष्ट्रीय रक्षा अका-दमी या अन्य कमीशन पूर्व प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में रहेगा तब तक के लिए वह प्राप्त होगी किन्तू शर्ता यह है कि कै छेट का व्यावहार अच्छा रहे और वह संतोषजनक प्रगति करता रहे और उसके माता-पिता की आय निर्धारित सीमा से कम रहे। जिन कि डिटों को यह छात्रवृक्ति की जाएगी उन्हें सरकार से अन्य वित्तीय सहा-यता नहीं दो जाएगी—
- (2) कर्नल केंडिल प्रेंक भेमोरियल छात्रजृत्ति :- यह छात्र-वृत्ति हैं जो भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्य वित्तीय सहायता के अतिरिक्त होगी।
- (3) कोर सिंह भेमोरियल छात्रवृत्ति :— वो छात्रवृत्तियां उन दो कंडेटों को प्रदान की जाती हैं जिन्हें जिहार के उम्मीदवारों में उच्चतर स्थान प्राप्त हो। प्रत्येक छात्रवृत्ति 37.00 छ प्रति मास की है। सथा अधिकतम चार वर्ष के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला में प्रशिक्षण के दौरान तथा उसके बाद भारतीय सेना अकादमी, दोहरावून तथा वायू सेना फ्लाइंग कालिज तथा नीसेना अकादमी, कोचीन में जहां कंडेट को प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी प्रशिक्षण पूर्ण करने पर भेजा जाएगा, दो जाती रहोगी। छात्रवृत्ति तभी मिलती एहोगी जब कंडेट उपर्यक्त संस्थाओं में अच्छी प्रगति करता रहो।
- (4) असम सरकार छात्रवृत्तियां :——दो छात्रवृत्तियां असम के कडिटों को प्रदान की जाएंगी। प्रत्येक छात्रवृत्ति 30.00 रु. प्रति मास की रहेगी तथा जब तक छात्र राष्ट्रीय रक्षा अंकावसी में रहेगा उसे मिलती रहेगी। छात्रवृत्ति असम के दो सर्वोत्तिम कडिटों को उनके माता-पिता की आय पर ध्याद दिये विदा प्रदान की नाएगी। जिन कडिटों को यह छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

बन्हें सरकार की ओर से अन्य वित्तीय सङ्ख्यता प्रदान नहीं की आएगी।

- (5) उत्तर प्रबंध सरकार छात्रवृत्तियां :— यो छात्रवृत्तियां 30.00 रु. प्रति मास की तथा 400.00 रुपये की पेरिधान वृत्ति उत्तर प्रदेश सरकार के वो कडिटों की योग्यता सथा आय के आधार पर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में संतोषजनक प्रगति करने पर तीन वर्ष के लिए दी जाएगी। जिन कडिटों को तीन छात्रे-वृत्तियां मिलेगी उन्हें अन्य प्रकार की वित्तीय सहायता सरकार से नहीं मिलेगी।
- (6) करेल सरकार छात्रवृत्ति :—पूरे वर्ष के लिए 480 रा. की एक योग्यता छात्रवृत्ति रा. अकादमी में प्रशिक्षण की पूरी अविध के लिए करेल राज्य द्वारा उस कंडेट को वी जाती हैं जो करेल राज्य का अधिवासी निवासी हो बीर जो रा. र. अकादमी होतू अखिल भारतीय सं. लो. सं. बा. प्रत्येक प्रदोश परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर लेता है भले ही उसने वह परीक्षा राष्ट्रीय भारतीय सेना कालिज से या भारत भर में किसी सैनिक स्कूल से उत्तीर्ण की हो। ऐसा करते समय कंडेट के पिता संरक्षक की बाधिक स्थिति पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है।
- (7) बिहारी साल मंबािकनी पुरस्कार:—यह 500.00 रुपये का नकद पुरस्कार सर्वोत्तम अंगाली लड़के को अकादमी से प्रत्येक कोर्स के लिए मिलता है। आवेदान प्रपत्र कमांडेंट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से मिलते हैं।
- (8) उड़ीसा सरकार छात्रधृत्तियां :— तीन छात्रवृत्तियां एक थस सेना, एक नौ सेना तथा एक वायू सेना के कैडेट के लिए प्रत्येक 80.00 रु. प्रति मास के हिसाब से उड़ीसा सरकार द्वारा उन कैडेटों को दी जाएगी जो उड़ीसा राज्य के स्थायी निवासी हैं। इनमें से दो छात्रवृत्तियां कैडेटों की योग्यंता तथा आय साधन के आधार पर दो जाएगी जिनके माता-पिता या अभिभावक की आय रु. 5,000 प्रति वर्ष से अधिक न हो तथा तीसरी छात्रवृत्ति विना उसके माता-पिता या अभिभावक के दिना उसके माता-पिता या अभिभावकों की आय को ध्यान में रखते हुए सर्वोत्तम कैडेट को दी जाएगी।
- (9) पश्चिमी बंगाल सरकार छात्रवृत्तियां :—-निम्निलिसित वर्गों की छात्रवृत्तियां पश्चिमी बंगाल सरकार द्वारा उन कैंडोटों को दी जाएंगी जो पश्चिमी बंगाल के स्थायी निवासी हैं:——
- (क) वर्ग 1:— ये छात्रवृत्तियां— (थलं सेना, नौ सेना तथा वायू सेना के लिए एक-एक) 360.00 रुपये प्रति वर्ष पहले और दूसरे वर्ष के लिए और अकादमी के सीसरे वर्ष के लिए तथा विषोध प्रशिक्षण संख्या में चौथे वर्ष के लिए 480.00 रु. तथा इसके अतिरिक्त 400.00 रुपए परिधान वृत्ति। यह उन कैंडेटों को वी जाएगी जो अकादमी में कोई छात्रवृत्ति पाने के पात्र नहीं हैं।
- (क) वर्ण 2: ---तीन छात्रवृत्तियां 100 रुपए प्रति वर्ष एक मृक्त सरकारी वित्तीय सहायता के अतिरिक्त दी आएंगी।
- (10) पाइलट अफसर गुरमीत सिंह बेबी मेमोरियल छात्र-पृत्तिः— ए. 420 प्रतिमास की एक छात्रवृत्ति एसे कैडेट को दी जाती है जो वायु सेना कैडेटों के चौथे सत्र के अंस में योग्यता में सर्वीत्तम होगा। यह एक वर्ष की अवधि के लिए होंगी। पांचवें और छठे सत्र के दौरान यह छात्रवृत्ति बंद कर दी जाएगी। यदि प्राप्तकर्ता रेलीगड कर दिया गया हो या इसके प्राप्त करने की अवधि में छोड़कर चला गया हो। जो कैडेट इस प्रकार की पहले से ही कोई योग्यता छात्रवृत्ति या वित्तीय सहायता के एहा है, उसे छात्रवृत्ति नहीं दी आएगी।

- (11) हिमाचल प्रवेश सरकार छात्रधृत्तियां :--हिमाचल प्रवेश के कंडटों को चार छात्रवृत्तियां प्रदान की जाएंगी। प्रशिक्षण के प्रथम दो वर्षों के लिए छात्रवृत्तियां 30.00 रुपए प्रतिमास सथा प्रशिक्षण के तीसर वर्ष के लिए 40.00 रुपए प्रतिमास मिलेगी। यह छात्रवृत्ति उन कंडिटों को मिलेगी जिनके माता-पिता की मासिक आयं 500.00 रुपए प्रति मास से कम होगी। जो कंडिट सरकार से वित्तीय सहायता ले रहा हो उसे छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी।
- (12) तिमलनाड सरकार की खात्रवृत्ति :—तिमलनाड सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रति कार्म ए. 30 प्रति मास की एक छात्रवृत्ति तथा साथ में रु. 400 सज्जा भत्ता (कडिट के प्रशिक्षण की पूरी अवधि के वौरान केवल एक बार) दोना शुरू किया है जो उस कडिट को विया पाएगा जो तिमलनाड राज्य का हो तथा जिसके अभिभावक संरक्षक की मासिक आय रु. 500 से अधिक न हो पात्र कडिट अपना आवेदन कमांडिट राष्ट्रीय अकादमी वहां पहुंचने पर प्रस्तुत कर सकते हैं।
- (13) क्रांटिक सरकार की छात्रवृश्तियां :—कर्नाटक सरकार ने प्रति वर्ष 18 (अठारह) छात्रवृत्तियां—9 जनवरी, से शुरू होने वाले कोसों के लिए और 9 जुलाई से शुरू होने वाले कोसों के लिए कर्नाटक राज्य के उन कडिटों को दी है जो सैनिक स्कृत, बीजापुर या राष्ट्रीय इण्डियन मिलिट्री कालेज, दहरादन में अपनी शिक्षा पूरी करके राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में आते है। इन छात्रवृत्तियों की राश्चि 480.00 रुपए प्रति वर्ष है।
- रः 480.00 प्रति वर्ष की बार (4) और छात्रयृक्तियां (दो प्रतिकास) कर्नाटक राज्य के उन छात्रों को दी गई है जो सैनिक स्करूल, बीजापुर या राष्ट्रीय इण्डियन मिलिट्री कालेज, दोहरादान के अलावा अन्य संस्थानों पर अपनी शिक्षा पूरी करके राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में आते हैं।
- (14) एलबर्ड एक्का छात्रमृत्ति:—-बिहार सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकावमी में रह. 50/- प्रति मास की 25 योग्यता छात्र-वृत्तियां राष्ट्रीय रक्षा अकावमी में छ: समयाविधयों के पूरे समय के वास्ते एक बार और रह. 650/- वस्त्र तथा उपस्कर के वास्ते दोना शुरू किया है। जिस कैंडेट को उपयुक्त योग्यता छात्रवृत्ति मिलती है यह सरकार से कोई अन्य छात्रवृत्ति या विस्तीय सहायता का पात्र नहीं होगा। पात्र कैंडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में आने पर कमेंडेट को आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

इन छात्रवृत्तिया की शते राष्ट्रीय रक्षा नकादमी, अङ्कवासला, पृणे (411023) से प्राप्त की जा सकती हैं।

- 5. नुने हुए उम्मीदवार के अकादमी में आने के बाद तत्काल उनके लिए निम्नलिखित विषयों में एक प्रारम्भिक परीक्षा होगी।
  - (क) अंग्रेजी
  - ं(ख) गणित
  - (ग) विज्ञान
  - (घ) हिन्दी
- (कं), (ख) तथा (ग) के लिए परीक्षा का स्तर, भारतीय विश्व-विद्यालय या हायर संकेण्डरी शिक्षा बोर्ड की हायर संकेण्डरी परीक्षा के स्तर से उन्चा नहीं होगा। (घ) पर लिखित विषय की परीक्षा में यह जांचा आयेगा कि उम्मीदवार को अकादमी में भर्ती होने के समय हिन्दी का कितना ज्ञान है। अतः उम्मीद-वारों को सलाह दी जाती है कि प्रतियोगिता परीक्षा के उपरान्त कथ्यमन के लिए उदासीन न हो आएं।

## प्रशिक्षण :

- 6. तीनों सेनाओं अर्थात थल सेना, नौ सेना और वायू सेना को लिए चूने गए उम्मीदवारों को तीन वर्ष के लिए चौंक्षिक तथा धारीरिक दोनों प्रकार का प्रारम्भिक प्रशिक्षण राष्ट्रीय रक्षा अकावमी में दिया जाता है जो एक सर्व सेना संस्था है। पहले ढाई वर्ष का प्रशिक्षण तीनों सेनाओं के लिए समान है। सफल होने पर कौडेटों को जयाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा वी. एस. सी. /वी. ए डिग्री प्रदान को जाएगी।
- 7. राष्ट्रीय रक्षा अकावमी में पास होने के बाद थल सेना कडिट भारतीय सेना अकावमी, बहेरादून, में नौ सेना कडिट/कडिटों के प्रशिक्षण पात में और बायू सेना कडिट, हूं.एफ.एस. बिदार जायेंगे।
- 8. भारतीय सेना अकादमी में सेना करैडों को 'जेन्टलमेंन कर्डडेट' कहा जाता है और उन्हें एक वर्ष तक कड़ा प्रशिक्षण दिया जाता है। ताकि वे इन्फोंट्री के उप यूनिटों का नेतृत्व करने योग्य अफसर बन सर्कों। प्रशिक्षण संफलता से पूरा करने के बाद जेंटलमेन कर्डडेटों को उनके होप SHAPE शारीरिक दिया योग्य होने पर सेकेण्ड लेंपिटनेन्ट के पद पर स्थायी कमीशन दिया जाता है।
- 9. नीसेना कौडोटों के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने पर उन्हें नीसेना का कार्यपालक इन्जीनियरों, बिजली और शाखाओं के लिए खना जाता हैं; उन्हें छः महीने के लिए कौडोट प्रशिक्षण पात पर समुद्री प्रशिक्षण दिया जाता है। जिसे सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें मिछशिपमैन रॉक में पदोन्नत किया जाता है। सम्बद्ध शाखा में 6 महीने तक आगे प्रशिक्षण पाने के बाद उन्हें कार्यकारी तथा लेफिटनेन्ट के रॉक में पदोन्नत किया जाता है।
- 10. यायु सेना कडिटों को हवाई उड़ान का डेढ़ वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है। तथापि उन्हें एक वर्ष का प्रशिक्षण पूरा होने पर अनित्तम रूप से पायलट अफसर के रूप में कमीशन प्रवान किया जाता है। उसके बाद छः महीने का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें एक वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर स्थायी रूप से कमीशन अफसर के रूप में समाहृत कर विया जाता है।

### सेवाकी कर्ते

## 11. थल सेना अधिकारी

### (1) घेतन

₹ <sup>4</sup> क	वेतनमान रुपए
सैकिण्ड लेपिटनेन्ट	750-790
लैफ्टिनेन्ट	830-950
कैप्टन	1100-1550
मेजर	1450-1800
में र (चयन ग्रेड)	1800-50-1900
लैंफ्टिनेन्ट कर्नल (चयन द्वारा)	1750-1950
र्लीफ्टनेन्ट कर्नल (चयन ग्रेष्ठ वेसन)	2000-50-2100
लॅफ्टिनेन्ट कर्नल (समय बेसनमान)	1900 नियत
कर्न ल	1950-2175

रीक	वैतन मान रुपए
ब्गिंडियर	2200-2400
मेजर जनरल	2500-120/2-2750
ल <b>िफट</b> नेन्ट जनरल	3000 प्रतिमास
लैिपटनेन्ट जनरल (सेना कमांडर)	3250 प्रतिमास

## (2) योग्यता चेतन और अनुवान :

लैंफ्टिनेन्ट कर्नल और उसके नीचे के रैंक के क्रुष्ठ निर्धारित योग्येता रखने वाले अधिकारी अपनी योग्यताओं के आधार पर रु. 1600/-, रु. 2400/-, रु. 4500/- अथवा रु. 6000/- के एक मृक्त अनुवान के हकवार है। उड़ान प्रशिक्षक (वर्ग 'ख') रु. 70/- वर पर योग्यता वेतन अधिकारी होंगे।

## (3) भरते :

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को इस समग्र निम्नेलिकित भत्ते मिलते हैं :----

- (क) सिविलियन राजपित्रत अफसरों पर समय-समये पर लागू दरों और शतों के अनुसार ही इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महंगाई भत्ते विये जाते हैं।
- (ब) रु. 75/- प्रतिमास की दर में किट अनुरक्षण भत्ता।
- (ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रवास भत्ता मिलेगा। यह विदोश भत्ते की तवनुरूपी एकल घर का 25 प्रति-शत से 46 प्रतिशत तक होगा।
- (ण) वियुक्ति भत्ता : जहां विषाहित अफसरों को ए'से स्थानों पर तैनात किया जाता है जहां परिवार सहित नहीं रहा जा सकता है तब अफसर 140 रा. प्रतिम्मास दर से वियुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।
- (ङ) सज्जा भत्ता : प्रारम्भिक सज्जा भत्ता रह. 2100 प्रथम कमीशन की तारील से 1800/- की दर से प्रत्येक सात वर्ष के बाद एक नए सज्ज के दावे का भूगतान किया जा सकता है।
- (भ) भल सेना में बिगोडियर स्तर तक मुफ्त राशने विया जाता है।

## 4 तंनाती :

थल सेना अफसर भारत में या विद्येश में कहीं भी तीनात किए जा सकते हैं।

## 5. पर्वास्तियां

### (क) स्थायी पदान्नित

उच्चतर रौंकों पर स्थायी पदोन्तित के लिए निम्निलिखित सेवा सीमाएं  $\hat{\mathbf{e}}^{T}$ :—

(।) समय वेतनमान स	न्यूनतम सेवा सीमा
नॅफ्टिनेन्ट	2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कौप्टन	6 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर	13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मंजर से लेफिटनेन्ट कर्नल यंदि चयम	
द्वारा पद्योन्नित न हुई हो	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेना

(।।) चयन त्वारः	न्यूनतम सेवा सीमा
लेफिटनेन्ट कर्नल	16 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
<b>क</b> र्नल	20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
बिगोडियर	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जगरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लॅफ्टिनेन्ट कर्नल	28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
जनरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं

भारत का राजपंज, नजम्बर 15.

## (ख) कार्यकारी पदान्नित

निम्नलिंखित न्यगतम सेवा सीमायें पूरी करने पर अफसर, उच्चतर रौकों पर कार्यकारी प**वान्नित के लिए पास होंगे बरातें कि** रिक्सियां उपलब्ध हों।

<del></del>	
कप्टेन	3 वर्ष
मेजर	6 <b>वर्ष</b>
लेपिटनेन्ट कर्नल	6-1/2 वर्ष
<b>कर्न</b> ल	8-1/2 वर्ष
बिगोडियर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
लॅफ्टोन्ट जनरल	25 वर्ष

### भौसेना अफसरः

### (1) वेतन

रैक	वेतनमान शामान्य सेना	नौसेना विमानन भौर पनवृत्वी
	₹٥	<b>₹</b> o
<b>मिड</b> शिपमैन	560	500
कायकारी सबलेपिटनेन्ट्र	750	825
सब नेपिटनेन्ट	830-870	910-950
लेफ्टिनेन्ट	1100-1450	1200-1550
लेपिटनेन्ट कर्मांडर	1450-1800	1450-1800
शिपिटनेन्ट कमां⊛र (अयनग्रेड)	1800-1900	1800-1900
<b>भ</b> मांसर	1750-1950	1750-1950
कमांडर (समय वेतनमान)	1900 (नियत)	1900 (नियत्त)
कमांडर (चयनग्रेंड)	2000-2100	2000-2100
भैप्टन	,	19502400 ही येतन मिलता
		कैप्टन के रूप में
	• .	ा के भनुसार
	हकदार है।	
रिगर एडमिरल	2500-125/2-	2750
<b>नाइस</b> एडमिरल	३००० प्रतिमास	
वाइस एडमिरल (बी० सी० एन० 3250 प्रतिमास।	∙ एस०/एफ० म्रो०	मी॰ एन सी॰)

## योग्यता गेरून/अनुदान भी निम्नलिखित को ग्राह्य हैं:---

का्छ निर्धारित योग्गताएं **रसने वाले कर्मांडर और उसके नीचे** को रौक के अफरूर अपनी योग्यताों को आधार पर 1600/- रह., 2400/- रु., 2500/- रु. या 6000/- रु. के एक मुस्त

अनुवान के हकदार ही। पलाइंग इन्स्पेक्टर नेवीगेटर श्रंणी क और ल कमश: 100 रुपए और 70 रुपए प्रतिमास के अर्ज़क बेतन के हकदार।

## (2) भत्ते :

- (क) प्रतिपूरक (नगर) भता, महंगाई भता और अंतरिम सहायता उसी दर और उन्हीं घर्ती पर ग्राह्य है जो समय-समय पर सिविलियन राजपत्रित अधिकारी पर लागु है।
- (क) िकट अनुरक्षण भत्ता 75 रु. प्रतिमास की दर पर।
- (ग) जब भारत से बाहर समुद्र तट पर या कुछ दोशांतरीय और अक्षांशीय सीमाओं के पार जहाज पर हों तो निर्वासन भत्ता। दर्र रौक के अनुसार 50 रूपये प्रन् मा. से लेकर 250 रुपए प्रति मास तक अलग-अलग
- (घ) जहाज पर सेवारत विवाहित अधिकारियों की उनके जहाज के मूल बंदरगाह से दूर होने की अविधि के दौरान 140 रुपए प्र. मा की दर पर वियुक्ति भत्ता।
- (इ) पहली बार कमीशन मिलने पर 2400/- रुपए परि-सज्जा भत्ता और प्रभावी सेवा के प्रत्येक सात वर्ष के बाद 2100/- रुपये नेवीकरण परिसञ्जा भत्ता।
- (क) नीसेना कर्माडीर स्तर तक मुफ्त राशन विवा जाता है।
- (छ) वार्षिक अवकाश जो नहीं लिया गया उसका नकद भगतान निवर्तन आयु पर अधिकतम 180 दिनों का 30 दिन प्रीप्त वर्ष की दर से किया जाएगा।

नौ सेना विमानन अधिकारी मासिक दर पर उड़ान बेतन के हकदार तथा तदनुरूपी रैकों को लागू शती के अधीन वायु सेना अधिकारियों एवं इंजीनियरी अधिकारियों तथा वैद्युत शाखाओं के लिए रा. 675/- से लेकर रा. 250/- तक प्रति माह तकनीकी वेतेन प्राप्त करने के हकवार है।

उपर्यक्त के अतिरिक्त ना सेना अधिकारी कुछ विशेष रियायती कें भी हकवार हैं जो उसके साथ लगी वर्ते पूरी कर दोने पर दी जाएंगी जैसे हार्डलाइंग मनी, सबमेराईन एलाउन्स, सबमेराईन पे, हाइविंग पे और सर्वे बाउण्टी।

### (3) पद्योन्गीत

## (क) मूल पदान्नीस

उच्चक्षर रैंकों पर कार्यकारी पदानितियों के लिए निम्नलिखित संधा सीमाएं है :--

समय वैतनमान द्वारा सब लेपिटनेस्ट 🌂	1 वर्ष
नेफ्टिनेन्ट	2 वर्ष (वरिष्ठता लाभ घावर्ती के प्रधीन)
नेपिटनेन्ट कमांडर	लेपिटनेन्ट के रूप में झाठ वर्ष की वरिष्ठता.
क्रमांडर	24 धर्षकी कमीणन प्रायह खेवा (यदि चयन द्वारा वदोचित नहीं हुई है)

घयन द्वारा	
कर्माडर कार्य पालक णाखा	श्रीफिटनेस्ट कमोडर के रूप मे
	2-8 वर्षं की वरिष्ठता श्रीफ्टनेन्ट कमांडर के रूप मे
कमोडर इंजीनियर शास्त्रा	लापटनन्ट कमाइर क रूप म 2—10 वर्ष की वरिष्ठता
कमांडर विद्युत णाखा	कमडिन्ट बमांडर के रूप में
	2—10 वर्ष की बरिष्ठता
कैप्टन	कर्माडर के रूप में । वर्ष की वरिष्ठता.
रियर एडभिरल	कोई प्रतिबन्ध नही
वाइस एडमिरल	कोई प्रतिबन्ध गर्ही

## (ब) कार्यकारी पदान्नित

लैफिटनेन्ट कमांडर के रौक को छोड़कर जिसके लिए किसी अफसर को लैंफ्टिनेन्ट के रूप में 6 वर्ष की वरिष्ठता होनी चाहिए नौसेना की कार्यकारी पदान्निति के लिए कोई संबा सीमा नहीं है।

## 13 वायु सेना अफसर:

## (।) वंतन

रक

•	रुपये
	र्उपय
पाइलट अफसर	825-865
फ्लाइंग अफसर	910-1030
फ्लाइंगं लेपिटनेन्ट	1300-1550
स्क्षाड्न लीडर	1650-1800
विंग कमांडर (चयन)	1750-1950
विंग कमांडर (समय तेतनमान	1950 नियत
ग्र्प कर्प्टन	1950-2175
एयर कमांडर	2200-2400
एयर बाइस मार्शल	2500-2750
एयर मार्थल	3000
एयर सार्शन (बी. सी. ए. एस. और ए. ओ.	
एमः सी. इन सी.)	3250
एयर चीफ मार्शल (सी. ए. एस.)	4000

### (11) भने

(क) उडान वेतन :---उडान शाला के अधिकारी (पाइलट तथा नेविगंटर) निम्निलिखिस दर पर उड़ान बेतन पाने के पात्र हैं :----

रुं. प्र. मा.

वेननमान

पाइलेंट अफसर से विंग कमांडर तक	750.00
ग्रुप कप्टिन से एयर कोमोर्डीर तक	666 - 00
एयर वाइस मार्शन तथा इससे ऊपर	$600 \cdot 00$

(स) उडान शास्त्र के कुछ निर्धारित योग्यता रसने कले अधिकारी निम्नलिखित दर पर योग्यंता वेतन अन्दान के पात्र ह**ੇ** :−−

रु. प्र. मा. योग्यता वेतन 100/-अथवा 70/- योग्यता अनुवान

6000/-

अथवा 4500/-

2400/-

अथवा 1600/-

- (ग) किट अनुरक्षण भत्ता 75/- रुपयं प्रतिमान की दर पर मिलता है।
- ू (घ) निवर्तन भत्ता :——िकसी दोश में जहां वायुसेना अधि-कारियों के लिए दूप के अंग के रूप में जाना अपेक्षित हो, सेवा कर रहे एकल तृतीय, सचिव/दिवतीय सचिव/प्रथम सचिव/ काउन्सलर को ग्राह्म विदेश भन्ते का 25% से लंकर 40% तक (धारित रीक के अनमार)।
- (ङ) वियुक्ति भत्ता :--एयर बाइस मार्शल और इससे ऊपर के रैंक वाले जिन विवाहित अधिकारियां की तैनाती उन युनिटों/ फार्मशनों में की जाती है जो भारत सरकार दवारा इस प्रयोजन के लिए अपारिवारिक रूप में अधिसचित स्टंशनों /क्षेत्रों में स्थित हैं जहां परिवार को साथ ले जाने की अनुमति नहीं है वहां पर नियुक्त होने पर उन्हें 140 रु. प्रति मास वियुक्ति भना मिलेगा।
- (च) परिसण्जा भत्ता :--अधिकारी को जो वर्दी/उपस्कर अपने पास रखने पड़ते हैं उनकी लागत के लिए श्रास्ट में 2100/- रुपए (समय-समय पर यथा आशोधित) और हर सात वर्ष के बाद उनके नवीकरण के वास्ते 1800/- रुपए।
- (छ) वायुमोना में एयर कमाडोर स्तर तक मुफ्त राशन दिया जाता है।

### (3) पद्योग्नितियाँ :

## (क) मूल पद्योन्ति सः

उच्चतर राँकों पर मूल पदान्तिति के लिए निम्नेलिखित रोबा सीमाएं हो :--

समय वैतनमान द्वारा

पलाइंग श्रफसर	1 वर्ष की कमीणन प्राप्त सेया
फ्लाइंग श्रफसर	5 वर्ष की कमीणन प्राप्त सेवा
स्क्यापृन लीडर	1। वर्ष की कमीणन प्राप्त सेवा
विंग कमांडर	यदि चयन हारा पदोन्निति न हई हो तो 21 वर्षे की कमीणन प्राप्त मेत्रा पूरी कर ली हो
चयन हारा	
विग कर्माटर	ात्र वर्ष की कुल कमीणन प्राप्त नैवा गिनी जाएगी
ग्प कैप्टन	22 वर्ष कुल कमीणन प्राप्त सेवा भिनी जाएगी

2.4 वर्ष कुल कमीणन प्राप्त मेवा एयर क्षमांडर

गिनी जाएगी

26 वर्ष कुल कमीणन प्राप्त सेवा एयर वार्डस मार्शल

भिनी जाएगी

20-326 GI/86

प्यर मार्शल	28 वर्ष कृत कर्माणन प्राप्त सेवा गिनी जाएगी*	एयर बाइस माणल	≀ऽ वर्ष (यिंग कमांडर, भु <i>प</i> कैंग्टन ग्रीर एयर कमोक्षेर के	
(6) कार्यकारी पदोन्न[तः श्रफसरों की कार्यकारी पव प्रकार है:	ोन्नति के लिए अपेक्षित न्यृततम सेवा सीमा इस	एयर भार्णल	रैकों में 5 वर्ष*की सेवा के बाद). 2.3 वर्ष	
नैपलाइग पिटनेन्ट	2 বৰ্ষ			
स्क्वाष्ट्रन शीडर	<b>5 वर्ष</b>	ंखंडित अविधियों को शामिल करके। 14 - सेवा निवृत्ति लाभ पंच्यन, उपदान और ग्रेच्यूटी अवार्ड समय-समय पर लागू नियमों		
विंग कमोडर	6 वर्ष (स्वाहुन लीडर के रैंक में एक वर्षकी सेवा के बाद)			
एयर कोमोडोर	11−1/2 वर्ष (विगकमांदर ग्रीर ग्रुप कैंस्टन के रूप में 3 वर्ष की सेवा के बाद)	के अनुसार स्वीकार्य होंग 15. छट्टी समय-समय पर लाग	'। नियमों के अनुसार छुटुटी स्थीकार होगी।	

MINISTRY OF PERSONNEL AND TRAINING, ADMINISTRATIVE REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

## (DEPARTMENT OF PERSL. AND TRAINING)

### CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110003, the 20th October 1986

No. B.5/69-AD-V.— The President is pleased to appoint Shir B. Y. Raju, Deputy Legal Advisor, Central Bureau of Investigation as Additional Legal Advisor in C.B.I. with effect from 13-10-86 (AN), and till further orders.

No. A-20023/1/76-AD.V.—The services of Shii Krishan Kumar. Public Prosecutor/Central Bureau of Investigation. Special Police Establishment, Jammu Unit are placed at the disposul of Jammu & Kashmir State Police with effect from the afternoon of 8th Sept., 1986, on repatriation.

D. P. BHALLA.
Administrative Officer (E),
CBI

## CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 21st October 1986

No. 2/18/85-Admn.—The Central Vigilance Commissionel hereby appoints Shfi S. K. Mittal, Assistant Engineer (Civil) of the Central Public Works Department, as Assistant Technical Examiner (Civil) in the Commission in an officiating capacity on deputation basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 with Special Pay of Rs. 150/- per month with effect from Ist October, 1986 (FN), until further orders.

MANOHAR LAL.
Under Secretary (Admn.)
for Central Vigilance Commissioner.

### New Delhi, the 22nd October 1986

No. 1/2/85-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Kanwal Nain, a permanent Assistant of this Commission, as Section Officer in this Commission on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-1/B-75-3200-100-3500 with effect from the forenoon of 22-9-1986 for period of three months or until further orders whichever—is earlier.

MANOHAR I Al., Under Seey. (Admn.) Central Vigilance Commission

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## BUREAU OF POLICE RESEARCH AND DEVELOPMENT

New Delhi-110003, the 23rd October 1986

No. 18/11/86-Adm.H.—Shri O. U. Cherian, Dy. Superintendent of the CFPB. Calcutta is appointed as Deputy Superintendent of Police (Instructor) on Deputation in the Central Detective Training School, Chandigarh with effect from the afternoon on 28th July, 1986, for a period of one year in the first instruction.

No. 18/12/86-Adm.11.—Sh. S. N. Banerjee, an Inspector of the CFPB, Calcutto, is appointed as Deputy Superintendent of Police (Instructor) on deputation in the Central Detective Training School, Calcutta with effect from the forenoon of 14th July, 1986 for a period of one year in the first instance.

## DIRECTORATE GENERAL GENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 23rd October 1986

No. F-28017/10/84-Pers.II-1685.—Consequent on his refirement from Govt, service on attaining the age of superannuation, Shri R. Janakiraman relinquished charge of the post of Assistant Commandant, CISF Group Headquarters Madra, in the afternoon of 30th September, 1986.

D. M. MISRA, Director General/CISF.

## MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION LABOUR DI PARTMENT

### HIABOUR BURFAU)

Shimla-171004, the 7th November 1986

No. 5/1 86-CP1.— The All India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960.=100 increased by four points to reach 676 (Six hundred seventy six) for the month of September, 1986. Converted to Base: 1949... 100 the index for the month of September, 1986 works out to 822 (Fight hundred twenty two).

BALRAM, Dy, Ditector Labour Bureau

### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) KERALA

Trivandrum, the 6th October 1986

No. A&E/OE(E&C)/IV/10-3/85/86.—The following official of this Office retired on superannuation from the afternoon of 30-9-1986.

Shri N. S. Nilakuntan Nair, Accounts Officer,

(\$d/-) 1LI EGIBLE. Accountant General.

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I, MAHARASHTRA

Bombay-20, the 23rd October 1986

No. Adm. 1/Audit/Genl/AO/AAO[1(1)]3.—The following Officers of the Office of the Accountant General (Audit)-1-Maharashtra, retired from Covernment Service on Superannuation with effect from 30-9-1986 (AN),:—

- (1) Shri S. Y. Bhide-Andit Officer
- (2) Shri R B. Padukone-Audit Officer,
- (3) Shri R. N. Mulbagal-Audit Officer.
- (4) Shri R. P. Patil, Assistant Audit Officer,

No. Admir I/Audit/GenI/AO/I(1) 4.—The Accommunt General (Audit)-I. Mahurashtra, Bombay is pleased to appoint the following Assistant Audit Officers to officiale as Audit Officers with effect from the dates mentioned against their names, until further orders :-

Sr. No., Name and Date of appointment

us A.O.

- 1. Shri R. P. Deoras 19-9-86 (FN).
- 2. Shri P. G. Joshi 1-9-86 (FN).
- 3 Shri G. M. Matode 18-9-86 (FN),
- 4. Shri S, S. Vaidya 15-9-86 (FN).

SMT. H. SUBHALAKSHMI NARAYANAN Sr. Dy. Accountant General/(Admu).

### MINISTRY OF DEFENCE

## INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

## ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 14th October 1986

No. 68/G/86.—Consequent on the transfer of stage/interstage inspection responsibilities from DGI to DGOF w.e.f. 15-10-84 the President is pleased to appoint the undermentioned transferee DGI Officers in the rank of JSOs/SOs in Ordnance Factories:—

### JSOs-ENGINEER

- 01, Shii J. M. Dhawan.
- 02. Shri B. R. Sharma.
- 03. Shti S. V. Srivastava.
- 04. Shri Prem Saran.
- 05. Shri V. Sankaran.
- 06. Shri M. V. Thomas.
- 07. Shri S. K. Tandon.
- 08, Shri Virender Singh. 09, Shri P. K. Dwivedi.
- 10. Shri K. L. Saha,
- 1), Shri Lal Chand.
- 12. Shri Murari Lal.

### **CHEMIST**

- 01, Shri M. Subramaniam,
- 02. Shri J. Y. Zingode.
- 03. Shri R. N. Botre.
- 04. Shri M. K. Kamble.
- 05. Shri V. Prabhakar.
- 06. Shri T. V. Mani,
- 07. Shri G. R. Joshi.
- 08. Shri S. N. Athawadey.
- 09. Shri V. T. Ingle,
- 10. Shri P. D. Shende.
- 11. Shri K. Sukumaran.
- 12. Shri B. D. Ramugade.
- 13. Shri R. P. Rai.

### MEJALLURGIST

- 01. Shri D. K. Dutta.
- 02. Shri K. D. Swami,
- S.Os. NON-TECH.
  - 01. Shri V. U. Jadhav.
  - 02. Shri G. S. Rekhi.

M. A. ALAHAN, Jt, Director/G.

### MINISTRY OF COMMERCE

## OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 23rd October 1986

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (FSTABLISHMENT)

No. 1/17/86-Admn.(G)/5095.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Sood, I.A.S. (HP:71) as Joint Chief Controller of Imports and Exports, (Central Licensing Area), New Delhi, on pay as for the Director to the Government of India with effect from the forenoon of the 13th October, 1986, until further orders.

R. L. MISHRA, Chief Controller of Imports & Exports,

## DIRECTORATE GENERAL OF COMMERCIAL INTELLIGENCE AND STATISTICS

Calcutto-700 001, the 2nd June 1986

No. Fstt.1/J(1)85.—In continuation of this Directorate Notification No. Estt.1/1(1)/85/5837 dated 20-11-85, Shri Kumud Ranjan Biswas, permanent Superintendent, Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics, Calcutta, is allowed to continue in the post of Machine Tabulution, Officer, on adhoc basis for a further period of three months (3 months) with effect from 15-5-1986.

The terms and conditions of the appointment will temain

S. R. SENGUPTA, Senior Deputy Director General

#### MINISTRY OF TEXTILES

### OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bonibay-400 020, the 22nd October 1986

No. 2(3) /EST.I/86/4435.—Shri K. H. Bhatia, Regular Assistant Director, Gr.II(NT) who was officiating as Gr. I (NT) on ad-hoc basis in the Regional Office of the Textile Commissioner, Ahmedabad retired voluntarily from service from the afternoon of 5-5-1986.

ARUN KUMAR, Textile Commissioner.

### MINISTRY OF INDUSTRY

## DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

### (SMALL SCALF INDUSTRIES)

New Delhi, the 2nd September 1986

No. A-19018(120)/73-Admn.(G)—The President is pleased to accept the resignation of Shri V. K. Hassan, Asstt. Director (Gr.I)(Electronics). Small Industries Service Institute, Trichur from Government service with effect from the afternoon of 18-12-1984.

R. R. FOUZDAR. Dy. Director (Admn.).

### New Delhi, the 15th October 1986

No. A-19018(761)/84-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Amitava Bhowmick us Assistant Industrial Designer, at Small Industries Service Institute. New Delhi with effect from the forenoon of 12th Sept. 86 until further orders.

### The 20th October 1986

No. 12(430)/64-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri T. N. Basu, Deputy Director (Metallurgy), Regional Testing Centre, New Delhi as Director (Gr. 11) (Metallurgy) on ad-hoe basis at Small Industries Service Institute, Nagpur with effect from the forenoon of 19-9-1986 until further orders,

### The 21st October 1986

No. A-19018(778)/85-Admn.(G).—Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shn R. K. Sarkar, as Asstt. Editor (English) at the office of the Development Commissioner (Small Scale Industry), New Delhi with effect from the forenoon of 7.10.1986 until further orders.

C. C. ROY Dy. Director (Admn.)

# MINISTRY OF STEEL & MINES DEPARTMENT OF STEEL IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 14th October 1986

No. EJ-2(1)/85(1).—The undersigned hereby appoints Shii Sushil Kumar Dev, Superintendent, to officiate in the post of Asst. Iron & Steel Controller in the office with effect from 1-10-1986 (1981) on ad-hoc basis against leave vacancy of Shii E. P. Najayanan, Assistant Iron & Steel Controller.

D. K. GHOSH Iron & Steel Controler

### (KHAN VIBHAG)

### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 16th October 1986

No. 6856B/A-19011(1-EVRP)/86-19A.—Ehrt E. V. R. P. Parthasarathi, Geologist (Sr.), Geological Survey of India relinquished charge of the post of Geologist (Sr.) in the GSI on the afternoon of 30th July, 1986 for joining the post of Scientist Engineer SE in the scale of pay of Rs. 1500—2000/- in the Department of Space, Government of India on deputation for a period of two years initially on the normal terms and conditions of deputation.

No. 6867B, A-1912 (2-RKM)/85-19B,—Shri Rama Kant Misra, is appointed by the Director General Geological Survey of India as Assistant Geophysicist in the G.S.I. in the minimum of the scale of Pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the afternoon of 28.4.1986, until further orders.

No. 6878B/A-1912(3-CR)/85-19B.—Snit. Chandrima Ray has been appointed to the post of Assistant Chemist in the Geoogical Survey of India by the Director General, GSI, on minimum of the scale of pay of Rs. 650—30—740 -35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 28-8-86, until further orders.

### The 20th October 1986

No. 6901B/A-19012(2-JVRR)/85-19B,—Shri Jammi Ven kata Rama Roa, is appointed by the Director General, Geological Survey of India as Assistant Geophysicist in the G.S.I. on pay according to rules in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-1-B-40-1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of 22-7-86, until further orders.

No. 6912B A-19012(1 MRB)/83-19A.—Shri M. R. Bhuti-yani, Assistant Geoogist, Geological Survey of India relinquished charge of the post of Assistant Geologist in the Geological Survey of India on resignation with effect from the afternoon of 15-12-84 (AN).

A. KUSHARI Director (Personnel)

## DIRECTORATE GENERAL: DOORDARSHAN

New Delhi-110001, the 6th October 1986

Ng. 6/63/86 S.II — Consequent on his transfer from All India Radio, Dibrugath on promotion. Director General, Doordarshan is pleased to appoint Shri Mahadev Sarmah as Administrative Officer at Doordarshan Kendia, Guwahati with effect from 29-8-1986 (FN).

B. S. SANDHU Dy. Director of Administration for Director General

### DIRECTOATE GENERAL; ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 23rd October 1986

No. 18 4/80-SIV(B) — Consequent upon his promotion Shri P. R. Subramaniam, Senior Engineering Assistant has assumed charge of the post of Assistant Engineer at Upgrah Doordarshan Kendia, Cuttack on 1-9-1986 (FN).

B. S. JAIN Dy. Director of Administration (E) for Director General

## MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING PUBLICATIONS DIVISION

New Delhi, the 19th September 1986

No. A-12025/2 84-Admn.1.—On behalf of the President of India, Director, Publications Divisions is pleased to appoint Shri Jagdish Prasad as Assistant Business Manager on Temporary basis in the Scale of Rs. 650—1200 ex-cadre, Group 'B' (Gazetted) post w.e.f. 17.9.1986 (A.N.), until further conters the

He will be on probation for a period of two years wef 17-9-86 (A.N.).

L. S. RENGARAJAN Dy. Director (Admn.)

## BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 18th September 1986

### ORDER

No. Ref. 7(50)/86, Vig/1749,—WHFREAS it was alleged that:

"Shri C. T. George, Upper Division Clerk, Personnel Division, BARC white working as UDC in Publication Office, Department of Atomic Energy and who was granted leave from November 25, 1985 to April 23, 1986, is overstaying the said leave unauthorisedly with effect from April 24, 1986 onwards.

By his aforesaid conduct, the said Shii George is showing lack of devotion to duty and is behaving in a manner unbecoming of a Government servant thereby contravening the provisions of sub-rule (1)(ii) and (1) (iii) of Rule 3 of the Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964.".

AND WHEREAS the said Shri George was informed of the charge and of the action proposed to be taken against him under Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965, vide memorandum No. 7(50), 86/Vig/1331 dated August 5, 1986.

AND WHEREAS the envelopes containing the said memoriandum sent to the last known addresses by Registered A.D. post of the said Shri George have been received back undelivered,

AND WHEREAS the said Shri George has failed to keep this office informed of his whereabouts,

AND WHIRFAS the said Shri George continues to remain absent from duty without keeping this office informed of his whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided under Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965.

NOW, THEREFORF, the undersigned in exercise of the powers conferred under clause (b) of sub-rule (2) of Rule

and the second s

12 of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965, read with Department of Atomic Energy's Order No. 22(1)/68-Adm.H dated July 7, 1979, and Rule 19(ii) of the said rules, hereby dismisses the said Shri George from service with immediate effect.

Shri George is informed that an appeal against the above order lies with Controller, BARC, the Appellate Authority. The appeal, if any, should be submitted to the Appellate Authority within forty-five days from the date of receipt of this order.

T. J. ASWANI Head, Personnel Divn

### Copy to:

- Shri C. T. George C/o C. V. Johny Chardai House, (P.O. Kottenellur, Trighur District, Kerala State-680672.
- Shri C. T. George, 2845, Sector H. Type I, CCS Quarters, Antop Hill, Koliwada. Bombay-400037.
- Publication Officer, DAF, Anushakti Bhayan, Bombay-39.
- 4. Accounts Officer (S-IV) (CC No. NG 102, 872).
- 5. C.R. Dossier,
- 6. APO, Statistics Section
- 7. Dy. Fstt. Officer (CGS).

The order is effective from The date of issue.

Bombay-400 085, the 231d October 1986

No. D/1938 Med Estt. 1/3993.—Dr. Goudar Diwakar, relinquished charge of the post of Resident Medical Officer (FTA) on 11-8-1986 (AN) consequent on resignation.

K. VENKATAKRISHNAN Dy. Establishment Officer

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 9th October 1986

No. A. 32013/1 86-ES(E1).—The President is pleased to appoint Shri Harihar Prasad, Senior Airworthness Officer, to the grade of Deputy Director Controller of Airworthness on an ad hoc basis, in the Civil Aviation Department at Madras Airport, Madras, for a period of 3 months w.e.f. 30-7-86 (F.N.).

M. BHATTACHARII F Deputy Director of Administration

## DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Deshi, the 17th October 1986

No. 50.86.—Shri G. R. Dev. lately posted as Appraise in the Office of the Deputy Collector of Customs (Imports) Ourgaon Road, New Delhi on his promotion as Assistant Director side Ministry of Finance, Department of Revenue's Coder No. 155/86 dated 17-9-86 issued vide 1º No. Assistant Director in the Director General of Inspection, Customs & Central Pagise, New Delhi with effect from 19-9-86 (FN).

N. K. BAJPAI Director General of Inspection

#### CENTRAL WATER AND POWER RESEARCH STATION

Pune-411 024, the 23rd September 1986

No. 614/20, 86-Adm.—On the recommendations of the Union Public Service Commission. New Polhi, the Director, Central Water and Power Research Station. Khadakwasha, Pune-411/024, hereby appoints on deputation, for three years. Shri Dhondiram Narayan Jagade, Legal Assistant, Central Water and Power Research Station, Pune, as Administrative Officer in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—1:B—35-880—40—1000—FB—40—1200—with effect from the forenoon of 12th September, 1986

His deputation will be governed by the terms of Ministry of Finance (Department of Expenditure)'s O.M. No. 10-(24) F-III/70 dated 4th May, 1961 as amended from time to time.

Senior Administrative Officer, for Director

### MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS

## (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Resnet International Private Limited

New Delhi, the 13th October 1986

No. 11931/28794.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies. Act. 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Rasneh International Private Limited, unloss cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

T. P. SHAMI Asstt. Registrar of Companies. Delhj & Haryana

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMPUTAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1986

Ref. No. AC-12/Acqn R-IV/Cul./86-87.-- Whereas, I, I, K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No.—situated at Jalpaiguri (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on Feb. 1986

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parthes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) the fitting the reduction or evanor of the habitry of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any united of theory (thus the transfer) and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (1) The Gopalpur Tea Co. 1td.—Gopalpur House Japaiguri.
- (2) Tandoo Tea Co. Pvt. Ltd.—204B, A. J. Chandra Bose Road, Cal-16.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land: Birendra Chandra Tea Estate, Jalpaiguri, Address: S.R. Office Maynaguri, Dt. Jalpaiguri.

Deed No : 7-3090 of 1986

I. K. GAYEN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-IV, Calcutta.

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-10-1986

real :

#### FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-IV. CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1986

Ref. No. AG-11/Acqn.R-IV/Cal/86-87.—Whereas, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 135, situated at Girish Ghosh Road, Howrah,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at D.S.R. Howrah on 27-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sarat Chandra Sur—Janakalyan Charitable Trust 163, A.J. Chandra Bose Road, Calcutta.
- (2) Shree Bajrangbali Market Association—135/13, Girish Ghosh Road, Belur, Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land: 49B-6K-Och-6 sft, fully constructed long ago except passages.

Address: 135, Girish Ghish Road, & 11/2, Guha Road, Howenh.

Deed No.: I-1379 of 1986.

I. K. GAYEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-IV, Calcutta.

Date: 7-10-1986

#### FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 13th October 1986

Ref. No. G.I.R. No. V-95/Acq.—Whereas, I. MRS. SAROJNI LAL being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Double Storeyed H. No. 23/19 & 23/19/1, situated at

1-Gokhle Marg, Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on February 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Ofteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 19?2 (11 of 1922) or the said Act, or the wealtn-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--- 21-326GI/86

(1) Mrs. Savita Kumar.

(Transferor)

S/Shri

(2) I. (i) Vincet Kumar Agarwal (Minor) (ii) Rajesh Kumar Agarwal (Minor) (iii) Vishal Kumar Agarwal (Minor)

 Manoj Kumar Agarwal
 Anand Agarwal through Father & Natural Guardian
Shri Jagdish Prasad Agarwal.

5. M/s. Ambrish Builders (Pvt.) Ltd.
5. M/s. Food Imp Agencies (Pyt.) Ltd.
6. Sh. Suraj Prasad Agarwal.
7. M/s. J. P. Holdings & Leasing (Pvt.) Ltd.
8. M/s. R. K. Properties (Pvt.) Ltd.
9. Mrs. Savita Kumar
10. Mrs. Garri Pari, Spiral Communication

Mrs. Savita Ruma)
 Mrs. Gauri Rani Srivastava
 A. K. G. Consultants (Pvt.) 1 td. (through Director Dr. (Smt.) Namita Gupta
 S. Harcharan Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined inChapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Double storeyed house Municipal Corporation No. 23/19 & 23/19/1, situated at 1-Gokhley Marg, Lucknow having covered area 1000 sq. ft, alongwith land measuring 61040 sq. ft. (as mentioned in 37G Form).

> MRS. SAROJNI LAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Dated: 13-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 13th October 1986

Ref. No. G.I.R. No. G-94/Acq.—Whereas, I, MRS. SAROJNI LAL

oeing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Khasra Nos. 264/4, 290, 291/1 & 318/6

situated at Jiyumau, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on February 1986

for an arparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insurument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the mirposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Mahesh Kumar S/o Sh. Nihal through Attorney Sh. Nihal & Sh. Bhola S/o Sh. Puran, R/o Mauza-Jiamau, Lucknow,

(Transferor)

 Geet Vihar Sehkari Avas Samiti, Ltd., C-171, Sector-C, Mahunagar, Lucknow.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Khasra Nos. 264/4, 290, 291/1, 318/6 measuring 9 Bigha 14 Biswa 9 Biswansi situated at Jia mau, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

MRS. SAROJNI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-10-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### (1) M. M. Sanghavi 41. Jupiter Aptt. Anstey Road, Bombay-400 026.

(Transferor)

(2) Vikki Zips a Partnership firm, 27, Gogha Street, Fort, Bombay.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 9th October 1986

Ref. No. P.R. No. 4736 Acq 23/II/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 51 ut Amali-Distt. Silvasa.

(and more fully described in the Schedule priezed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Silvasa

on 25-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

The document was regd. at S.R. Silvasa vide No. 159 dated 25-9-1986.

> B, R. KAUSHJK. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II hmedabad.

Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforeaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following per-

sons, namely :--

Date: 9-10-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M. M. Sanghavi. 27, Gogha Street, Bombay.

(Transferor)

(2) Eusy Zip Enterprise Pvt. Ltd. 27, Gogha Street, Bombay.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 9th October 1986

Ref. No. P.R. No. Acq. 23/4737/I1/86-87.—Whereas I. B. R. KAUSHIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 52 at Amali. Silwasa,

and/or

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Silvasa on 24-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evaden of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957): Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The document was registered at S.R. Silwasa vide No. 158/24-9-86

B. R. KAUSHIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-10-1986

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Madhusudhan M. Sanghavi, H1, Jupiter Apt., Anstey Road, Bombay-400 026.

(Transferor)

(2) Sumon Industries, 27, Gogha St. Fort, Bombay-400 001.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 9th October 1986

Ref.No. P.R. No. 4738 Acq 23-II/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK,

being the Competent Authority under Section 269B of "the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Land and Building (Shed) at village Amali,

Dist, Silwasa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Silvasa on 24-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

to by any of the oforesaid persons within a period

Objections, it any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(4) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

The document was registered at S.R. Silwasa vide No. 157 dated 24-9-86.

B. R. KAUSHIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the uses of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-10-1986

### FORM TINS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-(AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Babulal Keshavlul & Others, Budasan. Tal, Kadi.

(Transferor)

 Haygive Textiles Industries Pvt. Ltd.,
 Haygive Silk Mills Pvt. Ltd.,
 D. Prasad Chambers, Opera House, Bombay-400 004.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 9th October 1986

Ref. No. P.R. No. 4739 Acq. 23-II/86-87.—Whereas, I. B. R. KAUSHIK,

being the Computers Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to coneve that the immovable property having a taux market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece of land bearing S. No. 181/1, 179, 181/2, 182 and 183, 202, 204, 205 and 206 of the village Budasan ni Kadi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Kadi on 22-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (\*) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovatle property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Two sale deed were registered in the office of the S.R. Kadi on 22-9-86 bearing Reg. No. 1980 and 1981.

B. R. KAUSHIK. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 9-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## •

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 13th October 1980

Ref. No. C.R. No. 62/DR/1510/85-86/37EE|ACQ|B.—Whereas, I, J. K. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and situated at Adsulim, Benaulim, Cana. Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Registering Officer at B'lore on 10-2-86

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mara Emelina Da Forseea Silvu, Borda, Margao, Goa.

(Transferor)

(2) M/s. Sapana Real Estate, Varde Valautieur Read, Margao—Geu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. Date "Adsulim—um—Quarto" Adsulim, Binaulim, Goa.

J. K. RAO, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 13-10-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### Sri Vishnum Babuti Kanat Ghanekar & others Daulat Bldg, Santa Incz, Panaji, Goa.

(Transferor)

(2) M/s Chowgute Industries Ltd., Chowgule House, Mormagao Harbur.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangulore, the 13th October 1986

Ref. No. C.R. No. 62/1167/85-86/ACQ/B.—Whereas, 1, J. K. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

situated at Santa Incz, Panaji, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Registering Officer at B'lore

on 12-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trunsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the call Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 78/221 Dated 11-2-1986.]

Property situated at Santa Inez, Panaji, Goa.

J. K. RAO.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-10-86,

Seal;

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269b(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th October 1986

Ref. No. C.R. No. 62/1403/37EE/85-86/ACQ|B.—

Whereas I, J. K. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

situated at Aforsa de Albuqueraque Road, Panaji (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 3-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;---

(1) Dommic Issae, La Marvel Colony, Dona Paula, Ilhas.

(Transferor)

25389

(2) Ronald David, Excelsior Chambers, Aeliodoro Salgado Road, Panaji, Ilhas.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1055/85-86 dated 3-2-1986). Aforsa de Albuquerque Road, Panaji.

> J. K. RAO Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 13-10-1986

Scal:

22-326G1/86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th October 1986

Ref. No. C.R. No. 62/DR 1439/85-86/37EE/ACQ|B.— Whereas I, J. K. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property bearing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.—situated at Bairo Altodos Pilotos Panaji City (Goa) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 7-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the rarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Tome Santana F. Fernandes, Smt. Ludomila G. E. Fernandes C/o, Mrs. A. Fernandes, House No. 319, Lake View Colony, Miramas, Panaji, Goa.

(Transferor)

(2) M/s. Shrij Builders, B-15 Neugi Nagar, Pua de our, Panaji, Goa-403 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Agt, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1089/85-86 Dated 7-2-1986]. 'Bairo Alto dos Pilotos Panaji City, Gen.'

> J. K. RAO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Jagdeep Chowgule Karta of Jagdeep Chowgule Vasco-da-gama

(Transferor)

(2) Alcon Constructions (Goa) (Pvt.) Ltd. Velho Bldg. Panaji, Goa-403 001.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th October 1986

Ref. No. DR1474,37EE 85-86/ACQ/B.—Whereas, J. K. RAO.

being the Competent Authority under Section 269B of the 'ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at

'Dando', Vasco-da-gama, Goa,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tansferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

Bangalore on 3-2-1986

for an a parent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(Registered Document No. 1123/85-86 dated 3-2-86). 'Dando', Vasco-da-gama Goa.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlth-La Act, 1957 (27 of 1957);

J. K. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-10-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/(4-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VI/SR-I/2-86/484.--Whereas J, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 42-A on Road No. 78 in Class 'A' Punjabi Bagh,

Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in February, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforevaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Kartar Singh S/o Late Shri Sant Singh, R/o H-67, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Chander Goenka (HUF) 95-M. G. Road Calcutta-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 42-A, on Road No. 78, in Class 'A' to Yds, out of total measuring 2072.22 Sq. Yds. situated in the Residential Colony known as Punjabi Bagh area of Villago Bassai Darapur, Delhi State, Delhi (Free Hold).

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-VI Delhi/New Delhi

Date: 14-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.VL/SR-J/2-86/485.--Whereas, 1, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing
No. 42-A on Road No. 78 in Class 'A' Punjabi Bagh,
Vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi
situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in February, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income enoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the rforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followma persons, namely :-

(1) Shri Amarjit Singh S/o Late S. Sant Singh R/o XI-67, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt, Kesar Devi
 W/o Late Shri Gopi Ram
 181, Shivaji Gali Hissar (Haryana).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 42-A, on Road No. 78, in Class A to the extent of undivided 1/4th share measuring 518 5-1.2 Sq. Yds., out of total mg. 2072.22 Sq. yds., situated in the residential Colony known as Punjabi Bagh area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

> S. C. GUPTA Competent Juthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Delhi/New Delhi

Date: 14-10-1986

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-V1/SR.1/2-86/486.—Whereas, I, S. C. GUPTA,

S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 42-A on Roal No. /8 in Class 'A' Punjabi Bagh, Vill Bassai Darapur Delhi State, Delhi situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed herefo), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delbi in February, 1986 for an apparent consideration which is 'ess than the fatr

for an apparent consideration which is less than the fatt market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :-

- (a) to allitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indiar Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I beteby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Hari Singh, S/o Late S. Sant Singh R/o H-67, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ved Parkash Goel and Others HUF, 95-M.G. Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 42-3. Road No. 78, in Class 'A' to the extent of 1/4th share measuring 518.5-1/2 Sq. Yds. out of total measuring 2072.22 Sq. Yds. situated in the Residential Colony Punjabi Bagh, area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Delhi/New Delhi

Date: 14-10-1986

#### FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-IV/SR-I/2-86/497.—Whereas, I,

S. C. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the said Act ), have reason to believe that the infinova-property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 42-A on Road No. 78 in Class 'A' Punjabi Bagh, Vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in February, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Balbir Singh S/o Late S. Sant Singh R/o H-67, Rajouri Gardon, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Hanuman Dass Aggarwal S/o Late Shri Ram Karan Dass R/o Lajpat Nagar Hissar (Haryana).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Plot No. 42-A, on Road No. 78, in Class 'A' to the extent of undivided ½th share, measuring 518,5 ½ sq. Yds, out of total measuring 2072.22 Sq. Yds., situated in the residential colony known as Punjabi Bagh, area of Village Eassai Darapur, Delhi State, Delhi (Free Hold),

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TALL ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.VI/SR-J/2-86/492.---Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding 1.00,000/- and bearing Property No. 2 situated at Shankaracharya Marg. Civil Lines, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registrating Officer at New Delhi in February, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Ajay Kumar Szo Shri Shyam Behari Lal and Shri Mohit Kumar S/o Shri Ajay Kumar R o 2 Shankaracharya Marg, Civil Lines, Delhi

(Transferor)

(2) Shri Dina Nath Anand S/o Shri Ram Chand Anand for himself and father and Natural Guardian his Minor Son Shri Sameer Anand and Darshan Lal Anand S/o Shri Ram Chand Anand F-108 Ashok Vihar, Phase-I, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of Property No. 2, Shankaracharya Marg, Civil Lines, Delhi.

> S. C. GUPTA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Delhi/New Delhi

Date: 14-10-1986

Scal:

#### FORM I.T.N.S.~

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VI/SR.II/2-86/160 —Whereas, I, S. C. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

H. No. 12 on Road No. 63, situated at Punjabi Bagh, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in February, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Charanjit Singh, R/o 12/63, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dev Kishan Khosla, R/o 13/19. Punjabi Bagh Extn., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/31.1 share of House No. 12 on Road No. 63, Punjabi Bagh, Delhi.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely:

23-326GI/86

Date: 14-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.VI/SR-II/2-86/161.—Whereas, I,

S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. 12 on Road No. 63, situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the edject of—

- (a) facilitating the reduction or overion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferen for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Charanjit Singh, R/o 12/63, Punjabi Bagh, New Delhi.

New Delhi.

(2) Shri Kamal Iit Khosla, R/o 13/19, Punjabi Bagh Extn.,

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

### THE SCHEDULE

1/3rd share of House No. 12 on Road No. 63, Punjabi Bagh, Delhi.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Delhi/New Delhi

Date: 14-10-1986

Scal:

#### PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Shri Charanjit Singh, R/o 12/63, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Nawal Kishore Khosla, R/o 13/19. Punjabi Bagh Extn., New Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VI/SR-II/2-86/162.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269AB of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. 12 on Road No. 63, situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in February, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

1/3rd share of House No. 12 on Road No. 63, Punjabi Bagh, Delhi.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-VI
> Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-10-1986

(1) H. L. Mahajan, R/o H-10, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jugal Batra, R/o R-41, Model Town, Sonipat (Haryana).

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1986

Ref. No. IAC/AcqVI/SR.II/2-86/189.—Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. 36 on Road No. 55, situated at Class 'C' Punjabi

Bagh, Delhi

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in February 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wearn-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULL

Property No. 36, on Road No. 55, Class 'C' Punjabi Bagh, New Dolhi.

> S. C. GUPTA Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-10-1986

#### PORM PINS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 14th October 1986

Ref. No. 1AC/Acq.VI/SR.III/2-86/190.—Whereas, I, S. C. GUPTA,

S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'and Act'), have reason to believe that the immersable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 5/9, (Mpl. No. 10515/XVI) Khasra No. 1628/1147, situated at W.E.A, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers end for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Gopal Chandra Banerjee, S/o Late Shri Charu Chandra Banerjee, R/o. D-306, Nirman Vihar, Delhi and Shri Robindra Nath Banerjee, S/o Late Shri Charu Chandra Banerjee, R/o. EC-16, Flat No. 4, Inderpuri Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. P. K. Hotels (P) Ltd., through its Director, S/Shri S. L. Pahwa, S/o Late Shri Sher Singh Pahwa, R/o. A-8, Greater Kailash Enclave-II, New Delhi and Rakesh Khurana, S/o Shri Manohar Lal Khurana, R/o 4/6, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 5/9, (Mpl. No. 10515/XVI) Khasra No. 1628/1147, measuring 256.2 sq. yds. situated at W.E.A., Karol Bagh, New Delhi.

> S. C. GUPTA
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.VI/SR.III/191.—Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing H-353 situated at New Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February 1986

for an apparent consideration which is less-than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pusposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Krishan Lal Manocha,

- 2. Kasturi Lal Manocha,
- Mohan I al Manocha,
- 4. Ramesh Chander Manocha,

5. Smt. Santosh Rani and 6. Smt. Sita Rani Saluja,

sons and daughters of Shri (Late Munshi Ram Manocha, R/o. 26/9, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Vcena Rishi, W/o Shri P. P. Rishi, R/o D-137, New Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date et the publication of this notice īд the Official Gazetto.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing No. H-353, New Rajinder Nagar, New Delhi, measuring 200 sq. yds.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-10-1986

#### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Leprosy Mission Trust India, 16, Pandit Pant Marg, CNI Bhawan, New Delhi.

#### (Transferor)

#### (2) Mrs. Manju Dumra, Trustee of SDF Trust.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTON RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/2-86/2683.—Whereas, I, R, P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 407 Area 930. Sq. Ft. in Sheetla House, situated at
73-74 Nehru Place, New Delhi
(and more fully described in the Schedule approach hereta)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 269AB of 1.T. Act 1961 in the

Office of the Registering Officer at I. T. Act. 1961 IAC Range-I, New Delhi in Feb., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

anafer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, has respect of any income arising from the transfer; and/or

# (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

#### THE SCHEDULE

Flat No. 407 admeasuring 930. 53 Sq. ft. in Sheetla House, 73-74 Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISTON RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 4th September 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/2-86/2689.—Whereas, I, R, P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 401, Arca 776.55 Sq. ft. in Sheetla House, situated at 73-74 Nehru Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the 269AB of J. T. Act 1961 in

the Office of the Registering Officer at I. T. Act 1961 IAC Range-1, New Delhi in Feb., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating he reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Leprosy Mission Trust India, 16, Pandit Pant Marg, CNI Bhawan, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mrs. Manju Dumra, as common Trustee of SDF Trust and TDF Trust.

(Transferee')

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 401, measuring 776.55 Sq. ft. in Sheetla House, 73-74 Nehru Place, New Delbi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge-I, Delhi/New Delhi

Date: 4-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Leprosy Mission Trust India, 16, Pandit Pant Marg, CNI Bhawan, New Delhi.

(2) Mrs. Manju Dumra, Trustee of TDF Trust. (Transferor)

(Transferec)

#### GOVÉRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTON RANGE-I AGGARWAL HOUSE: 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/2-86/2690.—Whereas 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat Nos. 405 & 406 Area 1143.26 Sq. ft. situated at Sheetla House, 73-74 Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the 269AB of I. T. Act 1961 in the

Office of the Registering Officer at I. T. Act 1961 IAC Range-I, New Delhi in Feb., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

### THE SCHEDULE

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat Nos. 405 & 406 having the total covered area 1143.26 Sq. ft, in Sheetla House, 73-74 Nehru Place, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-24--326GI/86

Date: 4-9-1986

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Temple Leasing & Finance Ltd., Kilokari, 1 Ring Road, Opp. Kalindi Colony, New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/2-86/2700.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1213 at 38 Nehru Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 269AB of I. T. Act 1961 in

nas been transferred under the 269AB of I. T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at I. T. Act 1961 IAC Range I New Delhi in Feb., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1213 at 38 Nehru Place, New Delhi. Area 610 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, threefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under arb-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

#### SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1986

Ref. No. IAC/Acq.-1/37EE/2-86/2782.--Whereas, I, R. P. RAJFSH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to beleve that the immovable propert having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 501, Siddharth, 96 Nehru Place situated at New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 269AB of I. T. Act 1961 in

the Office of the Registering Officer at I. T. Act 1961 IAC Range 1 New Delhi in Feb., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and J have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conscalment of any income uny moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Inconve-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesleh-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laure of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persors, namely :-

(1) Pcter Satwant Singh and Mrs. Kaur, Sarparveen "Want" Orchards, village Moron P.O. Dyalpur, Distt. Jullunder. (Transferor)

(2) Sanjay Malik, Rohal Malik, Rohit Malik, Sandeep Sethi, Sanjay Sethi, Kushel Sethi, 305, Thapar Nagar, Meerut.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 501, Siddharth, 96, Nehru Place, New Delhi. Area 901 Sq. fts.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Aggarwal House
> 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 4-9-1986

#### FORM I.T.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1951)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mr. P. K. Ghosh, 20 Lawyers Chembers, Supreme Court, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Pal & Paul Builders Ltd., 70, Regal Building, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DFLHI

New Delhi, the 4th September 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/2-86/2783.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. A-3, Niti Bagh, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 269AB of I. T. Act 1961 in

the Office of the Registering Officer at JAC Range I, New Delhi in Feb., 1986

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the faiar market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than bifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION :--- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not seen or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Plot No. A-3, Niti Bagh, New Delbi. Measuring 853.33 Sq. yards.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely :-

Date: 4-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (41 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/2-86/461.—Whereas, I, V. K. MANGOTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. M-78 situated at Greater Kailash-II

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Delhi in Feb. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Aarohi Apartments Pvt. Ltd. E-207, Greater Kailsoh-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shashi Savia Family Trust, through its Trustee Smt. Palluvi Shashikant Savla, r/o D:850, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Entire basement and front portion of ground floor of property No. M-78 measuring 501 sq. yds. Greater Kailash-II New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Dated: 13-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/2-86/454.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Property No. F/558

situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in February 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Mohan Lal Sawhney and Miss Poonam Sawhney through father and natural guardian Shri Mohan Lal Sawhney r/o E-29, Rajori Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) M s Yellow Hut Proportions, I td. through its Director Smt. Simren Multani w/o. Shri Pradeep Multani, H-36, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons with na period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. E, 558, Greater Kailash-II New Delhi measuring 550 sq. vds.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC Acq.VII/SR-III/2-86/466.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. House No. F-13, situated at Defence Colony, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi in February, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)i

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) or section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s Grindlay Electricals India, 3/4, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) G. R. Nayyar (HUF) E-13, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the seld Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. E-13, Defence Colony, New Delhi area 867 sq. vds.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Date: 13-10-1986

Seal ;

#### (1) Smt. Mobinder Kaur, C-21, Malcha Marg, New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

\_\_\_\_\_\_\_

#### (2) M/s Mafatlal Industries Ltd.. Asarwa Road, Ahmedabad,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/2-86/468.--Whereas, I. V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000ffl- and bearing
No. Plot No. 65, Block No. 48, situated at Diplomatic

Enclave, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Delhi in February 1986, Delhi in February 1700, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the said Act or the Wealth-tax (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot No. 65, Block No. 48, Diplomatic Enclave. New Delhi known as 15-Rajdoot Marg, New Delhi.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely;

Date: 13-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/2-86/440.—Whereas, J. V. K. MANGOTRA.

V. K. MANGOIKA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. S/533, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. Uttam Kumar Shroff, son of Sh. Ram Rattan Shroff, r/o. \$-533, Greater Kailash-II. New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Amarjit Singh, through Attorney Sh. Sardul Singh Sahni, s/o Late Sardar Harbans Singh Sahni, r/o. 40/3A Double storey, Ashok Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit in Mezanine floor in 'A' portion of property No. S/ 533. Greater Kailash-II New Delhi.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— 25—326GI/86

Date: 13-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF IMPIA

(1) M/s Aarohi Apartment 'P' Ltd., through its Director—Shri Ashok Jain, son of Shri J. P. Jain, resident of E-207, Greater Kailash-II New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Parvez Bakshi son of late Sh. Bakshi Abdul Majid, resident of Shrma House, Sanwar Bagh, Srinagar, Kashmir.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/SR-III/2-86/433.—Whereas I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100 000/- and hearing

property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. M-78, Greater Kallash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registraion Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in February 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transforum.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The first floor, front side residential dwelling unit measuring 1800 sf. ft. in property No. M-78, Greater Kailash-II, New Delhi including the car parking with exclusive use on the right side in between the two pillars on the ground floor and one servant quarter marked as No. 3 on the terrace facing drive way with W.C. and bath as common with other servant quarters w/o fittings and fixtures with 1/2 undivided share of open front terrace on the top, alongwith 18 per cent undivided share of ownership rights on the land underneath.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-10-1986

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/2-86/455.—Whereas, I.

Ref. No. IAC. Acq. VII/SR-III/2-86/455.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. M-78, Ground floor (near portion) situated at Greater Kailash-II, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in he Office Delhi in February 1986,

Delhi in February 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): (1) Ms Aarohi Apartments 'P' Ltd. through its Director Sh. Ashok Jain, 130 12-207, Greater Kailash-II, New Delhi. (Transferor)

(2) It. Col. C. S. Singh and Mrs, Raminder Shah Singh r/o C.506, Som Vihar Apartments, Sangam Marg, R.K. Puram New Delhi

(Transferes)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Rear Portion of Ground floor of property No. M-78, Greater Kuilash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-10-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.ViI/SR-III/2-88/434.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

v. R. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. S-147.

No. Plot No. 5-147, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in February 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Kewal Krishan Sharma, s/o Ram Pratap Sharma, A-1/125, Sarderjang Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s D. S. Builders through its partner Shri Jasvinder Singh A-2/140, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. S-147, measuring 298, sq. yds. Greater Kailash-II New Delhi.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in purposition of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-10-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Mr. Virender Sharma, S/o Shri D. N. Sharma, D-14A/18, Model Town, Delhi.

(2) Gaurav Properties Pvt. Ltd., 28, Motia Khan, New Delhi. (Transferor)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/2-86/450,—Whereas, I,

V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Plot No. 115 Block No. W.
situated at Greater Kailash, II, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi in February 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noites in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Plot No. 115, Block No. W (known as W-115, Greater Kailash, II, New Delhi Area measuring 836 sq. mtrs.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, amely :-

Date: 13-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Shila Vati Kapur w/o Sh. Prem Parkash Kapur r/o Swami Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Parkash Kumari w/o Raghbir Dass R/o M-126, Greater Kailash-I, New Delhi and Chander Mohan s/o Shri Raghbir Dass r/o B-22, Kailash Apartments, Lala Lajpat Rai Marg, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-III/2-86/446.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Property No. M-64, situated at Greater Kailash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in February 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the state of the property as aforesaid the state of the property as aforesaid to the property and the property as aforesaid to the property and the property as aforesaid to the property as a foresaid to the property and the property and the property and the property and the property as aforesaid to the property and the property and the property and the property and the property as aforesaid to the property and the property and the property and the property and the property as aforesaid to the property and the property and the property as aforesaid to the property and the property and the property as aforesaid to the property and the property and the property as aforesaid to the property as a foresaid to th said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property No. M-64, measuring 510 sq. yds. 2 1/2 storeyed house, Greater Kailash-I New Delhi.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-10-1986

#### FORM TINE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAI, HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III|2-86|437.--Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. M-63,

situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under he Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi in February 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent countdensation and that the consideration for such transfet as awreed to between the parties has not been truly stated in the unif instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) familiating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tree Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 249C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Maniect Kour w/o Shri Pritam Singh r/o 1-2-33/1, Gangamahal Road, Hyderabad (AP) presently at M-185, Greater Kailash-II New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Sahil Builder. through partner Shri V. K. Narang, r/o E-266, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. M-63. Greater Kailash-Il New Delhi.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Date: 13-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Anil Kumar Sehgal s/o M. R. Sehgal and Smt. Swarana Sehgal w/o M.R. Sehgal r/o D-289, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sandeep Jhaveri s/o Bippinchandra S. Jhaveri and Smt. Rajul Jhaveri w/o Shri Sandeep Jhaveri r/o M-47, Greater Kailash-I, New Delhi

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/2-986/438.--Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 1,00,000/- and bearing No. M-95, situated at Greater Kailash-II,

and/or

New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in February 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration in therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days and the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Ground floor of property No. M-95, measuring 324 sq. yds. Greater Kailash-II New Delhi.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII,

AGGARWAI, HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/ACQ VII/SR-III/2-86/457,---Whereas I. V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property No. M-95, situated at Greater Kailash-II, New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in February 1986

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incorporate Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act.; the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—26—326G1/86

 Sh. Anil Kumar Sehgal s/o M. R. Sehgal.
 Smt. Swarna Sehgal w/o Sh. M. R. Sehgal r, o D-289, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

1. Smt. Puspa Awasthi w.o. Sh. Ravi Avasthi
 2. Sh. Ravi Awasthi s/o Sh. B. S. Awasthi r/o
 Govind Park, Balrampur Distt. Gonda (U.P.)
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Finting Soon Second Floor in property No. M-95 Greater Kailash Part-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-VII
New Delhi

Date: 13-10-1986

Seal ;

(1) Shri Anil Kumar s/o M. R. Sehgal and Smt. Swarna Sehgal w.o M. R. Sehgal, r/o D-289, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Sumant Sethi s/o Madan Gopal Sethi and Smt. Rohini Sehi, w/o Sumant Sethi, r/o R-2/79 Raj Nagar, Ghaziabad (U.P.) through attorney Kanwal Krishan Khosla. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/ACQVII/SR-III/2-86|458.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Inconfe-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value. property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property No. M-85, situated at Greater Kailash-II, New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Delh in February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of buplication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

First floor and mazzanine floor of property No. M-95. Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A \* I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely:---

Date: 13-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

IAC/ACQVII/SR-III/2-86/439.--Whereas I, Ref. No.

Ref. No. IAC/ACQVII, SR-III/2-86/439.—Whereas I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 10,0,000/- and bearing No.

Plot No. M-36, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 108) in the office of the Registering Officer

at Delhi in February 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in usual of any income arising from the transfer; and/or
- the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numely:-

- (1) Shri Ram Saran Dass Tulli s/o late Mela Ram Tulli r, o 100-M, Connaught Circus, New Delhi,
- (Transferor) (2) Shri Malhan Builders E-588, Greater Kailasn-II, New Shri Malhan Builders E-388, Greater Ranger A., Delhi, through its partner Sh. Devi Das Malhan.
  (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. M-36, measuring 163 1/2 sq. mtrs. Sopping Cum residential Centre, Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA Competent Au hority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acpuisition Range-VII New Delhi

Date: 13-10-1986

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF Tales INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF Labl)

(1) Smt. Yog Gaur (2) Sh. Sushil Gaur (3) Miss Dimple Gaur (4) Miss Neeta Gaur r/o 44, DLF Colony, Robtak (Haryana).

(Transferor)

(2) Smt. Sunila Chaudhary, B-1, East of Kailash, New New Delhi.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Rcf. No. IAC/ACQ-VII/SR-III/2-86|435.--Whereas, I, V. K. MANGOŤRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 241 in Block N situated at Greater Kailash-I, New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Delhi on February 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the serves has not been truly stated in the said instrument of tremater with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 241 in block N measuring 300 sq. yds. in Greater Kailash-I. New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII New Delhi

Now, tacrefors, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiated proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/ACQ-VII/SR-III, 2-86|467.--Whereas, I,

V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. A-303, situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Delhi on February 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evapon of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incame arising from he transfer; said/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following potents, namely:— (1) Shri Chander Parkash s/o Sh. Kishan Chand r/o Λ-303, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor) (2) Shri Bishambhar Lal Miglani s'o Sh. Chaman Lal Miglani and Smt. Vanita Miglani w/o Sh. Vishwambhar Lal Miglani, 1/5 K-44, N.D.S.E.-II New Delhi.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. A-303, measuring 217 sq. yds. Defence Colony, New Delhi.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII New Delhi

Dute: 13-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V AGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th October 1986 Ref. No. IAC/ACQ-V New Delhi.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 5, Block B-II Sufdarjang Residential Scheme,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Lt. Col. B. A. S. Chopra D-2/30, Janakpuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Neelam Jain, Sh. Surender Kumar Jain, Both residents of 8/159, Village Mehram Ngr., New Delhi Sh. Rajesh Kr. Jain, 8/149, Vill. Mehram Ngr. New Delhi Sh. Rakesh Kr. Jain, 8/151, Vill. Mehram Ngr., New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing plot No. 5, Block B-II in Safdarjat Residential Scheme, New Delhi, measuring 450 sq. yds.

A. K. MANCHANDA Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V, New Delhi

more, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-10-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Vijay Kumar Bhatia 38, Rajindra Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Bhanwar Devi Jain, R/o Village Mearam Nagar, Delhi Cantt. New Delhi-10.

(1'ransferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE 4 14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th October 1986

Ref. No. IAC/ACQ-V New Delhi.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs, 1.00,000/- and bearing No. B-2/4, situated at Safdarjung Enclave, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under he Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on May, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afodesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than influent per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the carties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of !—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 10 days from the service of notice on the respective recions whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing No. B-2/4, Safdarjung Enclave, New Delhi, admeasuring 451.50 sq. yards.

K. K. MANCHAND Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I thereby unitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-10-1986

NO FICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OUTFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE, 4 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th October 1986

Ref. No. IAC/ACQ Range-V.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. M-4, situated at Green Park Main, New Delhi

No. M-4, situated at Green Park Main, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under he Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on 8th August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to betieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smr. Kaushalaya Devi Khanna M-4, Green Park Main, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Lalit Krishan Sarin and Brij Mohan Sarin, Both residents of Y-2, Green Park Main, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

2-1/2 storeyed building, M-4, Green Park Main, New Delhi, Area 500 sq. yards.

A. K. MANCHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-V.
New Delhi

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 14-10-1986

#### FORM LT.N.S.

and the control of th

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Re. No. IAC/Acp. Range-V.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heerinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property naving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2127 and 2128 situated at in Block J, Karol Bagh, New

Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at

on February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saio Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons property. ing persons, namely:-

(1) 1. Smt. Biboo Devi

Smt. Biboo Devi
 Sh. Sunil Kumar
 Sh. Veer Sagar
 Shri Vijay Sagar
 All residents of 2127, Gali No. 58, Naiwala, Gurdwara Road, Karol Bagh, New Delhi.
 (Transferor)

(2) 1. Sh. A. L. Arora,2. Smt. Vimal Arora3. Master Amit Arora

All residents of 15/42, Punabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Northern half of plot/Khasra No. 501 and 502, measuring about 194.5 sq. yds. property bearing Municipal No. 2127 and 2128, in Block J. Naiwala, Karol Bugh, New Delhi.

> A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Agett. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V. New Delhi

Date: 14-10-1986

Seal:

27—326GL/86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE PNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### M.s. Bhayana Buildera Pvt. Ltd. G-4, Lakshmi Bhawan, 72, Nehru Place, New Delhi.

## (2) M/s. R. M. Investment & Trading Co. Pvt. Ltd. 27-B Camas Street, Calcutta.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V AGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/2-86/2683.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 10 A, Prithviraj Road, 1800 sq. ft. situated at flat on lst Floor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at IAC, Acp. Range-VII, New Delhi, on February 1986

at IAC, Acp. Range-VII, New Delhi, on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, 10A, Prithviraj Road, 1800 Sp. ft. fint on Ist Floor.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Income Tax) Acquisition Range-V.
New Delhi

Date: 13-10-1986

#### FORM LT.N.S.-

(1) M/s. Bhayana Builders Pvt. Ltd. G-4, Lakshmi Bhawan, 72, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Robert, Mclean Consultants Pvt, Ltd. 27-B, Camac Street, Calcutta.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/2-86/2685.—Whereas 1, V. K. MANGOTRA.

V. K. MANGOTRA, being the Competent Auhority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10A, Prithvi Raj Road, situated at 1800 Sq. ft. flat on let flat.

1st floor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-VII, New Delhi on February 1986

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is est of any ine to arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or either assets which have not been or which engit to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Lax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expirer later;
- (b) by any other person interested in the said interpretation of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

10 A, Prithvi Raj Road, 1800 Sq. ft. flat No. 5 on 1st floor.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 13-10-1986

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/2-86/2684.—Whereas I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 10A, Prithvi Raj Road, 1300 Sq. ft, situated at flat on 1st floor

1st noor

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-VII. New Delhi on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such apparent consideration and the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afercasid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Bhayana Builders Pvt. Ltd. G-4, Lakshmi Bhawan, 72, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

 M/s. J. M. Commercial & Co. Ltd., 18, Loudon Street, Calcutta-700017.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6, 10A, Prithvi Raj Road, 1300 Sq. ft. flat on 1st floor.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 13-10-1986

#### 25433

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII, 37EE/2-86/2780.—Whereas I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 112-A on 1st floor in situated at Prakash Deep, 7-Tolstoy Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-VII, New Delhi on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Sherman International (P.) Ltd. D-94 (9th Floor) Himalaya House, K.G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2 M/s. Atul Investment Company, N-9, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 112-A on 1st floor in Prakash Deep, 7-Tolstoy Marg, New Delhi, Arca 460 Sq. ft.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesta property by the issue of this notice under sub-Section (f) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/2-86/2716.—Wehreus I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 207 on 2nd floor in situated at Prakash Deep 7, Tolstoy Marg, New Delhi

Tolstoy Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961, in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-VII, New Delhi on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald xeceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. Sailesh Dhir Dr. B. K. Vohra (HUF), A-1/18, Safdarjung Enclave, New Delhi. (Transferor)

(2) 1. Smt. Indira Mohan Smt. Amita Mohan 3, Smt. Anjul Mohan R/O 12, Lucknow Road, Delhl.

(Transferee) .

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 207 on 2nd floor in "Prakash Deep" 7, Tolstoy Marg, New Delhi.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII
> Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 13-10-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/2-86/2757.—Whereas I,

V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereianfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 704 Mg. 696 Sq. ft. on 9th Floor in the Multistoreyed Bldg. at 13, Tolstoy Marg, situated at New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office

IAC, Acq. Range-VII, New Delhi on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the sain Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S. Gurbachan Singh & Sardarni Shama Gurbachan Singh 12, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi. (Tansferor)

(2) M/s. Uttam Singh Dugal & Co., 11, Marina Arcade,

New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 704 measuring 696 Sq. ft. on 9th floor in the Multistoreyed Building at 13, Tolstoy Marg, New Delhi.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-VII
> Aggarwal House
> 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-10-1986

#### LORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/2-86/2714.—Whereas I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-333, Defence Colony, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-VII, New Delhi on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the applicant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income assuing from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 3957 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt, Savitri Devi Thukral, Smt. Kiran Bhalla, H-3/21, Model Town, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Deepak Wadhwa HUF, Sh. Deepak Wadhwa, Smt. Chandra Wadhwa, Ar331, Defence Colony, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be under in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A-333, Defence Colony, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 13-10-1986

(1) Smt. Amrit Devi H-3,21 Model Town, Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Deepak Wadhwa HUF, Shri Deepak Wadhwa Prop. Wadhwa Inernational, Smt. Chandra Wadhwa,

A-331, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/2-86/2715.—Whereus I, V. K. MANGOTRA,

Design the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. bearing No.

A-333, Defence Colony, situated at New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the regisering Officer at IAC Acq-VII New Delhi on February 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traily stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1921) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition to the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A-333, Defence Colony, New Delhi,

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range -VII
Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-28---326GI/86

Date: 13-10-86

(1) Smt, Anita Thukral H-3/21 Model Town, Delhi.

(Transferor)

<del>\_\_\_\_\_\_</del>

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Deepak Wadhwa HUF, Shri Deepak Wadhwa Prop. Wadhwa International, Smt. Chandra Wadhwa A-331, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/2-86/2713.—Whereas, I.

Ref. No. IAC/Acq-VII/37LE/2-86/2713.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

A-333, Defence Colony situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at

on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interesed in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

## THE SCHEDULE

(5) facilitating the concealment of any income or any gioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

A-333, Defence Colony, New Delhi,

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the soid Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 13-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. 1AC/Acq-VII/37EE/2-86/2702.—Whereas, I,

V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the impact of the competent of the competence of t movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. Gound Floor only D-178, Defence Colony 1800 sq. ft. Approx. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act. 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Range-VII

New Delhi in February, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any incom- or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Commander Inder Singh Lamba House No. 3310, Sector 19D Chandigath (Union Territory),

(Transferor)

(2) Mr. Atul Prakash 11/3, Kalkaji Extension. New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ground floor 1800 sq. ft. appx. D-178, Defence Colony, New Delhi.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII, Aggarwal House, 4/14, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-10-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/2-86/2755.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. S-148, Mg. 306 Sq. Yds. situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Ac., 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Range-VII New Delhi in February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ms. Bhavani Venkataraman, D/o S. Venkataraman, r/o 131-5, Nimitiz Avenue, West Lafaye.t, Indiana (USA) through general attorney S. Venkataraman R/o S-148, Grenter Kailash-II, New Delhi.

(2) Mrs. Sneh Dutt w/o late A. K. Dutt r/o F-66 Sujan Singh Park, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. S-148, measuring 306 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-VII,
Aggarwal House, 4/14 A Asaf Ali Raad,
New Delhi

Date: 13-10-1986 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) Of THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/2-86/2738.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA,

V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing No. Hat No. 2 on lower & upper ground floor at B-81, Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act. 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Range-VII New Delhi in February, 1986

New Delhi in February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aroresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :-

(a) facilitating the reduction or reason of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 769C of the said Act, I hereby initiate proceeding. The including the acquisition of the accressed property by the issue of this partice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mrs Sumitra Makhija A-34, N.D.S.E.-I, New Delhi,

(Transferor)

(2) Lt, Gen. Mohan Lal Tuli, S/o Late M. R. Tuli, 10, Kushak Rd., Tcen Murti, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2 on lower & upper ground floor at B-81. Greater Kailash-I. New Delhi, Area 2002.50 sq. ft.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi-1

Date: 13-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. 1AC/Acq-V(1/37EE/2-86/2749.--Whereas I, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. C-219, Defence Colony, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act. 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Range-VII

New Delhi in February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of name fer with the object of : --

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Brig. M. L. Gaind -253, Greater Kailash-I, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mrs. Asha Dua, C-219, Defence Colony. New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period at 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person instead in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaotet

## THE SCHEDULE

C-219. Defence Colony, New Delhi, Area 271.74 Sq. Mtr.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/2-86/2705.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Property on plot Nos. E-292, Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Range-VII New Delhi on February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) S/Shri Ashok K. Dhawan & Naveen K. Dhawan S/o Shri Chaman Lal Dhawan R/o E-11, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shanta Mehra W/o Shri Radha Kishan Mehra & Shri Raj Kumar Mehra S/o Shri Radha Kishan Mehra R/o 60/7, Ramjas Road, Karol Bagh. New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property on Plot Nos. E-292, Greater Kailash-I, New Delhi, Area 208 Sq. Yds.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said et., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona, namely :--

Dato: 13-10-1986

\_\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th October 1986

Ref. No. IAC ASHOK KACKER, IAC/Acq.-II/37EE/2-86/17A.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Plot No. 5. Bahadurshah Zaffar Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Range-VII New Delhi on February, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957). (1) Mr. K. Narendra, Managing Director, Daily Pratap, 5, Bahadurshah Zaffar Marg, New Delhi-110 002.

(Transferor)

(2) M/s. Kailash Nath & Associates. 18. Barakhamba Road. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the alote of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 5, Bahadurshah Zaffar Marg, New Delhi. Additional area to be constructed as per agreement dt. 3-12-85). Lease-hold.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-10-1986

## FORM ITN

(1) M/s. Rajgir Builder.

(Transferor) (Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned :--

(2) Mr. Joginderkumar Sunderlal Wahi.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI **BOMBAY** 

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.11/37EE/30670/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 302, Rajgir Milan, Andheri, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transformed and the schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

at Bombay on 28/2/1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the treasferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, 'Rajgir Milan', S. No. 77. H. No. 3. Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/30670/85-86 on 28/2/1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--29-326GI/86

Dated: 9-10-1986

~-<u>--</u>\_\_-<del>---</del>\_--

#### FORM ITNS

(1) M/s. Raigir Builder.

(Transferor)

(2) Mrs. Urmiladevi Vidyasagar Wahi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II ROMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. 11/37EE/30669/85-86.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act, have reason to believe that the inimovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 201, 2nd floor 'Rajgir Milan', S. No. 77, Andheri Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section.

269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay our under the said Act, ir respect of any income wising from the transferi ر أحد
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-- .

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable prpoerty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULB

Flat No. 201, 'Rajgir Milan', S. No. 77, Hissa No. 3. Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/30669/85-86 on 28/2/1986.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 9-10-1986

## (1) Hari Nandlal Sindhi

(Transferor)

(2) Mahendra Prataprai Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RAINGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

Ref. No. AR.II/37EE/30250/85-86.-Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land bearing S. No. 141-B, CTS No. 864 village Ambivali Taluka, Andheri, Bomoay, and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-Tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land at village Ambivali Taluka Andheri bearing CTS, No. 864 S. No. 141-B Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30250/85-86 on 18-2-1986

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 9-10-1986

## (1) M/s. K. R. Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ramdas Manjunath Shenoy & Mrs. Sunita Ramdas Shenoy.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30255/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 402, Horizon View III, Off Iai Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 17-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: "-'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; Flat No. 402, Horizon View III, on plot No. 10, of S. Nos. 91A(Pt) & 95A (Pt) Off Jai Prakash Road, Versova Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.H/37EE/30255/85-86 on 17-2-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, mererore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 9-10-1986

(1) M/s. K. R. Associates.

(Transferor)

25449

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Gargi P. Desai. & Mr. Pradip Y. Desai.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.11/37EE/30912/85-86.—Whereas, I, LAXMAJ DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 603 & Parking No. 4, 'Horizon View I', Versova,

Andheri (West). Bombay-61.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act in the office of the Competent Authority at at Bombay on 28/2/1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration than fifteen per cent of such apparent consideration and the state of the consideration for each transfer. said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 603 & Parking No. 4, 'Horizon View-I, on plot No. 70 of S. Nos. 91A (Pt.) & 95A (Pt.), Off J.P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30912/85-86 on 28/2/1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Rombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 9-10-1986

(1) M/s. K. R. Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Madhu Parsram Tejwani.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

(b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30913/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 503, Hoorizon View-I, Versova, Andheri (W), Bombay-61

bay-61.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Competent Authority at Bombay on 18-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or-

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Flat No. 503, 'Horizon View-I, on plot No. 70 of S. No. 91A (Pt.) and 95A (Pt.) Off. Jai Prakash Road Versova Andheri(W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30913/85-86 on 28/2/1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 9-10-1986

## (1) M/s. K. R. Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Abdul Khalid Nasir Ahmed Mr. Abdul Shahid Nasir Ahmed & Mr. Abdul Wahid Nasir Ahmed.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30533/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 502 & Paring No. 4 Horizon View III, J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-2-1986.

for an apparent consideration which is less than the fair nurket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 502 & Paring No. 4 'Horizon View III, on Plot No. 7 of S. No. 91A(Pt.) & 95A(Pt.) Off J.P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/30533/85-86 on 25-2-1986.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 9-10-1986

(1) Shri Narayan Gopalrao Ubhayakar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Muhamadali Ismail Patel Shri Nasirudin Barkatali Abjani, Shri Mayuresh Madhukar Kamat

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR II/37EE/30440/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 48 & 49, Andheri Taluka South Salsette, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the autroment is registered under

Plot No. 48 & 49, Andheri Taluka South Salsette, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 48 C.I.S. No. 50 and Plot & construction on Plot No. 43, C.T.S. No. 47, at Islamalia, in the Village Andheri, Taluka South Salsette, Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30440/85-86 on 24-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 9-10-86,

Seal ;

#### FORM ITNS-

#### (1) Pravinchandra P. Odhwani Mahesh L. Dholakia

(Transferor)

## (2) Anilkumar Agarwal Mrs. Santosh R. Agarwal

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THIS INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, ROMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37FE/30334/85-86.—Whereas, I, I.AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot of land bearing S. No. 41 (Pt.) Village Oshiwara, Taluka

Andheri situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-2-86,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ten

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or symples of the lightlift ot the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concolumnat of may incom memorys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot of land forming part of S. No. 41 (Pt.) Village Oshiwara Taluka Andheri with F.S.I. of 34,380 sq. ft. in building L-2 thereon.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30334/85-86 on 21-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— 30—326GI/86

Dated: 9-10-86.

#### FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29795/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
S. No. 34, Hissa No. 1 (Pt.) S. No. 35 & CTS No. 176 Pt.,
Jogeshwari, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 4-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any arising from and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- Akruti & Goyal Realtors Pvt, Ltd.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Saranga Agarwal.

(Transferce)

(3) Nil.

(Person in occupation of the property) (4) Anil Agarwal & Raakhi Land Development Co. Pvt.

> (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

S. No. 34, Hissa No. 1 (Pt.) S. No. 35 & CTS No. 176 Part in the Village of Majas, Jogeshwari, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.Π/37ΕΕ/29785/85-86 on 4-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 9-10-86.

## FORM TINS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR 11/37EE/29814/85-86,-Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
S. No. 34, H. No. 1 (Pt.) S. No. 35 CTS No. 176 (Pt.)
Majas, Jogeshwari, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 4-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Akruti & Goyal Realtors Pvt. Ltd.

(2) Mrs. Sarange Agarwal

(Transferor)

(Transferce)

(3) Anil Agarwal

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Survey No. 34 Hissa No. 1 (Pt.) S. No. 35 & CTS No. 176 Part, Village of Majas, Jogeshwari, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29814/85-86 on 4-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 9-10-86.

## FORM I.T.N.S.

(1) Mrs. Margaret Chhotubhai Kamani

(Transferor)

(2) M/s Murgha Builders

(Transferee)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.11/37EE/30398/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
S. No. 48, Plot No. I, Hissa No. 1 (Pt.), CTS Nos. 1088, 1088/1 to 1088/3, Versova, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece of land with structures bearing S. No. 48, Plot No. 1, H. No. 1 (Pt.), CTS Nos. 1088, 1088/1 to 1088/3, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,II/37EE/30398/85-86 on 21-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 9-10-86,

(1) Mr. Basil Fernandes

(Transferor)

(2) Mr. Shirish H. Shah

(Transferce)

## NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, ROMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30069/85-86.-Whereas, J, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. plot No. 11 & 12 of Juhu Tara Coop, Hsg. Soc. Ltd., CTS No. 1091 (Pt.) & F.P. No. 34 TPS-II of Santacruz (W), at Juhn situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-2-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land together with structure standing thereon situated at Suntacruz (W), bearing plot No. 11 & 12 of Juhu Tara Coop, Housing Society Ltd., CTS No. 1091 (Pt.) & F.P. No. 24 TPS II of Santacruz (West) at Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30069/85-86 on 14-2-1986

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-10-1986

(1) Mr. Khorem E. Millwala Mr. Shabbir E. Millwala

(Transferor)

(2) M/s. Modern Executors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Rcf. No. AR.II/37EE/30444/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
CTS No. H. 534, Property alongwith Bungal
Hasanabad Lane, Santacruz (West), Bombay-54 alongwith Bungalow at 1st

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 24-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property alongwith bungalow at 1st Hasanabad Lane, Santacruz (West), CTS No. H/534, Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30444/85-86 on 24-2-1986.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 9-10-86.

#### (1) M/s. M. R. Combine

(Transferor)

(2) Mrs Shubhangu Narayan Redij & Mr, Kiran Narayan Redij.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30535/85-86,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 310 Jal Darshan, at Ruina Park, Juhu, Bombay-

400 094

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 25-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 310, 'Jal Darshan' situated on portion of 18-Y of land bearing S. No. 44 H. No. 1 (Pt) & 2 (Pt) at Ruia Park, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30535/85-86 on 25-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 9-10-1986

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, **BOMBAY** 

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30763/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 5, Wing 'B', Silver Beach CS No. 505 at Silver Beach Estate, Juhu, Bombay-49

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not occus truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) incilitating the reduction or evasion of the Habilite of the transfesor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Vee Gee Creado Construction & Development P Ltd. (Transferor)
- (2) Mr. C. D. Mehtalia

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5 on 3rd floor in Wing 'B' Silver Beach at property bearing CS No. 505 at Silver Beach Estate, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30763/85-86 on 28-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 9-10-1986

(1) Vee Gee Creado Construction & Developer Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) Mr. Manubhai B. Patel.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferce)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/371 E/30773/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 5, 4th floor in Wing 'A' Silver Beach CS No. 505 Silver Beach Estate, Juhu, Bombny-49

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: ADM /OF

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislossed by the transferee to-the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 100 Act, to the following nersons unmely :---31--326GI/86

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-caton of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ask. that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5 on 4th floor in Wing 'A' of the proposed building Silver Beach at Property bearing CS No. 505 at Silver Beach Estate, Juhn. Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30773/85-86 on 28-2-1986.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9-10-1986

(1) Vee Gee Creado Construction & Developer Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) Mr. Bipin R. Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## WERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30772/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5 on 4th floor in Wing 'B' CS No. 505 at Silver

Beach Estate, Juhu, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any ruoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes the purposes of the Indian Encome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5, 4th floor in Wing 'B' of the proposed Bldg. Silver Beach at property bearing CS No. 505 at Silver Beach Estate Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.11/37EE/30772/85-86 on 28-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 9-10-86.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.11/37EF/29740/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 42-C, 4th floor Ruia Park, S. No. 47 Juhu, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto
has been transterred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the office of the
Competent Authority at
Bombay on 3-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Juhu Estate Corporation

(Transferor)

(2) Ms Leela A. Chainani & Shri Mohan A. Chainani

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 42-C on 4th floor of Ruia Park S. No. 47, Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29740/85-86 on 3-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Dated: 9-10-86.

## PORM ITNS

(1) Juhu Estate Corporation.

(2) Mr. Krishan D. Rajani.

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/30363/85-86,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 53/A, 5th floor, Ruia Park Building, S. No. 47, Juhu, Bombay-49.

situated a. Bombay

25464

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 21-2-1986

formay on 21-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the contract has not been trailly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and!or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 53-A 5th floor, Ruia Park Building, Survey No. 47, Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/30363/85-86 on 21-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under, sub-ention (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-10-1986

## (1) Juhu Estate Corporation.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Mrs. Rashmi Umesh Kapadia & Mr. Umesh Anilkant Kapadia.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-IJ, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/30052/85-86.—Whereas, J.

Rel. No. AK. 11/3/EE/30032/03-00.—Whereas, J. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 52-C, 5th floor Ruia Park Building. S. No. 47, lubu Rombay

Juhu, Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent

Authority at Bombay on 14-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a perior of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given en time Chapter

in) facilizating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, md/er

## THE SCHEDULE

Flat No. 52-C, 5th floor Ruia Park Building, S. No. 47, Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/30052/85-86 on 14-2-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance or Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-10-1986

. EUROB. 4732 19

## FORM ITNS-

(1) Indra H. Gupta.

(Transferor)

(2) Miss Vera Singh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/30512/85-86,—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable respective having a fair market value according property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing

Flat No. 501, 5th floor, Mangal Kiran, Plot No. 57 Iris Park, Junu, Bombay-57.

situated a. Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 25-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parasan, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evarion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or warch ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 501, 5th floor, Mangal Kiran, Plot No. 57, Iris Park, Juhu, Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. 11:37EE/30512/85-86 on 25-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, V hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -

Dated: 9-10-1986 Seail:

- (1) Mrs. Zakhia Begum.
- (Transferor)

(2) Sunder Dar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/30490/85-86.—Whereas, J. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat Nos. 1-A & 1-B (G-1) in Vinay Apartments at Janki

Kutir, Juhu, Bombay-49

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 24-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat Nos. 1-A and 1-B (G-1) in Vinay Apartments at Janki Kutir, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/30490/85-86 on 24-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 9-10-1986

e , a security of the terms of the security of FORM I.T.N.S.~

(1) M/s. New India Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Bhikalal Kanji Soni.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GQVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/30019 '95 86.-Whereas, J. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1-A, Chandravilla Apartments, J. V. P. D. Scheme,
Vile Parle (W), Bombay-56.

situated a. Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 11-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as given in that Chapter.

## THE SCHEDULB

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or "hich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1-A, Chandravilla Apartments, Plot No. 3, CTS No. 8/4 at Gulmohar Rd., J.V.P.D. Scheme, Vile-Parle (W) Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II/37EE/30019/85-86 on 11-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Dated: 9-10-1986

## FORM TENS-

### (1) M/s. G. C. Enterprises.

(Transferor)

(2) Shah Popatlal Devraj.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. 11/37EE, 30901/85-86.—Whereas, I,

LAXMAN DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 3, 2nd floor, Madhuvan Society, J. V. Scheme, Rd., No. 1, Vile Parle (W), Bombay-56.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 27-2-1986

for an apparent consideration which is iess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ors

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---32-326GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 3, 2nd floor, Madhuvan Society, Azad Nagar, J.V. Scheme, Road No. 1, Vile Parle (W) Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II /37EE 30001 /85-86 on 27-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-10-1986

\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS-

(1) Sky-Bullders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Anil C. Shah & Others.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/29840/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102, 'Memal' Plot No. 5, Hatkesh Nagar Co. op. Housing Society Ltd., JVPD Scheme, Vile Parle (W), Bombay-56

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fift en per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 102, 'Hemal' Plot No. 5, Hutkesh Nagar Co-op. Housing Society Ltd., JVPD Scheme, Vilc Parle (W), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II/37EE 29840/85-86 on 7-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-10-1986

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagdish Khanna,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Vinod G Kala & Mrs. Rashmi Vinod Kala.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY** 

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. 11/37EE/29923, 85-86.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ps. 100.000/- and begins No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 20/B Trimurthi Co. op Society Ltd., 2nd floor,
North Avenue Rd., Santacruz (W) Bombay-54

situated at Bombay (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 7-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 20/8 Trimurthi Co. op. Society Ltd., 2nd floor, north Avenue Road, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/29923/85-86 on 7-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-10-1986

(1) Pec Jay Enterprises.

(Transferor)

(2) H. P. Gupta H.U.F.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/30496/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 602, Mangal Murti, Plot No. 82/29 Linking Rd.
Santacruz (W), Bombay-54.
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 24-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the murposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 602, Mangal Murti 6th floor, Plot No. 82/89 Linking Road, Extn. Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE 30496/85-86 on 24-2-1986

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tus Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-10-1986

(1) Pee Jay Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Indra H. Gupta.

(3) Transferor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11. BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/30498, 85-86,—Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 601, 6th floor, Mangal Murti Linking Rd., Santa-cruz (W), Bombay-54. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 24-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preparty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- ch) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice ta the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period oxpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 601, Mangal Murti Plot No. 82/29 Linking Road, Exten, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II/37EE/30498/85-86 on 24-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-10-1986

- M/s. Vikas Developers.
- (Transferor)
- (2) Mr. Madukar Rangildas Randeria.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29680/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 202 on Plot No. 14 and 22 at Janki Kutir, Juhu, Rombert

Bombay,

situated at Hombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority .at

Bombay on 1-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than 15% of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object -: 10

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

respect of any income arising from the transfer, and/

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 202 on Plot No. 14 and 22 at Janki Kutir, Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29680/85-86 on 1-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following ersons, namely :--

Date: 9-10-1986

# FORM LT.N.S.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30497/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Ircome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 701. Mangal Murti, Plot No. 182/29 Linking Rd.,

Santacruz (W), Bombay-54.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 24-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Pec Jay Enterprises.

(2) Mr. H. P. Gupta.

(Transferor)

(3) Transferce,

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Flat No. 701, Mangal Murti, Plot No. 82/29 Linking Rd., Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30497/85-86 on 24-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

Date: 9-10-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No.  $\Lambda R.II/37EE/29681/85-86$ ,—Whereas, I,  $L\Lambda XMAN$  DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

the same Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 203, Plot No. E/7 of Aimai Gazdar's Pvt. Scheme, Santacruz being a portion of S. No. 448(Pt.) and bearing CTS No. G-368(Pt.) and 408A.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Madhu Prakash Kapoor, Mr. Prakash Chandra Kapoor.

(Transferor)

(2) Shri Naresh Chandulal Manjar, Smt. Urmila Naresh Maniar,

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 203, Plot No. E/7 of Aimai Gazdar's Pvt. Scheme, Santacruz being a portion of S. No. 448(Pt.) and bearing CTS No. G-368(Pt.) and 408A.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/29681/85-86 on

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 9-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-(AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. 11/37G/3885 Feb. 86.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1931 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

and braring No.
Plot No. 75, Thy IV, Sentacruz at Ghordhandas Road, SV

Road, Santacruz, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 25-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the maid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the corresponds of the Indian Incomotax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

33-326GI/86

(1) Shri Dipehand Mohanlal Shah, (b).i Shricharan Mohanlal Shah, (b).i Frafulchand Mohanlal Shah,

(Transferor)

(2) Shi) Kanji Raoji Patel, Mis. Aanitab in E. Patel, Eng. (yantila) J. Shah, Shri Rajesh Jayantilal Shah, Shri Ashwin Jayantilal Shah and Smt. Kum. Shebba Jayantilal Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

  whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Dccd No. S-1455/79 and registered on 25-2-1986 with the Sub-Registrar, Bombay.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-10-1986

(1) Shri Mahesh Ratilal Oza. Shri Ramesh Ratilal Oza,

(Transferor)

(2) Smt. Usha Pravinchandra Doshi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Rombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30673/85-86.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 19, Ashok Nias, Vilc Parle (W), Bombay-56.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agroement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Residential Flat No. 19, in Parle Ashok-Nivas Cooperative Housing Society Ltd., Smith Pond Road, Vile Parle (W), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30673/85-86 on 28-2-1986.

> I AXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-10-1986

(1) Shri Vijay Raheja.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Just for you.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30610/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Ground floor Permises, Queens Palace Building, 205 Waterfield Rd., situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the mansfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Ground floor Permises, Queens Palace Building, 205 Waterfield Rd., Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,II/37EE/30610/85-86 on 28-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-10-1986

\_\_\_\_

# FORM ITNS-

(1) M/s. Devendra Construction Corporation

(Transferor)

(2) M/s. Sai Properties Pvt. Ltd.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE, 29744/85-86,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to (3) the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 3, Mi-Casa, Bandra, Bombay-50.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Eombay on 3-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and! have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said lustrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 3 on the ground floor in the building known Mi-Casa 24th Read, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Connectent Authority, Bombay under No. AR.II/37EN 29744/85-86 on 3-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date : 9 10 1986

The second of th

# FORM ITNS-

(1) M/s. Ruby Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. J. Patwardhan.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30386/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 601 alongwith terrace on the 6th floor 'Neel Apart-

ments' at 10th Road, Khar, Bombay-52. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 21-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269¢ of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the
  publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 601 alongwith terrace on the 6th floor 'Neel Apartments' at 10th Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/30386/85-86 on 21-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-10-1986.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

M/s. Prabhakant Enterprises.

(1) M/s. Pee Jay Enterprises.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30736/85-86.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 701, Mangal Disha, Khar, Bombay-52. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

 (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7th floor, Mangal Disha, 6th Road, Khar,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30736/85-86 on 28-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29868/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 201, 2nd floor, Mangal Bhahadar, 13th Road, TPS
III, Khar, Bombay-52.

ituated at Bombay-52,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 7-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the tonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in repect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Mr. Vasu B. Hiranandani and Mrs. Pushpa Vasu Hiranandani.

(Transferor)

25483

(2) Mr. Biharilal K, Rohira and Mrs. Duri Biharilal Rohira.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The erms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Mangal Bhanadar, 13th Road, TPS III, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29868/85-86 on 7-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-10-1986

-----

## FORM ITNS

(1) M/s Union Carbide India Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) M/s. K. R. Associates.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

---

**GOVERNMENT OF INDIA** OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-2, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29886/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flats Nos. 401/402, Captain Villa, Mount Mary Hill Road,

Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

at Bombay on 7-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Inco. Pax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or ac Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sau Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flats Nos. 401/402, 4th floor on the building 'Captain Villa' at Mount Mary Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/85-86 on 7-2-86.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-10-1986

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN! OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-2, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30528/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property haing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Art Gallary No. 2 at 'Silver Stone' Bldg. Plot No. 294, Suburban Scheme No. VII, at Khar, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 25-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

34-326GI/86

(1) Raikumar Balkrishna.

(Transferor)

(2) Lake Forest Holdings Private Ltd.

[Transferee]

(3) Rajkumar Balkrishna of Rajkumar & Associates. (Person in occupation of the property.)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Art Gallary No. 2, at 'Silver Stone', Bldg. Plot No. 294. Seburban Scheme No. VII, at Khar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30528/85-86 on 25-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Pange-II, Bombay

Date: 9-10-1986

\_\_\_\_

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-2, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR, II / 37EE / 29750/85-86. -- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, 'Owner's Court', CS No. 13/590 of Mahim,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent

at Bombay on 3-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the suid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Malatibai D. Dandekar,

- 2. Bakul Jayant Deokule,

- Bakti Jayant Jooktue,
   Leela R. Patkar,
   Leela P. Shere.
   Indirabai A. Bhatvdekar,
   Malati P. Nayak and
   Dattatray V. Ambeskar.

(Transferor)

1. Smt. Shubhada Shreekant Lele and
 2. Shri Shreckant Vishwanath Lele.

(Transferee)

Transferee.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

PERPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2, 'Owner's Court', Cadestral S. No. 13/590 of Mahim Division.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Sombay under No. AR.II/37FF/29750/85-86 on 3-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the gloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 9-10-1986

. ----

# FORM ITNS-

(1) Regency Construction Pvt. Ltd.

(Transferor)

2.5487

(2) Dr. Noshie H. Wadia.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ESCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMPITAX

ACQUISTITION RANGE-2, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30414/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

ocing the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 71 & 72, Palm-Spring, Mahim, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 21-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the soduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the conceatment of any income or an, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee has the purposes of the indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-ax Act 1957 (27 of 1987);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 71 & 72 on 7th floor on Palm-Spring 24-B, Worli Sonapur, Prabhadevi Seashore, Mahim, Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJI/37EE/30414/85-86 on 21-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-11, Bombay

Date: 9-10-1986

(1) M/s. Akruti.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Hubert Lco D'sa and Mrs. Lourdes Maryann Merue D'Sa.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-2, BOMBAY Bombay, the 9th October 1986

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Ref. No. AR.II/37EE/30927/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. 103, 'Solitude' at Plot No. 401 TPS III, Pitamber

Lane, Mahim (W), Bombay-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent

Authority

at Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reducing or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the ransfer; and/or

(b) facilitating the concealeent of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor and open parking space No. 5 'Solitude which is under construction and situated at Plot No. 401 TPS III Pitamber Lane, Mahim (West), Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30927/85-86 on 28-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-10-1986

#### FORM NO. I.T.N.S.-

#### 1) M/s. K. R. Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Nadir Janmohmed Gilani.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-2, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30797/85-86.—Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1, Captain Villa, at Mount Mary Hill Road, Bandra,

Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1 (One) on the ground floor of the building 'Captain Villa' at Mount Mary Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30797/85-86 on 28-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-10-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) M., Cattatray K. Nanal & Mr. Sanjeev Patki.

(Transferoi)

(2) M/s. Zeba Builders.

(Transferee)

(3) 3 tenants.

(Person in occupation of the property)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-U, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. 11/37EE/30029/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing N.A. No. 267, CTS No. B/320 at Chapel Road, Bandra, Bombay-50, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followlang persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Property bearing N.A. No. 267, CTS No. B/320 at Chapel Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. 11/37FE, 30029/85-86 on 11-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 9-10-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/30354/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Building and Plot on CTS No. 1, Survey No. 191 N.A. No. 4 Plot No. 3, Bandra, Danda, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the competent Authority at

Bombay on 21-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethan fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument at transfer with the whitest of the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or off ranser which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- +

- (1) Mr. Amirali Y. Moosabhoy
- (2) Mr. Rajan B. Raheja

(Transferor)

(3) Tenants

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Bungalow and Polt on CTS No. 1, Plot No. 3, Survey No. 191; N.A. No. 4 Bandra Danda, Bombay-50,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/30354/85-86 on 21-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date ; 9-10-1986

Senl:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/S. Cozy Home Builders

(Transferor)

(2) Kum. Michelle I., M. Cottinho & Smt. Sheila P. Coutinho Sheltry

(Transferce)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/29979/85-86.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12-A & carparking space No. 1, 'Silva Croft' Bandra, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16) of 1908) in the office of the registering officer at Bombay-50 situated at

Bombay on 10-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 12-A, & Carparking space No. 1 on the 7th floor

THE SCHEDULE

in Silva Croft, Perry Road, Bandra, Bombay-50.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/29979/85-86 on 10-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely: --

Dated: 9-10-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR. II/37EP/30718/85-86.—Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred ot as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 801, Diago-D. Sherly Rajan, Bandra, Bomboy-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

situated at

Bombay on 28-2-1986

in February 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facturing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tow Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(1) M/s. Abis Constructions

(Transferor)

(2) Mrs. Mrs. Gulshan Sudruddin Lalani & Mr. Vikas Kapoor.

(Transferce)

(3) Transferce

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 801, 8th floor 'Diago-D', Plots bearing CTS Nos. 1246, 1248, 1249, 1250, 1251 at Village Sherly Ranjan, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. 11/37EE/30718/85-86 on 28-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:--

35-326GI/86

Dated: 9-10-86

(1) Mr. Shamji T. Vora.

(3) Transferec.

(Transferor)

of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Miss Kamini Janardhan Pandit.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37FE/30685/85-86.-Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, Kanti Apartments, Mt. Mary Road, Bandra (W), Bombay-50

situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid fitteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(Person in occupation

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor 'C' Wing of Kauti Apartments, at Mount Mary Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30685/85-86 on 28-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 9-10-86

# (1) United Builders Construction (India) P. Ltd. (Transferor)

(2) M/s. International Data Management P Ltd.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30869/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ground floor of Balarama, on Plot C-3 'E' Block of Bandra-Kurla Commercial Complex, Bombay-51, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(3) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes fo the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Ground floor of Balarama Plot C-3 in the 'E' Block of Bandra-Kurla Commercial Complex, Bandra (E), Bombay-The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30869/85-86 on 28-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I before initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 9-10-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Rameshkumar Sawhney Smt. Veeranwah Sawhney Smt. Suman Sawhney,

(Transferor)

(2) M/s. Bakshi Engineers (P) Ltd.

('Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29845/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 601, Captain Village Mount Marg, Bandra, Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schadule appared bases)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 601, Captain Villa Mount Marg, Bandra,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29845/85-86 on 7-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 9-10-86

(1) Noordin Akbar Virani.

(Transferor)

(2) Mrs. Mrs. Gulshan Sadruddin Lalni & Mr. Sadruddin Kanji Lulani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29695/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-54, Yuwan Apartment (Bandra) Co.op. Housing Society Ltd., Bandra (W), Pombays 50

Rombay-50. situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. B-54, 5th floor, Yuwan Apartment (Bandra) co. op. Housing Society Ltd., 413/414 Mount Mary Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29695/85-86 on 1-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 9-10-86

#### FORM ITNE-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30007/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 2699 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the movable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. 302, Vinita Apartments, Khar, Bombay-52 situated

at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any incesse cricks from the transf 30 6 / OF
- (b) fasilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

(1) M. 5. Sippy Associates.

(Transferor)

(2) Shri Onkar Singh Sahani Shrimati Kulwant Kaur Sahani,

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if say, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 302 on 3rd floor, Vinita Apartments, Plot No. 417, CTS No. E/218, 14th A Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30007/85-86 on 10-2-1986.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-10-86

#### FORM ITNS-

(1) M/s. Sippy Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Harcharanjeet Singh Sahani Gurvindersingh Sahani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30008/85-86.—Whereas, J, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 301, 3rd floor, Vinita Apartments, Plot No. 417, CTS No. E/218, 14th A Rd., Khar, Bombay-52 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from to service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said hamovable property, within 45 days from the date of the dication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Vinita Apartments, Plot No. 417, CTS No. E/218, 14th A Rd., Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30008/85-86 on 10-2-1986.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-10-86 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

# NOTICE UDNER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-JI, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1986

Ref. No. AR.U/37EE/30728/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301, Swastika Villa, Khar, Bombay-52 situated at

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Raja Estates.

(Transferor)

(2) Mrs. Gopi Ramchand Dhanjani,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 301, 31d floor, Swastika Villa, 16th Road, Khar,

The agreement has been registered by the Competent Authority, B on 28-2-1986. Bombay under No. AR.II/37EE/30728/85-86

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-10-86

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29689/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Block No. 7, 1st floor, Building No. 11 New Udyog Mandir Premises Co.op. Society Ltd., Mahim, Bombay-16 situated at Bombay-16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

Bombay on 10-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely ;— 36-326GI/86

(1) M/s, Olinvon Industrial & Export Corporation. (Transferor)

(2) M. s. Mikku Agencies.

(Transferee)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Block No. 7, 1st floor, Building No. II, New Udyog Mandir Premises Co.op. Society Ltd., 7-C, Pitamber Lane, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29689/85-86 on 1-2-86.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-10-86

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Ms. Rajgir Builder.

(Transferor)

(2) Mr. Hemant Kumar H. Patel. Mr. Urimla Hemant Patel.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in the writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II/37EE/29687/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income--tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that tommovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 602, 6th floor Rajgir Milan, S. No. 77 Hissa No. 3, Andheri (E), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under section 269B of the said Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability and/or
- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor, 'Rajgir Milan' S. No. 77, Hissa No. 3, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29687/85-86 on 1-2-86.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, he pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the acressid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the eld Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-10-86

(1) Acme & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Kiran A. Majumder,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29679/85-86.--Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exercise Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, Aradhana, Andheri (East). Bombay situated at

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961; in the Office of the Competent Authority at Hombay on 1-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) fucilitating the reduction or availon of the liability of the transferor to pay tax timier the said Act, se respect of any income arising from the transfer: andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable properly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 4 on the 4th floor of the building 'Aradhana' Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29679/85-86 on 1-2-86.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of he said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-10-86

#### FORM ITNE-

(1) M/s. Prince Plastics.

(Transferor)

(2) M/s. A.1 Plastics.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.11/37EE/29690/85-86.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, teing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and Unit No. 4 in Steelmade Industrial Estate, Marol Udyog, Premises Co.op. Society Ltd., Andheri (East), Bombay-59 situated at Rombay

situated at Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-86 for an apparent consideration which is I ess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ack Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same monaing as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Unit No. 4, Steelmade Industrial Estate, Marol Udyog Premises Co.op. Society Ltd., Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29690/85-86 on 1-2-86.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-10-86

# (1) M/s. Lok & Kadri Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Prem Hasmatrai Lalwani &

(Transferce)

Mr. Ratnakar.

(Person in occupation of the property)

(3) Transferors.

(4) Transferors. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1261)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30882/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Building Lakarcade Off Andheri Kurla Road, Marol, Andheri

(E) situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the redutation or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

1635 sq. ft. on first to fourth floor A Wing & First Floor B Wing of Building known as Lakarcade Off Andheri, Kurla Rd., Marol, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30882/85-86 on 28-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ract, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, stamely:—

Date: 9-10-86

(1) M/s. Vikas Proporties.

(Transferor) (Transferee)

(2) Guru Bhagat Brar,

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30568/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 203/A in Vertex Vikas, Andheri (East), Bombay-69

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

# THE SCHEDULE

Flat No. 203/A in Vertex Vikas, Andheri (East), Bombay-Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30568/85-86 on 25-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following octions, namely :---

Date: 9-10-86 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s, Rajgir Builder.

(Transferor)

(2) Mr. Narain Das P. Chug & Mr. Parekhchand T. Chug.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30668/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinister referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and Flat No. 501, Rajgir Milan, Andheri, situated at Bombay

Tardeo, Bombay-400034 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, 'Rajgir Milan', S. No. 77, Hissa No. 3 Village, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30668/85-86 on 28-2-1986.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-10-86

(1) M/s. Rajgir Builder.

(Transferor)

(2) Mr. Niranjandas P. Chug & Mr. Arjundas P. Chug.

may be made in writing to the undersigned :

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30667/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 502, 'Rajgir Milan', S. No. 77, Andheri (E),

Bornbay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of menuser with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which outght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other persons, interested in the said immovable Property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 502, 'Rajgir Milan', S. No. 77, Hissa No. 3, Village Andheri, Andheri Taluka,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30667/85-86 on 28-2-1986,

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection(1) of Section 269D of the said Act, to the following persone namely :-

Date: 9-10-86

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 10th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30545/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing CTS No. 491 (Pt.) Kondivita, BSD. Andheri (East), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability or the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the traveler; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-37-326GI/86

(1) Mr. Micheal D'Silva.

(Transferor)

(2) Nathmal Gurdayal Bathwal.

(Transferce)

Transferec.

(Person in occupation of the property)

(4) Mrs. Mary Helena Vas.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noites in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing CTS No. 491 (Pt.) and benefit of 40% of set back over of Village Kondivita Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30545/85-86 on 25-2-1986.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 9-10-86

Seal:

# UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

# NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION MAY 1987

New Delhi, the 15th November 1986

No. F.7/3/86-E.1(B).—An Examination will be held by the Union Public Service Commission on 3rd May 1987 for admission to the Army, Navy and Air Force Wings of the VDA for the 79th Course commencing from January 1988

The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be 300 (195 for the Army, 39 for Navy and 66 for the Air Force).

N. B.—A candidate is required to specify clearly in Col. 9 of the Application Form published in the Employment News/Rozgar Samachar and leading daily Newspapers dated 15th November, 1986. The Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preferences when making appointments.

Candidates should note that they will be considered for appointment to those services only for which they express their preferences and for no other service(s). No request for addition/alteration in the preferences already indicated by a candidate in his application will be entertained by the Commission.

Admission to the above course will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme and syllabus of the examination (b) physical standards for admission to the Academy and (c) brief particulars of the service etc., for candidates joining the National Defence Academy and are given in Appendices I, Il and III respectively.

2. CENTRES OF EXAMINATION:—Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Raipur, Shillong, Simla, Srinagar, Tirupati, Trivandrum, Udaipur and Vishakhapatnam.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION. THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CADIDATE WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See para 8(ii) below).

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 3rd April, 1987, will not be entertained under any circumstances.

# . 3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY:

- (a) NATIONALITY: A candidate must be either:-
  - (i) a citizen of India, or
  - (ii) a subject of Bhutan, or
  - (lii) a subject of Nepal, or

- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (ii), (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of cligibility will not, however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

#### (b) AGE LIMITS, SEX AND MARITAL STATUS:

Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July, 1969 and not later than 1st January, 1972 are only eligible.

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a university, which extract must be certified by the proper authority of the university or in the Higher Secondary or an equivalent examination certificates. These certificates are required to be submitted only after the declaration of the results of the written part of the examination.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporations, service records and the like will be accepted. The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Note 1—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

Note 2—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

Note 3—CANDIDATES MUST UNDERTAKE NOT TO MARRY UNTIL THEY COMPLETE THEIR FULL TRAINING, A CANDIDATE WHO MARRIES SUBSEQUENT TO THE DATE OF HIS APPLICATION THOUGH SUCCESSFUL AT THIS OR ANY SUBSEQUENT EXAMINATION WILL NOT BE SELECTED FOR TRAINING, A CANDIDATE WHO MARRIES DURING TRAINING SHALL BE DISCHARGED AND WILL BE LIABLE TO REFUND ALL EXPENDITURE INCURRED ON HIM BY THE GOVERNMENT.

(c) EDUCATIONAL QUALIFICATIONS: Higher Secondary Examination of a State Educational Board or of a recognised University or equivalent. Candidates who have passed the 11th class examination under the 10 + 2 Pattern of School Education are also eligible.

Candidates who have yet to pass the Higher Secondary examination or the 11th class examination under the 10 + 2 or equivalent Pattern of School Education can also apply.

Candidates who qualify in the SSB interview will be required to submit Matriculation and/or Higher Secondary or equivalent cortificates in original to Army HQ Rtg 6(SP) (a), West Block III, R. K. Puram, New Delhi-110 022 by 26th December, 1987 failing which their candidature will be cancelled. Certificates in original issued by

the Principals of the institutions are also acceptable in cases where Boards/Universities have not yet issued conficates. Certified true copies/photostat copies of such certificates will not be accepted.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

NOTE 1.—Those candidates who have yet to qualify in the Higher Secondary or equivalent examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of Board/University Examination, delay in declaration of result or any other ground whatsoever.

NOTE 2.—Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of commission in the Defence services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.

## 4. FEE

(i) Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rupees twenty eight) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or through crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

NOTE —Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose. Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application. APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER THE FOLLOWING PARAGRAPH.

CANDIDATES BELONGING TO SCHEDULED CASTES/SCHEDULED TRIBES ARE NOT REQUIRED TO PAY ANY FEE.

(li) The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1-1-1964 and 25-3-1971 or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973, or is a bona fide reputriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1-6-1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1-11-1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) The children of Junior Commissioned Officers, Non-Commissioned Officers and other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and the Indian Air Force and children of Ex-Junior Commissioned officers, Fx Non. Commissioned Officers and Ex-other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and Indian 38—326 GI/86

Air Force are not required to pay the prescribed fee if they satisfy the following conditions, viz.

- (a) they are studying in the Military School (formerly known as King George's School)/Sainik Schools run by the Sainik Schools Society, and
- (b) their applications are forwarded by the Principal of the concerned School, with the recommendation that they are expected to secure at least 30 per term of the appropriate marks of the written papers.

NOTE.—Applications of candidates from the Military Schools/Sainik Schools forwarded by the Principals of the concerned schools will be scrutinised in the Commission's Office to determine whether such candidates are entitled to remission of fee in terms of para 4(iii) of the Notice above. The Principals of the Military Schools/Sainik Schools should however, satisfy themselves, that student of their schools fulfil the requirements of the aforesaid provision of the Notice before forwarding their applications to the Commission. The Commission will not take any responsibility for any acts of omission or commission committed by the Principals.

- (iv) A refund of Rs. 15/- (Rupees Fifteen) will be made to a candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the Higher Secondary of equivalent examination or value to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.
- (v) A refund of Rs. 28/- (Rupecs Twenty eight) will be allowed in the case of a candidate who took the NDA Examination held in May, 1986 or December, 1986 and is recommended for admission to any of the courses on the results of these examinations provided his request for cancellation of candidature for the NDA Examination May, 1987 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 31st August, 1987.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

- 5. HOW TO APPLY.—A candidate seeking admission to the Examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110 011, on the application form published in the Employment News/Rozgar Samachar and leading daily Newspapers dated 15th November, 1986. The candidates may utilise in original the form published in the Newspapers or in "Employment News" filling up the columns in their own handwriting with ball-point pen. They may also use the application form and the attendance sheet neatly typewritten on white paper (foolscap size) in double space and typed on only one side of the paper. There is no objection to candidates using printed Application Form and Attendance sheet, if available, from private agencies as long as the format is exactly the same as published in the Employment News/Rozgar Samachar and leading daily Newspapers dated 15h November, 1986. Candidates should note that applications filled in on the application forms meant for the newlood examinations will not be considered. Candidates should note that they should appear in the National Defence Academy Examination for all the papers in the examination on the same admission certificate from the Commission. The envelope containing the application should be superscribed in bold letters as "APPLICATION FOR NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION, MAY 1987."
- (a) A candidate must send the following documents with his application:
  - (i) Crossed Bank Draft/Indian Postal Order or Indian Mission receipt for the prescribed fee (unless remission of fee is claimed).

- (ii) Attendance Sheet (vide Appendix II below) duly filled in on foolscap size paper.
- (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm.  $\times$  7 cm. approx.) photograph of the candidate—one pasted on the application form and the o her on the Attendance Sheet in the space provided therein.
- (iv) One self-addressed post-card.
- (v) Three self-addressed unstamped envelopes 11.5 cms  $\times$  27.5 cms. size.
- (b) Candidates should note that only International form of Indian numerals is to be used while filling up he application form. Even if the date of birth in the SSLC or its requivalent certificates has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.
- (c) All candidates, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date will not be consi-

Persons serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for this Examination.

Candidates should note that in case a communication received from their employer by the Commission withholding permission to the candida'es applying for/appearing at the examination their applications shall be rejected/candidatures shall be cancelled.

Candidates serving in the Armed Forces must submit their applications through their Commanding Officer who will forward it to the Commission.

The applications of Sailors (including boys and artificer apprentices) of the Indian Navy will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

Cadets of the Rastriya Iudian Military College (previously known as Sainik School), Dehra Dun, Student of Military Schools (formerly known as King George's Schools) and Sainik Schools run by the Sainik School Society should submit their applications through the Principal of the College/ School concerned.

NOTE:—APPLICATION NOT ACCOMPANIED BY THE PRESCRIBED FEE (UNLESS REMISSION OF HEE IS CLAIMED AS IN PARA 4 ABOVE) OR INCOMPLETE OR DEFECTIVE APPLICATIONS SHALL BE SUMMARILY REJECTED. NO REPRESENTATION OR CORRESPONDEN E REGARDING SUCH REPECTION SHALL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES. CANDIDATES ARE NOT REQUIRED TO SUBMIT ALONGWITH THEIR APPLICATIONS ANY CERTIFICATE IN SUPPORT OF THEIR CLAIMS REGARDING AGE. EDUCATIONAL QUALIFICATIONS, SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES, AND FEE REMISSION ETC. THEY SHOULD THEREFORE. ENSURE THAT THEY PITTED ALT THE EUGIBILITY CONDITIONS FOR ADMISSION TO THE EVAMINATION THEIR ADMISSION TO THE EVAMINATION WILL ALSO THEREFORE BE PURELY PROVISIONAL IF ON VERIFICATION AT ANY LATER DATE IT IS FOUND THAT THEY DO NOT FURFIL ALL ELIGIBILITY CONDITIONS, THEIR CANDIDATES IT IS FOUND THAT THEY DO NOT FURFIL ALL ELIGIBILITY CONDITIONS, THEIR CANDIDATES FOR SUBMISSION TO THE REGULAR APPLICATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EVAMINATION WHICH IS LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF JULY, 1987.

IN THE MONTH OF JULY, 1987.

- 1. CERTIFICATE OF AGE.
- 2. CERTIFICATE OF EDUCATIONAL QUALIFICA-TION.
- 3. CERTIFICATE IN SUPPORT OF CLAIM TO BELONG TO SCHEDULED CASTE/SCHEDULED TRIBE, WHERE APPLICABLE.
- 4. CERTIFICATE IN SUPPORT OF CLAIM FOR FEE CONCESSION WHERE APPLICABLE.
- 5. IMMEDIATELY AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION SUCCESSFUL CANDIDATES WILL BE REQUIRED BY THE ARMY HEADQUARTERS TO FURNISH SOME ADDITIONAL INFORMATION. THE ATTESTED COPIES OF THE ABOVE MENTIONED CERTIFICATES WILL HAVE TO BE SENT TO THE ARMY HEADQUARTERS, AG'S BRANCH RTG. 6(SP)(a) WEST BLOCK-3, WING-I RAMAKRISHNA-PURAM, NEW DELHI-110 022. AT THAT TIME, ORIGINALS WILL HAVE TO BE PRODUCED BY THE CANDIDATES WHO QUALIFY AT THE SSB INTERVIEW SOON AFTER THE INTERVIEW. IF ANY OF THEIR CLAIMS IS FOUND TO BE INCORRECT THEY MAY RENDER THEMSELVES LIABLE TO DISCIPLINARY ACTION BY THE COMMISSION IN TERMS OF PARA 6 BELOW:—

CANDIDATES MAY NOTE THAT THEY SHOULD NOT APPLY TO THE U.P.S.C. FOR APPLICATION FORM. RULES, SYLLABUS ETC. THE APPLICATION FORM PRINTED ALONG WITH THIS ADVERTISEMENT SHOULD BE USED AS EXPLAINED ABOVE.

- A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :-
  - (i) obtaining support for his candidature by any means;
  - (ii) impersonating;
  - (iii) procuring impersonation by any person, or
  - (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
  - (v) making statements which are incorrect; or false or suppressing material information; or
  - (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination: or
  - (vii) using unfair means during the examination; or
  - (viii) Writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
  - (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
  - (x) harassing, doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
  - (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination; or
  - (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable-
  - (a) to be disqualified by the Commission examination for which he is a candidate; or
  - (b) to be debarred either permanently or for a specified period :-
    - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them.
    - (ii) by the Central Government from any employment under them; and

(c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf, and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

#### 7. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS:

The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 29th December 1986 (the 12th January 1,287 in the case of cancidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh division of J & K State, Lahaul & Spiti district and Pangi Sub Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakhadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 29th December, 1986 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram. Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti Distric and Pangi Sub-division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh. Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 29th December, 1986.

### NOTE :

- (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J & K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.
- (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

NO APPLICATION RECEIVED AFTER THE PRESCRIBED DATE WILL BE CONSIDERED.

# 8. CORRESPONDENCE WITH THE COMMISSION / ARMY HEADQUARTERS

The Commission will not enter into any correspondence with the candidates about their candidature except in the following cases.

(i) Every application including late ones received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No is issued to the candidate in token of receipt of application. The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidates does not ipso-facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application with a month from the last date of receipt of

- applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- (ii) Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result of the application will be communicated. But if a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- (iii) Admission certificates, indicating the Roll Nos. will be issued to the candidates who are admitted to the examination and the Roll No. indicated therein will be the same as the Application Registration No. already communicated to the candidates in their Acknowledgement Cards.

No candidate will be admitted to the Examination unless he holds a certificate of admission to the Examination.

The mere fact that a certificate of admission to the examination has been issued to a candidate will not imply that his candidature has been finally cleared by the Commission, or that the entries made by the candidate in his application for the Examination have been accepted by the Commission as true and correct.

- (iv) The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the Examination shall be final.
- (v) Candidate should note that the name in the Admission Certificate, in some cases, may be abbreviated due to technical reasons.
- (vi) A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity. Although the Commission makes every effort to take account of such changes, they cannot accept any responsibility in the matter.

IMPORTANT: ALL COMMUNICATIONS TO THE COMMISSION SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

- 1. NAME OF THE EXAMINATION.
- 2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- 3. APPLICATION REGISTRATION NO. ROLL NUMBER (OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED).
- 4. NAME OF CANDIDATE IN FULL AND IN BLOCK LETTERS.
- 5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN THE APPLICATION.
- N.B. (i) COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii) IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON,

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOINCEMENT OF THE RESILE OF THE WRITTEN PART OF THE FXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY

HEADQUARTERS, A.G.'S BRANCH RTG., 6 (SP) (a) WEST BLOCK 3. WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPR'VE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters. AG's Branch RTG. 6 (SP) (a) West BLOCK 3, WING 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Candidates are required to report for SSB interview on the data of in in the call-up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in exceptional circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ will be sole deciding authority.

Candidates who qualify at the SSB interview on the results of the written examination will be required to submit their original certificates in support of their age and educational qualifications etc. to Army HQ, Rtg 6 (SP) (a), West Block III, R.K. Puram, New Delhi-110022, soon after the interview.

Candidates whose names appear in the final merit list issued by the UPSC must notify their latest address to Army HQ, AG's Branch Rtg. 6(SP) (a) West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram. New Delhi-110022, immediately after publication of the merit list in the newspapers, if there is any change in the address already given so that joining instruction issued by the Army HQ reach them in time. In case this is not done, the responsibility of non-receipt of the joining instruction will rest with the candidate.

9. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES. ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES:—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests, where candidates for the Army/Navy will be assessed in officer potentiality and those for the Air Force in Pilot Aptitudo Test and officer potentiality. The maximum marks obtainable at these tests are 900.

Candidates will appear before Services Selection Board and undergo the tests thereat a their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief, from Comment in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligates of any purson or otherwise. Parents or guardians of the condidates will be required to sign a certificate to this effect

To be acceptable candidates for the Army/Navy should tecure the minimum qualifying marks separately (i) written examination and (ii) officer potentiality tests, as fixed by the Commission in their discretion, and candidates for the Air Force should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination (ii) officer potentiality test, and (iii) Pilot Amitude Test fixed by the Commission in their discretion. Subject to these conditions the qualified candidates will then be placed in the final order of merit on the bacis of total marks secured by them in the written examination and the Services Selection Board Tests in two separatelints—one for the Army and the Navy and the other for the Air Force. The names of candidates who qualify for all the Services will appear in both the Merit List. The final selection for admission to the Army and Naval Wings of the National Defence Academy will be made in order of Merit upto the number of vaccnoies available from the order to merit lists for the Army and Navy and for the Air Force Wing from the order of merit list for the Air Force subject

to medical fitness and suitability in all other respects. The candidates who are common to both the merit lists will be considered for selection from both the lists with reference to their order of preferences and in the event of their final selection from one list, their names will be cancelled from the other list.

N.B.—EVFRY CANDIDATE FOR THE A'R FORCE IS GIVEN PILOT APTITUDE TEST ONLY ONCE THE GRADES SECURED BY HIM AT THE FIRST TEST WILL THEREFORE, HOLD GOOD FOR EVERY SUBSEQUENT INTERVIEW HE HAS WITH THE AIR FORCE SELECTION BOARD. A CANDIDATE WHO FA'LS 'N THE FIRST PILOT APTITUDE TEST CANNOT APPLY FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION FOR THE AIR FORCE WING OR GENERAL DUTIES (PILOT) BRANCH OR NAVAL AIR ARM.

Candidates who have been given the Pilot Aptitude Test for any previous N.D.A. course should submit their application for this examination for the Air Force Wing only if they have been notified as having qualified in Pilot Aptitude Test.

The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success in the examination confers no right of admission to the Academy. A candidate must satisfy the appointing authority that he is suitable in all respect for admission to the Academy.

10. DISQUALIFICATION FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE:—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, but were removed therefrom for lack of officer-like qualities or on disc plinary grounds will not be admitted to the Academy.

Candidates who were previously withdrawn from the National Defence Academy on medical groun is or left the above Academy voluntarily are however, eligible for admission to the Academy provided they satisfy the medical and other prescribed conditions.

11. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examination". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examination or Selections.

The book is priced publication and is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building Cinema, New Delhi-110001, and (iii) Sale counter of the Publication Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot. 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

12. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. K. KR'SHNAN,
Deputy Secretary
Union Public Service Commission

APPENDIX-I
(THE SCHEME AND SYLLABUS OF EXAMINATION)
A COUPME OF THE EXAMINATION
IMPORTANT NOTE
A. SCHEME OF THE FXAMINATION
IMPORTANT NOTE

Union Public Service Commission in consultation with the Ministry of Defence have simplified the previous Scheme of

National Defence Academy Examination. The previous Scheme of the National Defence Academy Examination comprised five papers. 2 of Mathematics, 2 of General Knowledge and 1 of English, each of two hours duration spread over a period of three days. The new revised Scheme which has been introduced from National Defence Academy Examination, December, 1986 is a simplified one and consists of two papers—(i) Mathematics covering Maths I and II of previous Scheme, and (ii) General Ability Test covering General Knowledge and the English of previous Scheme as per details given below:—

1. The subject of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows:—

Subject			Duration	Max. Marks
Mathematics ·	•		3 hours	300
General Ability Test	•	٠	3 hours	600
				900

2. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. THE QUESTION PAPERS (TEST BOOKLETS) WILL BE SET IN ENGLISH ONLY.

The "Candidates Information Manual" containing details pertaining to objective type Tests including sample questions will be supplied to candidates alongwith the Admission Certificate.

- 3. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.
- 4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.
- 5. The Commission have descretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.
- 6. The candidates are not permitted to use calculators or Mathematical or logarithmic tables for answering objecting type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside examination hall.
- B. SYLLABUS OF THE EXAMINATION PAPER—I MATHEMATICS—Maximum Marks...300.

#### Arithmetic

Number Systems—Natural numbers. Integers, Rational and Real number, Fundamental operation—addition, substraction, Multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work. Percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory. Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9, and 11. Multiples and factors Factorisation Theorem. H.C.F. and L.C.M. Euclindean algorithm.

Logarithms to base 10 laws of logarithms.

#### Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and Circles. Area of figures which can be split up into these figures (Field Book). Surface area and volume of suboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

#### Algebra

Basic Operations, simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. of polynomials. Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients, (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations to two 39—326 GI/86

unknown analytical and graphical solutions, Practical problems leading to two simultaneous linear equations in two variables or quadractic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expression and conditional identities. Law of indices.

#### Geometry

Lines and angles. Plane and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles sides and diagonals of its parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and their

#### Trigonometry

Sine × Cosine × Tangent × when  $0^{\circ} \le \times \le 90^{\circ}$ Value of sin × cos × and tan × for × .0°, 30°, 45°, 60° and 90°,

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometrical tables.

Simple cases of heights and distances

#### Statistics

Collection and tabulation of stitistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms bar charts pie charts etc.

Calculation of mean of raw and grouped data.

PAPER-II-GENERAL ABILITY TEST (Maximum Marks —600).

Part 'A'-ENGLISH (Maximum Marks 200)

The question paper in English will be designed to test the candidate's understanding of English and work-man-like use of words. The syllabus covers various aspects like: Grammar and usage, vocabulary comprehension and cohesion in extended texts to test the candidate's proficiency in English.

Part 'B'—GENERAL KNOWLEDGE (Maximum Marks—400).

The question paper on General Knowledge will broadly cover the subjects; Physics, Chemistry General Science, Social Studies, Geography and Current Events.

The syllabus given below is designed to indicate the scope of these subjects included in this paper. The topics mentioned are not to be regarded as exhaustive, and questions of topics of similar nature not specifically mentioned in the syllabus may also be asked. Candidate's answers are expected to show their knowledge and intelligent understanding of the subject.

#### Section 'A' (Physics)

Physical Properties and States of Matter, Mass, Weight, Volume, Density and Specific Gravity, Principle of Archimedes, Pressure Barometer.

Motion of objects, Velocity and Acceleration. Newton's Laws of Motion. Force and Momentum. Parallelogram of Forces, Stability and Equilibrium of bodies, Gravitation, elementary ideas of Work, Power and Energy.

Effects of Heat Measurement of Temperature and Heat. Change of State and Latent Heat. Modes of transference of Heat.

Sound waves and their properties, Simple musical instruments.

Rectilinear propagation of Light. Reflection and refractions, Spherical mirrors and Lenses. Human Eye.

Natural and Artificial Magnets. Properties of a Magnet, Earth as a Magnet,

Static and Current Electricity Conductors and Non-conductors, Ohm's Law Simple Electrical Circuits. Heating,

Lighting and Magnetic effects of Current. Measurement of Electrical Power, Primary and Secondary Cells. Use of X-Rays.

General Principles in the working of the following:-

Simple Pendulum Simple Pulleys, Siphon, Levers, Bailoon, Pumps, Hydrometer, Pressure Cooker, Thermos Flask, Gramophone, Telegraphs, Telephone, Periscope, Telescope, Microscope, Mariner's Compass, Lightning Conductors, Safety Fuses.

Section 'B' (Chemistry)

Physical and Chemical changes. Elements, Mixtures and Compounds, Symbols, Formulae and simple Chemical Equations. Law of Chemical Combination (excluding problems). Properties of Air and Water.

Preparation and Properties of Hydrogen, Oxygen, Nitrogen and Carbon dioxide, Oxidation and Reduction.

Acids. Bases and Salts.

Carbon-Different forms.

Ferilizers-Natural and Artificial.

Materials used in the preparations of substances like Soap, Glass Ink Paper. Cement, Paints, Safety Matches and Gun-Powder.

Elementary ideas about the Structure of Atom Atomic Equivalent and Molecular Weights. Valency

Section 'C' (General Science)

Difference between the living and non-living.

Basis of Life-Cells Protoplasms and Tissues.

Growth and Reproduction in Plants and Animals.

Elementary knowledge of human Body and its important organs.

Common Epidemics, their causes and prevention.

Food-Source of Energy for Man. Constituent of food, Balanced Diet.

The Solar System Meteors and Comets, Eclipses.

Achievements of Eminent Scientists.

Section 'D' (History, Freedom Movement etc.)

A broad survey of Indian History, with emphasis on Culture and Civilisation:

Freedom Movement in India.

Elementary study of Indian Constitution and Administra-

Elementary knowledge of Five Years Plans of India.

Panchavati Raj, Co-operatives and Community Development.

Bhoodan, Sarvodaya, National Integration and Welfare State, Basic teaching of Mahatma Gandhi.

Forces shaping the modern world; Renaissance Exploration and Discovery; War of American Independence, French Revolution. Industrial Revolution, and Russian Revolution. Impact of Science and Technology on Society.

Concept of one World, United Nations Panchsheel, Democracy, Socialism and Communism, Role of India in the Present world.

Section 'E' (Geography)

The Earth, its shape and size. Latitudes and Longitudes. Concept of Time. International Date Line. Movements of Earth and their effects.

Origin of Earth, Rocks and their classification, Weathering Mechanical and Chemical, Earthquakes, and Volcanoes.

Ocean Currents and Tides.

Atmosphere and it, composition; Temperature and Atmospheric Pressure. Planetary Winds, cyclones and Anticyclones; Humidity; Condensation and Precipitation; Types of Climate. Major Natural regions of the World.

Regional Geography of India-Climate, Natural vegetation. Mineral and Power resources, location and distribution of agricultural and industrial activities.

Important Sea Ports and main sea, land and air routes of India, Main items of Imports and Exports of India.

Section 'F' (Current Events)

Knowledge of Important events that have happened in India in the recent years.

Current important world events.

Prominent personalities-both Indian and International including those connected with cultural activities and sports.

NOTE :-

Out of maximum marks assign to part 'B' of this paper questions on Sections 'A', 'B', 'C', 'D', 'E' and 'F' will carry approximately 25%, 15%, 10%, 20%, 20% and 10% weightages, respectively.

# INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to Intelligence Test both verbal and non-verbal designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Test, such as group discussions, group-planning, outdoor group tasks and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interest in current affairs.

# APPENDIX II

GUIDELINES FOR PHYSICAL STANDARDS FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY

NOTE:—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARDS. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW:—

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit/temporary unfit will be intimated by the President of the Medical Boards and the procedure for request for an Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidates must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below:—

- (a) The candidate must be in good physical and mental health and free any disease /disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties.
- (b) There should be no evidence of weak constitution bodily defects of under-weight.
- (c) The minimum acceptable height is 157.5 cms. (157 cms. for Navy and 162.5 cms for Air Force) For Gorkhas and individuals belonging to hills of North Eastern regions of India, Garhwal and Kumaon, the minimum acceptable heights will be 5 cms. less. In

-------

\_\_\_\_

case of candidates from Laccadives the minimum acceptable height can be reduced by 2 cms. Height and weight standards are given below :-

#### HEIGHT/WEIGHT STANDARDS

					We	ight in Kgs.	
_	Centi ਜਾਣਤ)		:3		15-16 years	16-17 years	17-18 years
152	 				41 .0	42 · 5	44 .0
155					42.0	43 - 5	45 - 3
157					43.0	45 .0	47 -0
160					45.0	46.5	43 €
162					46.5	48 -0	50 -0
165					48 -0	50.0	52 (
167		-			49.0	51 ·0	53 -(
170					51.0	52·5	55 (
173					52 - 5	<b>54</b> · 5	57 ⋅0
175					54.5	56.0	59 (
178				•	56.0	58 ·O	61-0
180					58 - 5	60 ∙0	63 (
163					oj (0	62 - 5	65 (

 $A + 10\% (\pm A 6 \text{Kgs. for Navy})$  dearture from average weight given in the table above is to be considered within normal limits. However, in individuals with heavy boxes and broad-built as well as individuals with thin built but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit,

Plan I ---- bight relaxation upto 2.5 (5 cm for Navy may be allowed where the M-dical Board certifies that the candidates is likely to grow and come up to the required standard on completion of his training,

Nove 2 :- To meet special requirement as a Pilot in the Air Force the accompble measurements of leg length, thigh length and sitting height will be as under :-

		. —	  1inimum	Maximum	
Leg Length			99 -00	120 -00 cms	
Thigh Length			_	64 · 00 cms	
Sitting Height	•		81 -50	96 ·00 cms	

On account of lower age of NDA candidates, a margin of upto 5.0 cm in height, 2.5 cm in leg length (minimum) and 1.0 cm sitting height (minimum) may be given provided it is certified by the medical board that the candidate is likely to grow and come upto the required standard on completion of his training in NDA,

- (d) Chert should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lower edge should touch the gipple in front and the upper part of the tape should touch the lewer angle of the shoulder blades behide. X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.
- (e) There should be no disease of bones and joints of the bed. X-ray of spine of candidates will not be corried out as a routine. It will, however, be done on the advice of surgical specialist wherever clinically indicated. Minor congenial defects which are not likely to interfere in the performance of military duties may be acceptable on merit,

#### FOR AIR FORCE

Spinal Conditions

- (1) The following past medical history is disqualifying for Air Force duties;
  - (i) Disease or injury of the spine or sacroiliac joint cutter with or without objective sign, which has prevented the candidate from successfully following a physically active life.
  - (ii) prolapse intervertebral disc and surgery for that
- (g) Thorough Clinical examination of the spine including its shape, local tenderness if any, spinal movements etc. is to be carried out. For candidates for aircrew duties only. X-ray of lumbosacral verteb.ac (AP and Lateral views), is to be carried out.
- (h) Mild Lyphosis or Lordosis where deformity is barely noticeable and there is no pain or restriction of movement will not preclude acceptance.
  - (i) In case of noticeable Scoliosis or suspicion of any other abnormality or spinal deformity, more than mild, appropriate X-rays of the spine are to be taken and the Examince referred for specialist's advice.
- (j) The following conditions detected on X-ray examination will be disqualifying for entry to Air Force:
  - (i) Granulomatious disease of spine.
  - (ii) Arthritis/spondylosis,
  - (iii) Scoliosis more than 15 degree as measured by Cobb's Method,
  - (iv) More than mild Kyphosis/Lordosis.
  - (v) Spondylosthesis/Spondylosis.
  - (vi) Herniated nucleus pulposus,
  - (vii) Compression fracture of Vertebra,
  - (viii) Scheurman's Disease,
  - (ix) Cervical ribs with demonstrable neurological or Circulatory deficit.
  - (x) Any other spinal abnormality, if so considered by the Specialist.
- (k) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.
- (1) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a lorced whisper with each ear at a be able to near a forced whisper with each car at a distance of 610 cms in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear, nose and throat. Audiometric test will be done for AP. Audiometric loss should not exceed + 10db in trequencies between 250 Hz and 4000 Hz.
- (m) There should be no signs of functional or organic disease of the heart and blood vessels. Blood pressure should be normal.
- (n) The muscles of abdomen should be will developed and there should be no enlargement or liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be a cause for rejection.
- (o) Unoperated hernias will make a candidate unfit. If operated this should have been done at least a year prior to the present examination and the healing is complete.
- (p) There should be no hydrocele, varicocele or piles.
- (q) Urine examination will be done and any abnormality if detected will be a cause for rejection.
- (r) Any disease of skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be a cause for rejection.

(s) A candidate should be able to read 6/6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses. (For Navy 6/6, 6/9 without glasses and Air Force without glasses only). Myopia, should not be more than 2.5 D and hypermetropia not more than 3.5 D including Assignation Internal examination of the including Astigmatism. Internal examination of the including Astigmatism. Internal examination of the eye will be done by means of opthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP III for Army. A candidate should be able to recognise red and green colours. The candidates for the Navy should have CPI by MLT and normal night vision acuity. They will be required to give certificate that neither he nor any member of his family had suffered from congenial night blindness.

Vision standard for Naval candidates Distant vision-6/6 6/9 Correctable to 6/6 Near vision-N-5 each eye Colour vision CPI by MLT.

Myopia is not to exceed 0.5 dioptres and Hypermetropia not more than 1.50 dioptres in the better eye and 2.50 dioptres in the worse eve.

Occular Muscle Balance Heterophoria with the Maddox Rod test must not exceed

blindness.

(i) at 6 metres · Exophoria 8 prism dioptres Esophoria 8 prism dioptres

Hyperphoria 1 prism dioptres

(ii) at 33 cm Exophoria 16 prism dioptre Esophoria 6 prism diopter Hyperphoria 1 prism dioptre

for Air Force, the criteria are :-

Distant Vision · 6/6 6/9 correctable to 6/6

Near Vision N-5 each eye · CPI (MLT) Colour Wision

Manifest

Must not exceed 2.10 Hypermetropia

Myopia · ·

+ 0.75 D Cyl Astigmatism

Ocular Muscle Balance

Heterophoria with the Maddox Rod Must not exceed-

(i) at 6 metres · Exophoria 6 prism dioptres Esophoria 6 prism dioptres Hyper/Hypophoria 1 prism

dioptre. Exophoria 16 prism dioptre (ii) at 33 cms

Esophoria 6 prism dioptre Hyper/Hyperphoria 1 prism

dioptre.

(iii) Binocular Vision · Must possess good binocular vision (fusion and sterwopsis

with good amplitude and

depth.)

- (t) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22. A candidate should not be suffering from severe pyorrhoea.
- (u) Routine ECG and EEG for Air Force Candidates must be within normal limits.

# APPENDIX III

(Brief Pariculars of the Services etc.)

- 1. Before a candidate joins the Academy, the parent or guardian will be required to sign:-
  - (a) a certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
  - (b) a bond to the effect that if for any reasons considered within the control of the candidate he wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.
- 2. The cost of training including accommodation, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses. Normally, these expenses are not likely to exceed Rs. 75.00 p.m. If in any case a cadet's pa unable to meet wholly or partly even this . assistance up to wholly or partly even this.

  Rs. 75.00 p.m. for the 1st and 2nd years. Rs. 80.00 p.m. for the 3rd year training at NDA and Rs. 90.00 p.m. for further specialist training in Army Navy Air Force Training Establishments may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 p.m. or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from account for determining the eligisources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent guardian of a candidate desirous of having financial assistance from the Government should immediately after his son ward having been finally selected for training at the National Defence Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will forward the application with his recommendation to the Commandant National Defence Academy, KHADAKWASLA, PUNE (411023).

- 3. Candidates finally selected for training at the Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant, National Defence Academy, on arrival there:
- (a) Pocket allowance for five months at Rs. 75 ·00 per month · · Rs. 375 ·00
- (b) for items of clothing and equipment Rs. 650.00
- (c) Incidental Expenditure during I

Semester Rs. 150.00

Rs. 1175 ·00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial aid being sanctioned to them:

- (a) Pocket allowance for five months at ] Rs. 75 00 per month Rs. 375 · 00
- For items of clothing and equipment
- approximately Rs. 475 ·00
- 4. The following scholarships are tenable at the National Defence Academy:
- (1) PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship-This scholarship is granted to boys who belong to MAHARA-SHTRA AND KARNATAKA and whose parents' income is between Rs. 350.00 and 500.00 per month from all sources. The value of the scholarship is equal to the Government financial assistance. It is admissible for the quration of a Cadets

- stay in the National Defence Academy and other Pre-commission training establishment subject to the Cadet's good conduct and satisfactory progress in the training and his parents' income remaining below the prescribed limit. Cadets who are granted this scholarship, will not be entitled to any other manicial assistance from the Government.
- (2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Schola ship—The scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and awarded to a MARATHA cadet who should be the son of an ex-serviceman. The scholarship is in addition to any mancial assistance from the Government.
- (2) COLONEL KENDAL FRANK MEMCRIAL Scholarships are awarded to two cadets who obtain the highest contion amongst candidates from BIHAR. The value of each scholarship is Rs. 37.00 per mensem tenable for a maximum period of 4 years during the tunining at the National Defence Academy Khadakwasla and thereafter at the Indian Military Academy, Dehra Dun and the Air Force Flying College; and Naval Academy Cochin where the cadets may be sent for training on completion of their training at the National Defence Academy. The scholarships will, however, be continued subject to making good progress at the above institution.
- (4) ASSAM GOVERNMENT Scholarship—Two scholarships will be awarded to the cadets from ASSAM. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per mensem and is tenable for the duration of a cadet's stay at the National Detence Academy. The scholarships will be awarded to the two best cadets from ASSAM without any reference to the income of their parents. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.
- (5) UTTAR PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—Two scholarships each of the value of Rs. 30.00 per month and an outfit stipend of Rs. 400.00 are awarded to two cadets who belong to UTTAR PRADESH on ment-cum-menus basis and are tenable for a period of three years subject to satisfactory performance by the cadets at National Defence Academy. Cadets who are granted these Scholarships are not entitled to uny other financial assistance from Government.
- (6) KERALA GOVERNMENT Scholarships—One ment scholarship of the value of Rs. 480/- per annum for the entire period of training at NDA, will be awarded by the State Government of Kerala to a Cadet who is a domiciled resident of the State of KERALA and who secures the first position in the all India UPBC Entrance Examination to NDA irrespective of the fact whether he has passed out from RIMC or from any of the Sainik Schools in India. The financial position of a Cadet's father/guardian is not taken into consideration.
- (7) BIHARI LAL MANDAKINI Prize—This is a cash prize of Rs. 500.00 available for the best BENGALI boy in each Course of the Academy. Application forms are available with the Commandant, National Defence Academy.
- (8) ORISSA GOVERNMENT SCHOLARSHIPS—These scholarships, one for the Army, one for the Navy and the other for the Air Force of the value of Rs. 80.00 each per month will be awarded by the Government of Orissa to the cadets who are permanent residents of the State of ORISSA. Two of these scholarships will be awarded on the basis of merit-cum-means of the cadets whose parent's or guardian's income does not exceed Rs. 5,000 per annum and the other one will be given to the best cadet irrespective of his parent's or guardian's income.
- (9) WEST BENGAL GOVERNMENT SCHOLARSHIPS—Following categories of scholarships are awarded by the West Bengal Government to those cadets who are permanent residence of WEST BENGAL:—
  - (a) Category 1.—These scholarships, one each for Army, Navy and Air Force at the rate of Rs. 360/per annum during 1st and 2nd years at the Rate of Rs. 480 per annum during the 3rd year at the Academy and each year at the specialised training institution, with an initial outfit stipend of Rs. 400 in addition for those cadets who are not eligible for any other scholarships at the Academy.

- (b) Category 2—The scholarship of a lumpsum grant of Rs. 100 per annum in addition to Government financial assistance.
- (10) Pilot Officer GURMEET SINGH BEDI MEMORIAL scholarships—One Scholarship of Rs. 420.00 per annum is granted to the cadet who stands highest in the overall order of merit amongst Air Force Cadets at the end of the 4th term. It is for the duration of one year ((during 5th and 6th terms). This scholarship will be withdrawn if the receipient is relegated or withdrawn during the period of its receipts the Cadet who is already in receipt of any such merit scholarship or financial assistance is not entitled to this scholarship.
- (11) HIMACHAL PRADESH GOVERNMENT Scholar-ships—Four scholarships will be awarded to cadets from HIMACHAL PRADESH. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per month during the first two years of training and Rs. 48.00 per month during the third year of training. These scholarships will be available to those cadets whose parents income is below Rs. 500.00 per month. No cadet in receipt of financial assistance from the Government will be eligible for this scholarship.
- (12) TAMIL NADU COVERNMENT Scholarship—The Government of Tamil Nadu has instituted at NDA one scholarship per course of the value of Rs. 30/- per month plus an outfit allowance of Rs. 400/- (one only during the entire period of cadet's training) to be awarded to a cadet belonging to the State of TAMIL NADU whose parents/guardians monthly income does not exceed Rs. 500/-. The application by an eligible cadet can be made to the Commandant, National Defence Academy on their arrival.
- (13) KARNATAKA GOVERNMENT Scholarship—The Government of Karnataka has awarded 18 scholarships (eighteen Scholarships) 9 in respect of courses commencing from January and 9 in respect of course from July every year for award to cadets from Karnataka State who join the National Defence Academy after completion of their education at the Sainik School. Bijapur or at the Rashtriya Indian Military College, Dehra Dun. The value of the scholarship shall be Rs. 480/- (Rupees four hundred and eighty) each per annum.
- Four (4) more scholarships (two per term) at the rate of Rs. 480/- per annum for the cadets of Karnataka State who join NDA after completion of education other than at Sainik School, Bijapur/RIM College, Dehra Dun have been awarded.
- (14) ALBERT EKKA Scholarship—The Government of Bihar has instituted at NDA 25 Merit Scholarship at Rs. 50/per month for entire period of six terms at the NDA and Rs. 650/- one time towards clothing and equipment. The cadet awarded the above merit scholarship would not be eligible for any other scholarship or financial assistance from the Government. The application by an eligible cadet can be made to the Commandant National Defence Academy on their arrival.

Terms and conditions gove ning these scholarship are obtainable from the Commandant, National Defence Academy

#### KHADAKWASLA, Pune (411023).

- 5. Immediately after the selected candidates join the Academy, a preliminary examination will be held in the following subjects:—
  - (a) English;
  - (b) Mathematics;
  - (c) Science;
  - (d) Hindi.

The standard of the examination in the subjects, at (a), (b) and (c) will not be higher than that of the Higher Secondary Examination of an Indian University or Board of Higher Secondary Education. The paper in the subject

at (d) is intended to test the standard attained by the candidate in Hindi at the time of joining the Academy.

Candidates are therefore advised not to neglect their Studies after the competitive examination.

#### Training

- 6. The selected candidates for the three services viz., Army, Navy and Air Force are given preliminary training both academic and physical for a period of 3 years at the National Defence Academy which is an Inter-Service Institution. The training during the first two and a half years is common to the cadets of three wings. The cadets on passing out will be awarded B.Sc./B.A. degree from Jawaharlal Nehru University, Delhi.
- 7. On passing out from the National Defence Academy, Army Cadets go to the Indian Military Academy, Dehra Dun, Naval Cadets to the Cadets Trainigship and Air Force cadet to

#### EFS BIDAR.

- 8. At the I.M.A. Army Cadets are known as Gentlemen cadets and are given strenuous military training for a period of one year aimed at turning officer capable of leding infantry Sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanen Commission in the rank of 2nd/Lt. subject to being medically fit in "SHAPE".
- 9. The Naval cadets are selected for the Executive, Engineering and Electrical Branches of the Navy, on passing out from the National Deferce Academy and are given sea training on the Cadet Trainingship for a period of six menths on successful completion of which they are promoted to the rank of Midshipmen. After a future training of 6 months in the respective branches to which they are allocated they are promoted to the rank of acting Sub-Licutenants.
- 10. Air Force Cadets receive flying training for a period of 13 years. However, at the end of 1 year of training they are given provisional commission in the rank of Pilot Officer. After successful completion of further training of six months they are absorbed as permanent commissioned officers on probation for a period of one year.

# TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE

# 11. ARMY OFFICERS

#### (i) PAY

Rank			Pay Scale	Rank	Pay Scale
			Rs.		Rs.
2nd Lieut	•	•	750790	Lt. Colonel (time scale)	1900 fixed
Lieut Captain	•		830950	Colonel	1950-2170
Captain	•	•	1100— 1550	Brigadier	2200—2400
Major	•	٠	1450 1800	Major- General	2500—125/ —2750
Major	٠	•	1800		
(Selection Gra	de)	•	50-1900		
Lt. Colonel by selection			1750-—1950	Lt. General	3000 p.m.
Lt. Col.		•	2000	Lt. General	3 250 p.m.
(Selection			502100	(Army	
Grade Pay)	•	٠		Commander	)

#### (ii) QUALIFICATION, PAY AND GRANT

Officers of the rank Lt. Col. and below possessing certain prescribed qualification are entitled to lump sum grant of Ks. 1600|- 2400|-, 4500|- or 6000|- based on the qualifications held by them. Flying instructors (Cat 'B') are authorised to qualification pay @ Rs. 70|-.

#### (iii) ALLOWANCES

In addition to pay an officer at present receives the following

- (a) Compensatory (City) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 75/- p.m.
- (c) Expatriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
- (d) Separat'on allowance—Married Officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 140/- P.m.
- (e) Outfit Allowance—Initial outfit allowance is Rs. 2100]. A fresh outfit allowance @ Rs. 1800]. is payable against claim after every 7 years of effective service commencing from the date of first commission.
- (f) Free rations are provided upto the level of Brigadier in the Army.

#### (iv) POSTING

Army officers are liable to serve any where in India and abroad.

#### (v) PROMOTION

#### (a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks.

(i) By Time Sca	le			Minimum Service Limit
Lt	•	•	•	2 years of Commissioned service
Captain	•	•	•	6 years of commissioned service
Major	•	•	•	13 years of commissioned service
Lt. Col. from promoted by	-			25 years of commissioned service
(ii) By Selection				
Lt. Col	•	•	•	15 years of commissioned service
Col	•	•	•	20 years of commissioned service
Brigadier	•	•	•	23 years of commissioned service
Major Gen	•	•	•	25 years of commissioned service
Lt. Gen	•	•	•	28 years of commissioned service
Gen	•	•	٠	No restriction.

#### (b) Acting Promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum service limits subject to availability of vacancies:

Captain	•	•	•	3 years
Major	•			6 years
Lt. Colonel				6-1/2 years
Col.	•			8-1/2 years
Brigadier	•	•		12 years
Maj. General		•	٠.	20 years
Lt. GeŒeral				25 years

#### 12. NAVAL OFFICERS

#### (i)PAY

				Pay	Scales
Rank			-	General service	Navel Avia- tion and Submarine
				Rs.	Rs.
Midshipman				560/-	560/-
Ag. Sub. Lieut				750/-	825/
Sub-Lieut				830-870	910-950
Lieut		٠		1100-1450	1200-1550
Lieut Cdr ·				1450-1800	1450-1800
Lieut Cdr. (Selection	ı Gr	ade)		1800-1900	1800-1900
Cdr.				1750-1950	1750-1950
Cdr. (Time Scale)				1900 (Fixed)	1900 (Fived)
Cdr. (Selection Ora-	do)			2000-2100	2000-2100
Captain				1950-2400	1950-2400
				which entitled Seniority as c	
Rear Admiral		٠	•	2500-125/2-27	750
V155-Ad niral			٠	3000/- p.m.	
Vice Admiral (VCNS/FOC-ia-C)	•	٠	٠	3250/- p.m.	

Qualifications pay/grant is also admissible to-

Officers of the rank of CDR and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualification held by them. Flying Navigator/Instructor categories A&B are authorised to qualification pay of Rs. 100/- and 70/- p.m. respectively.

#### (ii) ALLOWANCE

- (a) Compensatory (City) Allowance, Dearness Allowances and interim relief are admissible at the same rates and under same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) Kit Maintenance Allowence at the rate of Rs. 75/p.m.
- (c) Expatriation Allowance when serving ashore ex-India or affoat outside certain longitudinal and latitudinal limits. The rates vary from Rs. 50/- p.m. to Rs. 250/- p.m. depending on ranks.
- (d) Separation Allowance at the Rate of Rs. 140/- p.m. to married officers serving affoat during the period their ship is away from its base port.
- (e) Outfit Allowance at Rs. 2400/- on first Commissioning Renewal Outfit Allowance of Rs. 2100/- after every seven years of effective service.
- (f) Free rations are provided unto the level of Commodore in the Navy.
- (g) Encashment or unavailed Appual Leave @ of 30 days per year for a maximum of 180 days on superannuation

Naval Aviation Officers are entitled to Flying Pay of monthly rates and under the conditions applicable to corresponding ranks for Air Force Officers and Officers of Engineering and Electrical Branches are entitled to Technical Pay ranging from Rs. 75/to 250/- p.m.

In addition to above, Navel Officers are also entitled to certain special concessions; like hardlying money submarine

allowance, submarine pay, diving pay and survey bonty on fulfilment of certain conditions attached to each.

#### (iii) PROMOTIONS

#### (a) Substantive Promotions

The following are the service limits for the grant of substantive premotion to hether ranks—

#### By time Scale

Sub Lt.	•			l year
Lt.	•	٠	•	3 years (subject to gain forofeiture of seniority)
Lt. Cdr.		•		8 years seniority as Lt.
Cdr.	٠	•	•	24 years commissioned service (if not promoted by selection)

#### By Selection

Cmdr. Executive

Branch · · · · · 2—8 years of seniority as
Lt. Cdr.

# Cmdr. Engineering

Bracech ... · · · 2—10 years seniority as Lt · Cdr.

#### Cmdr. Electrical

Branch · · · · 2—10 years seniority as Lt.

Cdr.

Capt. . . . 4 years seniority as Cdr. Rear Admiral . . . No restriction

Vice Admiral No restriction

#### (b) Acting Promotion

There is no service limit for grant of acting promotion in the Navy except to the rank of Lt. Cdr. for which an officer should have attained 6 years seniority as Lieutenant.

#### 13. AIR FORCE OFFICER

#### (i) PAY

Rank				Pay Scale
	- <del></del>		<b>→</b>	Rs.
Plt, Offt				- 825 - 865
Fg. Offr.				- 9101030
Flt. Lt.				· 1390—1550
Sgn. Ldr.			•	· 1650—1800
Wg, Cdr. (S	electio	on)		· 1750 -1950
Wg. Cdr. (T				1900 (fixed)
Gp. Capt.				· 1950 ~-2175
Air Cdr.				· 22002400
Air Vice-Ma	irshal	-		2500 - 2750
Air Marshal	1 .			· 3000
Air Marshal	(VC	4S an	d	
AOSC-in-C				., 3250
Air Chief M	farshe	11 (CA	<b>4.S</b> )	4000

#### (ii) ALLOWANCES

(a) Flying Pay—Officers of the Flying Branch (Pilots and Navigators) are entitled to get flying pay at the following rate:—

#### Rs.

23322	11112	GAZI	1115 01	11111111		
Bra	ealification anch Officer ation at the	posses	ising certai	in preso		lyin; quali
Qualification	n Pay ·		R <sub>3</sub> . 100 p. of Rs. 70 p.m.	.m,		
Qualification	n Grants ·		1			
(c) Ki p.n	t Maintenan n.	ce Allov	vance at th	he rate	of Rs.	75/
(d) Ex	pariation A	llowance	Ranging	from	25% to	40%

- (depending upon the rank held) of the Foreign Allowance admissible to a single. Third Secretary Second Secretary/First Secretary/Counsellor, serving in the country where IAF Officers are required to move as body of trop.
- (e) Separation Allowance-Married Officers of the rank of Air Vice Marshal and above posted to Units/ Formations located at Non-family stations areas notified as such by Government for this purpose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs. 140/-
- (f) Outfit Allowance—Rs. 2100/- initially (as modified from time to time) towards cost of uniform/equipment which an officer has to possess; Rs. 1800/- for renewal after every seven years.
- (g) Free rations are provided upto the level of Air Commodore in the Air Force.

# (iii) PROMOTIONS

Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks-

By Time Sca	le				
Flying Officer		•	•	•	1 year commissioned service.
Flt. Lt.	•	•	•	•	5 years Commissioned service.
Sqn. Ldr.	•	•	•	•	11 years commissioned service.

Wg. Cdr.	•		٠	٠	On completion of 24 years of commissioned service if not promoted by selection
By Seldction					
Wg. Cdr.	•	•	•		15 years reckonable total
					commissioned service.
Gp. Capt.			•		22 years reckonable total
_					commissioned service.
Air Cmdr.					24 years reckonable total
				_	commissioned service.
Air Vice-Mai	rshal				26 years reckonable total
					commissioned service.
Air Marshal					28 years reckonable total
	`				commissioned service.

#### (b) Actiog Promotion

The following are the minimum service limit required acting promotion of officers

acing promotion	O1 I	Difficers	
Flt. Lt.		•	· 2 years
Sqn. Ldr. ·	•	•	· 5 years
Wg. Cir.	٠	٠	· 5 years (After service of 1
Gp. Captain ·			year in the rank of Sqndr. 8 years (After service of 1 - year in the rank of Wg. Cdr.)
Air Cdr.	٠	•	<ul> <li>11-1/2 years (After service of 3 years in the ranks of).</li> <li>Wg. Cdr. and Gp. Captan.</li> </ul>
Air Vice-Marsha	1 •	•	<ul> <li>15 years (After service of 5 years in the ranks of Wg.</li> <li>Cdr., Gp. Capt. and Air</li> <li>Cdr.)</li> </ul>
Air Marshal •	•	. •	· 23 years
I clusive of bro	oken	period.	

#### 14. RETIRING BENEFITS

Pension, gratuity and casually pensionary award will be admissible in accordance with the rules in force from time to

# 15. LEAVE

Leave will be admissible in according with the rules in force from time to time.